HINDI & ENGLISH

हिंदी एवं अंग्रेजी

PREFACE

Proficiency in both Hindi and English is essential for success in competitive exams, as these languages play a crucial role in comprehension, communication, and analytical reasoning. Understanding this need, Kothari Group of Institutions has specially edited this book for aspirants preparing for MP Top 40 Government Jobs, including MP S.I., Patwari, and other state-level exams.

This book comprehensively covers grammar, vocabulary, comprehension, sentence structure, translation, and writing skills in both Hindi and English. It provides detailed explanations, practice exercises, model papers, and previous years' question papers to ensure thorough preparation. Special emphasis has been given to exam-oriented topics with shortcut techniques and solved examples for better understanding.

Designed as a one-stop resource, this book aligns with the latest exam patterns and syllabus, making it an invaluable tool for aspirants. We hope it serves as a stepping stone to success.

Best Wishes & Happy Learning!

Kothari Group of Institutions

हिन्दी

भाषा बोध
वाक्य बोध
विराम चिन्ह
उपसर्ग
संधि
समास
काव्य बोध
अलंकार
रस
छंद
हिन्दी साहित्य

ENGLISH

1. Comprehension
2. Vocabulary
   - One word substitution
   - Synonyms
   - Antonyms
   - Phrases / Idioms
3. Grammer
   - The Noun
   - The Number
   - The Gender
   - The Pronoun
   - Articles
   - Adjective
   - Adverb
   - Determiners
   - Models
   - Preposition
   - Conjunction
   - Voices
   - Tenses
   - Narration
   - Subject-verb Agreement
4. Fill in the Blanks

KOTHARI INSTITUTE

भाषा बोध

■ **मातृभाषा -** मातृभाषा वह भाषा का रूप है जो सर्वाधिक ग्राह्य, लचीला और स्वभाविक है। यह सबसे अधिक सरल, सुगम और स्वभाविक भाषा होती है। यह मात्र भाषा बालकों जन्मजात संस्कार से मिलती है। अर्थात् जो परिवार में बोली जाती है। वह मातृभाषा कहलाती है।

■ **परिभाषा -** मातृभाषा जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सिखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं। मातृभाषा किसी भी व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है।

गाँधी जी के अनुसार विदेशी माध्यम का रोग बिना किसी देरी के रोक देना चाहिए। उनका मत था कि मातृभाषा का स्थान कोई दूसरी भाषा नहीं ले सकती उनके अनुसार 'गाय का दूध भी माँ का दूध नहीं हो सकता है'।

हमें मातृभाषा की आवश्यकता होती है क्योंकि वह भावाभिव्यक्ति का सहज साधन है। यह अपने घर-परिवार वर्ग, जाति और देश के मध्य विचार-विनिमय के लिए सबसे सहजता से भाव, व्यक्त किया जा सकता है। वैसा सहज-सामर्थ्य किसी अन्य भाषा में नहीं होता है।

मातृभाषा हमारे देश की एकता के लिए आवश्यक है यह हमारे विकास कार्यों के लिए अतिआवश्यक है। इसके प्रयोग से हमारे कार्यों में जटिलता नहीं आती।

■ **बोली-** बोली और भाषा में अन्तर है। यह भाषा की छोटी इकाई है इसका संबंध ग्राम या मण्डल अर्थात सीमित क्षेत्र से होता है। बोली भाषा का घरेलू रूप है। इसका उद्देश्य अपने परिवार समुदाय तक रहता है। इसका क्षेत्र बहुत सीमित है। इसका कोई व्याकरण नहीं होता है। न ही साहित्य होता है। बोली को विभाषा भी कहा जाता है। क्योंकि बोली का परिस्कृत स्वरूप ही विभाषा है।

■ **विभाषा-** इसे उपभाषा भी कहते हैं। इसका क्षेत्र बोली की अपेक्षा बड़ा होता है। वह बोली जिसमें साहित्य लिखा जाने लगता है। विभाषा कहलाती है। इसका व्याकरण अपूर्ण होता है। इसमें लोक साहित्य लिखा जाता है।

■ **भाषा-** भाषा अथवा कहे परिनिष्ठत भाषा या आदर्श भाषा, विभाषा की विकसित स्थिति है। इसे राष्ट्रभाषा भी कहा जाता है। प्राय: देखा जाता है कि विभिन्न विभाषाओं में से कोई एक विभाषा अपने गुण-गौरव, साहित्य अभिवृत्ति, जनसामान्य में अधिक प्रचलन आदि के आधार पर राजकार्य के लिए चुन ली जाती है और उसे राजभाषा के रूप में या राष्ट्रभाषा के रूप में घोषित कर दिया जाता है।

भाषा को प्राचीन काल से परिभाषित करने की कोशिश की जाती रही है। इसकी कुछ परिभाषाएँ निम्न हैं।

भाषा एक ऐसा साधन है जिसके द्वारा मनुष्य अपने विचार एवं भावों को बोलकर या लिखकर दूसरों तक पहुंचाता है और दूसरों के विचार को समझता है।

वह विभाषा जो ऐसी साहित्य रचनाएँ करती है जिसका सर्वोच्य मान्य रूप होता है भाषा कहलाती है। भाषा का अपना एक निश्चित व्याकरण होता है। यह शिक्षा साहित्य व पत्र-पतत्रिकाओं में स्थान पाती हैं। भाषा शब्द संस्कृत के भाष् धातु से बना है। जिसका अर्थ है बोलना या कहना अर्थात भाषा वह है जिसे बोला जाये।

प्लेटो ने सोफिष्ट में विचार और भाषा के संबंध में लिखते हुए कहा है विचार और भाषाओं में थोड़ा ही अंतर है। विचार आत्मा की मूक या अध्वन्यात्मक बातचीत है पर वहीं जब ध्वन्यात्मक होकर होठों पर प्रकट होती है तो उसे भाषा की संज्ञा देते हैं।

स्वीट ने ध्वन्यात्मक शब्दों द्वारा विचारों को प्रकट करना ही भाषा कहा है।

KOTHARI INSTITUTE

ब्लाक तथा ट्रेगर के द्वारा भाषा यादृच्छिक भाष् प्रतिकों का तंत्र है। जिसके द्वारा एक सामाजिक समूह सहयोग करता है।

स्त्रुत्वा के अनुसार भाषा यादृष्छिक भाष् प्रतिकों का तंत्र है जिसके द्वारा एक सामाजिक समूह के सदस्य सहयोग एवं संपर्क करते हैं। यूँ तो बोली, विभाषा और भाषा का मौलिक अन्तर बता पाना कठिन है, क्योंकि इसमें मुख्तया अंतर व्यवहार क्षेत्र के विस्तार पर निर्भर है। मुख्य रूप से भाषा के इन रूपों को हम इस प्रकार देखते हैं। बोली, विभाषा, भाषा देखते हैं।
भाषा का मूल स्वरूप 'मौखिक रूप' होता है।

उदा.- ब्रज व अवधि विभाषा होते हुए भी अपनी रचनाओं के कारण भाषा का स्थान पा गई।
- संसार में अनेक भाषाएँ हैं

जैसे - हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, चीनी, ऊर्दू, बांगला, मराठी, कन्नड, तेलगू, आदि।

हिन्दी भाषा हमारे देश की राष्ट्र भाषा है।

- हिन्दी भाषा को भारत संघ की राजभाषा के रूप में मान्यता संविधान सभा ने 14 सितम्बर 1949 को दी।
- हिन्दी भारत संघ के निम्न लिखित राज्यों में भी राजभाषा के रूप में प्रयुक्त की जा रही है, जैसे- उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, हरियाणा, मध्यप्रदेश, झारखंड, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली।
- पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र प्रांतों में हिन्दी को द्वितीय भाषा का दर्जा प्राप्त है।
- भारत के शेष राज्यों में हिन्दी को एक सम्पर्क भाषा के रूप में प्रयुक्त की जा रही है।
- भारत के संविधान में हिन्दी के अतिरिक्त निम्नलिखित भाषाओं को मान्यता दी गई है -

जैसे:
असम में- असमिया
ओड़िशा में- उड़िया
कर्नाटक में- कन्नड़
कश्मीर में- कश्मीरी
गुजरात में- गुजराती
तमिलनाडु में- तमिल
आंध्रप्रदेश में- तेलगू
तेलंगाना में- तेलगू
पंजाब में- पंजाबी
पश्चिम बंगाल में- बांगला
महाराष्ट्र में- मराठी
केरल में- मलयालम
मणिपुर में- मणिपुरी
सिंधी, संस्कृत, नेपाली, कोंकणी, ऊर्दू, बोडो, डोंगरी मैथिली और संथाली।

भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूचि में 22 भाषाओं का उल्लेख है।

हिन्दी भाषा हमारे भारतवर्ष के अतिरिक्त-

■ नेपाल ■ पाकिस्तान
■ बांगलादेश ■ मॉरिशिस
■ फीजी ■ ट्रिनीडाड आदि देशों में भी सम्मान के साथ बोली जाती है।

● हमारी हिन्दी भाषा, भाषा विज्ञान की दृष्टि से भाषाओं के आर्य वर्ग की भारतीय आर्य शाखा की एक शाख भाषा है; और ब्रजभाषा, अवधि, बुंदेलखण्डी आदि इसकी उपभाषाएँ या बोलियां हैं।

● हिन्दी आकृति या रूप के आधार पर वियोगात्मक यह विश्लिष्ट भाषा है।

भारत में चार भाषा परिवार हैं-

1. भरोपिया **2. द्रविड़**
3. आस्ट्रिक **4. चीनी-तिब्बती।**

इनभाषाओं का भारत में बोलने वालों का प्रतिशत (%) के आधार पर -

1. भरोपिया - 73%
2. द्रविड़ - 25%
3. आस्ट्रि - 1.3%
4. चीनी-तिब्बती - 0.7%

KOTHARI INSTITUTE

भारतीय आर्य भाषा समूह का वर्गीकरण

1. प्राचीन भारतीय आर्य भाषा :

- 1500 ईसा पूर्व - से - 1000 ईसा पूर्व तक
- वैदिक संस्कृत - 1500 ईस पूर्व - से - 1000 ईसा पूर्व तक
- लौकिक संस्कृत - 1000 ईसा पूर्व से - 500 ईस पूर्व तक

2. मध्यकालीन आर्य भाषा-

- 500 ईसा पूर्व - से - 1000 ईसा पूर्व तक
- प्राकृत (प्रथम) : पालि 500 ईसा पूर्व से 1 ईसा तक
- प्राकृत (द्वितीय) : प्राकृत- 1 ईसा से 500 ईसा तक
- अपभ्रंश (तृतीय) : प्राकृत - 500 ईसा से 1000 ईसा तक
- अवह्ट (तृतीय) : प्राकृत- 1000 ईसा से 1100 ईसा तक

3. आधुनिक आर्य भाषा-

- 1100 ईसा से अब तक
- प्राचीन हिन्दी - 1100 ईसा से 1400 ईसा तक
- मध्यकालीन हिन्दी - 1400 ईसा से 1850 ईसा तक
- आधुनिक हिन्दी - 1850 से अब तक
- हिन्दी की आदि जननी संस्कृत है।
- सामान्यत: हिन्दी भाषा के इतिहास का आरंभ अपभ्रंश से माना गया है।

हिन्दी का विकास का (जन्म) क्रम : संस्कृत - पालि - प्राकृत - अपभ्रंश - अवह्ट - हिन्दी

अपभ्रंश भाषा-

- इस भाषा का विकास 500 ईसा से लेकर 1000 ईसा के मध्य हुआ था।
- इस भाषा में साहित्य का आरंभ 8वीं सदी ईसा में कवि स्वयंभू के द्वारा हुआ।
- इस भाषा का शाब्दिक का अर्थ होता है पतन ।
- स्वयंभू को अपभ्रंश भाषा का **वाल्मीकि** कहा जाता है।
- धनपाल को अपभ्रंश भाषा का **भविस्यत** कहा जाता है।
- सरहपा / कंडापा को अपभ्रंश भाषा का **चरिया** पद कहा जाता है।
- अपभ्रंश भाषा को **उकार / बहुला** भाषा भी कहा जाता है।
- अपभ्रंश का उल्लेख पतंजलि के **महाभाष्य** में मिलता है।
- भाषा के लिए अपभ्रंश शब्द का प्रयोग प्राय: **6ठी सदी ईसा** के आस-पास मिलता है।
- अपभ्रंश भाषा ईसा की 6ठी शताब्दी के आते आते एक **साहित्यिक भाषा** बन गई है।
- अपभ्रंश भाषा को गुजरात में **नागर** के नाम से जाना जाता था। उसी प्रकार सिंध में अपभ्रंश भाषा को ब्राचड़ के नाम से जाना जाता था, तथा अपभ्रंश भाषा को राजस्थान, दक्षिणी पंजाब में **उप नागर** के नाम से जाना जाता था।

KOTHARI INSTITUTE

अपभ्रंश काल की प्रमुख रचनाएँ तथा रचनाकार :

1. स्वयंभू - पुमचरिड, रिट्ठणेमिचरिड
2. धनपाल - भविसयन्तकहा
3. रइधू - पद्यपुराण, सम्मतिनाथ चरिड
4. पुष्पदन्त- तिष्ट्ठी महापुरिस, गुणालंकार,जसहर चरिड, णायकुमार चरिड

अपभ्रंश भाषा के भेद :

- शौरसेनी (पश्चिमी हिन्दी, राजस्थानी, गुजराती)
- अर्द्ध मागधी (पूर्वी हिन्दी, बिहारी, उड़िया, बांगला, असमीय)
- खस- पहाड़ी हिन्दी
- ब्राचड़- पंजाबी हिन्दी
- महाराष्ट्री- मराठी

- हिन्दी शब्द की व्युत्पत्ति **सिंधु नदी** को माना जाता है।
- हिन्दी शब्द का अर्थ है: हिन्दी या हिन्द देश के निवासी
- हिन्दी एक भाषा न होकर एक भाषा समूह माना गया है।
- हिन्दी जिस भाषा समूह का नाम है उसमें आज के **हिन्दी प्रदेश / क्षेत्र** की पाँच उपभाषाएँ तथा 17 उपभाषा बोलियाँ शामिल हैं। बोलियों में ब्रजभाषा, अवधि एवं खड़ी बोली है।

मध्यकालीन हिन्दीकाल में भाषा के तीन रूप निखरकर सामने आएं हैं:

1. ब्रजभाषा 2. अवधि भाषा 3. खड़ी भाषा।

1. ब्रजभाषा

- मथुरा, आगरा, अलीगढ़, धोलपुर, मेनपुरी, ऐटा, बदायू, बरेली आदि क्षेत्रों में बोली जाती है।
- ब्रजभाषा की मुख्य उपबोलियां - भुक्ता, अंतर्वेदी, भरतपुरी, डांगी, माथुरी आदि है।
- 19वीं सदी तक कविता की भाषा ब्रजभाषा और गद्य की भाषा खड़ी बोली रही है।

ब्रजभाषा के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ-

1. सूरदास- रामजन्म, सूरसागर, दोहे
2. तुलसीदास- रामचरित्र मानस
3. नंददास- रसमंजरी, रूपमंजरी, भंवरगीत, प्रेम बारहखड़ी।
3. रसखान- सुजान रसखान, प्रेमवाटिका, दानलीला, अष्टयाम
4. बिहारी- बिहारी सतसई

2. अवधि भाषा

अवधि हिन्दी क्षेत्र की एक उपभाषा है इस शब्द की व्युतपत्ति 'अयोध्या' से है। इसका नाम एक सूबा के राज्य काल में था। तुलसी ने अपने 'मानस' में 'अयोध्या' अवधपुरी कहा है। इसी क्षेत्र का पुराना नाम 'कौसल' भी था। अवधि उत्तर प्रदेश में

लखनऊ, रायबरेली, फैज़ाबाद, प्रतापगढ़ (अवध क्षेत्र), इलाहाबाद, अम्बेडकर नगर, गौण्डा, बहराइच, श्रावस्ती तथा फ़तेहपुर में बोली जाती है।

अवधि को कभी-कभी 'बैसवाड़ी ' भी कहते हैं। रमई काका की लोकवाणी भी इसी भाषा में गुंजरित हुई है।

प्राचीन अवधि साहित्य की दो शाखाएँ हैं- एक **भक्तिकाव्य** और दूसरी **प्रेमाख्यालकाव्य**।

अवधि की उपभाषाएँ- ■ फीजी हिन्दी ■ गंगायारी ■ प्रतापगढ़ी ■ परदेसी, देहाती।

अवधि भाषा के रचनाकार एवं रचनाएँ-

1. तुलसीदास- रामचत्रिमानस

2. मलिक मुहम्मद जायसी- पद्मावत

■ सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, पंडित महावीर प्रसाद द्विवेदी, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, राममोहन लोहिया, व कुंवर नारायण की यह जन्मभूमि है।

3. खड़ी भाषा-

खड़ी भाषा वर्तमान हिन्दी का एक स्वरूप है। जिसमें संस्कृत के शब्दों की बहुलता करके वर्तमान हिन्दी भाषा की सृष्टि की गई और फारसी तथा अरबी के शब्दों की अधिकता करके वर्तमान ऊर्दू भाषा की सृष्टि की गई है।

परिभाषा- वह बोली जिसपर ब्रज या अवधि की छाप न हो और वह ठेठ हिन्दी हो खड़ी भाषा कहलाती है।

■ खड़ी बोली पश्चिमी रूहेलखण्ड, गंगा के उत्तरी दोआब तथा अम्बाला जिले की उपभाषा है। जो ग्रामीण जनता के द्वारा मातृभाषा के रूप में बोली जाती है।

■ खड़ी बोली का अन्य नाम 'कौरवी' है।

■ हिन्दी खड़ी बोली शैरसैनी अपभ्रंश से से विकसित हुई है। संस्कृत, पाली तथा शैरसैनी प्राकृत विभिन्न युगों में मध्यप्रदेश की भाषा थी।

अन्य तथ्य

- हिन्दी साहित्य की प्रथम महाकाव्य / रचना: पृथ्वीराज रासो (चंद्रबरदायी)
- हिन्दी साहित्य की आदि कवयित्री: मीराबाई
- हिन्दी साहित्य का प्रथम उपन्यास: परीक्षा गुरू (लाला श्रीनिवासदास)
- हिन्दी का प्रथम पत्र: उदंत मार्तंड (1826 ई.)
- हिन्दी का प्रथम समाचार पत्र: समाचार सुधावर्षण (1854 ई.)
- हिन्दी साहित्यिक अकादमी पुरुस्कार प्राप्त करने वाले प्रथम साहित्यकार: माखनलाल चतुर्वेदी (हिमतरंगिनी 1954 ई.)
- ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रथम हिन्दी साहित्यकार: सुमित्रानंद पंथ (चिंदबरा- 1968 ई.)
- संयुक्त राष्ट्रसंघ में हिन्दी में भाषण देने वाले प्रथम भारतीय: श्री अटल बिहारी वाजपेयी (1977)

KOTHARI INSTITUTE

विश्व हिन्दी सम्मेलन

प्रथम - वर्ष : 10-12 जनवरी 1975
शहर: नागपुर
देश: भारत

द्वितीय- वर्ष : 28-30 अगस्त 1976
शहर: पोर्टलुई
देश: मॉरिशेस

तृतीय- वर्ष : 28-30 अक्टोबर 1983
शहर: दिल्ली
देश: भारत

चतुर्थ- वर्ष : 2-4 दिसम्बर 1993
शहर: पोर्टलोई
देश: मॉरिशेस

पंचम- वर्ष : 4-8 अप्रैल 1996
शहर: पोर्ट ऑफ स्पेन
देश: ट्रिनिडाड एवं टोबेगो

छठा- वर्ष : 14-18 सितम्बर 1999
शहर: लंदन
देश: युनाईटेड किंगडम

सातवाँ- वर्ष : 6-9 जून 2003
शहर: पारा मारिगो
देश: सूरीनाम

आठवाँ- वर्ष : 13-15 जुलाई 2007
शहर: न्यूयार्क
देश: संयुक्त राज्य अमेरिका

नवाँ- वर्ष : 22-24 सितम्बर 2012
शहर: जोहांसबर्ग
देश: दक्षिण अफ्रीका

दसवाँ- वर्ष : 10-12 सितम्बर 2015
शहर: भोपाल
देश: भारत

ग्यारवाँ- वर्ष : 18-20 अगस्त 2018
शहर: पोर्टलुई
देश: मॉरिशेस

प्रमुख कवियों के उपनाम

1. एक भारतीय आत्मा - माखनलाल चतुर्वेदी
2. प्रथम राष्ट्र कवि - मैथलिशरण गुप्त
3. मानस संत - तुलसीदास
4. तूती-ए-हिन्द - अमीर-खुसरो
5. वात्सल्य रस-सम्राट - सुरदास
6. हिन्दी के प्रथम कवि- सरहपा
7. आधुनिक युग की मीरा - महादेवी वर्मा

प्रमुख संस्थाएँ

1. संस्था- हिन्दी भाषा संवर्द्धिनी सभा
   संस्थापक- बाबू तोताराम

2. संस्था- हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
   स्थापना- 1910 ई.
   संस्थापक- मदनमोहन मालवीय

3. संस्था- साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
   स्थापना- 1954 ई.
   संस्थापक- पंडित जवाहरलाल नेहरू

4. संस्था- दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार संस्था, मद्रास
   स्थापना- 1915 ई.
   संस्थापक- महात्मा गाँधी

5. संस्था- अटल बिहारी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल
   स्थापना- 2010 ई.
   संस्थापक- मध्यप्रदेश शासन

KOTHARI INSTITUTE

राष्ट्र भाषा

- राष्ट्र भाषा किसी भी देश की संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा होती है, वह भाषा जिसमें राष्ट्र के सम्पूर्ण कार्य (सरकारी) किये जाते हैं।
- वह भाषा जो बहुमत के द्वारा बोली जाती है। इसका संविधान से, व्याकरण से, साहित्य से कोई संबंध नहीं होता। इसका उद्देश्य अपने विचारों का आदान-प्रदान करना है।
- राष्ट्र भाषा सम्पूर्ण देश की सम्पर्क भाषा होती है। इसका व्यापक जनाधार होता है।
- सम्पर्क भाषा वह भाषा है जो दैनिक जीवन में प्रयोग में आती है। इसमें व्याकरण का कोई स्थान नहीं होता है। इसमें आधे-अधूरे वाक्य होते हैं। इसका उद्देश्य अपनी बात कहने तक सीमित है।
- राष्ट्र भाषा शब्द कोई संवैधानिक शब्द नहीं हैं बल्कि यह प्रयोगात्मक व्यवहारिक व जनमान्यता प्राप्त शब्द है।
- राष्ट्र भाषा की प्राथमिक शर्त देश में विभिन्न समुदायों के बीच भावनात्मक एकता स्थापित करना है।
- राष्ट्र भाषा का स्वरूप (नेचर) लचिला होता है।
- **टॉम्स रोबक के अनुसार:** जैसे इंगलैण्ड जाने वाले को लेटिन सेक्शन या फ्रेंच के बदले अंग्रेजी सिखना चाहिए, वैसे ही भारत आने वाले को अरबी, फारसी या संस्कृत के बदले हिन्दुस्तानी (हिन्दी) सिखना चाहिए।
- **जार्ज ग्रियर्सन** ने हिन्दी को आम बोलचाल की महाभाषा कहा है।
- **राजाराम मोहनराय के अनुसार:** इस समग्र देश की एकता के लिए हिन्दी अनिवार्य है।
- **अरविंद घोष** की सलाह थी की "लोग अपनी-अपनी मात्र भाषा की रक्षा करते हुए सामान्य भाषा के रूप में हिन्दी को ग्रहण करें।"
- **गाँधीजी के अनुसार:** राष्ट्र भाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है।
- **सी. राजगोपालाचार्य** ने कहा है कि "हिन्दी भारत की राष्ट्र भाषा तो है ही, पर यहाँ जन्तंत्रात्मक भारत में राज भाषा भी होगी।

राजभाषा

राजभाषा - वह भाषा जिसे संविधान में मान्य किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 343 के अंतर्गत खड़ी बोली हिन्दी को राजभाषा का स्थान दिया गया है। राजभाषा का सर्वाधिक प्रयोग प्रशासन व शासकीय कार्यालयों में होता है। यह भाषा शिक्षा, साहित्य में स्थान पाती है।

परिभाषा: जिस भाषा में 'शासक या शासन' का काम होता है, उसे राजभाषा कहा जाता है।

- राजभाषा कोई भी भाषा हो सकती है, स्वभाषा या परभाषा; जैसे- मुगलकाल में शासक अकबर के समय फारसी राजभाषा थी तथा ब्रिटिश शासक मैकाले से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति तक अंग्रेजी राजभाषा रही है।
- 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। हिन्दी को संघ ने सरकारी कामकाज की भाषा बनाने के लिए इसे राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया।

मुंशी अयंगर फार्मुला:

1. हिन्दी भारत की राष्ट्रभाषा नहीं बल्कि राजभाषा है
2. संविधान के लागू होने के दिन से 15 वर्षों की अवधि तक राजभाषा अंग्रेजी बनी रही।
3. एक अस्पष्ट निर्देश अनुच्छेद 315 के आधार पर हिन्दी एवं हिन्दुस्तानी के विवाद को दूर कर लिया गया।
4. संविधान में भाषा-विषयक उपबंध अनुच्छेद 120, अनुच्छेद 210 एवं भाषा विषयक एक पृथक भाग- 17 राजभाषा के अनुच्छेद 343 से 351 तक एवं 8वीं अनुसूची में होगा।

(**नोट:** संविधान के यह भाषा-विषयक उपबंध हिन्दी, अंग्रेजी, अंग्रेजी एवं प्रादेशिक भाषाओं के परस्पर विरोधी दावों के बीच सामंजस स्थापित करने का प्रयास करते हैं)

KOTHARI INSTITUTE

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 120 में उल्लेखित है कि संसद का कार्य हिन्दी या अंग्रेजी में किया जाएगा। परंतु यथास्थिति लोकसभा अध्यक्ष या राज्यसभा का सभापति किसी सदस्य को उसकी मातृभाषा में सदन को संबोधित करने की अनुमति दे सकता है।

  (नोटः संसद विधि द्वारा अन्यथा उपबंध न करे तो 15 वर्ष की अवधि के पश्चात या अंग्रेजी में शब्दों का लोक किया जा सकेगा)

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 210 में उल्लेखित है कि राज्यों के विधान मंडलों का कार्य अपने-अपने राज्य की राजभाषा या राजभाषाओं में या हिन्दी में या अंग्रेजी में किया जाएगा, परंतु यथास्थिति विधानसभा अध्यक्ष या विधानसभा परिषद का सभापति किसी सदस्य को उसकी मातृभाषा में सदन को संबोधित करने की अनुमति दे सकता है।

  (नोटः संसद विधि द्वारा अन्यथा उपबंध न करे तो 15 वर्ष की अवधि के पश्चात या अंग्रेजी में शब्दों का लोक किया जा सकेगा)

- भारतीय संविधान के भाग 17; के अनुच्छेद 343 से 351 में राजभाषा का उपबंध किया गया है।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 में उल्लेखित है कि संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी।
- संघ के शासकिय प्रायोजन के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतराष्ट्रीय रूप होगा।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 348(1)ख उल्लेखित करता है कि संविधान अथवा संसद द्वारा बनाई गई किसी विधि के अधिन निकाले गए या बनाए गए सभी आदेशों, नियम (रूल्स), विनियमों (रेग्यूलेशन) और उपविधियों (बायलॉस), के प्राधिकृत पाठ अंग्रेजी भाषा में होंगे।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 344(1) उल्लेख करता है कि राष्ट्रपति इस संविधान के प्रारंभ से 5वर्ष एवं 10 वर्ष की समाप्ति पर, आदेश द्वारा, एक राजभाषा आयोग गठित करेगा जो एक अध्यक्ष एवं अन्य ऐसे सदस्यों से मिलकर बनेगा जो संविधान की 8वीं अनुसूचि में वर्णित विभिन्न भाषाओं का प्रतिनिधित्व करते हों।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 348 में उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय की कार्यवाहियों एवं निर्णयों की भाषा संसद एवं राज्य विधान मण्डलों में प्रस्तावित विधेयकों, पारित अधिनियमों की भाषा का उल्लेख है।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 344(2) में उल्लेखित किया गया है कि संघ की राजभाषा तथा संघ और किसी राज्य के बीच एक राज्य और दूसरे राज्य के बीच पात्रादि की भाषा और उनके प्रयोग के संबंध में राष्ट्रपति द्वारा आयोग को निर्देशित किए गए किसी अन्य विषय के बारे में दिया गया है।
- भारतीय संविधान में उल्लेखित है कि अनुच्छेद 344(1) के तहत् एक राजभाषा आयोग होगा जिसके 21 सदस्य व एक अध्यक्ष (बालगंगाधर खेर) होंगे। इसका प्रारूप राष्ट्रपति द्वारा तैयार किया जाऐगा।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 345 में इस बात का उल्लेख है कि राज्य में प्रयोग होने वाली भाषाओं में किसी एक या अधिक भाषाओं को या हिन्दी को उस राज्य की राजभाषा बनाई जा सकती है अत: 8वीं अनुसूचि में उक्त भाषा को शामिल होना जरूरी नहीं।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद में उल्लेखित किया गया है कि प्रत्येक व्यक्ति किसी समस्या के निवारण के लिए संघ या राज्य के किसी अधिकारी को, यथास्थिति, संघ में या राज्य में प्रयोग होने वाली किसी भी भाषा में अभ्यावेदन देने का हकदार होगा।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 350क में उल्लेख किया गया है कि प्रत्येक राज्य में एवं उसके भीतर प्रत्येक स्थानिय प्राधिकारी भाषायी अल्पसंख्यक वर्गों के बच्चों को प्राथमिक स्तर पर मात्रा भाषा में शिक्षा देने हेतु प्रयाप्त सुविधा की व्यवस्था देने का प्रयास करेगा। राष्ट्रपति इसी राज्य को ऐसे निर्देश दे सकेगा जो वहां ऐसी सुविधाओं के प्रावधान हेतु जरूरी समझता है।

KOTHARI INSTITUTE

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 350ख भाषायी अल्पसंख्यक वर्गों के लिए एक विशेष अधिकारी होगा जिसकी नियुक्ति राष्टपति करेगा। विशेष अधिकारी का यहाँ कर्तव्य होगा कि वह संविधान के अधीन भाषायी अल्पसंख्यक वर्गों की रक्षा हेतु उपबंधित सभी विषयों का अनुवेषण करे और राष्ट्रपति द्वारा निर्दिष्ट समन्यतरालों पर उसे अपनी रिपोर्ट सौंपे।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 351 में बताया गया है कि संघ का यहां कर्तव्य होगा कि वहाँ हिन्दी भाषा का प्रसार बढ़ाएं, उसका विकास करें जिससे वह भारत की सामाजिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके और उसकी प्रकृति में हस्तक्षेप किए बिना हिन्दुस्तानी में और 8वीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट भारत की अन्य भाषाओं में प्रयुक्त रूप शैली और 8वीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट भारत की अन्य भाषाओं में प्रयुक्त रूप, शैली और पदों को आत्मसात करते हुए और जहाँ आवश्यक या वांछनीय हो जहां उसके शेष भंडार के लिए मूलत: संस्कृत से और गोणत: अन्य भाषाओं से ग्रहण करते हुए उसकी समृद्धि सुनिश्चित करे।
- 58वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1987 द्वारा संविधान के भाग 22 में अनुच्छेद 394 का जोड़ते हुए इस बात का प्रावधान किया गया कि संविधान के हिन्दी भाषा में अनुवाद को, जिस पर संविधान के सभा के सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे; ऐसे उपांतरणों (मोडिफिकेशन) के साथ जो केन्द्रीय अधिनियमों के हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठों में अपनाई गई भाषा शैली और शब्दावली के अनुरूप बनाने के लिए आवश्यक है, राष्ट्रपति अपने प्राधिकार से प्रकाशित कराएगा, उसके साथ ही राष्ट्रपति अंग्रेजी भाषा में किए गए प्रत्येक संविधान संशोधन के हिन्दी अनुवाद को भी प्रकाशित करवाएगा।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 394क (2) राष्ट्रपति के अधिकार से प्रकाशित संविधान या उसके किसी संशोधन के हिन्दी अनुवाद का वही अर्थ लगाया जाएगा जो अंग्रेजी के मूल पाठ का है। यदि अनुवाद के किसी भाग का अर्थ लगाने में कोई कठिनाई उत्पन्न होती है तो राष्ट्रपति उसका उपयुर्कक्त पुर्नरिक्षण कराएगा।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 394क (3) में उल्लेखित है कि संविधान का और इसके प्रत्येक संशोधन का राष्ट्रपति द्वारा इस प्रकार प्रकाशित अनुवाद उसका हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ समझा जाएगा।

प्रमुख संस्थाएँ

1. संस्था: **केन्द्रीय हिन्दी समिति, नई दिल्ली**
   स्थापना : 1967 ई.
   अध्यक्ष : प्रधानमंत्री
   कार्य : भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालय द्वारा हिन्दी के प्रचार-प्रसार में समन्वय सथापित करना।
2. संस्था: **नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली**
   स्थापना : 1957 ई.
   कार्य : शिक्षा, विज्ञान व साहित्य की उच्चकोटि की पुस्तकों का प्रकाशन कम मूल्यों पर जनता को उपलब्ध कराना।
3. संस्था : **साहित्य अकादमी, नई दिल्ली**
   स्थापना : 1954 ई.
   कार्य : साहित्य को बढ़ावा देने वाली शीर्षस्थ संस्था
4. संस्था : **केन्द्रीय हिन्दी निर्देशालय, नई दिल्ली**
   स्थापना : 1960 ई.
   कार्य : शब्दकोष, विश्वकोषों, अहिन्दी भाषियों के लिए पाठ्यपुस्तकों का प्रकाशन
5. संस्था : **वैज्ञानिक तथा तकनीकि शब्दावली आयोग, नई दिल्ली**
   स्थापना : 1961 ई.
   कार्य : विज्ञान एवं तकनीकि से संबंधित शब्दावलियों का प्रकाशन
6. संस्था: **राजभाषा विधायी आयोग**
   स्थापना : 1965 ई.
   कार्य : केन्द्रीय अधिनियमों के हिन्दी पाठ का निर्माण

KOTHARI INSTITUTE

7. संस्था: **केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो**
   स्थापना : 1971 ई.
   कार्य : देश के अनुवाद की सबसे बड़ी संस्थाएं स्थापित करना
8. संस्था: **राजभाषा विभाग**
   स्थापना : 1975 ई.
   कार्य : संघ के विभिन्न शासकीय प्रायोजनों के लिए हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित सभी मामले
9. संस्था : **राजभाषा विधायी आयोग**
   स्थापना : 1975 ई.
   कार्य : यह आयोग पहले ग्रहमंत्रालय के अधीन था।
   प्रमुख कानूनों के हिन्दी पाठ का निर्माण करना

बोलियाँ एवं उपभाषाएँ

बोली भाषा का घरेलू रूप है। इसका उद्देश्य अपने परिवार, समुदाय तक रहता है। इसका क्षेत्र बहुत सीमित है। यह एक वर्ग जाति से संबंधित रहती है। इसका कोई व्याकरण नहीं होता है। न ही साहित्य होता है।

- हिन्दी पश्चिम में अम्बाला (हरियाणा) से लेकर पूर्व में पूर्णिमा (बिहार) तक विस्तार है।
- हिन्दी उत्तर में बद्रीनाथ-केदारनाथ (उत्तरखण्ड) से लेकर दक्षिण में खण्डवा (मध्यप्रदेश) तक विस्तार है।

हिन्दी का विस्तार

- भारत की कुल जनसंख्या का 43% लोग हिन्दी भाषा बोलते हैं।
- जार्ज अब्राहम ग्रिर्सन द्वारा उल्लेख मार्डन वारनाक्यूलर लेटरेचर ऑफ हिंदुस्तान में हिन्दी की उपभाषाओं व बोलियों को प्रस्तुत किया है। सन् 1889 ई. में हिन्दी का वर्गीकरण किया है, तथा ग्रिर्सन की पुस्तक लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया में भी हिन्दी का उल्लेख मिलता है।

उपभाषा व बोली

1. उपभाषा - राजस्थानी

बोली -मारवाड़ी - (पश्चिम राजस्थान में)
जयपुरी व ढुढ़ाड़ी - (पूर्वी राजस्थान में)
मेवाती - उत्तरी राजस्थान में
मालवी -दक्षिण राजस्थान में

2. उपभाषा- पश्चिम हिन्दी

बोली- कौरवी / खड़ी बोली (हरियाणा)/ (उत्तरप्रदेश)
ब्रजभाषा- यु.पी.
बुंदेली - यु.पी.
कन्नौजी- यु.पी.

3. उपभाषा - अवधि

बोली- बघेली (मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और यु.पी.)
छत्तीसगढ़ी (मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और यु.पी.)

4. उपभाषा - बिहारी

बोली- मगधी (बिहार / यु.पी.)
मैथली (बिहार / यु.पी.)
भोजपुरी (बिहार / यु.पी.)

5. उपभाषा - पहाड़ी

बोली- कुमाउनी (उत्तराखण्ड/हिमाचल प्रदेश)
गढ़वाली (उत्तराखण्ड/हिमाचल प्रदेश)

लिपि (स्क्रिप्ट)

मौखिक ध्वनियों को लिखकर प्रकट करने के लिए जो चिन्ह निश्चित किए गए हैं उन्हें लिपि कहते हैं। जैसेः संसार में अनेक भाषाएँ हैं वैसे ही लिपि भी अनेक हैं।

कुछ प्रमुख भाषाओं की लिपियाँ निम्नलिखित हैं-

हिन्दी - देवनागरी
संस्कृत - देवनागरी
नेपाली- देवनागरी
मराठी- देवनागरी
राजस्थान- देवनागरी
पंजाबी- गुरमुखी
ऊर्दू- फारसी
अंग्रेजी- रोमन

KOTHARI INSTITUTE

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. हिन्दी की बोलियों को कितने वर्गों में रखा जाता है।
(अ) पांच (ब) तीन
(स) आठ (द) सात
उ. **(अ) पांच**

2. संविधान किस अनुच्छेद के अनुसार संघ की राजभाषा और लिपि देवनागरी है।
(अ) अनुच्छेद 347 (ब) अनुच्छेद 346
(स) अनुच्छेद 344 (द) अनुच्छेद 343
उ. **(द) अनुच्छेद 343**

3. राजभाषा अधिनियम कब पारित किया गया था।
(अ) सन् 1963 (ब) सन् 1961
(स) सन् 1962 (द) सन् 1965
उ. **(अ) सन् 1963**

4. खड़ी बोली का दूसरा नाम क्या है।
(अ) कन्नौजी (ब) बघेली
(स) कौरवी (द) मगधी
उ. **(स) कौरवी**

5. भाषा का मूल रूप कौन सा है।
(अ) मानक रूप (ब) साहित्यिक रूप
(स)लिखित रूप (द) मौखिक रूप
उ. **(द) मौखिक रूप**

6. बोली को अन्य किस नाम से जाना जाता है।
(अ) विभाषा (ब) उपबोली
(स) कृतिम बोली (द) भाषा
उ. **(अ) विभाषा**

7. जिस भाषा में शासक या शासन का काम होता है। उसे क्या कहते हैं।
(अ) राष्ट्रभाषा (ब) जनभाषा
(स) राजभाषा (द) सम्पर्कभाषा
उ. **(स) राजभाषा**

8. हिन्दी को राजभाषा का स्थान कब प्राप्त हुआ।
(अ) 14 सितम्बर, 1949
(ब) 15 अगस्त 1947
(स) 14 सितम्बर 1950
(द) 26 जनवरी 1950
उ. (अ) 14 सितम्बर, 1949

9. बहुतसी मिलती जुलती बोलियों का सामुहिक रूप क्या कहलाता है।
(अ) विभाषा (ब) मातृभाषा
(स) सम्पर्कभाषा (द) भाषा
उ. **(द) भाषा**

10. मातृभाषा वह भाषा रूप है जो लचीला:
(अ) कठोर, निरर्थक और दुरूह है।
(ब) मस्तिष्क का विकास अवरूद्ध करता है।
(स) सर्वाधिक ग्राह्य, लचीला और स्वाभाविक है।
(द) इनमें से कोई नहीं।
उ. **(स) सर्वाधिक ग्राह्य, लचीला और स्वाभाविक है।**

11. हमें मातृभाषा की आवश्यकता होती है, क्योंकि वह :
(अ) भावाभिव्यक्ति का सहज साधन है।
(ब) धनोपार्जन में सहायक होती है।
(स) शारीरिक मुद्राओं और संकेतों का दर्पण है।

KOTHARI INSTITUTE

(द) ज्ञान क्षेत्र का संकुचन करती ही है।

उ. **(अ) भावाभिव्यक्ति का सहज साधन है।**

12. हिन्दी भाषा के विकास का सही क्रम कौन सा है।

(अ) हिन्दी - पालि- अपभ्रंश - प्राकृत
(ब) पालि - प्राकृत - अपभ्रंश - हिन्दी
(स) अपभ्रंष - पालि - प्राकृत - हिन्दी
(द) प्राकृत - अपभ्रंष - हिन्दी - पाली

उ. **(ब) पालि - प्राकृत - अपभ्रंश - हिन्दी**

13. निम्नलिखत में से कौन सी पश्चिम हिन्दी की बोली नहीं है।

(अ) बघेली (ब) ब्रज
(स) बुंदेली (द) कन्नौजी

उ. **(अ) बघेली**

14. भारतीय संविधान में किन अनुच्छेदों में राजभाषा संबंधी प्रावधानों का उल्लेख है।

(अ) 443:455 तक
(ब) 343:351 तक
(स) 343:345 तक
(द) इनमें से कोई नहीं

उ. **(ब) 343:351 तक**

15. हिन्दी खड़ी बोली किस अपभ्रंश से विकसित हुई है।

(अ) शौरसेनी (ब) मागधी
(स) अर्द्धमागधी (द) ब्राचड़

उ. **(अ) शौरसेनी**

16. हिन्दी भाषा की बोलियों के वर्गीकरण के आधार पर छत्तीसगढ़ी बोली है।

(अ) पश्चिमी हिन्दी
(ब) पूर्व हिन्दी
(स) पहाड़ी हिन्दी
(द) राजस्थानी हिन्दी

उ. **(ब) पूर्व हिन्दी**

17. विभाषा किसे कहते हैं।

(अ) खड़ी बोली हिन्दी को
(ब) हिन्दी क्षेत्र की सभी शेष बोलियों को
(स) हिन्दी क्षेत्र की प्रमुख बोलियों को
(द) इनमें से कोई नहीं

उ. **(स) हिन्दी क्षेत्र की प्रमुख बोलियों को**

18. मगही किसी उपभाषा की बोली है।

(अ) राजस्थानी (ब) पश्चिमी हिन्दी
(स) पूर्वी हिन्दी (द) बिहारी

उ. **(द) बिहारी**

19. वर्तमान में प्रादेशिक भाषाओं की कुल संख्या कितनी है।

(अ) बाईस (ब) अट्ठाराह
(स) बीस (द) चौदह

उ. **(अ) बाईस**

20. हिन्दी का प्रथम पत्र है-

(अ) मार्तंड उदंत
(ब) मार्तंडक उतदंडक
(स) उतदंत मार्तंड
(द) उतदंत

उ. **(स) उतदंत मार्तंड**

●●●●●●●●●●

KOTHARI INSTITUTE

वाक्य बोध

व्याकरण- व्याकरण हमें किसी भाषा को शुद्ध रूप में बोलने, लिखने एवं समझने का ढंग सिखाती है। जैसे- राहुल पुस्तक पढ़ती है यह वाक्य अशुद्ध है। क्यूँकि इसमें पुर्लिंग क्रिया का प्रयोग होना चाहिए था (पढ़ता है) इसका ज्ञान व्याकरण ही कराता है। शुद्ध वाक्य इस प्रकार होगा (राहुल पुस्तक पढ़ता है)।

परिभाषा- ध्वनियों से भाषा तक की सम्पूर्ण व्यवस्था व्याकरण कहलाती है। अत: स्पष्ट है कि व्याकरण के बिना किसी भाषा का शुद्ध ज्ञान नहीं हो सकता। सामान्य रूप से व्याकरण के तीन अंग हैं-

1. वर्ण-विचार 2. शब्द-विचार 3. वाक्य-विचार

1. वर्ण-विचार

व्याकरण के इस विभाग में वर्णों (अक्षरों) के आकार, उनके भेद, उच्चारण आदि पर विचार किया जाता है।

- भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण है। इसके और टुकड़े नहीं हो सकते जैसे- अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, क, ख इत्यादि।
- बोलने सुनने में जो ध्वनि है, वहाँ लिखने पढ़ने में वर्ण है। वर्णों के पूरे समूह को वर्ण माला कहते हैं।
- हिन्दी वर्णमाला में 52 वर्ण हैं।

हिन्दी में वर्ण दो प्रकार के हैं - 1. स्वर 2. व्यंजन

1. स्वर

जिन वर्णों के उच्चारण के समय बिना किसी रुकावट के मुख से हवा निकलती है उन्हें स्वर कहते हैं। हिन्दी में स्वरों की संख्या 11 है। जैसे - **अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।**

मात्राएँ: मात्राएँ स्वरों के प्रतीक चिन्ह हैं किन्तु जब कोई स्वर, व्यंजन के साथ प्रयुक्त होता है तो स्वर को न देखकर उसकी मात्रा व्यंजन के साथ लगाई जाती है।

मात्राएँ निम्न हैं - ■ **आ - ा** ■ **इ - ि** ■ **ई - ी** ■ **उ - ु** ■ **ऊ - ू**
■ **ऋ - ृ** ■ **ए - े** ■ **ऐ - ै** ■ **ओ - ो** ■ **औ- ौ**

(**नोट:** हास्व ''अ'' स्वर की मात्र इसलिए नहीं है क्योंकि सभी व्यंजन '' अ '' स्वर के ही सहयोग से ही बोले जाते हैं)

स्वरों का वर्गीकरण :

स्वरों का वर्गीकरण उपर दर्शाए इन ग्यारह स्वरों को उच्चारण और प्रयत्न के आधार पर तीन भागों में बांटा गया है।

1. हास्य स्वर 2. दीर्घ स्वर 3. प्लुत स्वर

1. हास्य स्वर - हास्य स्वर का अर्थ है छोटा या लघु हास्य स्वर को उच्चारण में सबसे कम समय लगता है। इसे मूल स्वर भी कहा जाता है। हास्य स्वर चार हैं - **जैसे: अ, इ, उ, ऋ**

2. दीर्घ स्वर - दीर्घ स्वर का अर्थ है बड़ा या लम्बा
दीर्घ स्वर को उच्चारण में हास्य स्वर से दो गुना समय लगता है।
दीर्घ स्वर सात हैं - **जैसे: आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ**

3. प्लुत स्वर- प्लुत स्वर को उच्चारण में दीर्घ स्वर से भी अधिक समय लगता है।
इन्हें लिखते समय स्वर के आगे 'ई ' चिन्ह अंकित कर दिया जाता है।

KOTHARI INSTITUTE

2. व्यंजन

जिन वर्णों का उच्चारण करते समय मुख से निकलने वाली वायु (हवा) में रूकावट पड़ती है उन्हें व्यंजन कहते हैं।

■ स्वतंत्र रूप से व्यंजन का उच्चारण स्वर के बिना नहीं हो सकता किन्तु यदी लगातार दो व्यंजन आ जाएँ तो पहले व्यंजन का उच्चारण बिना स्वर के भी हो सकता है। इस आधार पर व्यंजन दो प्रकार के होते हैं।

(क) स्वर सहित व्यंजन- जैसे: क् + अ + म् + अ + ल् + अ (कमल)

(ख) स्वर रहित व्यंजन - जैसे : प् + र् + अ + भ् + आ (प्रभा)

हिन्दी में व्यंजनों की कुल संख्या 33 है। व्यंजनों के निम्न लिखित भेद हैं-

(1) स्पर्श व्यंजन
(2) अंत:स्थ व्यंजन
(3) उष्म व्यंजन
(4) संयुक्त व्यंजन
(5) आगत व्यंजन

(1) स्पर्श व्यंजन - जिन व्यंजनों को बोलने में हमारे मुख के दो या दो से अधिक हिस्सा आपस में पूर्णत: स्पर्श करते हैं उन्हें स्पर्श व्यंजन कहते हैं। इन्हें पाँच वर्गों में रखा गया है और हर वर्ग में पाँच-पाँच व्यंजन हैं। स्पर्श व्यंजन 25 हैं।

जैसे-	**क वर्ग =**	**क्**	**ख्**	**ग्**	**घ्**	**ङ्**
	च वर्ग =	**च्**	**छ्**	**ज्**	**झ्**	**ञ्**
	ट वर्ग =	**ट्**	**ठ्**	**ड्**	**ढ्**	**ण्**
	त वर्ग =	**त्**	**थ्**	**द्**	**ध्**	**न**
	प वर्ग =	**प्**	**फ्**	**ब्**	**भ्**	**म्**

(2) अंत:स्थ व्यंजन - इन व्यंजनों का निर्माण स्वरों के आपसी सहयोग से हुआ है। यह कंठ से बोले जाते हैं जो मुख की अपेक्षा अंदर की और हैं। अंत:स्थ व्यंजन 4 हैं।

जैसे- **य र ल व**

(3) उष्म व्यंजन- वे ध्वनियां जिनके उच्चारण में वायु रगड़ खाती हुई निकलती है। किन्तु मुख के कोई भी भाग आपस में स्पर्ष नहीं करते इन्हें उष्म व्यंजन कहते हैं। उष्म व्यंजन की संख्या 4 है।

जैसे- **श ष स ह**

(4) संयुक्त व्यंजन - संयुक्त व्यंजन दो-दो व्यंजनों से मिलकर बने हैं। हिन्दी में संयुक्त व्यंजनों की संख्या तीन है-

जैसे-
क्ष = क् + ष (अक्षर)
ज्ञ = ज् + ञ (ज्ञान)
त्र = त् + र (नक्षत्र)

(नोट: उत्क्षिप्त व्यंजन- जिन व्यंजनों में जीभ पीछे की ओर जाकर झटके से आगे गिर जाती है उन्हें उत्क्षिप्त व्यंजन कहते हैं, इनकी संख्या दो है)

जैसे- **ड़ ढ़**

KOTHARI INSTITUTE

(5) आगत व्यंजन- ज़ फ़

संयुक्ताक्षर- संयुक्ताक्षर को व्यंजन-गुच्छ भी कहते हैं।

आयोगवाह- इन्हें न स्वर माना गया है और न व्यंजन ।

व्यंजन ध्वनियों के उच्चारण में पीछे से स्वर जोड़ना अनिवार्य है किन्तु आयोगवाह ध्वनियाँ स्वर के बाद बोली जाती हैं।

हिन्दी में केवल तीन आयोगवाह ध्वनियाँ हैं-

(1) अनुनासिक (ँ)

(2) अनुस्वर (ं)

(3) विसर्ग (:)

(1) अनुनासिक (ँ) - अ स्वर का बोलने में यदि हवा नाक से निकाल दी जाए तो यह (**अँ**) हो जाता है **जैसे- आँख**

(2) अनुस्वर (ं) - इसका प्रयोग सभी पंचम वर्ण के स्थान पर किया जाता है,

पंचम वर्ण - ङ ञ ण न म

जैसे- कंस, कंठ

(3) विसर्ग (:) - यह ह का साफ-साफ न बोला जा सकने वाला रूप है।

जैसे- प्रातः, अतः

हलंत- जब कभी व्यंजन का प्रयोगस्वर से रहित किा जाता है तब उसके नीचे एक तिरछी रेखा (्) लगा दी जाती है। यह रेखा हलंत कहलाती है। हलंत युक्त व्यंजन हलंत वर्ण कहलाता है। **जैसे- वन्**

व्यंजनों का वर्गीकरण - व्यंजनों का वर्गीकरण मुख्य रूप से दो आधारों पर होता है।

(i) उच्चारण स्थान के आधार पर : प्रकृति ने हमें वाग्यंत्र प्रदान किया है। इसके विभिन्न अंगों से हम ध्वनियों का उच्चारण करते हैं। मुख के जिस भाग से जिस वर्ण का उच्चारण होता है। उसे वर्णों का उच्चारण स्थान कहते हैं।

जैसे -

1. वर्ण : क् , ख् , ग् , घ् , ङ् , ह् , अ, आ, आँ, विसर्ग
   उच्चारण स्थान : कंठ
   वर्णों का नाम : कंठ्य
2. वर्ण : च् , छ्, ज् , झ् , ञ् , य् , श् , इ, ई,
   उच्चारण स्थान : तालु
   वर्णों का नाम : तालव्य
3. वर्ण : ट् , ठ्, ड्, ढ्, ण् , ऋ, र् , ष् , ड़, ढ़ ।
   उच्चारण स्थान : मूर्धा
   वर्णों का नाम : मूर्धन्य
4. वर्ण : त् , थ् , द् , ध् , न् , ल् , स् ,
   उच्चारण स्थान : दंत
   वर्णों का नाम : दंत्य
5. वर्ण : प् , फ् , ब् , भ् , म, उ, ऊ,
   उच्चारण स्थान : ओष्ठ
   वर्णों का नाम : ओष्ठ्य
6. वर्ण : अं, अँ, ङ् , ञ् , ण् , न् , म्
   उच्चारण स्थान : नासिका भी (नाक अधिक मुख कम)
   वर्णों का नाम : नासिक्य
7. वर्ण : ए, ऐ ।
   उच्चारण स्थान : कंठ - तालु
   वर्णों का नाम : कंठ - तालव्य
8. वर्ण : ओ, औ ।
   उच्चारण स्थान : कंठ - ओष्ठ
   वर्णों का नाम : कंठोष्ठ्य
9. वर्ण : व् , फ् ।
   उच्चारण स्थान : दंत-ओष्ठ
   वर्णों का नाम : दंतोष्ठ्य

(ii) प्रयत्न के आधार पर: प्रयत्न के आधार पर व्यंजन तीन प्रकार के हैं

(क) श्वास की मात्रा पर आधारित- श्वास की मात्रा के आधार पर व्यंजनों के दो भेद हैं

1. अल्पप्राण- इन ध्वनियों के उच्चारण में मुख से निकलने वाली वायु की मात्रा कम होती है।
जैसे- क, ग, ङ, च, ज, ट, ड, ड़, ण, त, द, न, प, ब, म, य, र, ल, व, श, ष, स और ज़ ।

2. महाप्राण- इन ध्वयों के उच्चारण में निकलने वाली वायु की मात्रा अपेक्षाकृत अधिक होती है। **जैसे- ख, घ, छ, झ, ठ, ढ, ढ़, थ, ध, फ, भ तथा ह ।**

(ख) स्वरतंत्री में कंपन पर आधारित- स्वरतंत्री में कंपन के आधार पर भी हिन्दी व्यंजनों को दो भागों में बांट सकते हैं।

1. **अघोष व्यंजन-** इन ध्वनियों के उच्चारण में स्वरतंत्रियों में कंपन नहीं होता। जैसे- क, ख, च, छ, ट, ठ, त, थ, प, फ, फ़, (वर्गों के प्रथम तथा द्वितीय व्यंजन) तथा श, ष, स, ये सभी अघोष ध्वनियाँ हैं।
2. **सघोष व्यंजन-** इन ध्वनियों के उच्चारण में स्वरतंत्रियों में कंपन होता है। जैसे- ग, घ, ङ, ज, झ, ड, ढ, ण, द, ध, न, व, भ, म (वर्णों के तृतीय, चतुर्थ और पंचम व्यंजन) तथा ड़, ढ़, ज़, य, र, ल, व, ह व्यंजन - सभी स्वर सघोष होते हैं।

(ग) श्वास के अवरोध की प्रक्रिया पर आधारित है- इस आधार पर व्यंजनों को निम्न वर्गों में रखा जा सकता है।

1. स्पर्श	**:**	**क वर्ग, च वर्ग, ट वर्ग, त वर्ग और प वर्ग।**
2. संघर्षी	**:**	**स, श, ष, ह, फ़, ज़।**
3. नासिक्य:		**ङ, ञ, ण, न, म।**
4. अर्द्ध स्वर (अंतस्थ)	**:**	**य, व**
5. पार्श्विक	**:**	**ल**
6. लुंठित	**:**	**र**
7. उत्क्षिप्त	**:**	**ड़, ढ़**

जिस ध्वनि या ध्वनि समूह का उच्चारण एक सांस या एक झटके से होता है वह अक्षर कहलाता है। एक अक्षर में सामान्यत: एक स्वर अवश्य होता है। अत: अक्षर के आधार पर स्वर होते हैं। हिन्दी में कुछ शब्दों की आक्षरिक संरचना इस प्रकार है।

एकाक्षरी शब्द: आ, जो, है, आप, रोग, श्वास
द्वि-अक्षरी शब्द: कमल (क+मल), बोलना (बोल+ना)
तीन अक्षर वाले शब्द: बुलाना (बु + ल + ना), सफलता (स + फल + ता)

2. शब्द विचार: - शब्द विचार हिन्दी व्याकरण का दूसरा खण्ड है जिसके अंतर्गत शब्द की परिभाषा, भेद, उपभेद, सन्धि, विच्छेद, रूपांतरण निर्माण आदि से संबंधित नियमों पर विचार किया जाता है।

- एक यां एक से अधिक वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं। **जैसे- कमल, महल, लेख आदि**
- हिन्दी के शब्दों का वर्गीकरण चार आधारों पर किया जाता है

1. उत्तपत्ति (स्त्रोत) के आधार पर
2. व्युत्पत्ति (रचना) के आधार पर
3. अर्थ के आधार पर
4. प्रयोग के आधार पर

1. **उत्तपत्ति (स्त्रोत) के आधार पर :** - कोई शब्द हमारी भाषा में कहां से आया अर्थात् उसका स्त्रोत या उद्गम कहां से हुआ है, इस आधार पर इसके निम्नलिखित चार भेद हैं-

1. तत्सम शब्द
2. तद्भव शब्द
3. देशज
4. विदेशी शब्द

1. तत्सम शब्द - तत् (उसके) + सम (समान) यानी ऐसे शब्द जिनकी उत्पत्ति संस्कृत भाषा में हुई और वे हिन्दी भाषा में बिना किसी परिवर्तन के प्रयोग में आने लगे। ऐसे शब्द तत्सम शब्द कहलाते हैं जैसे- पुष्प, अग्नि, मित्र, पुस्तक इत्यादि ।

2. तद्भव शब्द - तद्भव (तत् +भव) का अर्थ है- उससे उत्पत्ति हुई हो। तात्पर्य है संस्कृत से विकसित हुआ हो। - ऐसे शब्द जिसकी उत्पत्ति संस्कृत भाषा से हुई थी लेकिन वो रूप बदलकर हिन्दी में आ गए हों ऐसे शब्द तद्भव शब्द कहलाते हैं।

जैसे-
1. कर्पूर - कपूर
2. अग्नि - आग
3. हस्त - हाथ
4. कार्य - काम
5. दुग्ध - दूध

3. देशज शब्द- ऐसे शब्द जो भारत की विभिन्न स्थानिय बोलियों में से हिन्दी में आ गए हैं। वे शब्द देशज शब्द कहलाते हैं।

जैसे - रोटी, लड्डू, चुहा, पगड़ी, डिबिया इत्यादि। ऐसे शब्द अब हिन्दी में आ गए हैं अत: यह शब्द अब देशज शब्द कलहाएंगे।

KOTHARI INSTITUTE

4. विदेशी शब्द - विदेशी शब्द जो हमारे देश से बहार की भाषाओं से हैं, लेकिन ज्यों के त्यों हिन्दी में प्रयुक्त हो गए। वे शब्द विदेशी शब्द कहलाते हैं। मुख्यत: यह विदेशी जातियों से हमारे बढ़ते मिलन से हुआ है। ये विदेशी शब्द ऊर्दू, अरबी, फारसी, अंग्रेजी, पुर्तगाली, तुर्की, फ्रांसिसी, ग्रीक, आदि भाषाओं से आए हैं।

विदेशी भाषाओं के उदाहरण निम्न हैं-

अंग्रेजी - साइकिल, टिकिट, स्कूल, कोर्ट, बोर्ड, डॉक्टर, कार, लेटर बॉक्स, गैस, पेट्रोल इत्यादि

तुर्की - कैंची, चाकू, तोप, चम्मच, बारूद, दारोगा, कालिन, कुर्ता इत्यादि

फ़ारसी - अनार, चश्मा, जमीदार, दुकान, दरबार, नमक, नमूना, बिमार, बर्फ, रुमाल, चुगलखोर, कागज, हजार, बदाम, खर्च, खून, रोशनदान इत्यादि

अरबी- आदमी, औरत, किताब, वकील, कानून, कलम, फकीर, औलाद, कैदी, मालिक, गरीब, इत्यादि

पुर्तगाली- गमला, कमरा, तोलिया, काजू, गोदाम, चाबी, तम्बाकू, कॉफी इत्यादि।

फ्रांसिसी- पुलिस, कार्टून, इंजीनियर, करफ्यू, बिगुल, काजू, कूपन इत्यादि।

2. व्युत्पत्ति (रचना) के आधार पर

व्युत्पत्ति का अर्थ है - बनावट

इस आधार पर रचना के निम्नलिखित तीन भेद है -

1. रूढ़ शब्द

2. यौगिक शब्द

3. योगरूढ़ शब्द

1. रूढ़ शब्द - रूढ़ का अर्थ है- प्रसिद्ध, रूढ़ शब्द वे हैं जो किसी विशेष अर्थ के लिए प्रसिद्ध हो गए हैं। और उनके सार्थक खण्ड (टुकड़े) नहीं किये जा सकते रूढ़ शब्द कहलाते हैं।

जैसे - घोड़ा, जल, कल, जब, घर, इत्यादि।

2. यौगिक शब्द- यौगिक शब्द का अर्थ है- जुड़ा हुआ, ऐसे शब्द जो किसी दो सार्थक शब्दों के मेल से बनते हों वे शब्द यौगिक शब्द कहलाते हैं। इन शब्दों के खण्ड भी सार्थक होते हैं।

जैसे- स्वदेश : स्व + देश

देवालय : देव + आलय

सज्जन : सत् + जन

कुपुत्र : कु + पुत्र

3. योगरूढ़ शब्द - ऐसे शब्द जो किसी दो शब्दों के योग से बने हों एवं बनने पर किसी विशेष अर्थ का बोध कराते हों, वे शब्द योगरूढ़ शब्द कहलाते हैं।

जैसे- दशानंन : दशमुख वाला अर्थात रावण

निलकंठ : नीला है जिसका कंठ अर्थात शिव

3. अर्थ के आधार पर

अर्थ की दृष्टि से शब्दों के निम्नलिखित भेद हैं-

1. एकार्थी शब्द

2. अनेकार्थी शब्द

3. पर्यायवाची शब्द

4. विलोम शब्द

5. अन्य शब्दों के लिए एक शब्द

6. अन्य शब्दों का ज्ञान

1. एकार्थी शब्द- एकार्थी शब्द का अर्थ है: समान अर्थ या एक ही अर्थ वाला।

जिन शब्दों का प्रयोग केवल एक ही अर्थ में होता है वे एकार्थी शब्द कहलाते हैं। जैसे-

शब्द - अपराध

एकार्थी- सामाजिक एवं सरकारी कानून का अपराध।

शब्द- पाप

एकार्थी- नैतिक एवं धार्मिक नियमों को तोड़ना।

शब्द- अमूल्य

एकार्थी- जो चीज़ मूल्य देकर भी प्राप्त न हो सके।

शब्द- बहुमूल्य

एकार्थी- जिस चीज़ का बहुत मूल्य देना पड़े।

शब्द- अस्त्र

एकार्थी- जो हथियार हाथ से फेंककर चलाया जाए। जैसे बाण

शब्द- शस्त्र

एकार्थी- जो हथियार हाथ में पकड़े पकड़े चलाया जाए। जैसे कृपाण

शब्द- आज्ञा

एकार्थी- बड़ों का छोटो को कुछ करने के लिए आदेश

शब्द- अनुमति

KOTHARI INSTITUTE

एकार्थी- प्रार्थना करने पर बड़ों द्वारा दी गई सहमती

2. अनेकार्थी शब्द- कभी-कभी एक ही शब्द के अनेक होते हैं। ऐसे शब्द अनेकार्थी कहलाते हैं।

जैसे-
- **अम्बर-** आकाश, कपड़ा
- **कल-** मशीन, आनेवाला कल या बीता हुआ कल
- **कर-** टैक्स, हाथ
- **धुन-** लगन, संगीत की धुन
- **सुवर्ण-** सोना, सुंदर, सुंदर रंग
- **जलज-** कमल, मोती, शंख, चन्द्रमा, मछली, सिवार
- **माधव -** श्रीकृष्ण, वैशाख, महुआ,
- **तात-** मित्र, भाई, पिता, बड़ा, पुज्य,
- **तीर-** वाण, नदी का किनारा,
- **स्नेह-** प्रेम, चिकना पदार्थ
- **फल-** मेवा, चार पदार्थ, भाले की नोंक, परिणाम

3. पर्यायवाची शब्द- जिन शब्दों के अर्थ समान होते हैं वे शब्द समानार्थी या एक-दूसरे के पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं। पर्यायवाची शब्द दो प्रकार के होते हैं:

शब्द समानार्थी

शब्द	समानार्थी शब्द
अनाज-	अन्न, धान्य, शस्य,
उद्योग -	उद्धम, श्रम, प्रयास, परिश्रम,
उल्लू-	कौशिक, उलूक, घौंघा, दिवांध
कौआ -	काक, वायस, काग
जीभ-	जिव्हा, रसज्ञा, रसेन्द्रिय, रसना
धनूष-	पिनाक, कमान, शरासन।
अंग-	शरीर , कलेवर, देह, काय, तन।
अहंकार-	अभिमान, दर्प, घमंड, दंभ।
अनुपम -	अनोखा, अपूर्व , अद्भूत, निराला, अद्वितीय।
अनी-	फौज, चमू, दल, सेना, कटक।
अर्जुन	कौन्तेय, गांडीवधर, धनुर्धर, पार्थ, धनजय।
अरण्य-	कानन, वन, जंगल, विपिन।
अजेय-	अपराजेय, अजित, अपराजित।
अनुचर-	दास, भृत्य, सेवक, नौकर, परिचारक।
अन्य -	दूसरा , भिन्न, और।
आनंद -	प्रसन्नता, खुशी , उल्लास, प्रमोद, आमोद, हर्ष।
आम-	रसाल, आम्र, अमृतफल, पिकबंधु।
इंद्रपुरी-	अलकापुरी, स्वर्ग, देवपुरी, अमरावती।
इंद्राणी-	राची, इंद्रबंधु, जयवाहिनी, पुलोमजा।
कुबेर -	यक्षराज, धनपति, किन्नरेश, धनद।
कृषक-	क्षेत्री, कृषिजीवी , किसान, खेतीहर ।
कल्पवृक्ष-	कल्पतरु, देववृक्ष, सुरतरु , कल्पद्रुम।
कोमल-	नरम, मृसण, मृदु, मुलायम, नाजुक।
कौशल-	हुनर, दक्षता, प्रवीणता, निपुणता।
काशी -	शिवकाशी , बनारस, वाराणसी, विश्वनाथपुरी ।
खल-	दुष्ट, धूर्त, अधम, शठ, कुटील, नीच, दुर्जन।
शब्द -	पर्यायवाची शब्द
ग्रीष्म -	ताप, निदाघ, घाम, गर्मी।
गाय-	सुरभि, धेनु, गौ।
गुरु-	शिक्षक, बृहस्पति, भारी, बड़ा, छंद की मात्रा।
चंदन-	श्रीखंड, पीतसार, मलय।
जमुना-	कालिंदी, यमुना, रविसुता, श्यामा, सूर्यतनया।
जीभ-	रसा, इला, जिहवा, रसना।
जन्म-	आविर्भाव, उद्भव, उत्पत्ति।
जनक-	मिथिलेश, विदेह, राजर्षि।
तारा-	नक्षत्र, तारक, तारिका, नखत
तोता-	शुक, कीर, सुग्गा, सुआ।
दाँत -	द्विज, दशन, दंत।
दरिद्र-	दीन, रंक, गरीब, निर्धन।
द्रौपदी -	पांचाली, द्रुपदसुता, कृष्णा।
नौका -	तरिणी, नाव, बेड़ा, जलयान।
नया -	नव, अभिनव, नूतन, नवीन।
नारी -	वनिता, कामिनी , औरत , महिला, स्त्री, अंगना, सुंदरी।
नाश -	ध्वंस, विनाश, तबाही।
पत्थर -	पाषाण, प्रस्तर , पाहन, अश्म।
पत्ता-	दल, पत्र, पर्ण , पात।
शब्द -	पर्यायवाची शब्द
पुष्प -	प्रसुन, सुमन, कुसुम, फूल।
पेड़-	विहप, वृक्ष, तरु, पादप, गाछ, द्रुम।
प्रेम-	प्यार, अनुराग, प्रीति, स्नेह।

KOTHARI INSTITUTE

बंदर- मर्कट, वानर, कपि, शाखामृग, हरि।
बाल- कुंतल, केश, अलक , कच, चिकर।
बालक- शावक, शिशु, लड़का, बच्चा।
बुद्धी - प्रतिभा, प्रज्ञा, मेधा, मति, चित, धी, विवेक, मनीषा।
बिजली - प्रभा, तड़ित, चपला, चंचला, विद्युत, दामिनी, सौदामिनी, शम्पा ।
ब्रम्हा- प्रजापति, विधि, सृष्टा, विधाता, चतुरानन, स्वयंभू।
मीन - मछली, मत्स्य, मकर, शफरी।
मनुष्य- मनुज, मानव, नर, आदमी, इंसान।
मित्र- सहचर, मीत, सखा, दोस्त।
मदिरा- सुरा, शराब, मधु, मद्य, वारुणी।
माता- माँ, जननी, मातृ, अंबा।
मधु- ऋतुराज, माधव, वसंत, कुसुमाकर।
मृत्यु- मरण, मौत, देहावसान, निधन, देहांत, स्वर्गवास।
मयूर- शिखी, केकी, मोर।
मिथ्या- झूठ, असत्य, अयषार्थ।
मूर्ख- मंदबुद्धि, जड़मति, मूढ़।
मोक्ष- मुक्ति, निर्वाण , कैवल्य, सद्गति।
मार्ग- रास्ता, पथ, मग, राह।
यमराज- धर्मराज, जीवनपति, सूर्यपुत्र, यम, काल।
युद्ध- संग्राम, लड़ाई, रण, संघर्ष, समर, विग्रह।
यश- कीर्ति, ख्याति, प्रसिद्धि।
युवती- प्रमदा, तरुणी, नवयुवती, रमणी।
योगी- साधु, संन्यासी, वैरागी, तपस्वी, तपी।
यज्ञ- अध्वर, याग, मख, क्रतु।
राजा- भूपति, महाराज, नरेश, महीप, नृप, अधिपति, नरेंद्र।
रावण- दशानन, राक्षसराज, लंकेश, लंकापति, दशकंध।
राक्षस- पिशाच, दैत्य, दानव, दनुज, असुर, निशाचर।
राम- दसरथनंदन, राघव, सीतापति, रामचंद्र, राजीवलोचन।
रत्न- मरकत, मणि, माणिक्य, जवाहर।
रचना- कृति, सृष्टि, निर्माण, सर्जन।
लहर- मौज, उर्मि, हिलोर, तरंग।
लहू- खून, रुधिर, रक्त, शोणित।
विष्णु- लक्ष्मीपति, नारायण, हरि, शेषशायी, केशव, माधव, पीतांबर, चतुर्भुज, अच्युत, उपेंद्र, विश्वरुप।

शब्द पर्यायवाची

शब्द	पर्यायवाची शब्द
विद्यालय-	पाठशला, शिक्षाकेंद्र, ज्ञानालय, विद्याकेंद्र, मदरसा।
वर्ष-	बरस, संवत, अब्द, सन्, साल।
विष-	हलाहल, जहर, गरल, कालकूट।
विवाह-	परिणय, पाणिग्रहण, शादी, ब्याह।
वृक्ष-	पेड़, पादप, विरप, द्रुम, तुरु, करख्त।
श्वेत-	उज्ज्वल, धवल, शुभ्र, सफेद।
शत्रु-	अराति, दुश्मन, अरि, वैरी, रिपु।
शीशा-	आईना, दर्पण, काँच।
शिक्षा-	सीख, उपदेश, ज्ञान।
शोभा-	प्रभा, दमक, विभा, आभा, सुषमा, श्री, क्रांति, द्युति, छवि, छटा।
शीघ्र-	तत्काल, फौरन, तत्क्षण, तुरंत, अविलंब, सत्वर, अविराम।
शिखा-	केशी, चुटिका, चुरकी, चोटी।
शंख-	महानाद, कम्बु, समुद्रज, सुनार।
संसार-	दुनिया, जगत, जग, विश्व।
सुगंध-	सुरभि, महक, सुवास, खुशबू, सौरभ।
सौंदर्य-	शोभा, सुंदरता, सुषमा, श्री, कांति।
सर्प-	भुजंग, विषधर, साँप, अहि, उरग, नाग, पन्नग, व्याल, फाणी।
समूह-	दल, टोली, गण, झुंड।
सुंदर-	सुहावन, कांत, शोभित, ललित, सुभग, पंचमुख, व्याघ्र, मृगराज।
सर्व -	अखिल, समग्र, संपूर्ण, सारा, सब, समस्त।
सवेरा -	प्रात:भोर, अरुणोदय, उषा, प्रभात, विहान।
स्तन -	उरोज, थन, पयोधर।
संकेत -	इशारा, लक्ष्य, लक्षण, निर्देश, चिन्ह।
संकल्प -	प्रण, इरादा, व्रत, प्रतिज्ञा।

KOTHARI INSTITUTE

संध्या- सायं, शाम, दिवांत, साँझ।
सीता- मौथिली, जनकसुता, वैदही, भूमिजा, जानकी।
हाथ- हस्त, कर, पाणि।
हिरण- हिरन, मृग, सारंग।
हनुमान- केसरीनंदन, अंजनिपुत्र, महावीर, बजरंगी, पवनपुत्र, मारुति।
हिमालय- पर्वतराज, नगपति, गिरिराज, गिरीश, हिमगिरी।
हदय- अंत:करण, अंत:स्थल, दिल, उर।

1. पूर्ण पर्यायवाची शब्द

2. अपूर्ण पर्यायवाची शब्द

1. पूर्ण पर्यायवाची शब्द - पूर्ण पर्यायवाची शब्द उन समानार्थी शब्दों को कहते हैं जिनको किसी भी वाक्य में एक-दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त किया जा सकता है। तथा जिनके बदलने से वाक्य के अर्थ पर कोई प्रभाव नहीं पढ़ता, पूर्ण पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं। जैसे-

शब्द	पूर्ण पर्यायवाची
अंग -	भंग, हिस्सा, अंश, खण्ड, टुकड़ा
अंधकार-	तम, अँधेरा, तिमिर, अँधियारा
कान-	कर्ण, श्रोत्र, श्रुति, श्रुतपूर, श्रवणेन्द्रिय
कृषक-	किसान, खेतहिर, क्षेत्री, हालक, कृषिजीवी।
ज्योति-	आभा, चमक, द्युति।
भ्राता-	भैय्या, भाई, बन्धु, सहोदर
शीघ्र-	तत्क्षण, तत्काल, फौरन, अविलम्ब, सत्वर, अविराम

2. अपूर्ण पर्यायवाची शब्द - अपूर्ण पर्यायवाची शब्द वे शब्द हैं जो समान अर्थ तो रखते हैं किन्तु सदैव एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग नहीं किये जा सकते हैं। क्योंकि अर्थ छवियां भिन्न होती हैं। जैसे -

शब्द	अपूर्ण पर्यायवाची
अगम :	जब किसी की पहुंच न हो
	प्रयोग : सूर्य हमारे लिए अगम है
दुर्गम:	जहां कठिनाईयों से पहुंचा जा सके
	प्रयोग: एवरेस्ट की चढ़ाई बहुत दुर्गम है
अनिवार्य:	जिसे टाला न जा सके
	प्रयोग: प्रश्न पत्र के सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
आवश्यक-	जो जरूरी हो
	प्रयोग: वह आवश्यक कार्य से दिल्ली गया है।
आवेदन-	योग्यता के आधार पर किसी से कार्य कराने की इच्छा प्रकट करना।
	प्रयोग: सुरेश ने नौकरी के लिए आवेदन किया।
निवेदन-	दूसरों की इच्छा अनुसार विनम्रता पूर्वक विचार प्रकट करना।
	प्रयोग: शेखर ने अतिथियों से भोजन करने का निवेदन किया।
प्रार्थना-	बड़ों से विनम्रभाव से किसी कार्य की इच्छा प्रकट करना।
	प्रयोग: नोकर ने मालिक से छुट्टी देने की प्रार्थना ।

4. विलोम शब्द

विलोम शब्द का अर्थ है- उल्टा या विपरित ।

जिन शब्दों के अर्थ एक-दूसरे विपरित या उल्टे होते हैं उन्हें विलोम शब्द कहते हैं।

जैसे-

अल्प - अधिक

अच्छा- बुरा

शब्द	विलोम
अँधेरा	उजाला
अंगीकार	अस्वीकर/बहिष्कार
देशीय	अंतर्देशीय
अंबर	धरती
अर्थ	अनर्थ
अपमान	सम्मान
अपकर्ष	उत्कर्ष
अपव्यय	मितव्यय
अनाथ	सनाथ
अद्य	अनद्य
अवकाश	अनवकाश
अर्थी	प्रत्यर्थी
अनुराग	विराग

KOTHARI INSTITUTE

शब्द	विलोम
अमावस्या	पूर्णिमा
अमर	मर्त्य
उपचार	अपचार
अकाम	सकाम
अभिमान	नम्रता
अभिज्ञ	अनभिज्ञ
अनुकूल	प्रतिकूल
अर्जन	वर्जन
अगम	सुगम
अनुज	अग्रज
अर्वाचीन	प्राचीन
अपेक्षा	उपेक्षा
अधिक	न्यून
अपना	पराया
आतुर	अनातुर
आय	व्यय
आमिष	निरामिष
आर्द्र	शुष्क
आहार	निराहार
आकर्षण	विकर्षण
आदर	अनादर
आग्रह	दुराग्रह
आलोक	अँधकार
आलस्य	स्फूर्ति
आभ्यंतर	बाहय
आदि	अनादि
आदान	प्रदान
आहुत	अनाहुत
आश्रित	निराश्रित
आकाश	पाताल
आवृत्त	अनावृत्त
आर्य	अनार्य
आगामी	गत
आवाहन	विसर्जन
आवश्यक	अनावश्यक
आस्था	अनास्था
आधार	निराधार
आदर्श	यथार्थ

शब्द	विलोम
आध्यात्मिक	भौतिक
आसक्ति	विरक्ति
इष्ट	अनिष्ट
इहलोक	परलोक
इनकार	स्वीकृति
इज्जत	बेइज्जत
इति	अंत
ईर्ष्या	प्रशंसा
ईश्वर	अनीश्वर
इच्छा	अनिच्छा
उदय	अस्त
उपयोग	अनुपयोग
उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण
उधार	नकद
उत्थान	पतन
उपाय	निरुपाय
उपकृत	अनुपकृत
उद्यमी	आलसी
उपयुक्त	अनुपयुक्त
उत्तर	दक्षिण
उष्ण	शीत
उर्पलिखित	निम्नलिखित
उगलना	निगलना
उगाना	उखाड़ना
थोक	खुदरा
उत्कृष्ट	निकृष्ट
उग्र	शांत
उच्च	निम्न
उजला	मैला
उज्जवल	धूमिल
उतराई	चढ़ाई
उत्तरायण	दक्षिणायन
उत्तरार्द्ध	पूर्वार्द्ध
ऊष्ण	शीतल
ऊसर	उपजाऊ
उपस्थित	अनुपस्थित
ऋण	ऊऋण
झोपड़ी	महल

KOTHARI INSTITUTE

शब्द	विलोम
सुकर	दुष्कर
सृष्टि	प्रलय
स्वदेश	विदेश
सज्जन	दुर्जन
संकीर्ण	विस्तीर्ण
संक्षेप	विस्तार
संयोग	वियोग
हानि	लाभ
हित	अहित
हस्व	दीर्घ
हेय	स्तुत्य
हर्ष	शोक
हिंसा	अहिंसा
हस्त	पाद
ज्ञान	अज्ञान
ज्ञेय	अज्ञेय
क्षुद्र	महान
क्षम्य	अक्षम्य

5. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

ऐसे शब्द जो बहुत सा अर्थ रखते हैं जिनके द्वारा थोड़े अक्षरों में अधिक बात कह दी जाती है अनेक शब्दों के लिए एक शब्द कहे जाते हैं। जैसे-

जिसे कहा ना जा सके - अकथनिय

अंक - अध्याय, गोद, संख्या, नाटक का अंक, चिह, परिच्छेद।
अंबर - वस्त्र, कपास, एक सुगंधित पदार्थ, आकाश।
अक्ष - रथ, सर्प, आत्मा, चौसर का पाला, पहिया, धुरी, सूर्य, आँख।
अक्षर - मोक्ष, तपस्या, शिव, वर्ण, जल, नश्वर, ईश्वर, स्तय।
अर्क - इंद्र, सूर्य, रस, आक।
अग्र - सिरा, श्रेष्ठ, पहले, मुख्य, अगुआ, शिखर, लक्ष्य।
अज - कामदेव, ब्रम्हा, शिव, माया, बकरा।
अर्थ - प्रयोजन, ऐश्वर्य, धन, हेतु, व्याख्या, उद्देश्य।
अनंत - विष्णु, आकाश, ब्रम्हा, शेषनाग, अंतहीन, असीम।
अरुण - लाल रंग, सूर्य, सूर्य का सारथी।
अशोक - सम्राट अशोक, एक वृक्ष, शोक रहित।
अपवाद - नियम के विरुद्ध, निंदा, कलंक।
अलि - पंक्ति, सखी , भँवरा।
अपेक्षा - तुलना, आशा, आवश्यकता।
अमृत - जल, स्वर्ण, दूध, पारा, अन्न।
अब्ज - कमल, कपूर, चंद्रमा, शंख।
आराम - बगीचा, विश्राम, रोग दूर होना।
आम - साधारण, एक फल।
आर्य - आचार्य, पूज्य, कुलीन।
अधि - मानसिक पीड़ा, धरोहर, अभिशाप, विपत्ति।
आश्रम - जीवन की चार अवस्थाएँ (ब्रम्हाचर्य, गृहस्थ...), तपोवन।
आदर्श - नमूना, उदाहरण, योग्य।
इंद्र - देवराज, वर्षा का देवता, श्रेष्ठ व्यक्ति।
उत्तर - एक दिशा, जवाब, पश्चात् ।
उपचार - सेवा, उपाय, इलाज।
उत्सर्ग - दान, समाप्ति, त्याग।
उद्धरण - सुक्ति, उद्धार करना, लेख आदि से लिया गया अंश।
उच्छृंखल - स्वेच्छाचारी, क्रमरहित, निरंकुश।
ऊष्मा - संघर्षी व्यंजन, ताप।
ऋजु - उज्ज्वल, मुक्ति, सत्य।
ऋद्धि - गौरव, गणेश जी की पत्नी, संपन्नता।
कर - हाथ, हाथी की सूँड़, टैक्स, किरण, क्रिया का रुप ।
कनक - गेहूँ, धतूरा, सोना।
कल - बीता दिन, अगला दिन मशीन, श्रेष्ठ, आराम, चैन, मधुर ध्वनि।
कला - सोलहवाँ भाग , गुण, एक विषय, यक्ति।
कक्ष - बंगला, भूमि, कमरा, श्रेणी।
काल - मृत्यु, समय, मौसम।
कर्ण - त्रिभुज की एक भुजा, कंतीपुत्र, कान।
कृष्ण - काला, देवकीनंदन, कृष्णपक्ष।
काम - कामदेव, कार्य, इच्छा, पेशा।
कुंजर - हाथी, चाल।
कांड - अध्याय, समूह, घटना, खंड।
कटक - पैर का कड़ा, सेना, समूह, शिविर।
कुल - गोत्र, सब , घर , वंश।

KOTHARI INSTITUTE

कुंडल - कान का आभूषण, सूर्य या चंद्र का परिवेश, साँप की गेंडुरी।
कुटिल - कपटी, घुँघराला, टेढ़ा।
खग - आकाश, पक्षी।
खेचर - ग्रह, पक्षी, देवता
गण - छंदशास्त्र में वर्णित तीन वर्गो का समूह, शिव के सैनिक, समूह , भूत- प्रेत ।
गुण - रस्सी, शील, खूबी , स्वभाव, कौशल।
ग्रहण - सूर्य या चंद्रग्रहण , पकड़ा, लेना।
गति - मोक्ष, चाल, दशा, हाल।
गौ - इंद्रिय, आँख , दिशा, पृथ्वी, गाय।
गरु - छंद में दो मात्राओं का वर्ण, शिक्षक, भारी, बड़ा, श्रेष्ठ।
घट - शरीर, हदय, घड़ा, कम।
घन - घना, हथौड़ा, बादल, घट।
घर - कुल, कार्यालय, मकान।
घोड़ा - एक पशु, बंदूक का भाग , शतरंज का मोहरा। चपला - बिजली, लक्ष्मी, नवयौवना, चंचला।
चीर - 'चीरना' क्रिया का रुप, रेखा, वस्त्र, पट्टी।
चर - चलनेवाला, पक्षी, खंजन।
चाल - षड्यंत्र, गति, चलना।
चंद्र - चंद्रमा, मोरपंख की चंद्रिका, सोना, कपूर।
जड़ - निर्जीव, मूर्ख, मूल, अचेतन।
जलज - कमल, मोती, शंख, चंद्रमा, मछली।
जलधर - समुद्र, बादल।
जीवन - जल, वायु, प्राण, जीविका, परमप्रिय।
ज्येष्ठ - जेठ का महीना, श्रेष्ठ, पति का बड़ा भाई।
जवान - वीर, सैनिक, युवक, योद्धा।
जलद - कपूर, बादल।
जमाना - युग, काल, संसार।
टीका - तिलक, भेंट, व्याख्या, सगाई, इंजेक्शन।
टाल - लकड़ी की दुकान, टरका।
ठाकुर - क्षत्रिय, ईश्वर, स्वामी, एक जाति।
डाल - डाली, फेंकना (क्रिया के रुप)।
डाँडी - सीधी रेखा, जुलाहे की लकड़ी , टहनी, तराजू की डंडी।
ढाल - मोड़ना (क्रिया का रूप) वार को रोकने की वस्तु।
तात - भाई, पिता, मित्र, पूज्य, गर्म, बड़ा।
तप - अग्नि, गर्मी, तपस्या, साधना, धूप।
तंत्र - मशीन, शसन- प्रबंध, चमड़े की लकड़ी, झाड़-फूँक।
तनु - छोटा, तुच्छ, कोमल, देह, कृश।
तत्व - मूल, यथार्थ, पंचभूत, ब्रम्हा, सार।
तीर - नदी का तट, बाण।
तार - धातु, चाशनी की तार, टेलीग्रम, उद्धार।
तारा - एक देवी, बालि की पत्नी, नक्षत्र, आँख की पुतली
ताल - ताड़ का वृक्ष , तालाब, स्वरताल।
तरणि - नाव उद्धार, सूर्य।
दल - पक्ष, समूह, पत्ता, सेना, पक्ष।
द्विज - चंद्र, क्षत्रिय, पक्षी, वैश्य , ब्राह्मण, दाँत।
दर्शन - एक शास्त्र, आकृति, देखना।
दंड - सजा, कसरत का एक प्रकार , जुर्माना।
दक्षिण - एक दिशा, अनुकूल दाहिनी /दाहिना।
धात्री - माता, आँवला, पृथ्वी ।
धर्म - कर्त्तव्य, पदार्थ का गुण, सत्कर्म, पुण्य, न्यायशीलता।
नाग - सर्प, हाथी , एक पर्वत।
नाक - नासिका, इज्जत, स्वर्ग।
नायक - सेनापति, नाटक का मुख्य पात्र, नेता, मार्गदर्शक।
नाला - पानी का नाला, रस्सी।
निशान - डंका, चिह, ध्वजा।
नागरी - देवनागरी लिपि, नगर की स्त्री।
निगम - वेद, मार्ग, प्रशासकीय समूह, हाट मेला।
पय - जल, अमृत, दूध।
पयोधर - पर्वत, बादल, गन्ना, नारियाल, स्तन।
पद - छंद का चरण, शब्द, ओहदा, गीत, चिह।
पट - कपड़ा , पर्दा, द्वार
पतंग - पक्षी, पैर, सूर्य, उड़ने वाली कागज की वस्तु।
पानी - चमक, मान, जल।
प्रत्यय - ज्ञान, शब्दांश के अंत में लगने वाला, विश्वास, विचार।

KOTHARI INSTITUTE

पृष्ठ - पन्ना (पेज), पीछे का भाग, पीठ।
प्रसाद - अनुग्रह, हर्ष, कृपा, नैवेद्य।
प्रकृति - कुदरत, मूल अवस्था, स्वभाव।
पाला - मैदान का एक भाग, पालन करना, सर्दी के दिनों में पड़ने वाला पाला।
फल - तलवार या भाले की नोक, मेवा, परिणाम, चार पदार्थ (अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष), लाभ।
बल - शक्ति, बलराम, टेढ़ापन, ऐंठन, सेना।
बाल - बच्चा, केश , बाला, दानेयुक्त डंठल।
बलि - एक राजा, बलिदान, उपहार।
बान - आदत, बाण।
बाजि - बाण, पक्षी , घोड़ा।
भव - शिव, कुशल, संसार, उत्पत्ति।
भाग - हिस्सा, भाग्य, दौड़, बाँटना।
भूत - पंचभूत, प्रेत, प्राणी, बीता हुआ समय।
भास्कर - अग्नि, सूरज, सोना, शिव।
भृति - मज़दूरी, मूल्य, वृत्ति, नौकरी।
भेद - रहस्य, भिन्नता, प्रकार।
भानू - किरण, सूर्य , राजा , किरण।
मधु - शहद, चैत का मास, एक दैत्य, वसंत ऋतु, मदिरा, मकरंद।
माधव - वैशाख, श्रीकृष्ण, वसंत ऋतु।
मित्र - सहयोगी , प्रिया, सूर्य।
मान - रुठना, सम्मान।
मत - संप्रदाय, नहीं के अर्थ में, राय।
मुद्रा - मुख का हाव-भाव , सिक्का, मोहर।
मंगल - एक ग्रह, एक बार, शुभ।
रंग - नृत्य - अभिनय का स्थान, प्रेम, दशा, वर्ण।
रस - सार, अर्क , नवरस, स्वाद, आनंद।
राशि - बारह राशियाँ, धन, समूह।
राग - संगीत- ध्वनि, प्रेम, लाल रंग।
लक्ष्य - निशाना, उद्देश्य
लाल - पुत्र, एक रंग, माणिक्य।
लक्ष्मी - विष्णु- पत्नी, शोभा, धन-संपत्ति।
वर - दूल्हा, वरदान, श्रेष्ठ।
वार - आक्रमण, दिन, प्रहार।
वर्ण - अक्षर, जाति, रंग।
विधि - रीति, कानून, ब्रह्मा।
वृत्ति - कार्य, स्वभाव, पेशा, नीयत।
शिव - मंगल, वेद, तीर्थ, एक देवता।
शेष - शेषनाग, बचा हुआ अंश।
श्यामा - काले रंग वाली, यमुना, राधा रात, कोयल।
शाल - ओढ़ने का वस्त्र, एक वृक्ष।
शिखी - पर्वत, मोर, अग्नि ।
श्री - कांति, सौंदर्य, शोभा, संपत्ति, लक्ष्मी, सरस्वती।
श्रुति - वेद, कान, सुनने योग्य।
सारंग - मोर, सर्प, राजहंस, सिंह, धनुष, फूल, दीपक, शंख, वस्त्र, शोभा, मेघ भूषण, वर्ण, पपीहा।
सुधा - दूध, अमृत, पुष्परस, मधु।
सर - चिता, तालाब, बाण।
सोना - स्वर्ण, सोना (क्रिया रुप)
स्नेह - कोमलता, तेल, प्रेम।
सूत - सारथी, धागा, एक जाति।
हर - हरना, शिव।
हरि - सूर्य, चंद्र, सिंह, सर्प, विष्णु, वानर, श्रीकृष्ण।
हार - माला , पराजय।
हल - खेत जोतने का उपकरण, समाधान।

6. अन्य शब्दों का ज्ञान

1. समरुपी भिन्नार्थक शब्द

हिन्दी में अनेक शब्द ऐसे हैं जो लिखने तथा पढ़ने में (बोलने में भी) समान लगते हैं, किन्तु वास्तव में वे समान नहीं होते हैं। उनके रूप एवं अर्थ दोनों ही एक दूसरे से पूर्णत: भिन्न होते हैं। ऐसे शब्दों को हम समरूप भिन्नार्थक शब्द या श्रुतिसम भिन्नार्थक कहते हैं।

जैसे -

अन्न - अनाज
अरि - शत्रु
दार - दयालु
कोष - खजाना
गुरु - शिक्षक
नग - पर्वत
पाश - बन्धन
कला - गुण
कपाट - किवाड़

KOTHARI INSTITUTE

कोश - शब्द भण्डार
नाग - सांप
बार - दफा
वार - दिन
पीक - पान की पीक
शौक - चाव
फुट - नाप

2. समूहवाची शब्द

हिन्दी भाषा के अपनी परंपरागत शब्दावली में समूह के लिए अनेक शब्द प्रचलित हैं। इनको समूहवाची शब्द कहते हैं, किन्तु वे सभी शब्द एक-दूसरे के पर्यायवाची नहीं हैं अपितु अपूर्ण प्रर्यायवाची हैं। इन शब्दों का प्रयोग कुछ निश्चित शब्दों के साथ ही किया जाता है

जैसे -

शब्द - **सभा**
प्रयोग : सभ्य व्यक्तियों की
शब्द - **बैठक**
प्रयोग: जन सामान्य की बैठक
शब्द: **कुञ्ज**
प्रयोग: लताओं का
शब्द: **लच्छी**
प्रयोग: धागों की
शब्द: **संघ**
प्रयोग: राज्यों का
शब्द: **छत्ता**
प्रयोग: मधु मक्खियों का
शब्द: **बेड़ा**
प्रयोग: जलयानों का

3. ध्वन्यार्थक शब्द

ये शब्द प्राय: किसी भाषा के विशिष्ट शब्द होते हैं। इनका प्रयोग किसी विशिष्ट शब्द के साथ ही होता है। इन शब्दों को ध्वन्यार्थक शब्द इसलिए कहते हैं कि इनमें अर्थों को प्रकट करने के लिए किसी ध्वनि विशेष की नकल की जाती है। इन शब्दों का अर्थ नहीं होता अपितु ध्वनियों का अर्थ होता है।

जैसे-

चूहा - चूँ-चूँ का करना
भैंस - डकारना
घोड़ा - हिनहिनाना
पपीहा - पी-पी करना
झींगुर - झन झनाना
मोर - कुहकना
गाड़ी - धड़-धड़ाना
तोप - दनदनाना

4. युग्म शब्द

युग्म शब्द का अर्थ होता है जोड़ा।

युग्म शब्द के उस जोड़े को कहते हैं जो शब्द के अर्थ में चमत्कार पैदा करने के लिए या अर्थ पर बल देने के लिए हमारी भाषा में बंध गए हैं।

जैसे-

1. एक ही शब्द का युग्म

शब्द - **अच्छे-अच्छे**
प्रयोग: टोकरी में से अच्छे-अच्छे फल छांट लो
शब्द: **गर्म-गर्म**
प्रयोग: भोजन गर्म-गर्म ही स्वादिष्ट लगता है।

शब्द: **नगर-नगर**
प्रयोग: उन्होंने नगर-नगर घुमकर अपने धर्म का प्रचार किया

शब्द: **लेटे-लेटे**
प्रयोग: लेटे-लेटे पढ़ने की आदत अच्छी नहीं

2. समानार्थक शब्दों का युग्म

शब्द- **अच्छा-भला**
प्रयोग: अच्छा-भला लड़का बीमार पड़ गया।

शब्द: **जैसे-तैसे**
प्रयोग: वह जैसे-तैसे घर पहुंचा

KOTHARI INSTITUTE

शब्द: **दुध-दही**
प्रयोग: श्रीकृष्ण को दुध-दही बहुत भाता था

शब्द: **रंग-बिरंगे**
प्रयोग: बाग़ में रंग बिरंगे फुल खिलते हैं।

शब्द: **भुख-प्यास**
प्रयोग: वह भुख-प्यास से व्याकूल हो उठा

3. विलोम शब्दों का युग्म

शब्द- **अमीर-गरीब**
प्रयोग: अमीर-गरीब का भेद-भाव हर काल (समय) में रहा है।

शब्द: **पाप-पुण्य**
प्रयोग: मनुष्य को पाप-पुण्य का विचार करके ही कर्म करना चाहिए।

शब्द: **उठना-बैठना**
प्रयोग: उसका उठना-बैठना भले लोगों में है।

शब्द: **कहना सुनना**
प्रयोग: मुझे आपसे बहुत कुछ कहना सुनना है।

4. सार्थक शब्दों के साथ निरर्थक शब्दों के युग्म

शब्द- **अस्त-व्यस्त**
प्रयोग: आंधी में घर का सारा अस्त-व्यस्त हो गया

शब्द: **डील-डौल**
प्रयोग: हाथी का डील-डौल बच्चा डर गया।

शब्द: **भोला-भाला**
प्रयोग: उसका चेहरा बहुत भोला-भाला है।

शब्द: **उथल-पुथल**
प्रयोग: तूफान से समुद्र में उथल-पुथल मच गई

शब्द: **चाल-ढाल**
प्रयोग: चाल-ढाल से आदमी के व्यक्तित्व का पता चल जाता है।

4. प्रयोग के आधार पर

भाषा में शब्द प्रयोग सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। भाषा में शब्द के प्रयोग से वाक्य बनते हैं। प्रयोग की दृष्टि से शब्दों को दो वर्गों में बांटा गया है।

1. विकारी शब्द
2. अविकारी शब्द

1. विकारी शब्द - विकारी वे शब्द हैं जिनके रूप में लिंग, वचन, पुरुष, काल आदि के कारण विकार (परिवर्तन) आता है। इसे विकारी शब्द कहते हैं। इसके निम्न भेद हैं -

1. संज्ञा **2. सर्वनाम**
3. विशेषण **4. क्रिया**

1. संज्ञा- किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, गुण, भाव आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं।

जैसे - प्रणियों के नाम - लखन, गोपाल, लड़की, पुरुष, चीता इत्यादि

वस्तुओं के नाम - कुर्सी, मेज, कलम, पेन इत्यादि

स्थान के नाम - लेह, दार्जीलिंग, जंगल इत्यादि

गुण, अवस्था या भाव - इमानदारी, बुढ़ापा, स्वाद इत्यादि

कार्य- 1. कर्ता - संदीप आ गया है
2. कर्म- मोहन ने पुस्तक को पढ़ा ।
3. पुरक- मोहन शिक्षक है।

संज्ञा के भेद निम्न हैं-

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा
2. जातिवाचक संज्ञा
3. भाववाचक संज्ञा

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा - जो शब्द किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध कराए उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे- पूणें, चैन्नई, हैदराबाद, कुरआन, गीता, नर्मदा, गंगा आदि।

2. जातिवाचक संज्ञा- जो शब्द एक ही जाती या समुदाय की सभी वस्तुओं अथवा प्राणियों का बोध कराता हो उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।
जैसे- मजदूर, लड़का, बैल, नदी, नगर इत्यादि

3. भाववाचक संज्ञा- जो शब्द किसी भाव, गुण, दशा आदि का बोध कराए भाववाचक संज्ञा कहलाता है।
जैसे- अमीरी-गरीबी, ऊँचा-नीचा इत्यादि

KOTHARI INSTITUTE

■ **अन्य :**

समुदायवाचक संज्ञा- जो शब्द किसी वस्तुओं या प्राणियों के समूह, झुंड़ या समुदाय का बोध कराता हो समुदायवाचक संज्ञा कहलाती है।

जैसे- सभा, सेना, कक्षा, इत्यादि

द्रव्यवाचक संज्ञा- जो शब्द किसी द्रव्य, पदार्थ, अथवा धातुओं का बोध कराता है द्रव्यवाचक संज्ञा कहलाता है।

जैसे- तांबा, चांदी, कोयला, गेहूं इत्यादि।

संज्ञा में प्रयोग के समय इनके रूपों में लिंग, वचन और कारक के कारण कई बार परिवर्तन देखने को मिलते हैं।

लिंग: शब्द के यह जिस रूप से यह पता चलता है कि वह पुरुष जाति के लिए प्रयुक्त हुआ है अथवा स्त्री जाति के लिए, उसे लिंग कहते हैं।

लिंग के भेद निम्न हैं-

1. पुल्लिग

2. स्त्रीलिंग

1. पुल्लिंग - जिन संज्ञा शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता हो पुल्लिग शब्द कहलाता है।

जैसे- शेर, सूर्य इत्यादि

2. स्त्रीलिंग - जो शब्द स्त्री जाति का बोध कराता हो उसे स्त्रीलिंग कहते हैं।

जैसे- शेरनी, पुलिस इत्यादि

नियम- कुछ शब्द दोनों में ही प्रयुक्त होते हैं

जैसे- कछुआ (नर-पुल्लिंग), कछुआ (मादा - स्त्रीलिंग) ।

■ कुछ शब्द हमेशा स्त्रीलिंग के लिए ही प्रयुक्त होते हैं- तितली, छीपकली, कोयल, चील, गिलहरी,

■ कुछ शब्द हमेशा पुल्लिंग के लिए ही प्रयुक्त होते हैं- समुद्र, पर्वत, देश, गृह।

■ कुछ शब्द हमेशा स्त्रीलिंग व पुल्लिंग (समूह) का बोध कराते हैं- संसद, सरकार, परिषद, सभा

वचन: शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक शब्द को बोध होता हो वचन कहलाता है। वचन के प्रकार निम्न हैं-

1. एकवचन 2. बहुवचन

1. एकवचन- किसी शब्द के जिस रूप से एक व्यक्ति, वस्तु का बोध हो एकवचन कहलाता है।

उदाहरण- घोड़ा, पुस्तक, नदी,

2. बहुवचन- किसी शब्द के जिस रूप से एक से अधिक व्यक्तियों, वस्तुओं का बोध कराता हो बहुवचन कहलाता है।

उदाहरण- नदियां, लड़कियां, पुस्तकें ।

कारक- जो शब्द संज्ञा व सर्वनाम के साथ जुड़कर वाक्य की क्रिया तथा दूसरे शब्दों के साथ संबंध का बोध कराता है वह कारक कहलाता है।

कारक के आठ (8) भेद- 1. कर्ता कारक 2. कर्म कारक 3. करण कारक 4. सम्प्रदान कारक 5. अपादान कारक 6. संबंध कारक 7. अधिकरण कारक 8. संबोधन कारक

1. कर्ता कारक - क्रिया या काम के करने वाले को कर्ता कहते हैं। कर्ता पद प्राय: संज्ञा या सर्वनाम होता है।

कारक चिन्ह : ने
उदाहरण : राम ने
प्रयोग : राम ने पुस्तक पढ़ी

2. कर्म कारक - शब्द के जिस रूप पर क्रिया का फल पड़ता है वह कर्म कारक कहलाता है।

कारक चिन्ह : को
उदाहरण : श्याम को
प्रयोग : हमने श्याम को पत्र लिखा

3. करण कारक - संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया के साधन का बोध होता है, वह करण कारक कहलाता है।

कारक चिन्ह: से / के द्वारा
उदाहरण : कलम से / मोहन के द्वारा
प्रयोग : मोहन ने कलम से पत्र लिखा / यह सूचना मोहन के द्वारा भिजवाना

4. सम्प्रदान कारक - जिसे कुछ दिया जाए या जिसके लिए कुछ किया जाए, ऐसा बोध कराने वाले संज्ञा या सर्वनाम रूप को सम्प्रदान कारक कहते हैं।

कारक चिन्ह : को / के लिए
उदाहरण : लड़के को / घर के लिए
प्रयोग : उस लड़के को पानी पिलाओ / मार्केट से घर के लिए सामान लाओ

KOTHARI INSTITUTE

5. अपादान कारक - संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से अलग होने का भाव प्रकट हो वह अपादान कारक कहलाता है।

कारक चिन्ह : से (अलग करना)
उदाहरण : पेड़ से
प्रयोग : पेड़ से पत्ते झड़ रहे हैं।

6. संबंध कारक- शब्द के जिस रूप से किसी व्यक्ति या पदार्थ का दूसरे व्यक्ति या पदार्थ से संबंध प्रकट हो वह संबंध कारक कहलाता है।

कारक चिन्ह : का / के / की / रा / रे / री
उदाहरण : सोहन का / उसके / नगर की / मेरा / तेरे / हमारी

प्रयोग : यह मकान सोहन का है / मैं उसके घर का पानी नहीं पीऊँगा / इस नगर की गलियां सकरी हैं / मेरा भाई आ गया / तेरे पिता जी कहां है / हमारी बहन पढ़ चुकी है

7. अधिकरण कारक- शब्द के जिस रूप से आधार या आश्रय को बोध हो वह अधिकरण कारक कहलाता है।

कारक चिन्ह : मैं / पर
उदाहरण : टोकरी में / मेज पर
प्रयोग : टोकरी में अनार रखे हैं / मेज पर किताब रखी है

8. संबोधन कारक- संज्ञा के जिस रूप से किसी को संबोधित किया जाए अथवा पुकारा जाए उसे संबोधन कारक कहते हैं।

कारक चिन्ह : हे! / अरे! / ओ! / अरी!
उदाहरण : हे भगवान/अरे भाई/ओ मुर्ख / अरी बहन
प्रयोग : हे भगवान! हम पर दया करो / अरे भाई! हमारी बात तो सूनों / ओ मुर्ख! कभी तो बात को समझा करो / अरी बहन! कुछ सब्र करो ।

2. सर्वनाम- जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होता हो वह सर्वनाम कहलाता है
उदाहरण: मैं, हम, तुम, वह, वे, आप, कौन
सर्वनाम के निम्न भेद हैं-
1. पुरुषवाचक 2. निश्चियवाचक 3. अनिश्चयवाचक 4. प्रश्नवाचक 5. संबंध वाचक 6. निजवाचक

1. पुरुषवाचक - बोलने सुनने वाले या अन्य के लिए जिन सर्वनामो का प्रयोग होता है वह पुरुष वाचक सर्वनाम कहलाता है। यह तीन प्रकार के होते होते हैं
(अ) उत्तम पुरुष (ब) मध्यपुरुष (स) अन्य पुरुष
(अ) उत्तम पुरुष - बोलने वाला या लिखने वाला अपने लिए जिन सर्वनामों का प्रयोग करता है वह उत्तम पुरुष कहलाता है।
उदाहरण: मैं, हम, मेरा, हमें, हमारा ।
(ब) मध्य पुरुष- बोलने या लिखने वाला जिन सर्वनामों का प्रयोग करता है वह मध्यपुरुष कहलाता है। उदाहर: तु, तुम, आप, तेरा, तुम्हे।
(स) अन्य पुरुष - बोलने या लिखने वाला अन्य व्यक्तियों के लिए जिन सर्वनामों का प्रयोग करता है वह अन्य पुरुष कहलाता है। उदाहरण: वह, वे, उसे, उन्हें ।

2. निश्चियवाचक - जो सर्वनाम किसी व्यक्ति या वस्तु की ओर निश्चित संकेत करे वह निश्चियवाचक कहलाता है।
उदारण: यह, वह, ये, वे ।

3. अनिश्चियवाचक शब्द - जिन सर्वनामों से किसी पदार्थ या व्यक्ति का बोध न हो वह अनिश्चियवाचक सर्वनाम कहलाता है।
उदाहरण: कोई, कुछ, किसे ।

4. प्रश्नवाचक - जिन सर्वनामों का प्रयोग किसी व्यक्ति या वस्तु के विषय में प्रश्न पुछने के लिए किया जाए वह प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाता है।
उदारण: कौन, किसे, क्या, किसने ।

5. संबंधवाचक- जिन सर्वनामों का प्रयोग संबंध प्रकट करने के लिए किया जाता है वह संबंधवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
उदाहरण: जो, जिसे, जिसने, जिसका।

6. निजवाचक- वक्ता या लेखक स्वयं अपने लिए सर्वनाम शब्द का प्रयोग करता है। वह निचवाचक सर्वनाम कहलाता है। उदाहरण: आप, स्वयं, खुद,

3. विशेषण- जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताता है वह नाम विशेषण कहलाता है। उदाहरण: अच्छाई, बुराई, संख्या, माप-तौल।

KOTHARI INSTITUTE

विशेषण के निम्न भेद हैं-

1. गुणवाचक 2. संख्यावाचक

3. परिमाणवाचक 4. संकेतवाचक

1. गुणवाचक- जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दोष, आकार, दशा, रंग, आदि का बोध कराए गुणवाचक विशेषण कहलाता है।

उदाहरण- **गुण:** अच्छा, सुंदर, सच्चा ।

दोष: अभिमानी, बुरा, अशिष्ट

2. संख्यावाचक- जो शब्द संज्ञा की संख्या का बोध कराए संख्यावाचक विशेषण कहलाता है।

उदा.- दस रुपये, चौथा आदमी, कुछ लोग ।

3. परिणामवाचक - यह विशेषण संज्ञा के परिमाण, मात्रा, आदि से संबंधित विशेषता बताता है।

उदा.- किलोभर (चीनी), थोड़ी-सी (दाल), कुछ (दूध), सारा (परिवार), बहुत (वर्षा), भारी (बोझ)।

4. संकेतवाचक- यह विशेषण संज्ञा की गिनती या संज्ञा से संबंधित विशेषता को बताता है।

उदा.- एक, दो, आधा, सवा, ढाई, पहला, दूसरा, दुगना, तीगुना।

4. क्रिया- क्रिया ऐसा शब्द है जिससे किसी काम के किए जाने अथवा होने, किसी घटना के घटीत होने या किसी व्यक्ति अथवा वस्तु की अवस्था, या स्थिति का बोध होता हो क्रिया कहलाता है। उदाहरण: वह खाना खा चुका है। वह बहुत तेज दौड़ रहा है।

क्रिया के दो भेद हैं- 1. अकर्मक 2. सकर्मक

1. अकर्मक- जिन क्रियाओं के प्रयोग में कर्म की आवश्यकता नहीं होती है अकर्मक क्रिया कहलाती है। उदाहरण: स्नेहा दौड़ रही है। बच्चा रोता है।

2. सकर्मक- जिन क्रियाओं में कर्म की आवश्यकता होती है सकर्मक क्रिया कहलाती है। उदाहरण: जयंत पुस्तक पढ़ता है। किसान हल चला रहा है।

क्रिया के कुछ अन्य भेद- (अ) **सामान्य क्रिया-** जहां केवल एक क्रिया का प्रयोग हो वह सामान्य क्रिया कहलाती है। उदाहरण: राम गया । उसने पढ़ा। वह आया।

(ब) संयुक्त क्रिया- जहां दो या दो से अधिक क्रियाओं का साथ-साथ प्रयोग हो वह संयुक्त क्रिया कहलाती है। उदाहरण: विराट पढ़ चुका है। वह सो रहा है।

(स) नामधातु क्रिया- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, आदि शब्दों से बने क्रिया पद नामधातु क्रिया कहलाती है। उदाहरण- संज्ञा से: बात से बतीयाना। सर्वनाम से: अपना से अपनाना। विशेषण: गरम से गरमाना।

(द) प्रेरणार्थक क्रिया- जिन क्रियाओं में कर्ता स्वयं कार्य ना करके किसी दूसरे को प्रेरित करके कार्य करता हो प्रेरणार्थक क्रिया कहलाती है। उदाहरण- हंसवाना, पढ़वाना, बुलवाना ।

(त) पूर्वकालीक क्रिया- मुख्य क्रिया से पहले आनेवाली क्रिया पूर्वकालीक क्रिया कहलाती है। उदाहरण: मैं खाना खाकर पढूंगा। बच्चा दुध पीकर सो गया।

2. अविकारी शब्द

अविकारी वे शब्द हैं जिनके रूप में कोई परिवर्तन नहीं आता अविकारी शब्द कहलाते हैं। इनके भेद निम्न हैं-

1. क्रिया विशेषण 2. समुच्चयबोधक 3. संबंध बोधक 4. विस्मयादि बोधक

1. क्रिया विशेषण - जो शब्द क्रिया की विशेषता बताता हो वो क्रिया विशेषण कहलाता है। उदाहरण: संगीता ऊपर रहती है। धीरे-धीरे चलो। कम खाओ।

क्रिया विशेषण के भेद- (अ) कालवाचक (ब) स्थानवाचक (स) परिमाणवाचक (द) रीतिवाचक

(अ) कालवाचक- जिससे क्रिया के करने या होने का बोध हो वह काल वाचक क्रिया विशेषण कहलाता है। उदाहरण: आरती कल आएगी। तुम अब जा सकते हो।

(ब) स्थानवाचक - जिससे क्रिया के होने या करने के स्थान का बोध हो वह स्थानवाचक क्रिया विशेषण कहलाता है। उदाहरण: अन्दर आ जाओ। तुम आगे चला।

(स) परिमाणवाचक : जो शब्द क्रिया के परिमाण को प्रकट (बोध) कराए परिमाणवाचक क्रिया विशेषण

KOTHARI INSTITUTE

कहलाता है। उदाहरण: उतना खाओ जितना तुम पचा सकते हो। तुम बहुत पढ़ते हो।

(द) रीतिवाचक- जिस शब्द से क्रिया के होने या करने के ढंग का पता चलता हो वह रीतिवाचक क्रिया विशेषण कहलाता है। उदाहरण: पूजा तेज दौड़ती है। लक्ष्मी मधुर गाती है।

2. समुच्चयबोधक- जो अव्यय शब्द दो शब्दों, वाक्यांशों या वाक्यों को जोड़ने का काम करता हो समुच्चयबोधक कहलाता है। उदाहरण: और, अगर, क्योंकि, किंन्तु, परन्तु

समुच्चयबोधक अव्यय के भेद निम्न हैं- (अ) समानाधिकरण समुच्चयबोधक (ब) व्यधिकरण समुच्चयबोधक

(अ) समानाधिकरण समुच्चयबोधक - जो अव्यय समान शब्दों, वाक्यों या वाक्यांशों को मिलाने का काम करता हो समानाधिकरण समुच्चयबोधक वाक्य कहलाता है। उदाहरण: और, तथा, एवं परंतु।

भेद: (i) समयोजक- वे जो शब्दों, वाक्यांशों तथा वाक्यों में मेल प्रकट करता हो समयोजक कहलाता है। उदाहरण: और, तथा, व, एवं (ii) विकल्प- वे शब्द जो कई वाक्यों में से एक या अथवा कुछ का ग्रहण अथवा त्याग करता हो विकल्प कहलाता है। उदारण: या, वा, अथवा, चाहे, अन्यथा। (iii) परिणामदर्शक- वे शब्द जो पहले कही गई बात का परिणाम बताने से पूर्व प्रयुक्त हो जाते हैं परिणामदर्शक कहलाते हैं। उदाहरण: अतः, अतएव, इसलिए, क्योंकि, इस कारण। (iv) विरोधदर्शक- वे शब्द जो पहले कही गई बात का निषेध करने से पूर्व प्रयुक्त हो जाते हैं विरोधदर्शक कहलाते हैं। उदाहरण: किन्तु, परन्तु, लेकिन, बल्कि।

(ब) व्यधिकरण समुच्चयबोधक- एक या एक से अधिक आश्रित उपवाक्यों को प्रधान वाक्य से जोड़ने वाले अव्यय व्यधिकरण समुच्चयबोधक कहलाते हैं। उदाहरण: क्योंकि, ताकि, तथापि, यद्यपि, यानी, मानो।

भेद: (i) कारणबोधक- जो अव्यय आश्रित तथा प्रधान उपवाक्यों में कार्य व कारण का संबंध बताते हो कारणबोधक कहलाते हैं। उदाहरण: वह कल नहीं आ सका क्योंकि उसे बुखार था। (ii) संकेतबोधक- यह दो उपवाक्यों को दर्शाता है संकेतबोधक कहलाता है। उदाहरण: यदि तुम समय पर आते, तो तुम्हे गाड़ी मिल जाती। (iii) उद्देश्यबोधक- ये अव्यय आश्रित उपवाक्य से पहले आकर मुख्य उपवाक्य का उद्देश्य बताते हैं उद्देश्य बोधक कहलाते हैं। उदाहरण: खूब मन लगाकर पढ़ो ताकि परीक्षा में प्रथम आ सको। (iv) स्वरूपबोधक - जो वाक्य मुख्य कथन को अधिक स्पष्ट करते हो स्वरूपबोधक कहलाते हैं। उदाहरण: उसका मुख इतना सुंदर है, मानो चन्द्रमा है।

3. संबंधबोधक- जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम के साथ लगकर वाक्य के अन्य शब्दों के साथ संबंध सूचित करे संबंधबोधक कहलाता है। उदाहरण- **कालवाचक:** के पश्चात, के ऊपर। **स्थानवाचक:** के अन्दर, के भीतर, के नीचे। **दिशावाचक:** के दोनों ओर, की ओर। **कारणवाचक:** के कारण, के मारे। **तुलनावाचक:** के आगे, के समक्ष, की अपेक्षा।

4. विस्मयादिबोधक- जिन शब्दों से वक्ता या लेखक के मनोभाव अर्थात भेद, विस्मय, शोक, क्रोध, आदि भाव प्रकट करते हों विस्मयादिबोधक अव्यय कहलाते हैं। उदाहरण- **हर्षबोधक:** आहा!, शबास !, वाह-वाह !, । **शोधसूचक:** हाय !, हाय-हाय !, हे राम !, ओह !, हा ! । **भयबोधक:** बाप रे बाप ! हाय! । **घृणाबोधक:** छि-छि !, थू ! , धत्त ! । **क्रोधबोधक:** अबे !, चुप ! **अनुमोदनबोधक:** ठीक ! अच्छा ! हां ! **सावधानबोधक:** खबरदार ! होशियार ! **अभिवादनबोधक:** राम-राम !

3. वाक्य विचार

जिस सुव्यवस्थित ओर सार्थक पद समूह से भाव या विचार की पूर्ण अभिव्यक्ति होती है उसे वाक्य कहते हैं।

वाक्य विचार व्याकरण का वह विभाग है जिसमें वाक्य, वाक्य रचना, वाक्यों के भेद, वाक्य के विश्लेषण तथा उन्हें अलग करने की रीति तथा

KOTHARI INSTITUTE

विराम चिन्हों का अध्ययन किया जाता है।

भाषा की सबसे छोटी इकाई वाक्य मानी जाती है, मनुष्य अपने भावों या विचारों को वाक्यों द्वारा ही प्रकट करता है। वाक्यों में प्रयुक्त पदों का अपना निश्चित क्रम होता है।

वाक्य के निम्न अंग- 1. उद्देश्य 2. विधेय

1. उद्देश्यः वाक्य में जिस विषय के बारे में कहा गया हो उद्देश्य कहलाता है। उदाहरण: **सलोनी** लिखती है। **मेरा मित्र लोकेश** आज आ रहा है।

2. विधेयः वाक्य के जिस अंश में उद्देश्य के बारे में बताया गया हो विधेय कहलाता है। उदाहरण: सलोनी **लिखती** है। मेरा मित्र लोकेश **आज आ रहा है**।

वाक्य के भेदः (अ) अर्थ के आधार पर
(ब) रचना के आधार पर

(अ) अर्थ के आधार पर: वाक्य के आठ भेद हैं -

(1) विधानार्थक: जिन वाक्यों में क्रिया के विधान के किसी भी रूप में होने का बोध होता है विधानार्थक वाक्य कहलाता है। जैसे- वह जाता है, वह गया, वह जाएगा।

(2) निषेधार्थक: जिन वाक्यों में क्रिया के विधान का निषेध किया जाता है। निषेधार्थक वाक्य कहलाते हैं। जैसे- वह नहीं जाता, वह नहीं गया, वह नहीं जाएगा।

(3) प्रेश्नार्थक: जिन वाक्यों के किसी प्रश्न के पूछे जाने का बोध होता है वह प्रेश्नार्थक वाक्य कहलाता है। जैसे- तुम क्या जाओगे? क्या तुम जा सकते हो? तुम क्यों रो रहे हो? तुम्हे किसने मारा? तुम कब आओगे? तुम्हे कहां जाना है?

(4) विस्मयार्थक वाक्य: जिन वाक्यों में किसी प्रकार का आश्चर्य या विस्मय प्रकट होता हो विस्मयार्थक वाक्य कहलाता है। जैसे- वाह! क्या बात है। अरे! यह क्या हुआ

(5) आज्ञार्थक: जिन वाक्यों में किसी आज्ञा का बोध होता है आज्ञार्थक वाक्य कहलाते हैं। जैसे- तुम पढ़ो, तम जाओ, तुम लाओ,

(6) इच्छार्थक: जिन वाक्यों में किसी प्रकार की इच्छा, अकांक्षा, आशिर्वाद निहित रहती है इच्छार्थक वाक्य कहलाता है। जैसे- भगवान सबका भला करे। ईश्वर करे तुम दीर्घायु हो। आतंकवाद का नाश हो।

(7) संदेहार्थक: जिन वाक्यों में क्रिया के होने का निश्चिय न हो अर्थात अनिश्चिय का बोध हो संदेहार्थक वाक्य कहलाता है। जैसे- वह 10 बजे तक पहुंचा होगा। उसने टिकिट खरीद ली होगी।

(8) संकेतार्थक: जिन वाक्यो में किसी अन्य वाक्य की संभावना का संकेत निहित रहता है। संकेतार्थक वाक्य कहलाता है। जैसे- यदि तुम बुलाते तो मैं आता। यदि तुम कह देते तो मेरा काम हो जाता।

(ब) रचना के आधार पर: रचना के आधार पर मुख्यत: तीन भेद हैं

(1) सरल वाक्य- जिन वाक्यों में एक उद्देश्य और एक विधेय होता है सरलवाक्य कहलाता है। जैसे- नेहा पुस्तक पढ़ती है। नेहा खाना पकाती है।

(2) मिश्रवाक्य: जिन वाक्यों में एक प्रधान उपवाक्य हो और दूसरा गौण या आश्रित उपवाक्य हो मिश्रवाक्य कहलाता है। जैसे- नेताजी सुभाषचन्द्रबोस ने कहा था कि तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा।

(3) संयुक्तवाक्य : जिस वाक्य में दो या दो से अधिक सरल वाक्य किसी योजक (समानाधिकरण समुच्चयबोधक) के द्वारा जुड़े हों, संयुक्तवाक्य कहलाता है। जैसे- भल्लू कहानी पढ़ता है। सलमा पिक्चर देखती है।

KOTHARI INSTITUTE

विराम-चिह्न

विराम का अर्थ होता है रुकना या ठहरना। बोलते समय या पढ़ते समय हमें बीच में या अंत में रूकना पड़ता है। इससे वाक्य के अर्थ को समझने में सुविधा होती है।

परिभाषा: वह चिह्न या निशान जिसे लिखते या बोलते समय भाषा में रुकने या ठहरने का संकेत मिले तथा जो भाषा को स्पष्ट बनाने में सहायता करे विराम चिह्न कहलाता है।

हिन्दी में निम्न लिखित चिह्नों का प्रयोग विराम चिह्न के रूप में किया जाता है -

1. पूर्ण विराम Full stop (।): वाक्य के समाप्त हो जाने पर (प्रश्न वाचक एवं विस्मयादिवाचक वाक्यों को छोड़कर) इसका प्रयोग किया जाता है। जैसे- सतीश पुस्तक पढ़ता है।

2. अल्प विराम Comma (,) : जहां बहुत कम समय के लिए रुकना पढ़े वहां अल्प विराम का उपयोग किया जाता है। जैसे - वह बालक परिश्रमी, साहसी, इमानदार एवं स्वस्थ है।

3. अर्द्ध विराम Semicolon (;) : जहां पूर्ण विराम से कुछ कम ओर अल्प विराम से कुछ अधिक रुकना पड़ता है अर्द्ध विराम कहलाता है। जैसे- माली पौधा लगाता है; उसे सींचता है; उसकी रक्षा करता है तब कहीं जाकर उस पौधे से फुल या फल मिलते हैं।

4. प्रश्न सूचक Question mark (?) : इसका प्रयोग वाक्य के अंत में, पूर्ण विराम के स्थान पर किया जाता है। जैसे- तुम कहां रहते हो? तुम्हारा क्या नाम है?

5. विस्मय सूचक Exclamation (!) : आश्चर्य, घृणा, हर्ष, आदि भाव को प्रकट करने के लिए किया जाता है। जैसे- वाह! मजा आ गया

6. उप विराम Colon (:) - नाटक आदि में संवादों से पूर्व इनका प्रयोग होता है। जैसे - चन्द्रगुप्त: आज हमारी सेना पर आक्रमण करेगा।

7. निर्देशक चिह्न Dash (-) : निर्देशक चिह्न योजक चिह्नों से आकार में बढ़ा होता है। जैसे शास्त्री जी का नारा था - जय जवान, जय किसान

8. विवरण चिह्न Colon-dash (:-) कोई भी विवरण देने के लिए विवरण से पूर्व जो चिह्न लगाया जाता है उसे विवरण चिह्न कहते हैं। जैसे- रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैं :- सरल, मिश्र और संयुक्त

9. योजक चिह्न Hyphen (-) : योजक का अर्थ है जोड़ने वाला। दो शब्दों को जोड़ने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। जैसे- दिन-रात, भारत-रत्न, रोते-रोते, सुई-धागा,

10. उद्धरण चिह्न Inverted commas (“ ”) : वाक्य में किसी के कथन को ज्यों का त्यों उध्दृत करने के लिए उद्धरण को दोनों और ऊपर की तरफ उद्धरण चिह्न (“ ”) लगाते हैं। यह दो प्रकार का होता है इकहरा उद्धरण चिह्न (‘ ’) तथा दोहरा उद्धरण चिह्न (“ ”)। जैसे - राकेश ने कहा, “मैं आज नहीं आऊँगा।” हिन्दी काव्य परम्परा में ‘रामचरित मानस’ सर्वश्रेष्ठ ग्रन्थ है।

11. कोष्टक Braket ( ) : इसका प्रयोग शब्द या वाक्यांश के दोनों ओर एक-दूसरे के विपरीत दिशा में किया जाता है। ये तीन प्रकार के होते हैं बड़ा कोष्टक [ ], मझला कोष्टक { }, छोटा कोष्टक अथवा लघु कोष्टक ( ) ।

KOTHARI INSTITUTE

12. लाघव चिह्न Abbreviation (॰) : किसी शब्द के संक्षिप्त रूप को बताने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। जैसे- डॉ॰ (डॉक्टर), प्र॰ (प्रश्न), उ॰ (उत्तर)।

13. लोप चिह्न या अपूर्णतासूचक चिह्न (××, ...) : समय तथा स्थान के अभाव में जब पूरा उद्धरण न देकर, उसका कुछ अंश छोड़ दिया जाता है, तो उस छोड़े गए अंश के स्थान पर लोप चिह्न अथवा अपूर्णतासूचक चिह्न लगाते हैं। जैसे - निज दुख गिरि ×× ।
मित्रक दुख रज मेरू समाना ।।
जैन मित्र दुख: ..... ।
तिन्ही विलोकत पातक भारी ..... ।।

14. समानतासूचक चिह्न (=) : जब एक वस्तु की तुलना या समानता दूसरी वस्तु से प्रदर्शित करनी हो तो दोनों के बीच में समानतासूचक चिह्न लगाते हैं। जैसे - 2 मीटर = 200 सेंटीमीटर = 2000 मिलीमीटर

15. परणतिसूचक चिह्न (>) : किसी वर्ण शब्द आदि की विकार दशा का बोध कराने के लिए परणतिसूचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे- नृत्य > नच्च > नाच

16. हंसपद चिह्न (^) : लिखते समय वाक्य में जब कोई अंश छुट जाता है तो छुटे हुए स्थान पर हंसपद चिह्न लगाया जाता है।

जैसे- अटलजी ने कहा: जय जवान, जय ^ विज्ञान

17. निर्देश चिह्न (⟶) : संशोधन तथा प्रुफ रिडिंग में इस चिह्न का प्रयोग होता है।
जैसे - भाईयों और बहनों ~~बुरे-बुरे~~ का अंतर पहचानों, में ही आपका हितैषी हूँ।
⟶ अच्छे-बुरे

18. पुनरुक्तिसूचक चिह्न: (,,): जब ऊपर की पंक्ति में लिखी गई बात को ज्यों का त्यों निचे की पंक्ति में दोहराना हो तो पुनरुक्ति चिह्न लगाया जाता है। जैसे - कबीरदास का जन्म भक्तिकाल में हुआ था।
तुलसीदास का भी जन्म ,, ,, ,, ,, ,, ।

वाच्य

वाच्य क्रिया का वह रूप होता है जिससे जाना जाता है कि क्रिया का मुख्य विषय कर्ता है अथवा कर्म है अथवा भाव है।
वाच्य के तीन भेद हैं- 1. कर्तृवाच्य 2. कर्मवाच्य 3. भाववाच्य

1. **कर्तृवाच्य:** जहाँ क्रिया का मुख्य संबंध कर्ता के साथ हो अर्थात जिस वाक्य में क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष कर्ता के अनुसार हो वह कर्तृवाच्य कहलाता है। जैसे- कविता फूल तोड़ती है। मैं व्यायाम करता हूं।
2. **कर्मवाच्य:** जहां क्रिया का सीधा संबंध कर्म से हो अर्थात जिस वाक्य में लिंग, वचन और पुरुष कर्म के अनुसार हो वह कर्मवाच्य कहलाता है। जैसे- मेरे द्वारा पुस्तक पढ़ी जाती है। कविता के द्वारा फूल तोड़े जाते हैं।
3. **भाववाच्य:** भाव का अर्थ होता है क्रिया का भाव अर्थात जहां क्रिया का भाव प्रधान होता हो वह वाक्य भाववाच्य कहलाता है। जैसे- कविता से पढ़ा नहीं गया। संजय से चला नहीं जाता ।

KOTHARI INSTITUTE

मुहावरा

महावरा पूर्ण वाक्य न होकर वाक्यांश होता है। इसके शब्द निहित अर्थ को न देकर अन्य रूढ़ अर्थ का संकेत करते हैं। जैसे- आंख लगना (मेरी घड़ी पर उसकी आँख लगी है)

मुहावरे की विशेषताएँ

1. मुहावरे के रुप में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं होता
   उदाहरण के लिए - नरेश 'फूलकर कुप्पा हो गया'।
   (पुल्लिग)
   नीनिमा 'फूलकर कुप्पा हो गई'।
   (स्त्रीलिंग)
2. मुहावरा सदैव वाक्य का अंग बनकर प्रयुक्त होता हैं, स्वतंत्र रुप से नहीं ,.
   जैसे - मैंने पेट काटकर अपने लड़के को पढ़ाया ।
3. मुहावरे का अभिधार्थ (सामान्य अर्थ) नहीं बल्कि उसका लक्ष्यार्थ (विशेष अर्थ) ही ग्रहण किया जाता हैं।
4. मुहावरे का जब वाक्य में प्रयोग किया जाता है तो उसकी क्रिया, लिंग,वचन, कारक आदि के अनुसार बदल जाती हैं।

मुहावरों के आधार

- कुछ मुहावरे शारीरिक स्थितियों पर आधारित होते हैं,. जैसे- (i) मुँह फुलाए बैठना (ii) अँगूठा दिखाना (iii)कान खड़े होना (iv) कलेजा ठंडा होना (v) हाथ मलना
- कुछ मुहावरे उन वास्तविक स्थितियों पर आधारित होते हैं,. जहाँ हमें कार्य का स्पष्ट परिणाम दिखाई देता है, जैसे - (i) दाग लगाना (ii) कीचड़ उछालना (iii) खाक छानना (iv) झख मारना (v) लेने के देने पड़ना
- कुछ मुहावरे लोक - कथाओं , पौराणिक मान्यताओं और संस्कृति पर आधारित होते हैं,. जैसे -
  (i) पोल खुलना (ii) बीड़ा उठाना
- कुछ मुहावरे अत्युक्ति कल्पनाओं पर आधारित होते हैं,. जैसे -
  (i) छाती पर मूँग दलना (ii) चुल्लू भर पानी में डूब मरना

मुहावरों का वाक्य में प्रयोग करना

मुहावरों का वाक्य में प्रयोग करते हुए उनके लाक्षणिक अर्थ पर अवश्य ध्यान देना चाहिए ।

निम्नलिखित मुहावरों पर ध्यान दें - तुम बदमाशी करोगे तो मैं

तुम्हारी खाल खींच लूँगा ।
तुम्हारी जबाव खींच लूँगा।
तुम्हारा सिर कुचल दूँगा।
तुम्हारे दाँत तोड़ दूँगा ।

इन सभी मुहावरों से एक व्यक्ति द्वारा दूसरे को धमकाने का अर्थ निकलता हैं।

इस प्रकार मुहावरों का वाक्य में प्रयोग करते समय सावधानीपूर्वक उनके अर्थ को समझकर ,सटीक वाक्य -प्रयोग करना चाहिए ।

लोकौक्ति

लौकौक्ति कोई काव्यांश या पूर्ण वाक्य होती है। जिसके शब्दों का प्रचलित या सामान्य अर्थ ही लिया जाता है। लौकोक्ति कहलाती है। (इसे साधारण बोली में कहावत भी कहा जाता है)

लोकोक्तियों के स्रोत- लोकोक्तियां विभिन्न स्रोतों से आती हैं। कुछ कहावतें (लोकोक्तियां) सीधे साहित्य से आती हैं; जैसे- ''जाको राखे साइयां मारि सके न कोय।'' कुछ कहावतों में लोक कथाएं छिपी होती है; जैसे - **''चोर की दाड़ी में तिनका'', ''बिल्ली के गले में घंटी कौन बांधेगा'', ''दूध का दूध और पानी का पानी।''** कहावतों को हम कुछ विशेष वर्गों में बांटकर देख सकते हैं।

- स्थिति के वर्णनवाली कहावतें।
  तार्किक स्थितिवाली कहावतें।
- विपरीत स्थिति या उल्टेपरिणामवाली कहावतें।
  लाक्षणिक अर्थवाली कहावतें।

1. **स्थिति के वर्णनवाली कहावतें-** कुछ कहावतें या लोकोक्तियां स्थितियों पर आधारिहत होती है; **जैसे** - कंगाली में आटा गीला-मुसीबात में और मुसीबत पैदा हो जाना (संदर्भ- जो गरीब आदमी है, उसके पास थोड़ा ही आटा होगा वह भी गीला हो जाए तो उसके पास कुछ बचेगा ही नहीं)।
2. **तार्किक स्थितिवाली कहावतें-** ये कहावतें ऐसी हैं, जिन्हें हम अनुभव से तथा तार्किक चिंतन से समझ सकते हैं; जैसे- अधजल गगरी छलकत जाए।
   उपर्युक्त लोकोक्ति का संदर्भ यह है कि घड़े में पानी हो और उसे लेकर हम तेजी से चलें तो पानी कम होने के कारण छलकेगा और गिरेगा। इसका लाक्षणिक अर्थ यह है कि जिस आदमी में कम योग्यता होती है वह सबसे ज्यादा इतराता है (छलकता है)। ऐसे व्यक्ति के संदर्भ में हम इस कहावत का प्रयोग करते हैं।
3. **विपरीत स्थिति या उल्टे परिणामवाली कहावतें-** ये वे कहावतें हैं जिनमें अनुभव की बात हैं, और उसे विपरीत परिणाम से दिखाया गया है; जैसे- अंधी पीसे कुत्ता खाए। इस कहावत के संदर्भ पर विचार करें तो अंधी बेचारी काम कर रही है, लेकिन उसे यह नहीं मालूम है कि उसका लाभ किसको मिल रहा है। आप इस दृश्य की कल्पनाकर सकते हैं जो इस कहावत में वर्णित है।
4. **लाक्षणिक अर्थवाली कहावतें-** कुछ कहावतें लाक्षणिक अर्थ देती हैं; जैसे कोई व्यक्ति कमजोर होते हुए भी अपने परिवेश में बहुत महत्वपूर्ण और शक्तिशाली दिखाई पड़े तो हम कह सकते हैं कि **अपनी गली में कुत्ता भी शेर होता है।** इसी प्रकार यह कहावत **'चोर-चोर मौसेरे भाई'** भी लाक्षणिक अर्थ देती है।

KOTHARI INSTITUTE

उपसर्ग

जो शब्दांश मूल शब्द से पूर्व जुड़कर शब्द के अर्थ में विशेष परिवर्तन ला देता है वह उपसर्ग कहलाता है। हिन्दी में उपसर्ग को निम्नलिखित वर्गों में बांटा जा सकता है।

संस्कृत के उपसर्ग -

1. उपसर्ग- अ
   अर्थ - अभाव, निषेध, हीन
   उदा. - अज्ञान, अधर्म, अभाव, अलौकिक
2. उपसर्ग- अति
   अर्थ - अधिक, ऊपर,
   उदा.- अतिप्रिय, अतिरिक्त, अत्याधिक
3. उपसर्ग- अधि
   अर्थ - विशेष, प्रधान, ऊपर
   उदा.- अधिकार, अधिपति, अध्यक्ष, अधिकृत
4. उपसर्ग- अन्
   अर्थ- नहीं, अभाव
   उदा.- अनेक, अनादि, अनादार, अनाचार
5. उपसर्ग- अभि
   अर्थ - सामने
   उदा.- अभिमान, अभिमुख, अभिलाषा, अभियोग
6. उपसर्ग- अव
   अर्थ - नीचे, हीन
   उदा.- अवनति, अवगुण, अवतार, अवकाश, अवसान
7. उपसर्ग- अप
   अर्थ- बुरा, हीन
   उदा.- अपमान, अपयश, अपवाद, अपराध, अपकार
8. उपसर्ग- अनु
   अर्थ- पीछे, समान
   उदा.- अनुकुल, अनुकरण, अनुरूप, अनुशासन, अनुसार
9. उपसर्ग- आ
   अर्थ- तक, उल्टा, सहित
   उदा.- आकार, आजीवन, आजन्म, अमरण, आगमन, आर्कषण।
10. उपसर्ग- उत्
    अर्थ- ऊपर, श्रेष्ठ
    उदा.- उत्कर्ष, उत्थान, उत्तीर्ण, उत्साह, उत्तम, उत्पन्न।
11. उपसर्ग- उप
    अर्थ- सहायक, गौण, निकट
    उदा.- उपवन, उपमंत्री, उपचार, उपकार, उपस्थिति।
12. उपसर्ग- दुः, दुर्
    अर्थ- बुरा, कठिन
    उदा.- दुराचार, दुर्जन, दुर्दशा।
13. उपसर्ग- दुस्
    अर्थ- बुरा, कठिन, दुष्ट
    उदा.- दुस्साहस, दुष्कर्म, दुश्चरित्र।
14. उपसर्ग- नि
    अर्थ - रहित, बिना, अधिकता,
    उदा. - निपुर्ण, निबंध, निरोध, निडर।
15. उपसर्ग- निर्
    अर्थ - निषेध, विपरीत, रहित
    उदा.- निर्गुण, निर्मम, निर्दोश,निर्भय, निर्जीव।
16. उपसर्ग- परा
    अर्थ - परे, उल्टा, तिरस्कार।
    उदा. - पराजय, पराभव, परामर्श, पराधीन, परास्त।
17. उपसर्ग- परि
    अर्थ - चारों और, पूर्ण
    उदा. - परिक्रमा, परिणाम, परिवर्तन, परिश्रम, परिपूर्ण, परिवेश।
18. उपसर्ग- प्र
    अर्थ - विशेष, आगे
    उदा. - प्रगति, प्रसिद्ध, प्रचार, प्रयत्न, प्रबल, प्रमाण।
19. उपसर्ग- प्रति
    अर्थ - उल्टा, सामने
    उदा. - प्रतिकूल, प्रतिकार, प्रतिनिधि, प्रतिवादी, प्रतिदिन।
20. उपसर्ग- वि
    अर्थ - विशेष, भिन्न
    उदा. - विज्ञान, विदेश, विशेष,वियोग, विराम, विहार।

KOTHARI INSTITUTE

21. उपसर्ग- सम्
अर्थ - पूरी तरह, अच्छा
उदा. - सम्पूर्ण, संतोष, संकल्प, संयोग, संचय।
22. उपसर्ग- सु
अर्थ - अच्छा, सहज
उदा. - सुपुत्र, सुयोग, सुगम, सुरेश।
23. उपसर्ग- तत्
अर्थ - उसके जैसा
उदा. - तत्काल, तदनुसार, तत्पर।
24. उपसर्ग- स्व
अर्थ - अपना
उदा. - स्वदेश, स्वतंत्र, स्वार्थ।
25. उपसर्ग- निस्
अर्थ - बिना
उदा.- निश्छल, निसंदेह।

हिन्दी के उपसर्ग

1. उपसर्ग- अ
अर्थ - अभाव, निषेध
उदा. - अथाह, अजान, अजर
2. उपसर्ग- अन
अर्थ - निषेध, अभाव
उदा. - अनबन, अनपढ़, अनहोनी।
3. उपसर्ग- अध
अर्थ - आधा
उदा. - अधमरा, अधपका, अधखिला
4. उपसर्ग- उन
अर्थ - एक कम
उदा. - उनतीस, उनचास, उनसठ
5. उपसर्ग- औ
अर्थ - रहित
उदा. - औगुण, औतार, औघट
6. उपसर्ग- कु
अर्थ - बुरा
उदा. - कुढंग, कुचाल, कुपात्र।
7. उपसर्ग- भर
अर्थ - पूरा
उदा. - भरपूर, भरपेट, भरसक।
8. उपसर्ग- नि
अर्थ - अभाव
उदा. - निकम्मा, निधड़क, निडर
9. उपसर्ग- स
अर्थ - सहित, अच्छा
उदा. - सपूत, सकाम, सरस।
10. उपसर्ग- सु
अर्थ - उत्तम
उदा. - सुपुत्र, सुडौल, सुजान।

विदेशी भाषा के उपसर्ग (उर्दू, अंग्रेजी)

1. उपसर्ग- कम
अर्थ - हीन, थोड़ा
उदा. - कमजोर, कमअकल, कमबख्त
2. उपसर्ग - खुश
अर्थ - अच्छा, प्रसन्न
उदा. - खुशदिल, खुशहाल, खुशबू
3. उपसर्ग- गैर
अर्थ - निषेध
उदा. - गैरहाजिर, गैरकानूनी, गैरवाजिब।
4. उपसर्ग - दर
अर्थ - में
उदा. - दरअसल, दर्मियान, दरकार
5. उपसर्ग - ना
अर्थ - अभाव, निषेध
उदा. - नाराज़, नापसंद, नालायक, नाचीज़, नाउम्मीद
6. उपसर्ग - बा
अर्थ - के साथ
उदा. - बाकायदा, बाइज़्ज़त
7. उपसर्ग - बे
अर्थ - रहित
उदा. - बेईमान, बेसमझ, बेचैन
8. उपसर्ग - बद
अर्थ - बुरा
उदा. - बदमाश, बदबू, बदतमीज़, बदहज़मी, बदअखलाक़
9. उपसर्ग - ला
अर्थ - रहित
उदा. - लापता, लाइलाज, लापरवाह, लावारिस, लाजवाब,

KOTHARI INSTITUTE

10. उपसर्ग - सर
    अर्थ - मुख्य
    उदा. - सरपंच, सरताज, सरदार।
11. उपसर्ग - सब
    अर्थ - अधिन, नीचे
    उदा. - अर्थ, सब-जज, सब-कमेटी,
12. उपसर्ग - डिप्टी
    अर्थ - सहायक
    उदा. - डिप्टी-कलेक्टर, डिप्टी डायरेक्टर, डिप्टी जेलर।
13. उपसर्ग - वाइस
    अर्थ - उप
    उदा. - वाइस चांसलर, वाइस प्रिंसिपल
14. उपसर्ग - जनरल
    अर्थ - मुख्य
    उदा. - जनरल मैनेजर, जनरल डायरेक्ल
15. उपसर्ग - चीफ़
    अर्थ - मुख्य
    उदा. - चीफ़ सेक्रेटरी, चीफ़ मिनिस्टर

प्रत्यय

शब्द बनाने के लिए शब्द के अंत में जोड़े जाने वाले शब्दांश प्रत्यय कहलाते हैं। जो शब्दांश मूल के अंत में लगकर उनके अर्थ में परिवर्तन या विशेषता ला दे प्रत्यय होते हैं।

प्रत्यय के भेद-

(अ) कृत् प्रत्यय
(ब) तद्धित प्रत्यय

(अ) कृत् प्रत्यय : क्रिया के धातुरुप के अंत में जुड़कर उनके अंत में परिवर्तन करने वाले प्रत्ययों को कृत् प्रत्यय कहते हैं।

1. कृत् प्रत्यय - ना
धातु - लिख, पढ़
निर्मित शब्द - लिखना, पढ़ना

2. कृत् प्रत्यय - आन
धातु - उड़, उठ
निर्मित शब्द - उड़ान, उठान

3. कृत् प्रत्यय - आई
धातु - पढ़, लिख, लड़
निर्मित शब्द - पढ़ाई, लिखाई, लड़ाई

4. कृत् प्रत्यय - आवट
धातु - लिख, मिल, रुक
निर्मित शब्द - लिखावट, मिलावट, रुकावट

5. कृत् प्रत्यय - ई
धातु - बोल, हँस
निर्मित शब्द - बोली, हँसी

6. कृत् प्रत्यय - आप
धातु - मिल
निर्मित शब्द - मिलाप

7. कृत् प्रत्यय - आव
धातु - बढ़, फैल, बह
निर्मित शब्द - बढ़ाव, फैलाव, बहाव

8. कृत् प्रत्यय - आवा
धातु - बोल, देख
निर्मित शब्द - बुलावा, दिखावा

9. कृत् प्रत्यय - आहट
धातु - घबरा, चिल्ला
निर्मित शब्द - घबराहट, चिल्लाहट

10. कृत् प्रत्यय - पा
धातु - पूजा
निर्मित शब्द - पुजापा

11. कृत् प्रत्यय - आक
धातु - तैर
निर्मित शब्द - तैराक

12. कृत् प्रत्यय - अक
धातु - गा, पाठ
निर्मित शब्द - गायक, पाठक

13. कृत् प्रत्यय - वाला
धातु - पढ़, खा, गा
निर्मित शब्द - पढ़ने वाला, खाने वाला, गाने वाला

KOTHARI INSTITUTE

14. कृत् प्रत्यय - अक्कड़
धातु - पी, भूल, धूम
निर्मित शब्द - पियक्कड़, भुलक्कड़, घुमक्कड़

15. कृत् प्रत्यय - ऊ
धातु - खा, कमा, उड़
निर्मित शब्द - खाऊ, कमाऊ, उड़ाऊ,

16. कृत् प्रत्यय - ऐया / वैया
धातु - गा, खे
निर्मित शब्द - गवैया, खिवैया

17. कृत् प्रत्यय - दार
धातु - लेना, देना
निर्मित शब्द - देनदार, देनदार

18. कृत् प्रत्यय - आलू
धातु - झगड़, कृप्
निर्मित शब्द - झगडालु, कृपालु

19. कृत् प्रत्यय - इयल
धातु - अड़
निर्मित शब्द - अड़ियल

20. कृत् प्रत्यय - आड़ी
धातु - खेल
निर्मित शब्द - खिलाड़ी

21. कृत् प्रत्यय - अनीय
धातु - निंद, स्मृ, पठ, दर्श
निर्मित शब्द - निंदनीय, स्मरणीय, पठनीय, दर्शनीय,

22. कृत् प्रत्यय - इया
धातु - घट, बढ़
निर्मित शब्द - घटिया, बढ़िया

23. कृत् प्रत्यय - त
धातु - कथ
निर्मित शब्द - कथित

24. कृत् प्रत्यय - ऊ
धातु - झाड़
निर्मित शब्द - झाड़ू

25. कृत् प्रत्यय - ती
धातु - कतर, सूँघ, फूँक
निर्मित शब्द - कतरती, सूँघती, फूँकती

(ब) तद्धित प्रत्यय : जो प्रत्येक क्रिया की धातु से भिन्न शब्दों जैसे संज्ञा विशेषण, अव्यय आदि के बाद लगते हैं उन्हें तद्धित प्रत्यय कहते हैं।

1. तद्धित प्रत्यय - कार
धातु - साहित्य, निबंध, नाटक, पत्र
निर्मित शब्द - साहित्यकार, निबंधकार, नाटककार, पत्रकार,

2. तद्धित प्रत्यय - एरा
धातु - चाचा, मामा, फूफा
निर्मित शब्द - चचेरा, ममेरा, फूफेरा,

3. तद्धित प्रत्यय - वाला
धातु - घर, दूध, चाय
निर्मित शब्द - घरवाला, दूधवाला, चायवाला

4. तद्धित प्रत्यय -हारा
धातु - लकड़ी
निर्मित शब्द - लक्कड़हारा

5. तद्धित प्रत्यय - इमा
धातु - गुरु, लघु, महा
निर्मित शब्द - गरिमा, लघिमा, महिमा

6. तद्धित प्रत्यय - ता
धातु - प्रभु, गुरु, सुंदर, पशु
निर्मित शब्द - प्रभुता, गुरुता, सुंदरता, पशुता

7. तद्धित प्रत्यय -पन
धातु - अपना, पराया, बच्चा
निर्मित शब्द - अपनापन, परायापन, बचपन

8. तद्धित प्रत्यय - इक
धातु - धर्म, निति, उद्योग, इतिहास, भूत, पुराण, संसार, समाज, परिवार
निर्मित शब्द - धार्मिक, नैतिक, औद्योगिक, ऐतिहासिक, भौतिक, पौराणिक, सांसारिक, सामाजिक, पारिवारिक।

9. तद्धित प्रत्यय - ईल
धातु - रंग, नमक, कुल
निर्मित शब्द - रंगीन, नमकीन, कुलीन

10. तद्धित प्रत्यय -ई
धातु - जंगल, धन, गुलाब, पंजाब
निर्मित शब्द - जंगली, धनी, गुलाबी, पंजाबी

KOTHARI INSTITUTE

11. तद्धित प्रत्यय -वान

धातु - गुण, पुत्र, रुप,

निर्मित शब्द - गुणवान, पुत्रवान, रुपवान

12. तद्धित प्रत्यय - लु

धातु - कृपा, दया

निर्मित शब्द - कृपालु, दयालु

13. तद्धित प्रत्यय - वाना

धातु - डर, लोभ,

निर्मित शब्द - डरावना, लुभावना

14. तद्धित प्रत्यय -मय

धातु - जल, पाप

निर्मित शब्द - जलमय, पापमय

15. तद्धित प्रत्यय - आ

धातु - प्रिय, वृद्ध, बल, शिष्य

निर्मित शब्द - प्रिया,, वृद्धा, बाला, शिष्य

16. तद्धित प्रत्यय - इन

धातु - लुहार, माली, धोबी

निर्मित शब्द - लुहारिन, मालिन, धोबिन

17. तद्धित प्रत्यय - एँ

धातु - पुस्तक, मैच, माला

निर्मित शब्द - पुस्तकें, मैजें, मालाएँ

18. तद्धित प्रत्यय - याँ

धातु - चिड़िया, बुढ़िया,

निर्मित शब्द - चिड़ियाँ, बुढ़ियाँ

19. तद्धित प्रत्यय - गार

धातु - मदद, खिदमत,

निर्मित शब्द - मददगार, खिदमतगार

20. तद्धित प्रत्यय - साज़

धातु - जिल्द, जाल

निर्मित शब्द - जिल्दसाज़, जालसाज़

21. तद्धित प्रत्यय - तः

धातु - विशेष, साधारण

निर्मित शब्द - विशेषतः, साधारणतः

22. तद्धित प्रत्यय - पूर्वक

धातु - ध्यान, शांति, धैर्य

निर्मित शब्द - ध्यानपूर्वक, शांतिपूर्वक, धैर्यपूर्वक

23. तद्धित प्रत्यय - शः

धातु - अक्षर, कोटि

निर्मित शब्द - अक्षरशः, कोठिशः

24. तद्धित प्रत्यय - ई

धातु - पहाड़, नाला

निर्मित शब्द - पहाड़ी, नाली

25. तद्धित प्रत्यय -री

धातु - कोठा

निर्मित शब्द - कोठारी

KOTHARI INSTITUTE

संधि

दो निकटवर्ती वर्णों के आपसी मेल से जो वर्णों में उत्पन्न विकार (परिवर्तन) होता है। उसे संधि कहते हैं।

जैसे- स्वच्छ+आकाश = स्वच्छाकाश
↓ ↓
अ + आ = आ

इसमें पूर्व पद का अंतिम वर्ण व परपद का प्रधान वर्ण के मेल से जो विकार (परिवर्तन) उत्पन्न होता है और जो शब्द बनता है उसे संधियुक्त शब्द कहते हैं।

जैसे- स्वच्छ+आकाश = स्वच्छाकाश
↓ ↓
अ + आ = आ

संधियुक्त शब्द को अलग करने की प्रक्रिया को संधि विच्छेद कहते हैं जैसे- स्वच्छाकाश = स्वच्छ+आकाश

संधि के तीन भेद हैं

1. स्वर संधि 2. व्यंजन संधि 3. विसर्ग संधि

1. स्वर संधि - दो स्वरों के मेल से होने वाले परिवर्तनों को स्वर संधि कहते हैं। जैसे- यथा+अर्थ = यथार्थ

जैसे- यथा+अर्थ = यथार्थ
↓ ↓
आ + अ = आ

स्वर संधि के पांच भेद हैं-

(i) दीर्घ स्वर संधि (ii) गुण स्वर संधि (iii) वृद्धि स्वर संधि (iv) यणस्वर संधि (v) अयादि स्वर संधि

(i) **दीर्घ स्वर संधि-** दीर्घ स्वर संधि में जब **अ, इ, उ,** या **आ, ई, ऊ,** में से किसी के बाद वही स्वर आ जाय, तो वह दीर्घ स्वर संधि कहलाती है। यह बाद में आने वाला स्वर चाहे हास्य स्वर हो, चाहे दीर्घ स्वर हो दीर्घ स्वर संधि ही होगा।

उदा.- स्व + अर्थी = स्वार्थी
↓ ↓
अ + अ = आ

(**नोट:** इस संधि में पहला और बाद वाला दोनों स्वर मिलकर एक हो जाते हैं और वहां एक स्वर दीर्घ होता है)

(ii) **गुण स्वर संधि-** गुण स्वर संधि के तीन नियम हैं जिसका विस्तार इस प्रकार है-

नियम- अ अथवा **आ** के बाद **इ** अथवा **ई** आकर मिलने से दोनों स्थान पर **ए** हो जाता है।

अ + इ = ए

उदा.- देव + इंद्र = देवेन्द्र
↓ ↓
अ + इ = ए

अ + ई = ए

उदा.- परम + ईश्वर = परमेश्वर
↓ ↓
अ + ई = ए

आ + इ = ए

उदा.- महा + इन्द्र = महेन्द्र
↓ ↓
आ + इ = ए

आ + ई = ए

उदा.- दिवा + ईश = दिवेश
↓ ↓
आ + ई = ए

नियम- अ अथवा **आ** के बाद **उ** अथवा **ऊ** आकर मिलने से दोनों के स्थान पर **ओ** हो जाता है।

अ + उ = ओ

उदा.- सूर्य + उदय = सूर्योदय
↓ ↓
अ + उ = ओ

आ + उ = ओ

उदा.- गंगा + उदक = गंगोदक
↓ ↓
आ + उ = ओ

आ + ऊ = ओ

उदा.- महा + ऊर्मि = महोर्मि
↓ ↓
आ + ऊ = ओ

KOTHARI INSTITUTE

आ + उ = ओ
उदा.- गंगा + उदक = गंगोदक
↓ ↓
आ + उ = ओ

नियम- अ अथवा **आ** के बाद **ऋ** आकर मिलने से दोनों के स्थान पर **अर्** (ृ) हो जाता है।

अ + ऋ = अर्
उदा.- देव + ऋषि = देवर्षि
↓ ↓
अ + ऋ = अर्

आ + ऋ = अर्
उदा.- महा + ऋषि = महार्षि
↓ ↓
आ + ऋ = अर्

(iii) **वृद्धि स्वर संधि-** वृद्धि के दो नियम हैं। जिनका विस्तार निम्नलिखित है:

नियम- अ अथवा **आ** के बाद **ए** अथवा **ऐ** आकर मिलने से दोनों के स्थान पर **ऐ** हो जाता है।

अ + ए = ऐ
उदा.- एक + एक = एकैक
↓ ↓
अ + ए = ऐ

आ + ए = ऐ
उदा.- सदा + एव = सदैव
↓ ↓
आ + ए = ऐ

अ + ऐ = ऐ
उदा.- मत + ऐक्य = मतैक्य
↓ ↓
अ + ऐ = ऐ

आ + ऐ = ऐ
उदा.- महा + ऐश्वर्य = महैश्वर्य
↓ ↓
आ + ऐ = ऐ

नियम- अ अथवा **आ** के बाद **ओ** अथवा **औ** आकर मिलने से दोनों के स्थान पर **औ** हो जाता है।

अ + ओ = औ
उदा.- परम + औज = परमौज
↓ ↓
अ + ओ = औ

आ + ओ = औ
उदा.- महा + औषध = महौषध
↓ ↓
आ + ओ = औ

अ + औ = औ
उदा.- मन्त्र + औषध = मन्त्रौषध
↓ ↓
अ + औ = औ

आ + औ = औ
उदा.- महा + औदार्य = महौदार्य
↓ ↓
आ + औ = औ

(iv) यण् स्वर संधि - यण् संधि के तीन नियम है। जिनका विस्तार निम्नलिखित है-

नियम- इ अथवा **ई** के बाद **इ** अथवा **ई** को छोड़कर कोई भी स्वर आकर मिले तो दोनों के स्थान पर **य** हो जाता है।

इ + अ = य
उदा.- यदि + अपि = **यद्यपि**
↓ ↓
इ + अ = य

इ + आ = या
उदा.- इति + आदि = **इत्यादि**
↓ ↓
इ + आ = या

ई + आ = या
उदा.- नदी + आगम = **नद्यागम**
↓ ↓
ई + आ = या

KOTHARI INSTITUTE

ई + अ = य
उदा.- देवी + अर्पण = **देव्यर्पण**
↓ ↓
ई + अ = य

इ + उ = यु
उदा.- प्रति + उपकार = **प्रत्युपकार**
↓ ↓
इ + उ = यु

इ + ऊ = यू
उदा.- नि + ऊन = **न्यून**
↓ ↓
इ + ऊ = यू

ई + अ = य
उदा.- देवी + अनुसार = **देव्यानुसार**
↓ ↓
ई + अ = य

ई + आ = या
उदा.- देवी + आसन = **देव्यासन**
↓ ↓
ई + आ = या

ई + ऐ = यै
उदा.- देवी + ऐश्वर्य = **देव्यैश्वर्य**
↓ ↓
ई + ऐ = यै

उ + इ = वि
उदा.- अनु + इच्छा = **अन्विच्छा**
↓ ↓
उ + इ = वि

उ + ई = वी
उदा.- अनु + ईक्षक = **अन्वीक्षक**
↓ ↓
उ + ई = वी

उ + ए = वे
उदा.- अनु + एषण = **अन्वेषण**
↓ ↓
उ + ए = वे

उ + ऐ = वै
उदा.- गुरु + ऐषणा = **गुर्वैषणा**
↓ ↓
उ + ऐ = वै

उ + ओ = वो
उदा.- गुरु + ओज = **गुर्वोज**
↓ ↓
उ + ओ = वो

उ + औ = वौ
उदा.- गुरु + औदार्य = **गुर्वौदार्य**
↓ ↓
उ + औ = वौ

नियम- **उ** अथवा **ऊ** के बाद **उ** अथवा **ऊ** को छोड़कर कोई भी स्वर आकर मिले तो दोनों के स्थान पर **व** हो जाता है।

उ + अ = व
उदा.- सु + अल्प = **स्वल्प**
↓ ↓
उ + अ = व

उ + आ = वा
उदा.- गुरू + आदेश = **गुर्वादेश**
↓ ↓
उ + आ = वा

नियम- **ऋ** के बाद **ऋ** को छोड़कर कोई भी स्वर आकर मिले तो **ऋ** के स्थान पर **र्** हो जाता है।

ऋ + अ = र्
उदा.- पितृ + अनुमति = **पित्रनुमति**
↓ ↓
ऋ + अ = र्

ऋ + आ = रा
उदा.- पितृ + आदेश = **पित्रादेश**
↓ ↓
ऋ + आ = रा

KOTHARI INSTITUTE

ऋ + इ = रि

उदा.- पितृ + इच्छा = **पित्रिच्छा**

ऋ + आ = रा

ऋ + ई = री

उदा.- पितृ + उपदेश = **पित्रुपदेश**

ऋ + ई = री

(v) अयादि संधि- अयादि संधि के तीन नियम हैं। जिसका विस्तार निम्नलिखित है :

नियम- ए के बाद **ए, ऐ** को छोड़कर कोई भी स्वर आकर मिले तो **ए** के स्थान पर **अय्** हो जाता है।

ए + अ = अय्

उदा.- ने + अन = **नयन**

ए + अ = अय्

नियम- ऐ के बाद **ए, ऐ** को छोड़कर कोई भी स्वर आकर मिले तो **ऐ** के स्थान पर **आय्** हो जाता है।

ऐ + अ = आय्

उदा.- नै + अक = **नायक**

ऐ + अ = आय्

नियम- ओ के बाद **ओ, औ** को छोड़कर कोई भी स्वर आकर मिले तो **ओ** के स्थान पर **अव्** हो जाता है।

ओ + अ = अव्

उदा.- पो + अन = **पवन**

ओ + अ = अव्

ओ + इ = अवि्

उदा.- पो + इत्र = **पवित्र**

ओ + इ = अवि्

नियम- औ के बाद **ओ, औ** को छोड़कर कोई भी स्वर आकर मिले तो **औ** के स्थान पर **आव्** हो जाता है।

औ + अ = आव्

उदा.- पौ + अक = **पावक**

औ + अ = आव्

औ + इ = आवि्

उदा.- नौ + इक = **नाविक**

औ + इ = आवि्

औ + उ = आवु

उदा.- भौ + उक = **भावुक**

औ + उ = आवु

---

2. व्यंजन संधि

व्यंजन से परे व्यंजन या स्वर आने पर जो संधि होती है उसे व्यंजन संधि कहते हैं।

त् + आ = दा

उदा.- सत् + आशय = **सदाशय**

त् + आ = दा

नियम- वर्णों से **प्रथम वर्ण** से परे वर्णों का **तृतीय, चतुर्थ वर्ण** या कोई स्वर अथवा **य, र, ल, व,** आदि वर्णों में से कोई वर्ण हो तो **पहले वर्ण** को अपने वर्ण का **तीसरा वर्ण** हो जाता है-

उदा.- दिक् + अम्बर = **दिगम्बर**

ग् + अ = ग

उदा.- दिक् + गज = **दिग्गज**

ग्

उदा.- दिक् + अन्त = **दिगंत**

ग् + अ = ग

नियम- वर्ण के **प्रथम** या **तृतीय वर्ण** से परे **पांचवा वर्ण** हो तो उसके स्थान पर **उसी वर्ण** का **पांचवा वर्ण** हो जाता है।

KOTHARI INSTITUTE

उदा.- वाक् + मय = **वाङ्मय**
↓
ङ्

उदा.- षट् + मास = **षण्मास**
↓
ण्

उदा.- सत् + नारी = **सन्नारी**
↓
न्

उदा.- सत् + मार्ग = **सन्मार्ग**
↓
न्

नियम- **त्** अथवा **द्** के बाद यदि **ल** आजाये तो **त्** अथवा **द्** के स्थान पर **ल्** हो जाता है

उदा.- तत् + लीन = **तल्लीन**
↓ ↓
त् + ल = ल्ल

उदा.- + =
↓ ↓
द् + ल = ल्ल

नियम- यदि **त्** के बाद **श** आ जाये तो **त्** के स्थान पर **च्** तथा **श** के स्थान पर **छ** हो जाता है:

उदा.- उत् + श्वास = **उच्छ्वास**
↓ ↓
च् + छ् = च्छ्

उदा.- सत् + शिव = **सच्छिव**
↓ ↓
च् + छ् = च्छ्

नियम- **त्** के बाद **च** अथवा **छ** आ जाये तो **त्** का **च्** हो जाता है और **त्** के बाद यदि **ज** अथवा **झ** आ जाये तो **त्** का **ज्** हो जाता है।

उदा.- सत् + छवि = **सच्छवि**
↓
च्

उदा.- मत् + जन = **मज्जन**
↓
ज्

नियम- **त्** के बाद **ट** अथवा **ठ** आ जाए तो **त्** के स्थान पर **ट्** हो जाता है अर्थात **त् + ट = ट्ट**, **त् + ठ = ट्ठ**

उदा.- सत् + टीका = **सट्टीका**
↓
ट्ट

नियम- **स्** के बाद यदि **श** अथवा **च** वर्ण का कोई भी व्यंजन **(च, छ, ज, झ, ञ)** आ जाये तो **स्** के स्थान पर **श्** हो जाता है। अर्थात स् + च = श्च, स् + छ = श्छ, स् + ज = श्ज, स् + झ = श्झ, स् + ञ = श्ञ तथा स् + श = श्श।

उदा.- निस् + छल = **निश्छल**
↓
श्छ

उदा.- निस् + शंक = **निश्शंक**
↓
श्श

नियम- **अ** और **आ** को छोड़कर किसी भी स्वर के बाद यदि **स** आ जाए तो **स** के स्थान पर **ष** हो जाता है। अर्थात **इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, ऋ** में से किसी एक के बाद **स** आ जाए तो **स** के स्थान पर **ष** हो जाता है

उदा.- नि + सेध = **निषेध**
↓
ष

उदा.- वि + सम = **विषम**
↓
ष

उदा.- पो + सन = **पोषण**
↓
ष

नियम- किसी भी स्वर के उपरान्त **छ** हो तो **छ** में **च्** जुड़ जाता है अर्थात **अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, ऋ** में से किसी एक के बाद यदि **छ** आ जाए तो **छ** में **च्** जुड़ जाएगा और **छ** के स्थान पर **च्छ** हो जायेगा।

उदा.- आ + छादन = **आच्छादन**
↓
च्छ

उदा.- स्व + छन्द = **स्वच्छन्द**
↓
च्छ

KOTHARI INSTITUTE

नियम- यदि **म्** के बाद किसी भी **वर्ण** का कोई भी व्यंजन **(क से लेकर म तक)** आ जाये तो **म्** के स्थान पर अगले व्यंजन का पंचमाक्षर हो जाता है।

उदा.- शम् + कर = **शङ्कर**
↓
ङ्

उदा.- ओम् + कार = **औङ्कार**
↓
ङ्

उदा.- सम् + कल्प = **सङ्कल्प**
↓
ङ्

उदा.- सम् + जय = **सञ्जय**
↓
ञ्

उदा.- सम् + दर्प = **सन्दर्भ**
↓
न्

3. विसर्ग सन्धि (:)

विसर्ग (:) से परे स्वर या व्यंजन आ जाने पर विसर्ग में जो विकार (परिवर्तन) होता है। उसे विसर्ग संधि कहते हैं

उदा.- नि: + बल = **निर्बल**
↓
र्

नियम- यदि विसर्ग से पहले **अ स्वर** हो तथा उसके बाद में **अ** को छोड़कर कोई भी स्वर आ जाए तो विसर्ग समाप्त हो जाता है।

उदा.- अत: + एव = **अतएव**

नियम- यदि विसर्ग से पहले अ हो तथा बाद में भी अ ही आ जा तो विसर्ग के स्थान पर ओ एवं बाद वाले अ के स्थान पर पूर्व (ऽ) हो जाता है ।

उदा.- प्रथम: + अध्याय = **प्रथमोऽध्याय**
↓ ↓
ओ **ऽ**

उदा.- मन: + अनुकूल = **मनोऽनुकूल**
↓ ↓
ओ **ऽ**

नियम- यदि विसर्ग से पहले अ तथा आ को छोड़कर कोई अन्य स्वर हो और विसर्ग के बाद किसी भी वर्ग का तीसरा, चौथा अथवा पांचवा व्यंजन हो अथवा य्, र् , ल्, व्, ह् में से कोई व्यंजन हो अथवा आ हो तो विसर्ग के स्थान पर र् (◌ॅ) हो जाता है।

उदा.- नि: + जन = **निर्जन**
↓
र्

उदा.- नि: + झर = **निर्झर**
↓
र्

उदा.- नि: + धारण = **निर्धारण**
↓
र्

उदा.- नि: + गुण = **निर्गुण**
↓
र्

उदा.- नि: + भर = **निर्भर**
↓
र्

उदा.- नि: + देश = **निर्देश**
↓
र्

उदा.- नि: + बल = **निर्बल**
↓
र्

उदा.- दु: + लभ = **दुर्लभ**
↓
र्

उदा.- नि: + यात = **निर्यात**
↓
र्

उदा.- नि: + धन = **निर्धन**
↓
र्

KOTHARI INSTITUTE

उदा.- नि: + बन्ध = **निर्बन्ध**
↓
र्

उदा.- नि: + आशा = **निराशा**
↓
र

नियम- यदि विसर्ग से पहले अ, इ, उ, में से कोई हो ओर विसर्ग के बाद र आ जाए तो विसर्ग का लोप हो जाता है तथा विसर्ग से पहले स्वर दीर्घ हो जाता है।

उदा.- नि: + रस = **नीरस**
↓
ई

उदा.- नि: + रोग = **निरोग**
↓
ई

उदा.- नि: + रज = **नीरज**
↓
ई

नियम- यदि विसर्ग से पहले इ अथवा उ हो तथा विसर्ग के बाद क, ख, प, फ, में से कोई एक आ जाए तो विसर्ग के स्थान पर ष् हो जाता है।

उदा.- नि: + कण्टक = **निष्कण्टक**
↓
ष्

उदा.- नि: + कर्ष = **निष्कर्ष**
↓
ष्

उदा.- नि: + पाप = **निष्पाप**
↓
ष्

उदा.- नि: + फल = **निष्फल**
↓
ष्

उदा.- दु: + कृत्य = **दुष्कृत्य**
↓
ष्

उदा.- दु: + पाप = **दुष्पाप**
↓
ष्

नियम- यदि विसर्ग के बाद श, ष, स, में से कोई आ जाये तो विसर्ग के स्थान पर तद्रूप अर्थात श के साथ श् , ष, के साथ ष् , स के साथ स् हो जाता है ।

उदा.- दु: + साहस = **दुस्साहस**
↓
स्

उदा.- दु: + शासन = **दुश्शासन**
↓
श्

उदा.- नि: + संशय = **निस्संशय**
↓
स्

उदा.- नि: + शेष = **निश्शेष**
↓
श्

उदा.- नि: + शंक = **निश्शंक**
↓
श्

उदा.- नि: + सार = **निस्सार**
↓
स्

नियम- यदि विसर्ग के बाद च अथवा छ हो तो विसर्ग के स्थान पर श् हो जाता है।

उदा.- नि: + चय = **निश्चय**
↓
श्

उदा.- नि: + छल = **निश्छल**
↓
श्

उदा.- दु: + चिन्ता = **दुश्चिन्ता**
↓
श्

नियम- यदि विसर्ग के बाद त अथवा थ आ जाये तो विसर्ग के स्थान पर स् हो जाता है।

उदा.- नि: + तार = **निस्तार**
↓
स्

उदा.- नि: + तेज = **निस्तेज**
↓
स्

उदा.- दु: + तर = **दुस्तर**
↓
स्

KOTHARI INSTITUTE

उदा.- मनः + ताप = **मनस्ताप**
↓
स्

उदा.- मनः + तोष = **मस्तोष**
↓
स्

नियम- यदि विसर्ग से पहले अ हो तथा विसर्ग के बाद किसी भी वर्ण का तीसरा, चौथा अथवा पांचवा व्यंजन हो य, र, ल, व, ह, में से कोई भी व्यंजन हो तो विसर्ग के स्थान पर ओ हो जाता है

उदा.- मनः + बल = **मनोबल**
↓
ओ

उदा.- मनः + हर = **मनोहर**
↓
ओ

उदा.- मनः + रथ = **मनोरथ**
↓
ओ

उदा.- मनः + रोग = **मनोरोग**
↓
ओ

उदा.- यशः + द = **यशोदा**
↓
ओ

नियम- यदि विसर्ग से पहले अ हो तथा विसर्ग के बाद क, ख, प, फ, में से कोई आ जाये तो विसर्ग अपने स्थान पर ज्यों का त्यों रहता है।

उदा.- अधः + पतन = **अधःपतन**
मनः + कामना = **मनःकामना**
अंतः + पुर = **अंतःपुर**
पुनः + पुनः = **पुनःपुनः**
प्रातः + काल = **प्रातःकाल**

पिछली परीक्षा में पूछे गए प्रश्न
Question asked in previous exam

1. 'निश्छल' का संधि विच्छेद है:
1. नि:+चल 2. नि:+छल
3. नि:+च्छल 3. निश + छल
उत्तर: नि:+चल *(MPSI - 2017)*

2. 'देवेश' का सन्धि विच्छेद है-
1. देव+इश 2. दव+ईश
3. देवे+इश 4. देव+ईश
उत्तर: देव+ईश *(MPSI - 2017)*

3. 'दुस्तर' का संधि विच्छेद है-
1. दूह+तर 2. दु+तर
3. दुस+तर 4. दु:+तर
उत्तर: दु:+तर *(MPSI - 2017)*

4. 'शयन' का संधि विच्छेद है-
1. शे+ अन 2. शे+ आन
3. शै+ अन 4. श+ अन
उत्तर: शे+अन *(MPSI - 2017)*

5. 'पवन' का संधि विच्छेद है
1. पो + अन 2. पाव + अन
3. पव + अन 4. पो + आन
उत्तर: पो + अन *(MPSI - 2017)*

6. 'यद्यपि' का संधि विच्छेद है -
1. यदि + अपि 2. अपि + पि
3. यदा + अपि 4. यदि + अपी
उत्तर: यदि + अपि *(MPSI - 2017)*

7. 'अतएव' शब्द में संधि है -
1. विसर्ग संधि 2. व्यंजन संधि
3. स्वर संधि 4. उक्त में से कोई नहीं
उत्तर: विसर्ग संधि *(MPSI - 2016)*

KOTHARI INSTITUTE

समास

परस्पर संबंध रखने वाले दो या दो से अधिक शब्दों को संक्षिप्त कर देने की विधि को समास कहते हैं।

सम्मिलित भाव का बोध कराने वाला शब्द समस्त पद या सामासिक शब्द कहलाता है। समस्त पद के प्रथम पद को पूर्व पद तथा दूसरे पद को उत्तर पद कहते हैं समस्त पद को पूर्वस्थिति में लाने को विग्रह कहते हैं। जैसे-

1. समस्त पद- जन्मान्ध
   पूर्व पद - जन्म
   उत्तर पद- अन्ध
   समास विग्रह- जन्म से अन्धा

2. समस्त पद- बेखटके
   पूर्व पद - बे
   उत्तर पद- खटके
   समास विग्रह- बिना खटके

3. समस्त पद- घुड़दौड़
   पूर्व पद - घुड़
   उत्तर पद- दौड़
   समास विग्रह- घोड़ों की दौड़

4. समस्त पद- त्रिवेणी
   पूर्व पद - त्रि
   उत्तर पद- वेणी
   समास विग्रह- तीन वेणियों का समूह

समास के भेद

समास के छह भेद होते हैं

(क) अव्ययीभाव समास
(ख) द्वंद समास
(ग) बहुब्रीही समास
(घ) तत्पुरुष समास
(ङ) कर्मधारय समास
(च) द्विगु समास

(क) समास- अव्ययीभाव समास
पूर्व पद- प्रधान
पर पद- गौण
पहचान- समस्त पद अ विकारी होगा
अविकारी वे शब्द जो लिंग, वचन, कारक, से नहीं बदलते

जैसे-

1. समस्त पद- आजन्म
   विग्रह- यथा+संख्या
   अर्थ- जन्म से लेकर
2. समस्त पद - आमरण
   विग्रह - आ + मरण
   अर्थ - मरने तक
3. समस्त पद - प्रतिवर्ष
   विग्रह - प्रति + वर्ष
   अर्थ - एक-एक वर्ष
4. समस्त पद - यथासंख्य
   विग्रह - यथा+संख्या
   अर्थ - संख्या के अनुसार
5. समस्त पद - बेहद
   विग्रह - बे+हद
   अर्थ - बिनाहद के
6. समस्त पद - हरोघर
   विग्रह - हरो+घर
   अर्थ - हर घर-घर में
7. समस्त पद - सादर्श
   विग्रह - सा+दर्श
   अर्थ - आदर्श के साथ
8. समस्त पद - सपरिवार
   विग्रह - स+परिवार
   अर्थ - परिवार के साथ
9. समस्त पद - आजीवन
   विग्रह - आ+जीवन
   अर्थ - जीवन भर
10. समस्त पद - हरएक
    विग्रह - हर+एक
    अर्थ - प्रत्येक

KOTHARI INSTITUTE

(ख) समास- द्वंद समास
पूर्व पद- प्रधान
पर पद- प्रधान
पहचान- समस्त पद में योजक (–) होगा
योजक – और अथवा

जैसे-

1. सुई-धागा = सुई और धागा
2. नर-नारी = नर और नारी
3. बाल-बच्चे = बाल और बच्चे
4. सौ-दो सौ = सौ या दौ सो
5. पच्चीस = बीस और पांच
6. हर-बार = हर व अन्य
7. दुध-दही = दुध और दही
8. भीमा-अर्जुन = भीम और अर्जुन
9. लाभा-लाभ = लाभ और अलाभ
10. गंगा-यमुना = गंगा और यमुना

(ग) समास- बहुब्रीही
पूर्व पद- गौण
पर पद- गौण
पहचान- एक अलग हटकर निकलेगा
विग्रह में जो, वहां, वाला,
शब्द अंत में आएंगे

जैसे-

1. समास - पिताम्बर
   विग्रह - पीले हैं वस्त्र जिसके
   अन्य अर्थ - भगवान विष्णु
2. समास - लम्बोदार
   विग्रह - लम्बा है उदर जिसका
   अन्य अर्थ - श्री गणेश
3. समास - गजानन्द
   विग्रह - हाथी जैसा मुख: है जिसका
   अन्य अर्थ - श्री गणेश
4. समास - शुलपाणि
   विग्रह - शुल है हाथ में जिसके
   अन्य अर्थ - भगवान शंकर
5. समास - वृकोदर
   विग्रह - वृक के समान है उदर जिसका
   अन्य अर्थ - भीमसेन
6. समास - एकानन
   विग्रह - एक आनन वाला
   अन्य अर्थ - विष्णु
7. समास - पंचानन
   विग्रह - पंच है आनन जिसका
   अन्य अर्थ - शिव
8. समास - आशुतोष
   विग्रह - आशु (तुरंत) करता है तोष (संतोष)
   अन्य अर्थ - सूर्य, शिव
9. समास - जितेन्द्रीय
   विग्रह - जीत लिया है इंद्रियों को जिसने
   अन्य अर्थ - हनुमान, महावीर
10. समास - कमलनयन
    विग्रह - कमल के समान हैं नयन हैं जिसके
    अन्य अर्थ - विष्णु
11. समास - अष्टावक्र
    विग्रह - आठ वक्र हैं जिसके
    अन्य अर्थ - एक ऋषि
12. समास - तिरंग
    विग्रह - तीन रंग वाला
    अन्य अर्थ - राष्ट्र ध्वज

(घ) समास - तत्पुरुष समास
पूर्व पद - गौण
पर पद- प्रधान
पहचान- विग्रह में कारक का बोध होगा

■ **कारक के आधार पर तत्पुरुष समास के छह भेद होते हैं :**

1. कर्म तत्पुरुष समास
2. करण तत्पुरुष समास

KOTHARI INSTITUTE

3. सम्प्रदान तत्पुरुष समास
4. अपादान तत्पुरुष समास
5. सम्बन्ध तत्पुरुष समास
6. अधिकरण तत्पुरुष समास

1. कर्म तत्पुरुष समास - जिसमें कर्म कारक का बोध होता है वह कर्म कारक कहलाता है। कर्म कारक का चिन्ह **(को)** है।
उदाहरण-

मर्मज्ञ -	मर्म को जानने वाला
यश प्राप्त -	यश को प्राप्त
गदाधर -	गदा को धारण करने वाला
चक्रधर-	चक्र को धारण करने वाला
मरणासन्न-	मरण को आसन
परलोकगमन-	परलोक को गमन
ग्रामगत -	ग्राम को गत

2. करण तत्पुरुष समास - जिस समास के प्रथम पद में तृतीय विभक्ति (करण कारक से, के साथ, के द्वारा) छिपा हो उसे करण तत्पुरुष समास कहते हैं।
उदाहरण-

शोकाकुल -	शोक से आकुल
मदान्ध -	मद से अन्धा
प्रभामण्डित-	प्रभा से मढ़ा हुआ
हस्तलिखित-	हाथ से लिखा हुआ
शंकाकुल-	शंका से आकुल
सुरचित-	सुर के द्वारा रचित
तुलसीकृत-	तुलसी के द्वारा कृत

3. सम्प्रदान तत्पुरुष समास- जिस समास के प्रथम पद में चतुर्थी विभक्ति (सम्प्रदान कारक के लिये, को) लगती है उसे सम्प्रदान तत्पुरुष समास कहते हैं।
उदाहरण-

रसोईघर-	रसोई के लिए घर
पाठशाला-	पाठ के लिए शाला
धर्मशाला-	धर्म के लिए शाला
आरामकुर्सी-	आराम के लिए कुर्सी
सत्याग्रह-	सत्य के लिए आग्रह

4. अपादन तत्पुरुष समास- जिस समास के प्रथम पद में पंचमी विभक्ति {अपादन कारक से (अलग होने के लिए)} लगती है उसे अपादनन तत्पुरुष कहते हैं।
उदाहरण-

रोगमुक्त -	रोग से मुक्त
पथभ्रष्ठ -	पथ से हटा हुआ
दूरागत -	दूर से आया हुआ
रोगयुक्त -	रोग से युक्त
देशनिकाला -	देश से निकाला हुआ
ऋणमुक्त -	ऋण से मुक्त

5. सम्बन्ध तत्पुरुष समास- जिस समास के प्रथम पद में छठी विभक्ति (सम्बन्ध कारक का, के, की) लगती है। उसे सम्बन्ध तत्पुरुष समास कहते हैं।
उदाहरण-

गंगाजल-	गंगा का जल
धर्मावतार-	धर्म का अवतार
धर्ममूर्ति-	धर्म की मूर्ति
राष्ट्रपिता-	राष्ट्र के पिता

6. अधिकरण तत्पुरुष समास- जिस समास के प्रथम पद में सप्तमी विभक्ति (अधिकरण कारक में, पर) लगती है। उसे अधिकरण तत्पुरुष समास कहते हैं।
उदाहरण-

विश्वविख्यात-	विश्व में विख्यात
धर्मलीन-	धर्म में डुबा हुआ
जलमग्न-	जल में डुबा हुआ
डिब्बाबंद-	डिब्बे में बंद
आपबीती-	आपने पर बीती

(ङ) कर्मधारय समास-

समास -	कर्मधारय समास
पूर्व पद -	विशेषण (संख्या-वाचक को छोड़कर)
पर पद -	विशेष्य
पहचान -	विग्रह में **जो, रूपी** और **समान** शब्द बीच में आयेंगे

KOTHARI INSTITUTE

उदाहरण-

नीलगगन -	नीला आकाश
कुरीति -	बुरी रीति
कुमार्ग -	बुरा मार्ग
महात्मा -	महान आत्मा
चन्द्रमुख -	चन्द्र रूपी मुख
विद्यारत्न -	विद्या रूपी रत्न
चरणकमल -	कमल रूपी चरण
राजीवलोचन -	राजीव के समान लोचन

(च) द्विगु समास

समास -	द्विगु समास
पूर्व पद -	संख्या वाचक विशेषण
पर पद -	विशेष्य
पहचान -	समूह का बोध, समाहार का बोध कराता है।

उदाहरण-

नवरत्न-	नौ रत्नों का समूह
चौपाई-	चार पैर या चार चरणों का समाहार
दोपहर-	दोपहरों का समाहार
पंचवटी-	पंचवटों का समूह
अष्टाध्याय-	आठ अध्याय का समूह
त्रिनेत्र-	तीन नेत्रों का समूह
नवरंग-	नौ रंगों का समूह

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. कौन सा वर्ण स्वर है?
(अ) ऐ (ब) प
(स) त (द) ज
उ. (अ) ऐ

2. कौन सा वर्ण संयुक्त व्यंजन है?
(अ) छ (ब) झ
(स) त (द) ज्ञ
उ. (द) ज्ञ

3. संयुक्त स्वर कौन-सा नहीं है?
(अ) ए (ब) औ
(स) ओ (द) ऋ
उ. (द) ऋ

4. कौन-सा शब्द 'मेंढक' मेंढक का पर्यायवाची नहीं है?
(अ) भेलक (ब) दादुर
(स) शल्ल (द) भेक
उ. (अ) भेलक

5. कौन-सा शब्द 'बादल' का पर्यायवाची नहीं है?
(अ) पयोद (ब)पयोधा
(स) पयोधर (द) पयोधि
उ. (ब) पयोधा

6. कौन-सा शब्द 'हाथ' का पर्यायवाची है?
(अ) कंगुल (ब)कोक
(स) वारिद (द) हृष्ट
उ. (ब) कोक

7. कौन-सा शब्द 'पृथ्वी' का पर्यायवाची है?
(अ) पाचक (ब) पाचन
(स) भुक (द) पांशुला
उ. (द) पांशुला

8. 'सहयोगी' का विलोम है :
(अ) प्रतियोगी (ब) जोगी
(स) वियोगी (द) विनियोगी
उ. (अ) प्रतियोगी

9. 'निषेध' का विलोम है:
(अ) निधि (ब) प्रविधि
(स) विधि (द) निषिद्ध
उ. (स) विधि

10. 'मंथर' का विलोम है:
(अ) मंदर (ब) मत्सर
(स) भास्वर (द) सत्वर
उ. (द) सत्वर

11. 'आरोह' का विलोम है:
(अ) अवरोह (ब) प्ररोह
(स) विरोह (द) व्यामोह
उ. (अ) अवरोह

12. 'लुप्त' का विलोम है:
(अ) विलुप्त (ब) प्रत्यक्ष
(स) प्रकट (द) अलुप्त
उ. (स) प्रकट

KOTHARI INSTITUTE

काव्य बोध

काव्य - काव्य का आशय केवल कविता तक ही सीमित नहीं है इसके अंतर्गत नाट्य, उपन्यास एवं कहानी भी सम्मिलित है। काव्य की सबसे बड़ी विशेषता एक अलौकिक आनन्द की अनुभूति कराना है।

परिभाषा- साहित्य या काव्य हमारे विचारों, भावों और संकल्पों की शाब्दिक अभिव्यक्ति है जो आनन्दानुभूति और साधक होने के कारण संरक्षणीय है।

भरत मूनि के अनुसार- काव्य वह होता है, जिसकी रचना कोमल व ललित शब्दों में की गई हो, जिसमें शब्द और अर्थ अत्यधिक (गुढ़) गम्भीर न हो, जनसाधारण आसानी से समझ ले।

दण्डी के अनुसार- दण्डी ने काव्य को स्पष्ट अर्थ से युक्तपदावली माना है।
संस्कृत :- "शरीर तावि विष्टार्थ वाञ्चहना पदावलि:"

आचार्य रामचन्द्र शुल्क के अनुसार :- जिस प्रकार आत्मा की मुक्तावस्था ज्ञान, दशा, कहलाती है। उसी प्रकार हृदय की मुक्तावस्था रस दशा कहलाती है। हृदय की इस मुक्ती की साधना के लिए मनुष्य की वाणी जो शब्द विधान करती है उसे कविता कहते हैं।

काव्य के भेद

काव्य के निम्न भेद हैं-

1. गद्य काव्य 2. पद्य काव्य 3. चम्पू काव्य

1. गद्य काव्य - ऐसा गद्य जिसमें भावनाएँ कवितापूर्ण हो गद्य काव्य कहलाता है। इसमें किसी कथा का वर्णन पद्य में किया जाता है। जैसे- जयशंकर की कमायनी।।।
गद्य में काव्य रचना करने के लिए कवि को छंद शास्त्र के नियमों से स्वछंदता प्राप्त होती है।

2. पद्य काव्य - पद्य काव्य रचना गेय शैली है। इसका विकास लोकगीतों की परम्परा से माना जाता है। यह मात्रिक छन्द की श्रेणी में आता है। प्राय: पदों के साथ किसी न किसी राग का निर्देश मिलता है। पद विशेष को संबंधित राग में ही गाया जाता है। इसमें किसी कथा का वर्णन काव्य में किया जाता है।
जैसे- गीतांजलि

3. चम्पू काव्य - गद्य-पद्य रचना से मिश्रित काव्य को चम्पू काव्य कहा जाता है।
चम्पू काव्य में सर्गों की संख्या निश्चित नहीं होती है। इसका नायक देवता, गन्धर्व, मानव, पशु, पक्षी कोई भी हो सकता है। नायक एक से अधिक भी हो सकते हैं। किन्तु नायिका का होना आवश्यक नहीं है। मुख्य पात्र का चरित्र निरूपण करना ही कवि का मुख्य लक्ष्य होता है।
शृंगार, वीर व शांत में से एक प्रमुख रस हो सकता है।
वर्णिक व मात्रिक छन्द तथा सामासिक शब्दों की अधिकता होती है।
इसमें गति का भी प्रयोग होता है। मंगलचरण, स्तुति तथा खलनिन्दा भी होती है।
चम्पू काव्य नुक्कड़, नाटक के रूप में भी अनुवादिक होते हैं।
जैसे- यशोधरा (गुप्ताजी), चम्पू रामायण (राजा भोज)

काव्य को निम्न भागों में विभक्त किया गया है।

1. प्रबंध काव्य

2. मुक्तक काव्य

1. प्रबंध काव्य - इस काव्य की कथा का आधार पुरातन कथा वस्तु होती है। प्रत्येक पद्य में तारतम्य पाया जाता है। इसमें पद्य शृंखलाबद्ध होती है।

इसमें पद्य के अलग होने से समस्त कथा का तार टूट जाता है। जैसे :- मैथिलीशरण गुप्त की रचना- जयद्रथ वध ।

इसका नायक उदात्व चरित्रवाला होता है। इसमें कथावस्तु के पांचो सौपान होते हैं। अर्थात संघर्ष, संघर्ष का बढ़ना, संघर्ष की चरम सीमा, संघर्ष को अंत करने का प्रयत्न, सुखदार्य अंत ।

इसमें एक मुख्य कथा और अन्य सहायक कथाएँ होती हैं, जो नायक व नायिका के चरित्र को उभारती है।

सहायक कथाएँ कथा को आगे बढ़ाने का काम भी करती हैं।

प्रबंध काव्य में शृंगार, वीर और शांत में से एक प्रधान होता है अन्य रस सहायक होते हैं।

KOTHARI INSTITUTE

प्रबंध काव्य दो प्रकार के होते हैं-

■ **महाकाव्य** ■ **खण्डकाव्य**

■ **महाकाव्य-** इस काव्य के अंतर्गत किसी व्यक्ति विशेष की समस्त जिंदगी की कथा होती है। घटना क्रम एवं विभिन्न परिस्थितियों का भी उल्लेख होता है।

जीवन के अनेक रूपों की झांकी प्रस्तुत की जाती है। नायक के जीवन का पूर्ण विवरण होता है। महाकाव्य अनेक सर्गों वाला होता है, प्रमुख कथा के साथ प्रासंगिक कथाएँ जुड़ी होती हैं।

महाकाव्य का श्रीगणेश मंगलाचरण से होता है। प्रधान रस श्रंगार, शांत अथवा वीर रस होता है। सर्ग के प्रारम्भ तथा अन्त में छंद योजना अनिवार्य है। तुलसी की 'रामायण' एवं हरिऔध का 'प्रिय प्रवास' काव्य की कोटि में आते हैं।

परिभाषा- किसी पात्र के सम्पूर्ण जीवन के चरित्र को प्रस्तुत करना महाकाव्य कहलाता है।

■ **खण्डकाव्य-** खण्डकाव्य की कथा की सबसे बड़ी विशेषता है कि वह अपने आप में पूर्ण होती है। उसमें पूरे जीवन की झांकी न होकर जिंदगी के किसी एक पहलु का वर्णन किया जाता है। जीवन की छोटी-छोटी घटनाओं को कथा आधार मानते हैं।

इसका नायक यशस्वी होता है। समस्त् रचना एक ही छंद में बंधी होती है। सीमित कलेवर में भी यह पूर्ण होता है।

परिभाषा- खण्डकाव्य महाकाव्य की अपेक्षा जीवन की एक पक्ष का वर्णन करता है। आचार्य रुद्रट ने खण्डकाव्य का विवेचन सर्वप्रथम किया था।

आचार्य विश्वनाथ के अनुसार किसी भाषा या उपभाषा में रचित उस रचना को खण्डकाव्य कहते हैं जो सर्ग बद्ध हो। जिसमें एक कथा हो, जहाँ कोई सोपान या संधि न हो।

जैसे- सुदामाचरित्र, मेघदूत, जयद्रथ वध

2. मुक्तककाव्य

मुक्तककाव्य- इसकी कथा में प्रत्येक छंद स्वतंत्र होता है। इसके कथा सूत्रों में बंधन नहीं होता है। जिस काव्य में अगले व पिछले गतियों का पारस्परिक संबंध न हो अपने विषय की पुष्टि में स्वयं समर्थ हो ऐसे काव्य को मुक्तककाव्य कहते हैं।

जैसे- बिहारी द्वारा रचित 'सतसई'

प्राचीन भारतीय आचार्यों की प्रबंधकाव्य के विपरित मुक्तक शब्द का प्रयोग किया। अग्निपुराण में ऐसे श्लोकों को मुक्तक की संज्ञा दी है। जो स्वत: समर्थ हो ।

इसमें प्रत्येक पद बिना पूर्व पद के स्वतंत्र होता है। पाठक की उस पर दृष्टि पड़ते ही उसका भाव स्पष्ट हो जाता है। इसमें किसी रस विशेष की अनुभूति रहती है। इसमें काव्य तत्व का अभाव रहता है।

मुक्तककाव्य दो प्रकार के होते हैं-

■ **पाठ्य मुक्तक काव्य-** इसके अंतर्गत एक भाव अथवा किसी एक अनुभूति की प्रधानता होती है जैसे- कबीर, तुलसी एवं रहीम के दोहे।

■ **गेय मुक्तक काव्य -** इसके अंतर्गत भावना की प्रधानता होती है। रागात्मकता तथा गेयता विद्यमान रहती है। जैसे- तुलसी, सूर।

भारतीय काव्य शस्त्र के अनुसार को दो भागों में बांटा गया है।

■ **दृश्य काव्य-** जिस काव्य की आनन्दानुभूति सुनने या पढ़ने में न होकर देखकर होती है, दृश्य काव्य कहते हैं। जैसे- नाटक, अभिनय द्वारा इसे इस प्रकार के काव्य का आनंद शिक्षित एवं अशिक्षित समानरूप से सभी ले सकते हैं।

■ **श्रव्य काव्य-** जिस काव्य का आनंद श्रवण एवं पठन करने से मिलता है उसे श्रव्य काव्य कहते हैं। श्रव्य काव्य के दो भेद हैं - प्रबंध काव्य, महाकाव्य ।

शब्द-शक्ति

शब्द और अर्थ मिलकर ही काव्य की रचना करते हैं। इन दोनों में घनिष्ठ संबंध है। इस संबंध को जिस शक्ति द्वारा ज्ञात किया जाता है उसे ही शब्द-शक्ति कहते हैं।

KOTHARI INSTITUTE

भेद-

1. अभिधा- शब्द और साक्षात संबंध अभिधा के अंतर्गत आता है जो बात कही जाती है उसका अर्थ भी वही होता है। वह अभिधा शब्द-शक्ति कहलाती है।

जैसे- कनक-कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय।
वा खाये बौराय जन या पोये बौराय।।

इन पंक्तियों के अंतर्गत कनक (धतूरा), कनक (सोना), मादकता (नशा) आदि समस्त शब्दों का लोक प्रचलित अर्थ ग्रहण किया गया है। इसी वजह से यहां पर अभिधा शक्ति मानी जायेगी।

2. लक्षणा- इसके अंतर्गत शब्दों का लाक्षणिक प्रयोग किया जाता है। कहने वाला व्यक्ति किसी प्रयोजन या लक्ष्य का आधार लेकर इस प्रकार के शब्दों का प्रयोग करता है कि उसका शाब्दिक अर्थ एक प्रकार का होता है और छिपा हुआ अर्थ दूसरे प्रकार का होता है। जैसे रोहन गधा है। इस वाक्य में गधा शब्द में मुर्ख होने का अर्थ झलकता है। अत: इसमें लक्षणा शक्ति है।

उदा.- खुब लड़ी मर्दानी वो तो झांसी वाली रानी थी।
हॉकि के मैच में भारत पाकिस्तान से जीत गया।
चन्द्र-मुख को देखकर मन हो गया प्रफुल्ल।
बाँधा था बिन्दु को किसने।

3. व्यंजना- इसमें एक प्रकार का व्यंग्य एवं कटाक्ष निहित रहता है। कहने वाला साधारण शब्दों में किसी गहन बात की ओर संकेत करता है और उसका उद्देश्य भी यही होता है।

जैसे - चन्द्रमा उदय हो गया है।

इस वाक्य को सुनने के बाद हर मनुष्य पृथक-पृथक अर्थ निकालता है। इसलिए यह व्यंजना शक्ति है।

उदा. रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरे, मोती-मानुष-चून।।

शब्द-गुण

परिभाषा- काव्य में रस का उद्रेक करने के लिए गुण का होना बहुत जरूरी है। जो रस के नित धर्म हैं, वे गुण के नाम से जाने जाते हैं। गुण रस का वैसा ही धर्म है जैसे आग का धर्म उष्णता है।

भेद-

1. माधुर्य गुण- मधुरता का भाव माधुर्य का द्योतक है। जिस काव्य के सुनने से मन पुलकित हो तथा कानों में मधुरता का आभास हो जाय, वही माधुर्य गुण से परिपूर्ण है। करुणा, शान्त एवं श्रृंगार रस में माधुर्य गुण वर्ण क, ग, ज, द इत्यादि प्रयुक्त होते हैं। लम्बे-लम्बे सामाजिक शब्दों का प्रयोग बहुत कम मात्रा में होता है। मात्र कोमल वर्ण प्रयुक्त होते हैं।

उदा. * एक संग धाये गुलाल और नन्दलाल दोऊ।
* कुहू-कुहू कोयलिया कूकन लागि ।
* अनुराग हरि बाग में, सखि रागत राग अचूकनि सौं।

2. ओज गुण- जिस कविता के पठन-पाठन एवं श्रवण से मन में ओज एवं उत्तेजना उत्पन्न होती है वह ओज गुणयुक्त कविता कहलाती है।

भयानक, रौद्र एवं वीर रस के काव्य में ओज गुण प्रयुक्त होता है। रचना में वर्णन होता है। (ट, ठ, ड, ढ, ण) सभी कठोर व्यंजनों की अधिकता होती है।

उदा. * महलों ने दी आग, झोपड़ियों में ज्वाला सुलगाई थी।
वह स्वतन्त्रता की चिंगारी, अन्तरात्मा से आई थी।।

* बुन्देले हरबोलों के मुख हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी।।

* हिमाद्रि तुंग श्रृंग पर, प्रबुद्ध शुद्ध भारती ।
स्वयं प्रभा समुज्वला, स्वतंत्रता पुकारती ।।

3. प्रसाद गुण- प्रसाद का अर्थ है उल्लास। जिस कविता को श्रवण एवं पठन-पाठन करने से हृदय प्रभावित हो, बुद्धि में कलुषिता का संचार न हो, मन-मयूर नृत्य करने लगे वहां प्रसाद गुण का अस्तित्व ठहराया जाता है।

प्रसाद गुण का संबंध सभी रसों से होता है। इसमें शब्द एवं अर्थ दुर्बोध न होकर सरल होते हैं।

उदा. - * प्रभु रक्षा करो हमारी, हम हैं सब शरण तुम्हारी।
* बिजली के चमचम पर चढ़कर,
गीले मोती भू चूम उठे।
* चारू चन्द्र की चंचल किरणे खेल
रही हैं जलथल में।

KOTHARI INSTITUTE

अलंकार

अलंकार का शाब्दिक अर्थ होता है-
आभूषण या श्रृंगार

काव्य की सौन्दर्य को बढ़ाने वाले साधनों को अलंकार कहते हैं। अलंकार के प्रयोग से काव्य सरस, रोचक तथा प्रभावशाली हो जाता है।

भेद -

1. शब्दालंकार-

शब्दों के कारण जब कार्यों सौन्दर्य उत्पन्न होता है तो वहां शब्दालंकार कहलाता है।

शब्दालंकार निम्न हैं-

■ **श्लेष अलंकार-** जहां किसी वाक्य का प्रयोग एक ही बार किया गया हो परन्तु उस शब्द के अर्थ एक से अधिक हों, वहां श्लेष अलंकार कहलाता है।

जैसे- पानी गए ऊबरै, मोती, मानुस चून

इस पंक्ति में पानी शब्द का प्रयोग एक बार हो रहा है परन्तु इस शब्द के तीन अर्थ हैं- चमक, सम्मान तथा जल।

■ **यमक अलंकार-** जब एक वाक्य एक से अधिक बार प्रयोग किया जाय और उन शब्दों के अर्थ भिन्न-भिन्न हों वह यमक अलंकार कहलाता है।

जैसे- कनक-कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय

इस पंक्ति में कनक शब्द दो बार प्रयोग किया गया है परन्तु दोनों अर्थों में भिन्नता है। एक कनक का अर्थ है धतूरा तथा दूसरे कनक का अर्थ है सोना।

■ **अनुप्रास अलंकार-** जिस रचना में व्यंजन वर्ण की बार-बार आवृत्ति के कारण चमत्कार उत्पन्न हो वह अनुप्रास अलंकार कहलाता है।

उदा. तट तमाल तरूवर बहु छाए।

(यहां **त** वर्ग की बार-बार आवृत्ति के कारण अनुप्रास अलंकार है)

चारू चन्द्र की चंचल किरणें।

(यहां **च** वर्ग की बार-बार आवृत्ति के कारण अनुप्रास अलंकार है)

मुदित महीपति मंदिर आए।

(यहां **म** वर्ग की बार-बार आवृत्ति के कारण अनुप्रास अलंकार है)

तरनि-तनुजा तट तमाल तरुवर बहु छाए।

(यहां **त** वर्ग की बार-बार आवृत्ति के कारण अनुप्रास अलंकार है)

■ **रूपक अलंकार-** जहाँ दो वस्तुओं में गुण की अत्यधिकता समानता होने पर उन्हें एक कर दिया जाता है। अर्थात दोनों की एक रूपता दिखाई जाती है। वह रूपक अलंकार कहलाता है।

उदा. चरण कँवल बन्दौं हरिराई

इस पंक्ति में भगवान के चरणों पर कँवल (कमल) का आरोप किया गया है अर्थात् दोनों को एक कर दिया गया है।

■ **छेकानुप्रास-** जहाँ शब्दों के प्रारम्भ या अन्त में एक ही वर्ण केवल दो बार आवे वहां छेकानुप्रास कहलाता है।

उदा.- राम रामापति कर धनु लेहू

में **र** की आवृत्ति क्रम से दो बार शब्द के आदि में हुई है।

■ **वृत्यनुप्रास-** जब एक ही वर्ण की कई बार या अनेक वर्णों के स्वरूप की मात्रा से एक बार या कई बार अनेक वर्णों के स्वरूप की मात्रा और क्रम से कई बार आवृत्ति हो तो वृत्यनुप्रास कहलाता है।

उदा. सान्त, सरल, सुखदायक बैना

में **स** की आवृत्ति कई बार है।

KOTHARI INSTITUTE

■ **श्रुत्यअनुप्रास-** जब एक स्थान से उच्चारित होने वाले अनेक वर्णों की आवृत्ति हो तो श्रुत्यअनुप्रास कहलाता है।

उदा.- तुलसीदास सहित निषदीन
में **स** का उच्चारण एक ही स्थान से होता है।

■ **अन्त्यनुप्रास-** यदि छंद के पद या चरणान्त में समान अन्याक्षर हो तब अन्त्यनुप्रास अलंकार कहलाता है ।

उदा. अति बिनीत मृदु सीतल बानी। बोले राम जोरि जुग पानी।
में बानी और पानी का तुकान्त है।

■ **लाटानुप्रास-** जब एक से पद पद-समूह या वाक्य एक से अधिक बार आवे और समान्र्थक प्रतीत होने पर उनके तात्पर्य भिन्न हों तो लाटानुप्रास अलंकार कहलाता है।

उदा. **राम हृदय जाके बसे, विपति सुमंगल ताहि।**
राम हृदय जाके नहीं विपति, सुमंगल ताहि।।

उक्त दोहे में प्रथम और द्वितीय पंक्ति में विपति सुमंगल ताहि समानार्थक प्रतीत होते हुए भी तात्पर्य की दृष्टि से भिन्न-भिन्न है।

प्रथम का अर्थ है कि जिसके हृदय में राम उसके लिए विपति भी सुमंगल हो जाती है।

द्वितीय का अर्थ है कि जिसके हृदय में राम नहीं है उसके लिए सुमंगल भी विपति हो जाती है।

■ **वक्रोक्ति अलंकार-** इस अलंकार में प्रत्येक अर्थ के अतिरिक्त भिन्न अर्थ होते हैं। वक्रोक्ति अलंकार कहलाता है। वक्रोक्ति एक काव्यालंकार है। जिसमें काकुमूला या श्लेषमूला से वाक्य का और अर्थ किया जाता है। जहां किसी उक्ति का अर्थ जानबुझकर वक्ता के अभिप्राय से अलग किया जाता है।

उदा. को तुम? है घनश्याम हम।
तो बरसों कित जाई।।

मैं सुकमारि नाथ बन जोगू।
तुम्ही उचित तप मो कहाँ भोगू।।

भाषा में वक्रोक्ति निम्नलिखित छः स्तरों पर कार्य करती है। वर्णविन्यास, पदपूर्वाद्ध, वाक्य, पदपरार्ध, प्रकरण, प्रबन्ध।

काकुमूला वक्रोक्ति अलंकार - काकु का अर्थ है ध्वनि का विकार। काकु के किसी कथन के अर्थ में भारी अंतर आ जाता है। इसमें वक्ता के वाक्य से अर्थात कंठ ध्वनि की विशेषता से श्रोता द्वारा अन्य अर्थ कल्पित कर लिया जाता है। जो वक्रोक्ति काकु की सहायता से होती है उसे काकुवक्रोक्ति कहते हैं।

श्लेषमूला वक्रोक्ति अलंकार- जो वक्रोक्ति श्लेषमूला की ध्वनि के आधार पर विक्रित की जाती है उसे श्लेषमूला कहते हैं।

श्लेष वक्रोक्ति के दो भेद हैं-

■ **सभग श्लेष वक्रोक्ति**

इस छंद में 'गौरवशालिनी' पद को 'गी', 'अवशा' और 'आलिनी' में भंग करके श्लेषार्थ निकलता है।

उदा. आयि गौरवशालिनी, मानिनी,
आज सुधास्मित क्यों बरसते नहीं?
निज कामिनी को प्रिय,
गौ अवशा अलिनी भी कभी कहि जाती कहीं।

■ **अभग श्लेष वक्रोक्ति**

इस छंद में 'अपर' का अर्थ वक्ता के अनुसार 'दूसरा' है। जबकि श्रोता ने श्लेष की सहायता से अपर का अर्थ 'पर-रहित' लिया है।

उदा. एक कबूतर देख हाथ में पूछा कहां अपर है?
उसने कहा अपर कैसा? उड़ है गया। सपर है।

वीप्सा अलंकार- आदर, घृणा, हर्ष, शोक, विस्मयादिबोधक भावों को प्रभावशाली रूप से व्यक्त करने के लिए शब्दों की पुनरावृत्ति को वीप्सा अलंकार कहते हैं।

उदा. रीझी-रीझी सहसि-रहसि हँसी-हँसी उठे,
साँसे भरि आंसू भरि कहत दई-दई ।

मधुर-मधुर मेरे दीपक जल। (महादेवी)

मधुर-मधुर की आवृत्ति में विपसा अलंकार है।

2. अर्थालंकार-

जहाँ दो या दो से अधिक शब्दों के अर्थों में समता, विषमता, तर्क आदि के द्वारा अलग होकर अर्थ निकलता हो अर्थ अलंकार कहलाता है।

KOTHARI INSTITUTE

भेद -

■ **भ्रान्तिमान अलंकार-** रुप, रंग, कर्म आदि की समानता के कारण एक वस्तु की गुण से दूसरी वस्तु मान लिया जाता है। भ्रान्तिमान अलंकार कहलाता है।

उदा. समुझि तुम्हें घनश्याम हरि नाच उठे बन मोर।

(यहाँ मोरों को श्रीकृष्ण के श्याम रंग से बादलों का भ्रम हो गया है। फलत: वे बादल समझकर नाचने लगे। यह भ्रांति कवि कल्पना की उपज है। क्योंकि मोर कभी भी देह धारी कृष्ण को बादल समझकर नहीं नाच सकते। यहाँ केवल कवि कल्पना का चमत्कार ही है।)

■ **सन्देह अलंकार-** रंग, रूप आदि की समानता होने के कारण उपमेय में उपमान का संशय होने पर संदेह होता है। संदेह अलंकार कहलाता है।

सारी बीच नारी है नारी बीच सारी है।
सारी ही कि नारी है कि नारी ही कि सारी है।।

द्रोपदी चिर-हरण के समय, द्रोपदी के चारों ओर चीर का ढेर देखकर दर्शक संदेह में पड़ जाते हैं कि साड़ी के बीच में नारी है कि नारी के बीच में साड़ी।

■ **विरोधाभास अलंकार-** वास्तविक विरोध न होते हुए भी जहाँ विरोध का आभास होता है वह विरोधाभास अलंकार कहलाता है।

उदा.

या अनुरागी चित्त की गति समुझाहि नहिं कोय।
ज्यों-ज्यों बूढ़े श्याम रंग त्यों-त्यों उज्जवल होय।।

यहां श्याम रंग में तिरोहित होने पर उज्जवल होना विरोध प्रतीत होता है, परन्तु यह यथार्थ विरोध नहीं है, क्योंकि जितना मानव का चित्त श्याम-रंग (कृष्ण का ध्यान) में निमग्न होगा उत्ना ही वह (उसका हृदय) उज्जवल (स्वच्छ) होगा।

■ **अपहुति अलंकार-** उपमेय का निषेध कर उसमें उपमान का आरोप किया जाय वह अपहुति अलंकार कहलाता है।

उदा.

हेम सुधा यह किन्तु है सुधा का रूप सत्संग।

यह सुधा पर सुधा का आरोप करने के लिए उसमें अमृत के गुण का निषेध किया गया है।

■ **विभावना अलंकार-** जहां कारण के अभाव कार्य की उत्पत्ति का वर्णन होता हो वह विभावना अलंकार कहलाता है।

उदा. **बिनु पद चलै, सुनै बिनु काना।**
कर बिनु करम करै विधि नाना।।
आनन रहित सकल रस भोगी।
बिनु बानी बकता बड़ जोगी।।

उपर्युक्त उदाहरण में कारण न होते हुए भी कार्य का होना बताया जा रहा है। बिना पैर के चलना, बिना कान के सुनना, बिना हाथ के ना ना कर्म करना, बिना मुख के सभी रसों का भोग करना और बिना वाणी के वक्ता होना कहा गया है।

■ **ब्याजस्तुति (ब्याज निन्दा) -** जहां पर निन्दा से स्तुति या स्तुति से निंदा की प्रतीति होती हो वह ब्याजस्तुति अलंकार कहलाता है।

उदा.

उद्यो तुम अति चतुर सुजान
जे पहिले रंग रंगी स्याम रंग तिन्ह न चढ़ै रंग आन। (सूर)

यहां पर उद्धव की प्रशंसा में निन्दा छिपी हुई है।

■ **विशेषोक्ति अलंकार-** किसी कारण के रहते हुए भी कार्य का न होना होता है। वह विशेषोक्ति अलंकार कहलाता है।

उदा.

नैनो से सदैव जल की वर्षा होती रहती है
तब भी प्यास नहीं बुझती

■ **उपमा अलंकार-** जब किसी वस्तु या व्यक्ति की विशेषता दर्शाने के लिए उसकी समानता उस गुण में बढ़ी हुई किसी अन्य वस्तु या व्यक्ति से की जाती है वह उपमा अलंकार कहलाता है।

उदा.

सीता का मुख चन्द्र के समान सुन्दर है।

यहां सीता का मुख चन्द्रमा के समान दिखाया गया है।

उपमा अलंकार के निम्नलिखित चार अंग हैं-

उपमेय- जिस व्यक्ति या वस्तु की समानता की जाती है उसे उपमेय अलंकार कहते हैं।

KOTHARI INSTITUTE

उपमान- जिस प्रसिद्ध वस्तु या व्यक्ति से उपमेय की समानता की जाती है। उसे उपमान कहते हैं।

पूर्णोपमा- जिस उपमा में चारों अंक उपस्थित रहते हैं वह पूर्णोपमा होती है।

लुप्तोपमा- जिन उपमा अलंकारों में चारों अंगों में से कोई एक अंग लुप्त हो वह लुप्तोपमा अलंकार होता है।

रूपक अलंकार- जहां गुण की अत्यंत सम्मानता दर्शाने के लिए उपमेय और उपमान को अभिन्न अर्थात् एक कर दिया जाय दूसरे शब्दों में उपमान को उपमेय में आरोपित कर दिया जाय वह रूपक अलंकार कहलाता है।

उदा.

जलता है यह जीवन-पतंगा।

यहां 'जीवन' उपमेय है और 'पतंग' उपमान। परन्तु रूपक अलंकार के कारण जीवन (उपमेय) पर पतंग (उपमान) का आरोप कर दिया गया है।

■ **उत्प्रेक्षा अलंकार-** जहां उपमेय और उपमान की समानता के कारण उपमेय में उपमान की संभावना या कल्पना की जाए वह उत्प्रेक्षा अलंकार होता होता है। अर्थात् मनु, मानो, जनु, जनहु, मनहु आदि

उदा.

कहती हुई यों उत्तरा के नेत्र जल से भर गए।
हिन के कणों से पूर्ण मानो हो गए पंकज नए।

यहां उत्तरा के अश्रुपुरित नेत्र उपमेय है तथा हिम-कण पूरित पंकज उपमान है।

■ **अतिश्योक्ति अलंकार-** जहां किसी गुण या स्थिति का बढ़ा-चढ़ा कर वर्णन किया जाय कि वह वर्णन अविश्वसनीय-सा प्रतीत होने लगे वहां अतिश्योक्ति अलंकार होता है।

उदा.

देख लो साकेत नगरी है यही ।
सवर्ण से मिलने मगन मैं जा रही।।

यहां साकेत नगरी के ऊँचे भवनों को आकाश की ऊँचाई छुते हुए दिखाया गया है।

■ **अन्यौक्ति अलंकार-** जहां किसी उक्ती के माध्यम से किसी अन्य को कोई बात कही जाती है वहां अन्यौक्ति अलंकार कहलाता है।

उदा.

फुलों के आस-पास रहते हैं।
फिर भी कांटे उदास रहते हैं।

इसमें फुल सुख सुविधा या प्रेमिका का प्रतिक है। कांटे दुखी प्राणियों के प्रतिक हैं।

■ **मानवीकरण अलंकार-** जहां जड़ पदार्थों पर मानवीय भावनाओं का आरोप होता है। वहां मानवीकरण अलंकार होता है।

उदा.

उषा सुनहले तीर बरसाती
जय लक्ष्मी सी उदित हुई।

यहां उषा को सुनहरे तीर बरसाती हुई नायिका के रूप में दिखाया गया है।

KOTHARI INSTITUTE

रस

रस- काव्य को पढ़ते या सुनते समय जिस आनन्द की अनुभूति होती है उसे रस कहते हैं।
रस काव्य की आत्मा है।
काव्यानन्द को **'ब्रह्मानन्द सहोदर'** भी कहा गया है।

सर्वप्रथम भरतमूनि ने अपने नाट्य शास्त्र में रस के स्वरूप को स्पष्ट किया था। रस की निष्पत्ति के संबंध में उन्होंने लिखा - विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्ति: अर्थात् विभाव, अनुभाव तता व्यभिचारी भाव के संयोग से रस की निष्पत्ति होती है। इस प्रकार काव्य पढ़ने, सुनने या अभिनय देखने पर विभाव आदि के संयोग से उत्पन्न होने वाला आनन्द ही रस है।

रस के अंग

1. **स्थायी भाव**
2. **विभाव**
3. **अनुभाव**
4. **संचारीभाव**

1. स्थायी भाव- जो भाव सहृदय व्यक्ति में सदैव रहता है और अनुकूल वातारण पाकर उत्पन्न होता है। स्थायी भाव कहलाता है।

स्थायी भाव मूलरूप से 9 प्रकार के होते हैं -

i. **रति-** स्त्री-पुरुष एक-दूसरे के प्रति उत्पन्न प्रेम नामक चित्तवृद्धि को 'रति' स्थायी भाव कहते हैं। इसका रस श्रृंगार रस है।

ii. **ह्रास-** रूप, वाणी एवं अंगों के विकारों को देखने से चित्त का विकास होना ह्रास कहलाता है। इसका रस हास्य रस है।

iii. **शोक-** प्रिय वस्तु (इष्टजन, वैभव आदि) के नाश इत्यादि के कारण उत्पन्न होने वाली चित्त की व्याकूलता को शोक कहते हैं। इसका रस करुण रस है।

iv. **क्रोध-** असाधारण अपराध, विवाद, उत्तेजनापूर्ण, अपमान आदि से उत्पन्न मनोविकार को क्रोध कहते हैं। इसका रस रौद्र रस है।

v. **उत्साह-** मन की वह उल्लासपूर्ण वृत्ति, जिसके द्वारा मनुष्य तेजी के साथ किसी कार्य को करने में लग जाता है, उत्साह कहलाता है। इसका रस वीर रस है।

vi. **भय-** हिंसक जंतुओं के दर्शन, अपराध, भयंकर शब्द, विकृत चेष्टा और रौद्र आकृति द्वारा उत्पन्न मन की व्याकूलता को भय कहते हैं। इसका रस भयानक रस है।

vii. **आश्यर्च-** आलौकिक वस्तु को देखने, सुनने या स्मरण करने से उत्पन्न मनोविकार आश्चर्य कहलाता है। इसका रस अद्भूत रस है।

viii. **ग्लानि (जुगुप्सा)-** किसी आरूचिकर या मन के प्रतिकूल वस्तु को देखने अथवा उसकी कल्पना करने से जो भाव उत्पन्न होता है वह ग्लानि कहलाता है। इसका रस वीभत्स रस है।

ix. **निर्वेद-** सांसारिक विषयों के प्रति वैराग्य की उत्पत्ति निर्वेद कहलाती है। इसका रस शान्त रस है।

(नोट- इनमें अंतिम दो स्थायी भावों (वत्सल्यता तथा देवषियक-रति) को श्रृंगार के अंतर्गत सम्मिलित किया गया है)

रस के तीन रूप होते हैं -

■ **दाम्पत्य** ■ **वात्सल्य** ■ **भक्ति**

इस आधार पर क्रमश: श्रृंगार वात्सल्य व भक्ति रस की उत्पत्ति हुई है।

2. विभाव - विभाव का अर्थ है **कारण** जिस कारण सहृदय में स्थित स्थायी भाव जागृत होता है। वह विभाव कहलाता है।

विभाव के दो प्रकार होते हैं **(i) आलम्बन (ii) उद्दीपन**

(i) **आलम्बन-** जिसके कारण आश्रय के हृदय में स्थायी भाव जागृत होता है। उसे आलम्बन विभाव कहते हैं।
उदा.- शकुन्तला को देखकर दुष्यंत के हृदय में रति भाव उत्पन्न हुआ। आश्रय- दुष्यंत, आलम्बन- शकुन्तला।

(ii) **उद्दीपन-** स्थायी भाव को उद्दीप्त तथा तीव्र करने वाला कारण उद्दीपन विभाव कहलाता है।
उदा.- शकुन्तला की चेष्टाएँ दुष्यंत के रति भाव को उद्दीप्त करेगी तथा उपवन, हिरण उस भाव को और बढ़ाएगी।

KOTHARI INSTITUTE

3. अनुभाव- आश्रय की चेष्टाएँ अनुभव के अंतर्गत आती हैं। आश्रय की चेष्टाएँ जिनसे यह पता चलता है कि उसके कौन सा भाव उत्पन्न हुआ है। उसे अनुभाव कहते है।

इसके 4 प्रकार हैं-

(i) **कायिक अनुभाव-** प्राय: शरीर की कृत्रिम चेष्टाओं को कायिक अनुभाव कहते हैं।

(ii) **मानसिक अनुभाव-** मन में हर्ष विषादआदि के उद्वेलन को मानसिक अनुभाव कहते हैं।

(iii) **आहार्य अनुभाव-** मन के भावों के अनुसार अलग-अलग प्रकार की कृत्रिम वेश रचना करने को आहार्य अनुभाव कहते हैं।

(vi) **सात्विक अनुभाव-** सत्व (अपने आप) के योग से उत्पन्न वे चेष्टाएँ जिन पर मनुष्य का वश नहीं होता है वह सात्विक अनुभाव कहलाता है। यह कुल 8 प्रकार के होते हैं।

* स्वेद (पसीना) * कम्पन्न * रोमांच * स्तब्ध * स्वरभंग (चुप्पी बंध जाना) * अश्रु * वैवर्ण्य (चेहरे का रंग उतरजाना) * प्रलय (उत्पात मचाना)

4. संचारीयभाव- जो भाव स्थायी भावों को अधिक पुष्ट करते हैं उन सहयोगी भावों को संचारीयभाव कहते हैं। संचारीयभावों की संख्या 33 है-

* निर्वेद * आवेग * दैन्य * श्रम * मद * जड़ता * उग्रता * मोह * विबोध * स्वप्न * अपस्सार * गर्व * मरण * आलस्य * अमर्ष * निद्रा * अवहित्था * उत्सुकता * उन्माद * शंका * स्मृति * मति * व्याधि * सन्त्रास * लज्जा * हर्ष * असूया * विषाद * धृति * चपलता * ग्लानि * चिन्ता * वितर्क

भेद

1. श्रृंगार रस - इसका स्थायी भाव रति है। नायक व नायिका के मन में संस्कार रूप में स्थित रति या प्रेम जब रस की अवस्था को पहुंचकर आस्वादन के योग्य हो जाता है। वह श्रृंगार रस कहलाता है। आलम्बन- नायक व नायिका, उद्दीपन- आलम्बन का सौन्दर्य, अनुभाव- अवलोकन, स्पर्ष, कटाक्ष आदि, संचारीभाव- हर्ष, जड़ता, स्मृति, उन्माद आदि।

श्रृंगार रस दो प्रकार के होते हैं।

(i) **संयोग श्रृंगार रस -** इसमें नायक व नायिका प्रकृति के हर रूप में प्रसन्नता व्यक्त करते हैं।

उदा.- दुल्हा श्री रघुनाथ बने, दुल्ही सीया सुन्दर मंदिर माहि गावती गीत रखे मिली सुन्दरी, वेद पुराण जुरी विप्र पढ़ाई। राते सब सूधी भूली गई, कर टेकी रही पल टारती नाहि

आश्रय- सीता
आलम्बन- राम की परछाई
उद्दीपन- विवाह का कार्यक्रम
अनुभाव- एक टक निहारना
संचारी- हर्ष, चपलता

(ii) **वियोग श्रृंगार रस-** नायक-नायिका की एक-दूसरे से अलग रहने की स्थिति का वर्णन को वियोग श्रृंगार रस कहते हैं।

उदा.- शान्ति स्थान महान कण्व मुनि के पूण्य आश्रम उद्यान में बाह्य ज्ञान विहिन लीन अतिही दुष्यंत के ध्यान में बैठी मौन शकुन्तला सहज थी सौन्दर्य से सोहती मानो होकर चित्रमय खचित सी थी सोहती ।

आश्रय- शकुन्तला
अनुभाव- चित्र में होकर बैठी
आलम्बन- दुष्यंत
उद्दीपन- शांत वातावरण
संचारीभाव- बाह्य ज्ञान विहिन

2. करूण रस- इसका स्थायी भाव शोक है। अपने किसी प्रिय व्यक्ति के दूर चले जाने का बोध होता है वह करूण रस कहलाता है।

उदा. अर्द्धरात्रि गई कवि नाहि आयहु, राम उठाई अनुज उर लाये
मम हित लागी तजेहु पितु माता रहेहु विपिन आतप वाता
सो अनुराग कहा अब भाई उठहु न सुनी मम विच रित
जेहहु अवध कवन मुह लाई नारी हेतु प्रिय भाई रा...

आश्रय- श्रीराम
आलम्बन- लक्ष्मण का मुर्छित शरीर
उद्दीपन - आधी रात बितने पर हनुमान का न आना
अनुभाव- रसाम का विलाप करना
संचारीभाव- ग्लानि, चिंता

KOTHARI INSTITUTE

3. हास्य रस- इसका स्थायी भाव हास है। किसी भी अटपटे व्यक्ति या कार्य को देखकर हंसी आती है तो वह हास्य रस कहलाता है।

उदा. बतरस लालच लाल की, मुरलीधरी लुकाए
सोंह करे भोहनी हंसे, देनी कहे नट जाए

आश्रय- गोपी
आलम्बन- कृष्ण
उद्दीपन- मुरली का छिपाना
अनुभाव- भौह से हंसना
संचारीभाव- हर्ष, चपलता

4. रौद्र- इसका स्थायी भाव क्रोध है। जहां विपक्ष द्वारा किए गए अपमान अथवा अपने गुरूजन आदि की निंदा आदि से क्रोध उत्पन्न होता है वह रौद्र रस कहलाता है।

उदा.

सुनत वचन फिरी अनत, निहारे देखे चाप खण्ड मही उरि
अति रिसि बोले वचन कठोर कहु जढ़ जनक धनुष के तोड़
वेगि दिखाओ मुढ़ नत आजु उल्हहु महि जहां लहित तवराजू

आश्रय- परशुराम
आलम्बन- जनक
उद्दीपन- धनुष का खण्डन
अनुभाव- कठोर वचन
संचारीभाव- गर्व (घमण्ड)

5. वीर- इसका स्थायी भाव उत्साह है। युद्ध अथवा किसी कठिन कार्य को करने के लिये हृदय में जो उत्साह जाग्रत होता है। उसे वीर रस कहते हैं। इस आधार पर चार प्रकार के वीर माने गये हैं

1. युद्धवीर 2. दानवीर 3. धर्मवीर 4. दयावीर

उदा.

मैं सत्य कहता हूं सखे सुकुमार मत जानों मुझे
यमराज से भी युद्ध में प्रस्तुत मानो मुझे
हे सारथे, हे द्रोण क्या आए स्वयं देवेन्द्र भी
वे भी न जितेंगे समर में आज क्या मुझसे कभ

आश्रय- अभिमन्यु
आलम्बन- द्रोण और कौरव
उद्दीपन- युद्ध क्षेत्र
अनुभाव- ओज पूर्ण वचन अभिमन्यु के
संचारीभाव- गर्व

6. शान्त रस- इसका स्थायी भाव निर्वेद है। तत्वज्ञान की प्राप्ति अथवा संसार से वैराग्य होने पर शान्त रस की उत्पत्ती होती है जहां न दुख है, न सुख है, न द्वेष, न राग और न कोई इच्छा है। ऐसी मनो:स्थिति में उत्पन्न रस को मुनियों ने शान्त रस कहा है।

उदा.

या लकूटी अरू कमरिया पर राज तिहुपूर को तजि डारू
आठो सिद्धी नवो नीधि को सुख नन्द की गाय चराए बिसारो

आश्रय- भक्त, कवि
आलम्बन- कृष्ण
उद्दीपन- कृष्ण का सोन्दर्य
अनुभाव- भक्त को प्राप्त सुख
संचारीभाव- आनन्द, हर्ष

7. भयानक - इसका स्थायी भाव भय है। किसी भयानक अथवा अनिष्टकारी वस्तु या व्यक्ति को देखने, उससे संबंधित वर्णन सुनने, स्मरण करने आदि से चित्त में जो व्याकुलता उत्पन्न होती है उसे भय कहते हैं। इस भय के जाग्रत और उद्दीप्त होने पर जिस रस की निष्पत्ति होती है उसे भयानक रस कहते हैं।

उदा.

आयो आयो सोई वानर लहोरी
सोरू चहु ओर लंका आए जुगराज के
एक कादे सो उंज एक धौउंज करे कहा है
मूंदे कान जातु धान मानो गाजे गाज के
सहमी सुरवात वात जात की सुखी करी

आश्रय- राक्षस
आलम्बन- युवराज अंगद
उद्दीपन- युवराज अंगद का आना
अनुभाव- चेहरे का भेद, कान बंद करना आदि
संचारीभाव- स्मृति, शंका, चिन्ता

KOTHARI INSTITUTE

8. वीभत्स रस- इसका स्थायी भाव ग्लानि है। घृणित वस्तुओं को देखकर अथवा उनके संबंध में सुनकर उत्पन्न होने वाली घृणा या ग्लानि वीभत्स रस कहलाता है।

उदा.

सिर पर बैठ्यो काग, आँख दोऊ खात निकारत
खिजती जिवही सियार, अती आनन्द उर ध्यारत ।

आश्रय- दर्शक
आलम्बन- कौआ व सियार
उद्दीपन- कौआ के द्वारा आँख व सियार का जीभ निकालना
अनुभाव- दर्शक के भाव-नाक बंद करना आदि।
संचारीभाव- घृणा

9. अद्भूत रस- इसका स्थायी भाव आश्चर्य (विस्मय) है। विचित्र अथवा आश्चर्य जनक वस्तुओं को देखकर हृदय में विस्मय आदि के भाव उत्पन्न होते हैं। इन्हीं भावों के विक्षिप्त रूप को अद्भूत रस कहते हैं।

उदा.

इहाँ उहाँ दुह बालक देखा। मति भ्रम मोरि कि आन बिसेखा।
देखि राम जननी अकुलानी। प्रभु हँसि दीन्ह मधुर मुसुकानी।।
देखरावा मातहि निज, अद्भूत रूप अखण्ड।
रोम-रोम प्रति लागे, कोटि-कोटि ब्रह्माण्ड।।

आश्रय- आश्चर्य
आलम्बन- राम
उद्दीपन- राम का एक साथ दोनों स्थानों पर दिखाई देना
अनुभाव- कौशल्या का पुलकित होना ।
संचारीभाव- भ्रांति, त्रास, वितर्क आदि

10. भक्ति रस- इसका स्थायी भाव भागवत विषयक रति/अनुराग है। भक्ति रस के विषय में आचार्यों में बड़ा मतभेद है। प्राचीन आचार्य से देवता विषयक रति मानकर श्रृंगार रस का ही एक भेद मानते हैं जहां पर परमात्मा विषयक प्रेम विभाव से परिपुष्ट हो जाता है। वहां पर भक्ति रस की उत्पत्ति होती है।

उदा.

अँसुवन जल सींचि-सींचि, प्रेम-बोलि बोई।
'मीरा' की लगन लागी, होनी हो सो होई।।

आश्रय- अनुरागीपन
आलम्बन- श्रीकृष्ण
उद्दीपन- सत्संग
अनुभाव- आंसु, प्रेम बलि का बोना ओर आँसुओं से सिंचना
संचारीभाव- शंका, हर्ष आदि

11. वात्सल्य रस - इसका स्थायी भाव वत्सलता है। पुत्र, बालक, शिष्य, अनुज आदि के प्रति रति का भाव स्नेह कहलाता है। यही भाव परिपुष्ट होकर वात्सल्य रस की व्यंजना कराता है।

उदा.

तन की दुति स्याम सरोरूह लोचनकंज की मंजुलताई हरै।
अति सुन्दरसोहत धूरि भरे छवि भूरि अनंग की धूरि धरैं।।
दमकैं दतियाँ दुति दामिनि ज्यौं किलकैं कल बाल-विनोद करैं।
अवधेस के बालक चारि सदा तुलसी मन-मन्दिर में बिहरैं।।

आश्रय- स्नेह
आलम्बन- राम ओर उनके भाई
उद्दीपन- बाल क्रीडाएँ, छोटे-छोटे दांतों का चमकना आदि।
अनुभाव- उनके बाल विनोद से माता-पिता का आनंदित होना।
संचारीभाव- हर्ष ओर गर्व

KOTHARI INSTITUTE

छन्द

छन्द शब्द **'चद'** धातु से बना है जिसका अर्थ है आहादित करना या खुश करना।

तात्पर्य यह है कि जिस काव्य में वर्ण और मात्रा-गणना, यति (विराम) एवं गति का नियम तथा चरणान्त में समता हो उसे छन्द कहते हैं।

सर्वप्रथम ऋगवेद के पुरुष सुक्त के नव सर्ग में छन्द का उल्लेख मिलता है। सामवेद तो छन्द शास्त्र का ही एक रूप है।

छन्द के निम्न अंग हैं-

1. चरण या पद- कविता की एक पंक्ति को चरण कहते हैं। एक छन्द में कम से कम चार चरण होते हैं।

प्रत्येक चरण एक पंक्ति में लिखा जाता है। कई बार एक पंक्ति में दो चरण भी लिखे जाते हैं। पहले और तीसरे चरण विषम तथा दूसरे तथा चौथे चरण समचरण कहलाते हैं।

उदा. रघुपति रीत सदा चली आयी,
प्राण जाए पर वचन न जाय

2. लय- छन्द युक्त रचना में एक विशेष प्रकार की लय होती है। लय के कारण कविता गेय हो जाती है। इससे छन्द में संगीतात्मकता आ जाती है।

3. यति- यति का अर्थ है विराम अर्थात् पढ़ते समय कहां रुकना है। यह बताने के लिए संकेत चिन्ह लगाते हैं। इन संकेत चिन्हों पर यति (विराम) होती है। यह चिन्ह दो प्रकार के होते हैं।

i. **अर्द्ध विराम चिन्ह (;)**
ii. **पूर्ण विराम चिन्ह (।)**

4. गति- गति का अर्थ है प्रवाह अर्थात् पढ़ते समय कविता में प्रवाह होना चाहिये ताकि कविता पाठ में सरसता आ सके। यदि किसी काव्य पाठ को पढ़ने में अवरोध हो तो वह गतिभंग दोष कहलाता है। कविता की पंक्तियों में वर्ण का स्थान बदलदेने पर वर्ण तथा मात्रा में कोई अंतर नहीं पड़ता। किन्तु पढ़ने के प्रवाह में अवरोध आता है। जो काव्य दोष कहलाता है।

उदा. प्रियतम बतलाओ मेरा प्राण प्यारा कहां है।

5. वर्ण और मात्रा- लिखित भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण है। किसी वर्ण के उच्चारण में जो समय लगता है उसे मात्रा कहते हैं। मात्रा को दो भागों में बांटा गया है।

(i) लघु (।) - एक मात्रा
(ii) गुरु (ऽ) - दो मात्रा

जैसे- दाम
↓ ↓
ऽ ।

नियम- मात्रा गणना करते समय अग्रलिखित नियमों को ध्यान में रखना चाहिए-

(1) अ, इ, उ, ऋ को लघु माना जाता है- जैसे-

किसनु
↓ ↓ ↓
। । ।

(2) आ, ई, ऊ, ऐ, ओ, औ को गुरु माना जाता है जैसे-

पानी मामी
↓ ↓ ↓ ↓
ऽ ऽ ऽ ऽ

(3) संयुक्ताक्षर में यदि प्रारंभ का वर्ण आधा हो तो उसकी गणना नहीं होती है। जैसे-

क्या प्लस
↓ ↓ ↓
ऽ । ।

(4) संयुक्ताक्षर में यदि अन्य अक्षर आधा होने पर पहला वर्ण यदि लघु हो तो उसे गुरु मान लिया जाता है। जैसे-

रक्त
↓ ↓
ऽ ।

(5) अनुस्वार (ं) - अनुस्वार और विसर्ग युक्त वर्ण यदि लघु हो तो उन्हें गुरु माना जाता है। जैसे-

लंगूर लंगर
↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓
ऽ ऽ । ऽ । ।

KOTHARI INSTITUTE

(6) चंद्र बिन्दु (ँ) - चन्द्र बिन्दु के कारण लघु वर्ण गुरु नहीं होता। जैसे-

हँसना
↓↓↓
। । ऽ

(7) रेफ (र्) - जिस वर्ण में (आधा र्) लगा हो तो पहला वर्ण लघु होने पर गुरु हो जाता है। जैसे-

धर्म
↓↓
ऽ ।

(8) हलन्त (्)- हलन्त से पूर्व का वर्ण लघु होने पर गुरु हो जाता है । जैसे -

श्रीमान्
↓ ↓
ऽ ऽ

5. गण- तीन वर्ण के समूह को गण कहते हैं। लघु व गुरु मात्रा के क्रम व संख्या के आधार पर गण के आठ प्रकार होते हैं। गण को पहचानने के लिए सुत्र -

'यमाताराजभानस लगा'

1. शब्द - यमाता
   गण - यगण
   मात्रा - । ऽ ऽ
   वर्ण संख्या- 3
   मात्रा संख्या - 5
2. शब्द - मातारा
   गण - मगण
   मात्रा - ऽ ऽ ऽ
   वर्ण संख्या- 3
   मात्रा संख्या - 6
3. शब्द - ताराज
   गण - तगण
   मात्रा - ऽ ऽ ।
   वर्ण संख्या- 3
   मात्रा संख्या - 5
4. शब्द - राजभा
   गण - रागण
   मात्रा - ऽ । ऽ
   वर्ण संख्या- 3
   मात्रा संख्या - 5
5. शब्द - जभान
   गण - जगण
   मात्रा - । ऽ ।
   वर्ण संख्या- 3
   मात्रा संख्या - 4
6. शब्द - भानस
   गण - भगण
   मात्रा - ऽ । ।
   वर्ण संख्या- 3
   मात्रा संख्या - 4
7. शब्द - नसल
   गण - नगण
   मात्रा - ।।।
   वर्ण संख्या- 3
   मात्रा संख्या - 3
8. शब्द - सलगा
   गण - सगण
   मात्रा - । । ऽ
   वर्ण संख्या- 3
   मात्रा संख्या - 4

छन्द के तत्व

छन्दों के मुख्य तत्व निम्नलिखित हैं -

1. वर्ण- मुख से निकलने वाली ध्वनि को सूचित करने के लिए निश्चित किए गए चिन्ह को वर्ण कहते हैं।
वर्ण दो प्रकार के होते हैं

- **ह्रास्य (लघु)**
- **दीर्घ (गुरु)**

ह्रास्य (लघु) - वे वर्ण जिनके उच्चारण में सामान्य समय लगता है उसके समय की गिनती को एक माना जाता है। जिसे छन्द में लघु मात्रा कहते हैं। लघु मात्रा का चिन्ह (।) है। जैसे- अ, इ, उ, ऋ लघु स्वर हैं।

KOTHARI INSTITUTE

दीर्घ (गुरु)- वे वर्ण जिनके उच्चारण में दुगना समय लगता है उसे दीर्घ (गुरु) कहते हैं। दीर्घ में समय की गिनती दो मानी जाती हैं। इसे छन्द में गुरु मात्रा कहते हैं। गुरु मात्रा का चिन्ह (ऽ) है। संयुक्त स्वर में दुगना समय लगने के कारण इसकी दो मात्रा गिनी जाती हैं।

जैसे- **आ, ई, ऊ,** दीर्घ स्वर होते हैं वहीं **ए, ओ, औ,** संयुक्त स्वर हैं। छन्द में दीर्घ स्वर व संयुक्त स्वर में दीर्घ मात्रा लगती है।

छन्द में मात्रा दो प्रकार की होती हैं -

(क) लघु मात्रा जिसकी गिनती 1 है।

(ख) गुरु मात्रा जिसकी गिनती 2 है।

नियम-

(i) **अ, ई, उ, ऋ व (ँ)** की एक मात्रा गिनी जाती है।

(ii) **आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, [अनुस्वार (ं)]** और **[विसर्ग (:)]** की गुरु मात्रा होगी।

(iii) संयुक्त व्यंजन संयुक्त वर्ण (गुच्छ), द्वित्व व्यंजन के पहले वाला वर्ण गुरु माना जाएगा।

(iv) संयुक्त व्यंजन, संयुक्त वर्ण और द्वित्व व्यंजन तभी गुरु माने जायेंगे जब इनमें गुरु मात्रा लगी हो।

संयुक्त व्यंजन- क्ष, त्र, ज्ञ, श्र ।

संयुक्त वर्ण (गुच्छ)- स्व्य, व्य, ग्व आदि।

द्वित्व व्यंजन- म्म, च्च, क्क आदि।

जैसे- अपव्यय
↓↓↓↓
। ऽ । ।

व्यायाम
↓↓↓
ऽ ऽ ।

व्यय
↓↓
। ।

2. मात्रा- वर्णों के चरण में जो समय व्यतीत होता है उसे मात्रा कहते हैं। लघु वर्ण की एक मात्रा मानी जाती है। गुरु वर्ण के उच्चारण में उससे दुगना समय लगता है। अत: उसकी दो मात्राएँ मानी जाती हैं।

3. शुभाक्षर- शुभाक्षर की संख्या 15 है। यह संख्या निम्न हैं-

क, ख, ग, घ, च, छ, ज,
द, ध, न, य, श, स, क्ष, ज्ञ।

4. अशुभाक्षर- इन्हें दग्धाक्षर कहते हैं। दग्धारों को कविता के प्रारंभ में नहीं रखना चाहिए। ये अक्षर निम्न हैं-

ङ्, झ, ञ्, ट, ठ, ड, ण, त,
थ, ब, भ, म, र, ल, व, ष, ह।

5. वर्णिक गण- वर्णिक वृत्तों में वर्णों की व्यवस्था तथा गणना के लिए तीन-तीन वर्णों के गण समूह बनाए गए हैं। इन्हें वर्णिक गण कहते हैं। इनकी संख्या 8 है। जैसे-

1. गण - यगण
संकेत - । ऽ ऽ
सुत्रगत उदा. - यमाता
सार्थक उदा. - यशोदा

2. गण - मगण
संकेत - ऽ ऽ ऽ
सुत्रगत उदा. - मातारा
सार्थक उदा. - मायावी

3. गण - तगण
संकेत - ऽ ऽ ।
सुत्रगत उदा. - ताराज
सार्थक उदा. - तालाब

4. गण - रगण
संकेत - ऽ । ऽ
सुत्रगत उदा. - राजभा
सार्थक उदा. - रामजी

5. गण - जगण
संकेत - । ऽ ।
सुत्रगत उदा. - जभान
सार्थक उदा. - जलेश

6. गण - भगण
संकेत - ऽ । ।
सुत्रगत उदा. - भानस
सार्थक उदा. - भारत

7. गण - नगण
संकेत - । । ।
सुत्रगत उदा. - नसल
सार्थक उदा. - नगर

8. गण - सगण
संकेत - । । ऽ
सुत्रगत उदा. - सलगा
सार्थक उदा. - सरिता

KOTHARI INSTITUTE

छन्द के भेद

वर्ण और मात्रा के आधार पर छन्द के निम्न भेद हैं-

1. मात्रिक छन्द- वे छन्द जिसमें एक निश्चित संख्या में मात्रा होती है अर्थात् इसके प्रत्येक चरण में मात्राओं की संख्या का नियमित विधान होता है। जैसे- दोहा, चौपाई, सोरठा।

2. वर्णिक छन्द- जिस छन्द के प्रत्येक चरण में वर्णों की संख्या निश्चित हो वर्णिक छन्द कहलाता है।

जैसे- धनाक्षरी, मन्दाक्रान्ता

3. मुक्त छन्द- जिस विषम छन्द में वर्णिक या मात्रिक प्रतिबंध न हो, न प्रत्येक चरण में वर्णों की संख्या और क्रम समान हो और मात्राओं की कोई निश्चित व्यवस्था हो तथा जिसमें नाद और ताल के आधार पर पंक्तियों में लय लाकर उन्हें गतिशील करने का आग्रह हो वह मुक्त छन्द कहलाता है।

उदा.- निराला की कविता जूही की कली।

छन्दों के उपभेद

चरणों के विन्यास के आधार पर छन्द के निम्न उपभेद हैं।

1) **सम छन्द -** जिसके प्रत्येक चरणों में मात्रा या वर्णों की संख्या एक समान है। जैसे - रोला

2) **अर्द्ध सम छन्द -** वह छन्द जिसकी पहले व तीसरे चरण में तथा दूसरे व चौथे चरण में समान मात्रा या वर्ण हो। जैसे - दोहा, सोरठा ।

3) **विषम छन्द-** वह छन्द जिसकी किसी भी चरण में मात्रा या वर्ण समान नहीं होते विषम छन्द कहलाता है।

प्रमुख छन्द-

1) चौपाई- यह एक सममात्रिक छन्द हैं। इसमें चार चरण होते हैं। अन्त में जगण (।ऽ।) या तगण (ऽऽ।) न रखने का विधान है। पहले, दूसरे और तीसरे-चौथे चरणों की अंतिम शब्दों की तुक मिलती है। और अन्त में गुरु के बाद लघु नहीं आता। इस छन्द के दो चरणों को मिलाकर एक अर्द्धाली बनती है।

उदा.-

जैन मित्र दुख होहिं दुखारी ।
ऽ। ऽ। ।। ऽ। ।ऽऽ = 16 मात्राएँ
तिन्हहिं बिलोकत पातक भारी ।।
निज दुख गिरि सम रच करि जाना ।
मित्रक दुख रज मेरु समाना ।।

2. दोहा- यह अर्द्ध सममात्रिक छन्द है। इसके पहले तीसरे चरणों में 13-13 तथा दूसरे-चौथे चरणों में 11-11 मात्राएँ होती हैं। इस प्रकार यह 24 (13+11) मात्राओं का छन्द है।

उदा.-

रहिमन पानी राखिए, बिनु पानी सब सून ।
।।।। ऽऽ ऽ।ऽ ।। ऽऽ ।। ऽ। =24 मात्राएँ
पानी गए न उबरे, मोती मानस चून ।।

3. रोला- यह सममात्रिक छन्द है। इसके प्रत्येक चरण में 24-24 मात्राएँ होती हैं। इसमें 11-13 मात्राओं का विराम होता है। इसमें पहले-दूसरे और तीसरे-चौथे चरणों के अंतिम शब्दों की तुक मिलती है।

उदा.-

प्रस्तुत है ये प्राण किन्तु वह सह न सकेगा ।
ऽ।। ऽ ऽ ऽ। ऽ। ।। ।। । ।ऽऽ
= 24 मात्राएँ
इनकों लेकर प्रिये शान्ति से रह न सकेगा ।।

4. सोरठा- सोरठा छन्द दोहा का उल्टा है। सोरठा के विषम (पहले-तीसरे) चरणों में 11 मात्राएँ तथा सम (दूसरे-चौथे) चरणों में 13-13 मात्राएँ होती हैं। विषम चरणों के अंत में तुक मिलती है।

उदा.

बन्दउ गुरुपद कुंज कृपासिंधु नर रूप हरि ।
ऽ।। ।।।। ऽ। ।ऽऽ। ।। ऽ। ।।
= 24 मात्राएँ
महा मोह तप पुंज जासुवचन रविकर निकर ।।

5. सवैया- इस छन्द में 22 से लेकर 26 तक वर्ण होते हैं। वर्ण संयोजन के आधार पर सवैया छन्द के कई भेद किए जाते हैं। जैसे- मदिरा सवैया, मतंगयंद सवैया, किरीट सवैया, दुर्मिल सवैया आदि।

KOTHARI INSTITUTE

सवैया में अक्षरों की गिनती के साथ-साथ मात्राओं का क्रम भी निश्चित होता है।

उदा.

चाँद चले नहिं रात कटे, यह सेज जले जइसे अगियारी
नागिन सी नथनी डसती, अरू माथ चुबे ललकी बिंदिया री।
कान का कुण्डल जोंक बना, बिछुआ सा डसै उँगरी बिछुआ री
मोतिन माल है फाँस बना, अब हाथ का बंध बना कँगना री।।

6. कुण्डलिया- कुण्डलिया 6 पंक्तियों का छन्द हैं। इसके प्रथम दो दल दोहे के तथा अंतिम चार दल रोला के होते हैं। इसके प्रत्येक चरण में 24-24 मात्राएँ होती हैं।

उदा.

साई अवसर के परे को न सहै दुख द्वन्द्व।
⏑⏑ ⏑⏑⏑ ⏑ ⏑ ⏑⏑⏑ ⏑⏑ ⏑⏑ ⏑⏑
ऽ। ।ऽऽ ऽ । ।। ऽ ऽऽ ।। ऽ। = 24 मात्राएँ
जाय बिकाने डोम घर वै राजा हरिचन्द्र।।
वै राजा हरिचन्द करै मरघट रखवारी ।
धरै तपस्वी भेष फिरे अर्जुन बलधारी ।।
कहा गिरीधर कविराय, तपे वह भीम रसोई ।
को न करे घटि काम सरे अवसर के सोई ।।

7. धनाक्षरी- धनाक्षरी के प्रत्येक छन्द में 23 वर्ण होते होते हैं 8, 8, 8, 8 पर यति और अंत में गुरु-लघु आते हैं।

उदा.

नगर से दूर कुछ, गाँव की सी बस्ती एक
जहाँ पत्र जाल अन्तराल से झलकते हैं।
लाल खपरैल श्वेत छज्जों के सवारे धाम ।।

8. मान्द्राकान्ता- यह छन्द मगण, भगण, नगण दो तगण तथा दो गुरुओं के योग से बनता है। प्रत्येक चरण में 17 वर्ण होते हैं। चौथे, दसवें और अठारहवें वर्ण पर यति होती है।

उदा.-

धाता द्वारा सृजित जग में हो धरा मध्यआ के ।
पाके खोये विभव कित प्राणियों ने अनेकों।।
जैसा प्यारा विश्व ब्रज के हाथ से आज खोया।
पाके ऐसा विभव वसुधा में न खोया किसी ।।

9. गीतिका- यह सममात्रिक छन्द है इसके प्रत्येक चरण में 26 मात्राएँ होती हैं। 14-12 की यति होती है। अंत के प्रत्येक चरण के लघु-गुरु आता है।

उदा.

हे प्रभु आनंद दाता ज्ञान हमको दीजिये ।
⏑ ⏑⏑ ⏑⏑⏑ ⏑⏑ ⏑⏑ ⏑⏑⏑ ⏑⏑⏑
ऽ ।ऽ ऽऽ। ऽऽ ऽ। ।।ऽ ऽ।ऽ = 26 मात्राएँ
शीघ्र सारे दुर्गुणों को दूर समसे कीजिये।

10. हरिगितिका- यह सममात्रिक छन्द है। इसके प्रत्येक चरण में 28 मात्राएँ होती हैं। प्रत्येक चरण के अन्त में लघु-गुरु होता है और 16-12 की यति होती है।

उदा.-

मानस भवन में आर्यजन जिनकी उतारें आरती ।
⏑⏑⏑ ⏑⏑⏑ ⏑ ⏑⏑⏑⏑ ⏑⏑⏑ ⏑⏑⏑ ⏑⏑⏑
ऽ।। ।।। ऽ ऽ।।। ।।ऽ ।ऽऽ ऽ।ऽ
= 28 मात्राएँ
भगवान भारतवर्ष में गुंजे हमारी आरती ।।

11. उल्लाला- यह अर्द्धसम मात्रिक छन्द है। इसके प्रत्येक चरण में 28 मात्राएँ आती हैं और 15-13 की यति होती है।

उदा.

करते अभिषेक पयोद है बलिहारी उस देश की ।
⏑⏑⏑ ⏑⏑⏑⏑ ⏑⏑⏑ ⏑ ⏑⏑⏑⏑ ⏑⏑ ⏑⏑ ⏑
।।ऽ ।।ऽ। ।ऽ। ऽ ।।ऽऽ ।। ऽ। ऽ
हे मातृभूमि तू सत्य ही सगुण मूर्ति सर्वेश की ।।

KOTHARI INSTITUTE

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. मुक्तक काव्य को किस काव्यशास्त्रीय सिद्धांत के आधार पर आदरणीय स्थान मिला है ?
(अ) ध्वनि (ब) रस
(स) अलंकार (द) रीति
उ. (अ)

2. काव्य के भेदों में नाटक की गणना किस काव्य में गई है?
(अ) श्रव्य काव्य (ब) चम्पू काव्य
(स) दृश्य काव्य (द) खण्ड काव्य
उ. (स)

3. ''सोहत ओढ़े पीत पटु श्याम सलौने गात।
मनौ-नीलमनि-सैल पर आतपु पर्‌यै प्रभात।।''

उक्त दोहे में किस अलंकार का प्रयोग हुआ है?
(अ) उत्प्रेक्षा (ब) यमक
(स) विभावना (द) प्रतीप
उ. (अ)

4. ''सारी बीच नारी है नारी बीच सारी है।
सारी ही कि नारी है कि नारी ही कि सारी है।।''
उक्त दोहे में किस अलंकार का प्रयोग हुआ है?
(अ) भ्रान्तिमान (ब) विभावना
(स) यमक (द) संदेह
उ. (द)

5. ''नैनो से सदैव जल की वर्षा होती रहती है
तब भी प्यास नहीं बुझती''
उक्त पंक्ति में कौन सा अलंकार है?
(अ) उपमा (ब) विशेषोक्ति
(स) अतिश्योक्ति (द) मानवीकरण
उ. (ब)

6. श्रृंगार रस का स्थायी भाव क्या है?
(अ) रति (ब) प्रेम
(स) वैराग्य (द) सौन्दर्य
उ. (अ)

7. संचारी भाव को अन्य किस नाम से जाना जाता है?
(अ) स्थायी भाव (ब) अनुभाव
(स) विभाव (द) व्यभिचारी
उ. (द)

8. 'विस्मय, करुण, रौद्र' रस के स्थायी भाव के लिए कौन सा विकल्प सही है?
(अ) अद्भूत, शोक, क्रोध
(ब) वीभत्स, शांत, निर्वेद,
(स) भयानक, दुःख, उत्साह
(द) इनमें से कोई नहीं
उ. (अ)

9. करुण रस का स्थायी भाव है।
(अ) उत्साह (ब) भय
(स) निर्वेद (द) शोक
उ. (द)

10. संचारी भाव की संख्या है।
(अ) 33 (ब) 29
(स) 28 (द) 31
उ. (33)

11. शान्त रस का स्थायी भाव है।
(अ) निर्वेद (ब) रति
(स) शोक (द) क्रोध
उ. (अ)

12. सोरठा छंद के पहले और तीसरे चरण में कितनी मात्राएँ होती हैं?
(अ) 11-11 (ब) 13-13
(स) 11-13 (द) 13-11
उ. (अ)

13. दोहा और सोरठा किस प्रकार के छंद हैं?
(अ) समवार्षिक (ब) अर्द्धसममात्रिक
(स) सममात्रिक (द) विषममात्रिक
उ. (ब)

14. गीतिका किस प्रकार का छंद है?
(अ) अर्द्धसममात्रिक (ब) सममात्रिक
(स) विषममात्रिक (द) समवार्षिक
उ. (ब)

KOTHARI INSTITUTE

हिन्दी साहित्य

किसी भी भाषा में भाव अभिव्यक्ति के लिए या तो आप गा-कर अपनी बात रखेंगे या फिर सीधे-सीधे बिना तुकबंदी के उसे कहेंगे। हिन्दी में भी ऐसा ही है जैसे-जैसे भाषा का विकास होता गया इसमें बनने वाले गद्य व पद्य का वर्गीकरण होता चला गया। हिन्दी भाषा का सही इस्तेमाल जानने के लिए उन सभी प्रकारों में से सामान्यतया प्रयोग में आने वाले प्रकारों के बारे में आपको जानकारी होना चाहिए।

हिन्दी साहित्य का विकास दो वर्णों में विभाजित है।

1. गद्य साहित्य - गद्य विचारों को अर्थ पूर्ण तरीके से व्यक्त करने का सहज मानवीय तरीका है। लेखन के संदर्भ में इसके कई प्रकार हो सकते हैं।

जैसे- कहानी, उपन्यास, यात्रा वृत्तान्नत, निबंध, व्यंग्य, इतिहास, संस्मरण, जीवनी, लघुकथा, आत्मकथा, नाटक, पत्र, एकांकी, अनुवाद और लेख।

2. पद्य साहित्य- पद्य में विषय के बारे में बात कहने के अलावा रस, अलंकारों और लय आदि का भी ध्यान रखना पड़ता है। शायद आपको जानकर यह आश्चर्य हो, पर गद्य के मानव द्वारा विचारने का सहज तरीका होने के बाद भी पद्य लेखन की शुरूआत गद्य से पहले हुई। महाभारत से लेकर ऋग्वेद तक सभी प्राचीन रचनाएँ पद्य के रूप में मिलती हैं।

पद्य के कुछ मुख्य प्रकार यहां वर्णित हैं- मुक्तक, खण्डकाव्य, महाकाव्य आदि।

हिन्दी साहित्य का आरंभ 8वीं शाताब्दी से माना जाता है। यह वह समय है जब सम्राट हर्ष की मृत्यु के बाद देश में अनेक छोटे-छोटे शासन केन्द्र स्थापित हो गए थे। जो परस्पर संघर्षरत रहा करते थे। विदेश मुसलमानों से भी इनकी टक्कर होती रहती थी।

हिन्दी साहित्य को आलोचक सुविधा के लिये कुछ ऐतिहासिक चरणों में विभाजित कर देखते हैं जो निम्नलिखित हैं-

1. आदिकाल (650 ई. से 1350 ई. तक)
2. भक्तिकाल (1375 ई. से 1700 ई. तक)
3. रीतिकाल (1600 ई. से 1900 ई. तक)
4. आधुनिक काल (1850 ई. से अब तक)

1. आदिकाल- इसे हिन्दी साहित्य के प्रथम काल को आदिकाल अथवा वीरगाथा काल के नाम से जाना जाता है। आदिकाल में विभिन्न प्रवृत्तियाँ मिलती हैं। जैसे धार्मिकता, वीरगाथात्मकता, श्रृंगारिकता आदि।

आदिकाल में दो शैलियां मिलती हैं जैसे - गिंगल व पिंगल । आदिकालीन साहित्य के तीन सर्वप्रमुख रुप हैं- सिद्ध साहित्य / नाथ साहित्य / रासौ साहित्य ।

हिन्दी साहित्य का विकास दिल्ली, कन्नौज और अजमेर के क्षेत्रों में हुआ माना जाता है। उस समय दिल्ली का शासक पृथ्वीराज चौहान थे। उनका दरबारी कवि चंद्रबरदाई नामक कवि था जिनकी रचना पृथ्वीराज रासो है। क्योंकि हिन्दी साहित्य में पृथ्वीराज रासो को अहम रचना माना गया है।

प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ-

1.	कवि	नल्ल सिंह
	रचना	विजपाल रासो
2.	कवि	जगनिक
	रचना	परमाल रासो
3.	कवि	विद्यापति
	रचना	पदावली, कीर्तिलता
4.	कवि	चन्द्रबरदाई
	रचना	पृथ्वीराज रासो
5.	कवि	दलपति विजय
	रचना	खुमान रासो
6.	कवि	अमीर खुसरो
	रचना	स्फुट पहेलियां,मुकरियाँ, दोहे, आदि
7.	कवि	नरपति नाल्ह
	रचना	बीसलदेव रासो

2. भक्तिकाल- इस काल को हिन्दी साहित्य का सवर्ण युग कहा गया है। यह काल पूर्ण रूप से भक्ति भाव से ओत-प्रोत काल है। इस काल में ईश्वर नाम की महत्ता पर विशेष बल दिया गया है। भक्तिकाल के कवियों ने अपने अपने गुरुओं की महिमा का बखान किया है। जीवन में सुख-शांति और मुक्ति के लिए भक्ति मार्ग की श्रेष्ठता का प्रतिपादन किया गया है।

KOTHARI INSTITUTE

इस काल में समाजोत्थान तथा धार्मिक एकता के स्वर मुखरित हैं। भक्ति काल के प्राय: सभी कवि किसी राजा के आश्रय में न रहकर स्वतंत्र रूप से रचना किया करते थे।

भाषा की विविधता इस काल के कवियों की अपनी विशेषता है। इस काल के संत कवियों ने सधुक्कड़ी भाषा का प्रयोग किया है। भक्ति काल के कवियों ने प्रबंध तथा मुक्तक दोनों शैलियों में काव्य रचना की है। इस काल को सर्मद्ध बनाने वाली दो काव्य धाराएँ हैं-

1. सगुण भक्तिधारा

2. निर्गुण भक्तिधारा

1. सगुण भक्तिधारा- इस धारा में ईश्वर की भक्ति पर अधिक बल दिया गया है। सगुण भक्तिधारा में कृष्ण एवं राम को भगवान का अवतार मानकर इनकी पूजा तथा उनके गुणों का बखान अपने काव्य में किया गया है। भक्ति को ज्ञान से महत्वपूर्ण माना गया है। सगुण भक्तिधारा को भी दो शाखाओं में विभक्त किया गया है

i) **राम भक्तिधारा -** सगुण धारा राम भक्ति शाखा की प्रमुख निम्न विशेषताएँ हैं।
राम की भक्ति के साथ लोक मंगल का संदेश दिया है। इस काल के कवियों ने अपनी कविताओं में ब्रज, अवधि भाषा एवं छन्दों तथा अलंकारों का सफल प्रयोग किया गया है। इस धारा में प्रकृति का मनोहर चित्रण मिलता है। इस शाखा में काव्य के दोनो रूप प्रबंध तथा मुक्त काव्य मिलते हैं।

ii) **कृष्ण भक्ति धारा-** इस धारा में श्रीमद् भागवत को आधार मानते हुए कृष्ण के मनोहर रूप का सुंदर चित्रण किया है। इस धारा के काव्य में वात्सल्य रस, श्रृंगार रस, ब्रज भाषा तथा मुक्तक रचनाओं का प्रयोग मिलता है। कृष्ण भक्ति धारा में भक्ति के सखा भाव को अधिक महत्व दिया गया है। इस धारा में संगीत का बहुत सफल प्रयोग किया गया है।

2. निर्गुण भक्तिधार - भक्ति कालीन निर्गुण भक्ति की धारा के कवि जिसमें ज्ञानमार्गी शाखा के कबीर तथा प्रेममार्गी शाखा के मलिक मुहम्मद जायसी प्रमुख है।

इस काल में ईश्वर के स्वरूप की उपासना व गुरु को ईश्वर के समक्ष आदर दिया गया है। इस धारा के सभी कवियों को सुफी या संत कहा जाता है।

सांसारिक कुरीतियों पर प्रहार इस काल के कवियों द्वारा अपनी कविताओं या रचनाओं में बड़े ही सुन्दर ढंग से किया गया है। संत कवियों द्वारा मिश्रित भाषा अथवा सधुक्कड़ी भाषा का प्रयोग किया गया है तथा सुफी संतों ने अवधि भाषा का प्रयोग किया है। लौकिक प्रेम गाथाओं द्वारा ईश्वर प्रेम की प्रेरणा दी गई है। इस काल के कवियों की रचना में रहस्यवादी प्रवृत्ति के दर्शन होते हैं।

इस धारा में प्रेम तथा इश्क की महत्ता प्रदर्शित की गई है। इस शाखा में आत्मा को पत्नि तथा ईश्वर को प्रियतम के रूप में देखा है।

3. रीति काल- रीति काल का अर्थ है बना बनाया रास्ता या बंधी-बंधाई परिपाटी।

इस काल के अधिकांश कवियों ने संस्कृत काव्य शास्त्र उल्लेखित रीति परम्परा के अनुसार काव्य रचना की है। इसी हेतु इस काल को रीति काल के नाम से संबोधित किया जाता है।

रीति काल की निम्न विशेषताएँ हैं-

- इस युग के कवियों ने श्रृंगार का सजीव चित्रण किया है। इसमें नायिकाओं के हाव-भाव का वर्णन रोचक रूप से मिलता है।
- इस युग के अधिकांश कवि राज दरबार में आश्रय प्राप्त किए हुए थे।
- इस युग का कला पक्ष प्रमुख है। भाषा में अलंकारों का योग तथा शब्दों का अनेकार्थक प्रयोग देखते ही बनता है।
- इस युग में प्रबंध काव्य के स्थान पर मुक्तक काव्य ग्रंथ अधिक लिखे गये हैं।
- प्रकृति चित्रण बहुत कम मिलता है। प्रकृति चित्रण उद्दीपन के रूप में ही अंकित है। रीति काल की भाषा ब्रज भाषा है। इसके कवि बिहारी, देव, केशव, घनानंद आदि।

रीति काल की प्रमुख प्रवृत्तियां निम्न हैं-

रीतिबद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य व रीतिसिद्ध काव्य।

इस काल के प्रमुख कवि तथा उनकी रचनाएँ

1.	कवि	केशवदास
	रचना	रामचन्द्रिका, रसिक प्रिया, कवि प्रिया

KOTHARI INSTITUTE

2.	कवि	देव
	रचना	जाति विलास, भाव विलास
3.	कवि	बिहारी
	रचना	बिहारी सतसई
4.	कवि	चिन्तामणि
	रचना	काव्य विवेक, काव्य प्रकाश
5.	कवि	पद्माकर
	रचना	पद्माभरण, गतविनोद
6.	कवि	मतिराम
	रचना	ललित ललाम, रसरोज
7.	कवि	भूषण
	रचना	शिवराज भूषण, शिव बावनी

4. आधुनिक काल- आधुनिक काल का हिन्दी साहित्य पिछली दो सदियो में विकास के अनेक पड़ावो से गुजरा है। जिसमें गद्य तथा पद्य में अलग-अलग विचारधाराओं का विकास हुआ है।

भारतवर्ष पर पाश्चात्य सभ्यता एवं संस्कृति का व्यापक प्रभाव पड़ा है। इस प्रभाव के फल स्वरूप ही काव्य में एक नई चेतना आई है।

नव जागरण का संदेश देश की धरती पर गुंजित हुआ। यह सब आज के ही परिवेश में ही संपन्न हुआ। इसी को आधार बिन्दु मानकर इस युग को आधुनिक काल के नाम से विभूषित किया गया है। आधुनिक काल के हिन्दी काव्य को निम्नलिखित भागों में विभक्त किया गया है।

1. भारतेन्दु युग- 2. द्विवेदी युग 3. छायावाद 4. रहस्यवाद 5. प्रगतिवाद 6. प्रयोगवाद एवं नई कविताएँ।

1. भारतेन्दु युग- यह युग आधुनिक काल का प्रतिनिधित्व करता है। भारतन्दु जी ने कविवचन सुधार, हरिश चन्द्र पत्रिका निकाली साथ ही अनेक नाटकों की कई रचनाएँ की। उनके नाटक हैं चन्द्रावली / भारत दुर्दशा, अंधेर नगरी ये नाटक रंगमंच भी बहुत लोकप्रिय हुए हैं।

इस युग के प्रमुख कवि भारतेन्दु हरिशचन्द्र, प्रताप नारायण मिश्र, बद्रीनारायण प्रेमघन एवं लाला सीताराम इत्यादि।

2. द्विवेदी युग- पंडित महावीर प्रसाद द्विवेदी के नाम पर ही इस युग का नाम द्विवेदी युग रखा गया है। 1903 ई. में द्विवेदी जी ने सरस्वती पत्रिका के सम्पादन का भार संभाला। उन्होंने खड़ी बोली पद्य के स्वरूप को स्थिर किया और पत्रिका के माध्यम से रचनाकारों के एक बड़े समुदाय को खड़ी बोली में लिखने को प्रेरित किया।

इस काल में निबंध, उपन्यास, कहानी, नाटक एवं समालोचना का अच्छा विकास हुआ।

इस युग के प्रमुख कवियों में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, श्रीधर पाठक, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', मैथिलीशरण गुप्त, रामनरेश त्रिपाठी, जगन्नाथ रत्नाकर, गया प्रसाद शुक्ल स्नेह आदि।

3. छायावाद- यह युग हिन्दी साहित्य के रोमांटिक उत्थान की वह काव्य धारा है जो लगभग 1918 ई. से 1936 तक की प्रमुख युगवाणी रही।

छायावाद के प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ-

1.	कवि	जयशंकर प्रसाद
	रचना	कमायीनी, आँसू, झरना, लहर
2.	कवि	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला
	रचना	परिमल, तुलसीदास, अनामिका
3.	कवि	सुमित्रानंदन पंथ
	रचना	वीणा, पल्लव, गुंजन
4.	कवि	महादेवी वर्मा
	रचना	दीप शिखा, रश्मि, नीहार, यामा

4. रहस्यवाद- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के शब्दों में चिंतन के चेतन जो अद्वेतवाद है वही भावना के क्षेत्र में रहस्यवाद है। मलिक मुहम्मद जायसी, मीरा एवं कबीर की कविताओं में शुद्ध रहस्यवाद के दर्शन होते हैं।

रहस्यवाद के कवि एवं उनकी रचनाएँ -

1.	कवि	कबीर
	रचना	बिजक
2.	कवि	मलिक मुहम्मद जायसी
	रचना	पद्मावत
3.	कवि	जयशंकर प्रसाद
	रचना	कामायनी, लहर, आँसू
4.	कवि	महादेवी वर्मा
	रचना	दीपशिखा, नीरज, नीहार
5.	कवि	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला
	रचना	अणिमा, परिमल, अनामिका
6.	कवि	सुमित्रानंदन पंत
	रचना	स्वर्णधुलि, स्वर्ण किरण

KOTHARI INSTITUTE

6. प्रगतिवाद- जिस काव्य के अंतर्गत अतिशय भानुकता का विरोध, शोषण के प्रति क्रोध, भौतिक दुनिया की वास्तिवकता एवं सामाजिक विषमताओं के प्रति प्रहार होता है, उसे प्रगतिवाद काव्य कहा जाता है।

इस काव्य की निम्नलिखित विशेषताएँ -

यह काव्य साम्यवादी विचारधारा से प्रभावित है। इसमें मानव की समानता का पोषक किया जाता है। प्रगतिवाद शोषण एवं अन्याय के प्रति आक्रोश प्रकट करता है। यह जर्जरित रूढ़ियों का घोर विरोध करता है।

प्रगतिवादी काव्य के विषय क्षेत्र में दीन-हीन, श्रमिक तथा शोषित वर्ग आते हैं। इस काव्य के प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ-

1.	कवि	नागार्जुन
	रचना	युगधारा, खून और शोले
2.	कवि	सुमित्रानंदन पंत
	रचना	युगवाणी, ग्राम्या।
3.	कवि	शिवमंगलसिंह सुमन
	रचना	हिल्लौल, मिट्टी की बारात

6. प्रयोगवाद एवं नई कविता- प्रयोगवाद के जनक अज्ञेय को माना जाता है। प्रयोगवाद का प्रारंभ तार-सप्तक (काव्य-संकलन) से स्वीकार गया है। इसकी विशेषताएँ-

प्रयोगवादी काव्य में निराशावादी दृष्टिकोण रखा गया है। इसमें भेदस चित्रण का बखूबी प्रयोग किया गया है।

प्रयोगवादी काव्य में बौद्धिक विचारधारा को उपनाया गया है। इसमें नवीन प्रतिमान स्थापित किए गए हैं।

प्रयोगवाद काव्य के कवि एवं उनकी रचनाएँ-

1.	कवि	नागार्जुन
	रचना	युगधारा
2.	कवि	शिवमंगलसिंह सुमन
	रचना	हिल्लौल
3.	कवि	सुमित्रानंदन पंत
	रचना	युगवाणी

नई कविता की रचना 1950 ई. के पश्चात हुई। इस कविता के कलेवर में नवीन भाषा शिल्प, नए-नए प्रयोग तथा नवीन भावनायें सम्मिलित हैं। इसमें बौद्धिकता का अतिशय पुट है।

साहित्यिक कवि-परिचय

1. तुलसीदास - गौस्वामी तुलसीदास का जन्म संवत् 1589 वि. में बाँदा जिले के राजापुर नामक स्थान में हुआ था। इनके पिता का नाम आत्माराम दुबे और माता का नाम हुलसी था। उनकी पत्नि का नाम रतनावली था। संवत् 1680 में इस महान आत्मा ने अपने देहबंधन को तोड़ दिया और रामलीन हो गए। साहित्यिक सेवा में तुलसी ने अपने आदर्श साहित्य सर्जन के द्वारा लोक जीवन को सुखमय और मर्यादित बनाने के उद्देश्य से आदर्श राज्य की स्थापना की परिकल्पना की।

रचनाएँ- रामचरित्रमानस, विनय पत्रिका, कवितावली, गीतावली, बरवै रामायण, रामललानहछू, रामाज्ञा, प्रश्नावली, वैराग्य संदिपनी, दोहावली, जानकी मंगल, पार्वती मंगल, हनुमान बाहुक व कृष्ण गीतावली।

भावपक्ष- शक्ति, शील और सौन्दर्य का समाधान: रामभक्त के प्रमुख कवि ने तुलसी ने राम के मर्यादा पुरुषोत्तम का आदर्श स्वरूप प्रतिपादित किया है।

कलापक्ष- भाषा : तुलसी के काव्य की भाषा ब्रज और अवधि है। संस्कृत, अरबी-फारसी, आदि भाषाओं के शब्दों का प्रयोग भाव सौन्दर्य की वृद्धि के लिए किया गया है। इससे भाषा में साहित्यिकता बनी रहती है।

सरसता, बोद्धगम्यता, सौन्दर्य, माधुर्य, चमत्कार, प्रसाद, औझ आदि सभी गुणों का सहज समावेश हुआ है।

---

2. मीरा- कृष्ण भक्त कवयित्री मीरा का जन्म राजस्थान में जोधपुर में मेड़ता के निकट चौकड़ी ग्राम में सन् 1498 ई. के लगभग हुआ था। उनके पिता राठौड़ रतनसिंह थे। मीरा का विवाह चित्तौड़ के राणा सांगा के ज्येष्ठ पुत्र भोजराज के साथ हुआ था।

साहित्यिक सेवा- मीरा के काव्य में हृदय की मर्मस्पर्शी विरह-वेदना, प्रेम की आकुलता एवं भक्ति की तल्लीनता परिपक्व अवस्था में मिलती है। मीरा की काव्य साधना भक्ति की पुष्टि और मन की शांति देने में सक्षम है।

रचनाएं- नरसिंहजी का मायरा, गीत गोविंद की टीका, रागगोविंद तथा रागसोरठा के पद आदि प्रसिद्ध रचनाएँ हैं।

भावपक्ष

विरह वेदना: भगवान कृष्ण की दिवानी मीरा की रचनाएँ, विरह वेदना की अकथनीय अनुभूतिजन्य सृष्टि है।

KOTHARI INSTITUTE

रस और माधुर्य: मीरा के काव्य में रस और माधुर्य का समन्वित रूप भक्ति, शांत और श्रृंगार रस में परिणत हो उठा।

रहस्यवाद: मीरा की कृतियों में रहस्यवाद में उत्सुकता, मिलन और वियोग की सजीव तीव्रता व्याप्त है।

कलापक्ष

भाषा: मीरा की भाषा राजस्थानी संस्कार से संयुक्त ब्रज भाषा है। कहीं कहीं भोजपुरी के पुट से युक्त जनभाषा का प्रयोग मिलता है। उनकी भाषा में शुद्ध साहित्यिक भाषा का अभाव है।

शैली: मीरा ने मुक्तक शैली अपनायी है। जिसमें गेयता समाहित है। उनकी गतिशैली में प्रवाह है, झंकृति है, भाव सम्पेष्णीयता है।

अलंकार: मीरा की कृतियों में उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अनुप्रास आदि अलंकारों का प्रयोग सर्वत्र ही देखा जा सकता है।

साहित्य में स्थान: मीरा विरह वेदना की तीव्रता को चित्रित कर सकी है। अत: वे साहित्याकाश में सदैव स्मरण की जाती रहेगी।

---

3. सूरदास- इनका जन्म 1478 ई. में आगरा से मथुरा जाने वाले राजमार्ग पर स्थित रुनकता नामक गांव में हुआ था।

इनका अष्टछाप के कवियों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त है।

यह आजीवन श्रीमद् भागवत के आधार पर श्रीकृष्ण की लीला के पदों की सर्जना करते रहे। कृष्ण भक्ति में लीन सूरदास 'खंजन, नैनन, रूप, रसमाते' पद का गान करते-करते 1583 में शरीर की इहलिला समाप्त की।

साहित्यिक सेवा- सूरदास ने अपनी कृतियों के माध्यम से अप्रतिम सेवा की है। उन्होंने पुष्टिमार्ग में दीक्षा लेकर दास्य और दीनभाव के पदों की रचना करना छोड़ दिया। साथ ही वात्सल्य प्रधान सखाभाव की भक्ति के पदों की रचना करना प्रारंभ कर दिया। सूर के काव्य में पवित्र प्रेम का निरूपण हुआ है। उन्नय, विनय, वात्सल्य और श्रृंगार रस की त्रिधारा बहती है।

रचनाएँ- सूरसागर, सूरसारावली, साहित्यहलरी।

भावपक्ष

भक्तिभाव: कृष्ण भक्त सूर के हृदय की अभिव्यक्ति बाल-लिलाओं और प्रेम-लिलाओं में स्पष्ट हुई है। सूर के पदों में मानव मन की भावों की यथार्थता तथा मार्मिकता परिलक्षित होती है। सूर रससिद्ध कवि थे सूर काव्य में शांत, श्रृंगार और वात्सल्य रस की त्रिवेणी प्रवाहित है। सूर ने काव्य में संयोग और योग का चित्रण करके श्रृंगार को रसराज सिद्ध कर दिया।

कलापक्ष

सूरदास ने ब्रज भाषा को लालित्य प्रधान बना दिया उनकी भाषा सरल, सरस और प्रभावशाली है। भाषा में भाव प्रकाशन की क्षमता है। लौकोक्तियों से भाषा में चमत्कार आ गया है। सूर का साहित्य गेयपद शैली का उन्नत और पूर्ण विकसित उदाहरण है। सूर काव्य में अलंकारों की वर्षा हो उठती है। सूर काव्य में उपमा और उपमान रुपक तो उमड़ पड़ते हैं।

---

4. रहीम- रहीम का जन्म 1556 ई. में हुआ था। इनका पूरा नाम अब्दुर्रहीम खानखाना था। इनके पिता बैरम खाँ खानखाना थे। वे अकबर के अभिभावक थे। रहीम अकबर के मनसबदार थे और उनके दरबार के नवरत्नों में प्रमुख थे। इनकी मृत्यु 1626 ई. हो गयी थी।

साहित्यिक सेवा- रहीम की कविता का विषय प्रेम, नीति तथा भक्ति रहा है। उन्होने भक्ति, नीति, ज्ञान, वैराग्य, धर्म, सत्संग, प्रेम, परिहार, स्वभिमान आदि विषयों पर सफलता पूर्वक अपने भावों को अभिव्यक्ति दी है।

रचनाएँ- रहीम सतसई, श्रृंगार सतसई, मदनाष्टक, बरवै नायिका भेद, श्रृंगार सोरठा, राम पंचमाध्यायी, नगर शोभा, फुटकल बरवै, फुटकल कवित्त सवैये।

भावपक्ष

भक्ति और नीति के प्रसिद्ध के प्रसिद्ध कवि रहीम भगवान कृष्ण के अनन्य उपासक थे। जिसमें हृदयगत भाव की अभिव्यंजना हुई है। रहीम के काव्यों में सरलता, सरसता एवं सहजता विद्यमान है। अत: हृदय की सच्ची अनुभूति अभिव्यंजित हो रही है। कृष्ण उपासक रहीम के काव्य में गहरे अनुभवों की तीव्रता सर्वत्र व्याप्त है। दोहों में संवेदनशील हृदय की मार्मिक उक्तियां हैं।

कलापक्ष

रहीम ने अवधि और ब्रजभाषा में अपनी रचना की है। हिन्दी, संस्कृत, अरबी-फारसी के शब्दों की आवृत्ति इनकी रचनाओं में होती रही है। भाषा में बाहरी आडम्बर या पंडित्य प्रदर्शन की भावना नहीं है। भाषा में परिमार्चित, परिस्कृत और माधुर्य गुण प्रधान है।

रहीम की शैली सरल, सहज, और सुबोध है। रहीम का काव्य श्रृंगार, शांत एवं हास्य रस से हिलोरे ले रहा है।

KOTHARI INSTITUTE

उपमा, उत्प्रेक्षा, रुपक, दृष्टांत रहीम के प्रिय अलंकार हैं। रहीम ने दोहे के अतिरिक्त बरवै, कवित्त, सवैये, सोरठा और पद छन्दों से रचनाएँ प्रस्तुत की हैं।

रहीम ने मुहावरे व लौकोक्तियों के प्रयोग से विषय का सरलता से बोध कराया है। रहीम की अनुभवजन्य भाव अभिव्यक्तियों हिन्दी भाषा-भाषी को व्यवहार ज्ञान से युक्त करती है। इसके लिए रहीम को सदैव स्मरण किया जायेगा।

5. सुमित्रानंदन पंत- छायावादी, प्रगतिवादी और अध्यात्मवादी पंत जी का जन्म कुर्मांचल प्रदेश (अलमोड़ा जिला) के कोसानी नामक ग्राम में सन् 1900 ई. में हुआ था। इनके बचपन का नाम गुसाई दत्त था। इनकी माता का नाम सरस्वती देवी था। इनका संबंध गांधी जी के असहयोग आन्दोलन से भी रहा है।

साहित्यिक सेवाएं- ये नई पीढ़ी के हिन्दी के नई काव्य धारा के कवि कलाकार हैं। इनके ऊपर अंग्रेजी के कवि शैले, कीट्स और वर्डसवर्थ की स्वछंद प्रवृत्तियों का बड़ा प्रभाव पड़ा।

प्रकृति की प्रत्येक छवि को जीवन के प्रत्येक कोण से आत्म-विभोर होकर देखा है। उनके काव्य में कवि हृदय का स्पंदन तथा विश्वजीवन की धड़कन परिलक्षित होती है।

रचनाएँ- वाणी, पल्लव, गुंजन, युगांत, युगवाणी, ग्राम्या, स्वर्णकिरण, स्वर्णधूली, युगपथ, उत्तरा, अतिमा, रजत-रश्मी, शिल्पी, काला और बुढ़ा चांद, चिदम्बरा, रश्मिबंध और लोकायातन।

पंत को **चिदम्बरा** के लिए ज्ञानपीठ पुरुस्कार से सम्मानित किया गया एवं भारत सरकार द्वारा पद्मभूषण की उपाधि से भी अलंकृत किया गया।

भावपक्ष

पंत जी ने अपनी कोमल बिम्बों को उभारा है। इनका विचार है कि कविता विरह से उठा हुआ गान है। इन्होंने प्रकृति के साथ भावात्मक एकता एवं तल्लीनता स्थापित कर ली है। इनकी कविता में प्रकृति के रूप-रंग, रसगंध, ध्वनि तथा गति के चित्र प्राप्त होते थे। इन्होंने प्रकृति में आलम्बन, उद्दीपन, मानवीकरण तथा उपदेशीका के रूप में चित्रित किया है।

पंत ने अपने काव्य में प्रेम और सूक्ष्म भावों के चित्र अंकित किए हैं। संयोग और वियोग की अनुभूतियाँ भी चित्रोपम हैं।

आज्ञात और दिव्य सत्ता के प्रति जिज्ञासा कवि के रहस्य भाव की द्योतक है। कवि अपनी कविताओं में आदर्शों के आकाश से धरती के ठोस धरातल पर उतरना चाहता है।

कवि में अपने काव्य में जीव, जगत एवं जगदीश्वर पर अपने दार्शनिक विचार प्रकट किए हैं।

कलापक्ष

कवि पंत की कोमलकांत पदावली में माधुर्य, लालित्य और ध्वन्यात्मकता विद्यमान है। कवि ने लाक्षणिकता, प्रतीकात्मकता, ध्वन्यात्मकता एवं बिम्ब विद्यमान शैली को अपनाया है।

लेखक की रचनाओं में उपमा, रोपक, उत्प्रेक्षा, श्लेष, यमक, रूपकांतिश्योक्ति, अंत्यौक्ति आदि अलंकारों का मौलिक प्रयोग हुआ है। मानवीकरण, विशेषण, विपर्यय, ध्वन्यर्थ व्यंजना आदि नए अलंकार भी प्रयुक्त हुए हैं।

इनकी कविता में लेय प्रधान तुकान्त और अतुकान्त सभी परंपरागत व नवीन छंदों को प्रयुक्त किया गया है।

6. रामधारीसिंह दिनकर- दिनकर जी का जन्म बिहार के मुंगेर जनपद के सिमरिया घाँट नामक गांव में सन् 1908 ई. में हुआ था। सन् 1952 ई. से 1963 ई. तक राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत राज्यसभा के सदस्य रहे ।

साहित्य सेवा- दिनकर जी ने भारत सरकार की हिन्दी समिति में रहकर सलाहकार और आकाशवाणी के निदेशक पद पर रहकर हिन्दी के उत्थान और विकास के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया। इन्होंने गद्य और पद्य दोनों में ही हिन्दी साहित्य का सृजन किया है।

रचनाएँ- रेणुका, हुंकार, रसवंती, द्वंदगीत, सामधेनी, कुरुक्षेत्र, रश्मिरथी, उर्वशी, परशुराम की प्रतिज्ञा, प्रणभंग, बापू, इतिहास के आंसू, धूप और धुआँ, दिल्ली, नीम के पत्ते, नीलकुसुम, चक्रवात, सीपी और शंख, नर सुभाषित, कोयल और कवित्व, आत्मा की आँखें, हारे को हरिनाम।

भावपक्ष

दिनकर जी ने हिन्दी काव्य को नई धारा देकर देश तथा समाज को काव्य का विषय बनाया। इनके द्वारा पूँजीपतियों और शासक वर्ग के अत्याचारों और उनके द्वारा शोषण का नंगा चित्र उभारा। मजदूर और किसानों के प्रति इन्होंने अपने गीतों के माध्यम से सहानुभूति प्रकट की है।

इनके गीतों को सुनकर पाठकों और श्रोताओं के हृदय उत्साह और ओठ से भर उठते हैं।

KOTHARI INSTITUTE

दीनकर जी की कविता में राष्ट्रीयभाव उमड़े जाते हैं। उन्होने राजनेताओं और राष्ट्र सेवकों एवं जनसाधारण में आचरण की पवित्रता और अपने उद्देश्य की प्राप्ति तथा राष्ट्रहीत में बलिदान करने का आह्वान किया। इन्होंने भारतीय प्राचीन संस्कृति की सुरक्षा के लिए नई प्रेरणा देने का महान कार्य अपने काव्य के द्वारा किया है।

दीनकर जी ने अपने काव्य द्वारा लोकहित तथा नवनिर्माण देश का संदेश दिया है। इनकी कविता में वीर, शांत और श्रृंगार रस की निष्पत्ति होती रही है।

कलापक्ष

इनकी कविता में शुद्ध खड़ी बोली प्रयोग की गई है। शब्द चयन पुष्ट और भाव के अनुकूल हैं। दिनकर जी ने काव्य में कवित्तय, सवैया, छंद का प्रयोग किया है। साथ ही नए छन्दों की अवतारणा भी की है। इन्होंने उपमा, रुपक, उत्प्रेक्षा, अनुप्रयास तथा श्लेष आदि अलंकारों के साथ मानवीकरण का प्रयोग सहज ही किया है।

---

7. अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध- हरिऔध जी का जन्म 1865 ई. में उत्तर प्रदेश के निज़ामाबाद, जिला आज़मगढ़ में हुआ। इनके पिता पंडित भोलासिंह उपाध्याय और माता का नाम श्रीमती रुक्मिणी देवी था।

साहित्य सेवा- इन्होंने पौराणिक प्रसंगों पर आधारित काव्य रचना की उपेक्षित और शोषित नारी के उत्थान के लिए पौराणिक चरित्र राधा को आधार बनाया। प्रिय प्रवास की राधा सेवा कर्म करती है। और सम्पूर्ण ब्रज का दुख बांटती है।

रचनाएँ- प्रिय प्रवास वैदेही वनवास, पारिजात, चुभते चौपदे, चोखे चौपदे, बोलचाल, रस-कलश, अधखिला फूल, ठेठ हिन्दी का ठाठ, रुक्मिणी परिचय, हिन्दी भाषा और साहित्य का विकास।

भावपक्ष

हरिऔध के काव्य में उसके वर्ण्य विषय की विविधता है। जिनमें वर्तमान युग की समस्याओं को प्रस्तुत किया है। इनके समग्र काव्य में लोकमंगल और लोकसेवा का स्वर मुखरित हुआ है। कवि ने प्रकृति के आलम्बन स्वरुप को चित्रित किया है। प्रगति में संवेदनशीलता, उपदेशिका के रूप को उद्दीपन विभाव में निरुपित किया है।

कलापक्ष

हरिऔधजी ने भाषा के विविध रूप का सफल प्रयोग किया है। इन्होंने खड़ी बोली के अतिरिक्त कोमलकांत, पदावली से युक्त ब्रजभाषा की मधुरता को विद्यमान किया है। संस्कृतनिष्ठ खड़ी बोली सरल और शुद्ध है। उसमें भोजपुरी की मिठास भरी है। अभिधा, लक्षणा और व्यंजना शक्तियों और ओज, प्रसाद तथा माधुर्यगुण प्रधान भाषा अतिसमृद्ध है।

इन्होंने आलंकारिक, चमत्कारपूर्ण शैली, व्यंग्य, विनोद, प्रधान शैली को अपनाया है।

हरिऔध जी ने उपमा, रुपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, यमक, अपह्नुति, वीप्सा, पुनरुक्तिप्रकाश आदि अलंकारों का प्रयोग किया है। इन्होंने अपनी कविता में कवित्त, सवैया, छप्पय, दोहा आदि छन्दों का सफल प्रयोग किया है।

---

8. दुष्यंतकुमार त्यागी- त्यागी जी का जन्म 1 सितम्बर सन् 1933 में हुआ था। दुष्यंत कुमार ने अपनी हिन्दी गज़लों के माध्यम से आधुनिक काल के सामाजिक यथार्थ को चित्रित किया है। उन्होंने अपने काव्य के माध्यम से लोगों को प्रेरित किया है कि परिस्थितियों के अनुकूल न होते हुए भी उनमें परिवर्तन लाने की हिम्मत तो अवश्य ही जुटाना चाहिये।

रचनाएँ- सूर्य का स्वागत, आवाज़ों के घेरे, एक कंठ विषपायी, छोटे-छोटे सवाल, आंगन में एक वृक्ष, दुहरी ज़िंदगी,

भावपक्ष- इनकी कविताओं में भाव की अनुभूतियां गहन एवं सुक्ष्म दोनों ही हैं। उनकी गज़लों से स्पष्ट है कि उनके उपर मनोविश्लेषणावाद का प्रभाव अवश्य है।

दुष्यंतकुमार ने प्रेम और सौन्दर्य को अपनी कविताओं में ठोस धरातल पर अंकित करने की चेष्टा की है। इनकी गज़लें छायावादि रहस्यवाद से अतिरंजित हैं।

छायावाद के रहस्य से अतिरंजित दुष्यंत का काव्य घोर निराशा और उद्विग्नता में डुबा हुआ लगता है। इनकी कविताओं में शांत रस की अभिव्यंजना निर्वेद से हुई है।

कलापक्ष- दुष्यंत जी की कविताओं में भाव के अनुकूल ही भाषा का प्रयोग हुआ है। अत: उन्होने तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी शब्दों का प्रयोग सहज ही किया है।

इनकी कविता किसी भी छंद बंधन से मुक्त है। व्यंग्य प्रधान मुक्तक शैली में गुथित छन्द अपनी भावभूमि की अभिव्यक्ति में स्वतंत्र है। उपमा, रुपक, उत्प्रेक्षा, अलंकार स्वयं ही इनकी कविताओं में आकर शामिल हो गए हैं।

दुष्यंत कुमार स्वीकृति है कि राजनीतिक, सामाजिक एवं व्यक्तिगत स्तर पर कविता एक उत्तम और अचुक हथियार है।

KOTHARI INSTITUTE

GENERAL ENGLISH

COMPREHENSIONS

DIRECTIONS: Read the following passage carefully and complete the following sentences.

(M.P.S.I. - 2016)

The story of a poor family that acquired fame and fortune overnight,\ dramatically illustrates the power of the Press. The family lived in Aberdeen, a small town in South Dakota. As the parents had five children, life was a erpetual struggle against poverty. They were expecting their sixth child and were faced with even more pressing economic problems. If they had only one more child the fact would have passed unnoticed. They would have continued to struggle against economic odds and would have lived in obscurity.

But suddenly they became parents of quintuplets, four girls and a boy, an event which radically changed their lives. An aeroplane arrived in Aberdeen bringing sixty reporters and photographers. The news became a national sensation. Newspapers and magazines offered the family huge sums for exclusive rights to publish their photographs. The farmhouse they lived in was to be replaced by a new $100,000 home. The event brought serious changes to their lives and the town itself.

Q.1 What does the author mean by the expression 'perpetual struggle against poverty'?

1. Continuously facing or fighting with poverty.
2. Living in harmony and peace.
3. Living amid luxuries.
4. None of the above

Correct Answer :-
Continuously facing or fighting with poverty.

Q.2 What is the meaning of the word 'obscurity'?

1. The state of being famous and rich.
2. The state of being unknown, inconspicuous, or unimportant.
3. The state of having unlimited power.
4. None of the above.

Correct Answer :-
The state of being unknown, inconspicuous, or unimportant.

Q.3 What do you mean by 'quintuplets'?

1. Six children born at the same time to the same mother.
2. Four children born at the same time to the same mother.
3. Five children born at the same time to the same mother.
4. None of the above.

Correct Answer :-Five children born at the same time to the same mother.

Q.4 Who brought fame and fortune overnight to the poor family?

1. The newly born baby
2. The media or press
3. The five children
4. All of the above

Correct Answer :-The media or press

Q.5. Which event completely changed the life of the poor family that lived in Aberdeen, a small town in South Dakota?

1. Arrival of sixty reporters and photographers.
2. Birth of quintuplets.
3. Money given by Newspapers and magazines.
4. All of the above

Correct Answer :-Birth of quintuplets.

DIRECTIONS: Read the following passage carefully and complete the following sentences.

(M.P.S.I. - 2016)

The "Little Tramp?, the unforgettable character Charlie Chaplin invented, was born purely by accident in 1915. While rushing to a film shoot in California, he grabbed clothes other people had left behind in the changing room. And when he emerged, he found he had created a personality everybody loved. A little guy in a bowler hat, a close – fitting jacket, a cane, outsize shoes and a brush – like moustache!

Before long, Chaplin found himself a star. That puzzled him, for he saw himself essentially as a shy

KOTHARI INSTITUTE

British Music Hall comedian. The U.S. acknowledged him as its king of silent film comedy. Soon, so did crowds all over the world. But life wasn't always a laugh for Charles Spencer Chaplin. Both his parents were Music Hall artists, who separated when Charlie was very young. His childhood was very sad, for his mother never earned enough to look after Charlie and his older brother, Sydney. Sometimes, Chaplin had to sleep on the streets and forage for food in the garbage. Charlie took his first bow on stage when his mother made her last appearance. It happened when her voice broke during a song. Her son stepped on stage and sang a popular song. That's when a star was born. Through all these years of success, Charlie never forgot his troubled childhood. It made him recall a Christmas when he was denied two oranges and his bag of sweets for breaking a rule at the orphanage he went to after his mother's death. It would have broken his heart, if the other children had not offered him a share of theirs. Spontaneously, the adult Chaplin gifted the orphanage with a motion picture machine and insisted that each child should have as many oranges and sweets as they pleased.

Q.1 What does the word 'forage' mean?

1. Attack someone desperately
2. Search widely for eatables or provisions
3. Steam or boil vegetables
4. None of the above

Correct Answer :-Search widely for eatables or provisions

Q.2 What was the name of the great character that was created by the renowned comedian Charlie Chaplin?

1. Music Hall artist
2. The great British comedian
3. The Little Tramp
4. None of the above

Correct Answer :-The Little Tramp

Q.3 Which word in the passage means 'to take hold of something or someone suddenly and roughly'?

1. Grabbed
2. Emerged
3. Recall
4. None of the above

Correct Answer :-Grabbed

Q.4 What was the reason of Chaplin's disturbed childhood?

1. Separation of his parents and low income of his mother
2. Psychological illness
3. Harassment and torture at orphanage
4. All of the above

Correct Answer :-Separation of his parents and low income of his mother

Q.5 What does the word 'acknowledge' mean?

1. To contradict
2. To deny the truth
3. To accept, admit, or recognize something
4. None of the above

Correct Answer :-To accept, admit, or recognize something

DIRECTIONS: READ THE PASSAGE CAREFULLY AND ANSWER THE QUESTION GIVEN BELOW:

(M.P.S.I. - 2017)

With Christmas fast approaching, ornate trees and strings of decorative lights are popping up in neighborhoods all across the world. However, very few people go the extent that David Richards has, with his massive display that comprises over half a million lights.

But then again, not everyone is trying to do what the Canberra resident is - claim the Guinness World Record for a second time. The Richards family won their first title when they created a imilar display in 2011 using 331,038 lights. But their fame lasted only for a short period of time thanks to some New Yorkers who outdid them in 2012, with about 15,000 additional display lights.

Determined to reclaim the title, David emerged from 'retirement' in October and began the laborious process of building this astounding 502,165 light display, complete with a glowing reindeer and loud music. Though he achieved his goal, some of his neighbors who were still recovering from the 2011 display, were not so thrilled. Fortunately or unfortunately, since the lights are strung across David's property, there is not much they can do.

Besides the cost of the lights that took a month to put up, the family expects to incur an electricity

KOTHARI INSTITUTE

cost of $2,300 USD for the month. Fortunately, their local power company has agreed to forgo the entire amount. And while David's primary reason for creating this rather overwhelming display has a selfish motive, there is a 'bright' side to it too - It doubles up as a fundraiser.

In 2011, the thousands of people that visited helped raise $72,000 USD for various children's charities. David is hoping that things will be similar, if not better, this year. As for future displays? He is certainly not ruling them out, especially if his title is challenged again!

Q.1. The underlined word 'ornate' in the Paragraph 1 means:

1. Decorated
2. Ornamental
3. Flowery
4. Ancient

Correct Answer :- Decorated

Q.2 Which one of the following statements is FALSE according to the passage?

1. The Richards family displayed 331,038 lights in 2011.
2. In 2013, the cost of electrifying the place exceeded $2,300 USD.
3. In 2011, David Richard was able to raise $72,000 USD.
4. In 2012, some New Yorkers displayed around 15,000 additional lights.

Correct Answer :- In 2013, the cost of electrifying the place exceeded $2,300 USD.

Q.3 Why did David Richards' fame last briefly?

1. His neighbors were not so thrilled at the display.
2. All of the above
3. Some New Yorkers outdid his title.
4. The local power company did not forgo the entire amount.

Correct Answer :- Some New Yorkers outdid his title.

Q.4 What quality of Richard Davis is reflected in the passage?

1. His determination to be active even after retirement
2. His selfish motive behind winning the title
3. His convincing ability
4. His challenging spirit

Correct Answer :- His challenging spirit

Q.5 What was the main motive behind David's determination to clinch the Guinness World Record?

1. He wanted to return his lost title
2. He wanted to donate for children's charities
3. He wanted his neighbors to follow his example
4. He had no desire to win it the second time

Correct Answer :- He wanted to donate for children's charities

DIRECTIONS: READ THE PASSAGE CAREFULLY AND ANSWER THE QUESTION GIVEN BELOW:

(M.P.S.I. - 2017)

The decision to bestow the 2016 Good Design Award, Japan's most prestigious design honor, upon the AuthaGraph World Map came as a surprise to many. Given that previous winners have been innovations like personal mobility chairs and robotic arms, people wondered what had impressed the judges about the design of a map. It turns out that this strange-looking map is the most proportionate depiction of our planet.

The world map, as we know it, uses the Mercator Projection, a mapping technique developed in 1569 by cartographer Gerardus Mercator. Though excellent for navigation, the method significantly distorts the size and proportion of land masses and bodies of water. So while North America and Africa appear to be about the same size, in reality, the former could fit inside Africa with room to spare for India, Argentina, Tunisia, and much more. Similarly, though Brazil is more than five times larger than Alaska, it is the latter, that appears bigger. The reason for the discrepancies has to do with the challenge of transposing the 3-dimensional spherical surface of Earth onto a 2-dimension flat map, a task that is surprisingly hard to do accurately.

KOTHARI INSTITUTE

Over the years, there have been numerous attempts to solve the issue. The Galls-Peters projection tried by vertically compressing the regions near the poles, while the Mollweide projection bent continents around the corners to portray them more accurately. Though the Boggs eumorphic projection showed the correct shape and land mass size by slicing the globe into sections, the map was not practical for ocean navigation.

The AuthaGraph World Map, which beat out 1,000 entries in various categories, appears to have solved the issues using geometry. Created by architect and designer Hajime Narukawa, it divides the globe into ninety-six equal triangles and projects them onto a tetrahedron shape. This simple technique preserves the proportions of the land and water when going from a 3-dimensional sphere to a 2-dimensional map.

The result is an accurate map that is unlike any other. Instead of lining up straight across, the continents curve upwards, as though smiling at finally being represented accurately. It also appears as though Africa and the Americas have swapped places. As for those tidy longitude and latitude grids? They have been reduced to a mishmash of curvy and twisty lines!

Q.1 The underlined word 'cartographer' in the Paragraph 2 of the passage means a person who ____.

1. Studies and makes maps
2. Designs globes
3. Looks into the geographical boundaries of the earth
4. Sketches route maps

Correct Answer :- studies and makes maps

Q.2 What is the highlighting feature of the AuthaGraph World Map?

1. It seems to have solved the issues using geometry only
2. It stood first among a thousand entries in various categories only
3. It divides the globe into ninety-six equal triangles and projects them onto a tetrahedron shape only
4. All of the above

Correct Answer :- All of the above

Q.3 According to the passage, which of the following projections is not practical for sailing in the waters?

1. Galls-Peters Projection
2. Mollweide Projection
3. Mercator Projection
4. Boggs Eumorphic Projection

Correct Answer :-
Boggs Eumorphic Projection

Q.4 The AuthaGraph World Map has been designed by:

1. Galls-Peters
2. Boggs
3. Gerardus Mercator
4. Hajime Narukawa

Correct Answer :-
Hajime Narukawa

Q.5 The Good Design Award is the brainchild of which country?

1. Argentina
2. Brazil
3. Tunisia
4. Japan

Correct Answer :- Japan

●●●●●●●●

KOTHARI INSTITUTE

VOCABULARY

Abundant (प्रचुर)
Academy (अकादमी)
Accidentally (अकस्मता)
Accommodation (आवास)
Accomplice (साथी)
Accordance (अनुसार)
Acknowledge (स्वीकार करना)
Address (पता)
Adequately (पर्याप्त रुप से)
Adjournment (स्थगन)
Adolescent (किशोर)
Advertisement (विज्ञापन)
Agreeable (सहमत)
Alleviate (कम)
Allotted (आवंटित)
Amateur (शोकिया)
Amelioration (सुधार)
Antagonism (विरोध)
Anticipated (प्रत्याशित)
Apparatus (उपकरण)
Apparent (स्पष्ट)
Appropriate (उचित)
Archive (पुरालेख)
Arithmetic (अंकगणीत)
Ascertain (पता लगाना)
Assassination (हत्या)
Athletic (पुष्ट)
Attacked (हमला किया)
Attendance (उपस्थिति)
Audience (दर्शक)
Autobiography (आत्मकथा)
Awkward (भद्दा)
Banquet (भोज)
Bargain (सौदा)
Embarrassed (शर्मिला)
Embarrassment (शर्मिंदगी)
Battery (बैट्री)
Beautiful (सुंदर)
Begin (शुरू)
Beginning (शुरु करना)
Beneficial (फायदेमंद)
Benefited (लाभान्वित)
Bouquet (गुलदस्ता)
Bourgeoisie (पूँजीपति)
Breath (सांस)
Breathe (सांस लेना)
Brilliant (प्रतिभाशाली)
Brochure (विवरणिका)
Bureaucracy (नौकरशाही)
Calendar (पंचांग)
Carefully (ध्यान से)
Catalogue (सूची)
Category (श्रेणी)
Challenge (चुनौती)
Circumstances (परिस्थितियाँ)
Column (स्तंभ)
Commissioner (आयुक्त)
Committee (समिति)
Compare (तुलना)
Comparison (तुलना करना)
Competent (सक्षम)
Competition (मुकाबला)
Complementary (पूरक)
Concealment (आड़)
Conciliation (सुलहा)
Condemn (नींदा)
Condemned (नींदा करना)
Consignment (प्रेषण)
Consistent (संगत)
Controlled (नियंत्रित)
Guaranteed (आश्वत)
Happening (हो रहा)
Controller (नियंत्रक)
Controversial (विवादस्पद)
Convenient (सुविधाजनक)
Correspondence (पत्र व्यवहार)
Correspondent (संवाददाता)
Courtesy (शिष्टाचार)
Criticized (आलोचना)
Curiosity (जिज्ञासा)
Dealt (निपटा)
Dealt (निपटा)
Definitely (निश्चित रूप से)
Definition (परिभाषा)
Demure (संकुचि)
Demurrage (विलम्ब शुल्क)
Denote (निरूपित)
Denoting (सांकेतिक)
Depreciation (मूल्यह्रास)
Depression (अवसाद)
Description (विवरण)
Dialogue (संवाद)
Diaphragm (मध्यपट)
Diarrhea (दस्त)
Dictionary (शब्दकोश)
Difference (अंतर)
Dining (भोजन)
Dinner (रात्रि भोजन)
Disappointment (निराशा)
Disappointment (निराशा)
Diseasehappen ( )
Dissatisfy (नाराज करना)
Dysentery (पेचिश)
Efficiency (दक्षता)
Eighth (आठवाँ)
Eligible (पात्र)
Jubilee (जयंती)
Judgement (विवेक)

KOTHARI INSTITUTE

Encyclopedia (विश्वकोश)
Enemy (दुश्मन)
Entanglement (नाज़ुक हालात)
Entrance (प्रवेश)
Enumeration (गणना)
Envelope (लिफाफा)
Environment (वातावरण)
Equipment (उपकरण)
Equipped (लेंस)
Erroneously (गलती से)
Especially (खासतौर पर)
Essentially (अनिवार्य रुप से)
Exaggerate (अतिरंजन करना)
Excel (एक्सेल)
Excellent (अतिउत्कृष्ट)
Expense (व्यय)
Experience (अनुभव)
Explain (समझाना)
Explanation (व्याख्या)
Extension (विस्तार)
Extent (सीमा)
Familiar (परिचित)
Familiarity (सुपरिचित)
Famine (सुखा)
Fascinate (मोहित करना)
Fascination (सम्मोहन)
Fascist (फरिश्ता)
Financial (वित्तीय)
Financially (आर्थिक रुप से)
Foreseen (अनुमान)
Forfeit (अर्थ दण्ड)
Forty (चालीसवा)
Fulfill (पूरा करना)
Fulfilled ( )
Gazette (राजपत्र)
Genuine (वास्तविक)
Genuinely (सही मायने से)
Governance (शासन)
Governor (राज्यपाल)
Grateful (आभारी)
Harmony (सद्भाव)
Height (ऊंचाई)
Heighten (बढ़)
Hierarchy (अनुक्रम)
Homoeopathy (समचिकित्सा)
Honorary (माननीय)
Honour (सम्मान)
Honourable (प्रतिष्ठित)
Humidity (नमी)
Humorous (रसलेने वाला)
Illogical (विसंगत)
Imaginary (काल्पिनीक)
Immediately (तुरंत ही)
Immense (अत्यधिक)
Impossible (असंभव)
Inadaptable(यथाव्यवस्थाहिन)
Inadequate (अपर्याप्त)
Inadmissible (अस्वीकार्य)
Inadvertent (बेपरवाह)
Inadvertently (अंजाने में)
Inalienable (अविच्छेद)
Inappeasable (संतुष्ट न करने योग्य)
Increase (बढ़ना)
Increment (वेतन वृद्धि)
Independence (आजादी)
Independent (स्वतंत्रता)
Indispensable (अपरिहार्य)
Influence (प्रभाव)
Inoculate (टीका लगाना)
Installed (स्थापित)
Installment (किश्त)
Intelligent (बुद्धिमान)
Interruption (व्यवधान)
Invariably (निरुपवाद से)
Irrevocable (स्थिर)
Irritant (उत्तेजक)
Irritation (जलन)
Itinerant (चलने वाला)
Itinerary (यात्रा कार्यक्रम)
Jealous (ईष्या)
Judicious (न्यायसंगत)
Juvenile (किशोर)
Juvenile (किशोर)
Juxtaposition (मुकाबला)
Kindergarten (बालविहार)
Knock (दस्तक)
Knowledge (ज्ञान)
Leisurely (आराम से)
Liberate (मुक्त करना)
Licence (अनुज्ञापत्र)
License (अनुज्ञप्ति)
Literacy (साक्षरता)
Lounge (आराम करना)
Lousiness (दशा)
Lustre (आभा)
Lustrously (चमक के साथ)
Luxuriously (विलास से)
Luxury (विलासित)
Lymph (लसीका)
Machinery (मशीनरी)
Magnificent (शानदार)
Maintain (बनाए रखना)
Maintenance (रख रखाव)
Malleability (बढ़ने की योग्यता)
Manageable (प्रबंधनीय)
Marriage (शादी)
Mathematics (गणित)
Matinee (तीसरे पहर के नाटक का गायन)
Messenger (संदेश वाहक)
Mileage (लाभ)
Millionaire (करोड़पति)
Missile (प्रक्षेपास्त्र)
Monotonous (नीरस)
Mortgage (बंधक)
Mysterious (रहस्यमय)
Necessary (जरूरी)
Negligence (लाहरवाही)
Negotiability (लायकता)
Negotiability (बेच-नियता)
Notified (अधिसूचित)

KOTHARI INSTITUTE

Guarantee (जमानत)
Nuisance (बाधा)
Nullified (निरस्तमान)
Nursery (शिशु विद्यालय)
Occasion (अवसर)
Occasional (प्रासांगिक हुआ)
Occurred (हुआ)
Occurring (घटने वाला)
Omission (चूक)
Omitted (लोभ)
Opportunity (अवसर)
Opposite (सामने)
Oppressed (उत्पीड़ित)
Optimistic (आशावादी)
Parallel (समान्तर)
Paroled (जमानत)
Particularly (विशेषरूप से)
Passenger (यात्री)
Peculiarity (खासीयत)
Performance (प्रदर्शन)
Permanent (स्थायी)
Permissible (जायज़)
Plaintiff (वादी)
Plaintiff (वादी)
Pleasant (सुहानी)
Politeness (शील)
Politician (राजनीतिक)
Pollution (प्रदुषण)
Possession (अधिकार)
Privilege (विशेषाधिकार)
Procedure (प्रक्रिया)
Proceed (बढ़ना)
Pronunciation (उच्चारण)
Propaganda (प्रचार)
Psychology (मनोविज्ञान)
Quantum (मात्रा)
Quarantine (संगरोध)
Questionnaire (प्रश्नावली)
Quotient (भागफल)
Vault (मेहराब)
Verbatim (शब्दांश)
Versatile (बहुमुखी)
Virtually (वस्तुत:)
Virtually (वास्तव में)
Virtue (गुण)

Jeopardy (खतरा)
Realignment (पुन: निर्माण करना)
Receipt (रसीद)
Receive (प्राप्त करना)
Recognised (पहचान)
Recommendation (सिफारीश)
Recuperate (स्वस्थ हो जाना)
Refer (उल्लेख)
Referred (चर्चा करते हुए)
Referring (ज़िक्र करते हुए)
Regenerate (पुन:स्थापित करना)
Rehabilitate (पुर्नवास)
Rehearsal (पूर्वाभ्यास)
Reinforced (प्रवलित)
Reinstate (पुन:स्थापित करना)
Reiterate (दोहराना)
Relinquish (त्यागना)
Remedial (उपचारात्मक)
Remedy (निदान)
Remnant (अवशेष)
Repair (मरम्मत)
Reparable (मरम्मत योग्य)
Repeat (दोहराना)
Repeat (दोहराएं)
Repercussion (प्रतिक्रिया)
Repetition (दोहराव)
Replenish (भरपाई)
Reprehend (निंदाकरना)
Reprieve (दण्ड विराम)
Requisite (अपेक्षित)
Reservoir (जलाशय)
Resigned (संतोष करना)
Rhyme (तुक)
Rhythm (ताल)
Rhythmically (ताल)
Rudiment (आरंभ)
Rupture (टुटना)
Sandwich (सैंडविच)
Satellite (उपगृह)
Visibility (दृश्यता)
Vocation (पेशा)
Vociferate (गलाफाड़ना)
Voyage (जलयात्रा)
Warrant (ज़मानत देना)
Welcome (स्वागत)

Nuclear (नाभिकीय)
Scarcity (कमी)
Schedule (अनुसूचि)
Separate (अलग)
Sergeant (उच्च श्रेणी का वकील)
Session (अधिवेश)
Skilful (कुशल)
Skill (कौशल)
Skilled (कुशल)
Souvenir (यादगार)
Strategy (रणनीति)
Suburban (उपनगरीय)
Succeed (सफल)
Summarized (संक्षप)
Summon (बुलाना)
Supersede (उलंघन करना)
Superintendent (अधीक्षक)
Traffic (ट्राफिक यातायात)
Technical (तकनीकी)
Technique (तकनीक)
Tendency (प्रवृत्ति)
Traffic (यात्रायात)
Truly (सही मायने से)
Truly (वास्तव में)
Tuition (अध्यापन)
Tutor (शिक्षक)
Twelfth (बारहवां)
Tyranny (उत्पीड़न)
Unanimous (एकमत)
Unanimously (सर्वसम्मति से)
Undoubtedly (निश्चित रूप से)
Unprecedented (अभूतपूर्व)
Unsolicited (अनचाहे)
Until (जब तक)
Usually (आमतौर पर)
Vacancy (रिक्ति)
Vacant (खाली)
Vacation (अवकाश)
Vacuum (खालीपन)
Width (पाट)
Wrapped (लपेटा हुआ)
Wrestle (मल्ययुद्ध)
Watch (देखना)

KOTHARI INSTITUTE

QUESTIONS ASKED IN PREVIOUS EXAMS

(GROUP-2 2018)

Choose the corret form of verbs for the given sentence:

1. The dogs _____ all night and _____ us awake.

1. howls, keeping
2. howled, kept
3. howled, keeping
4. howling, kept

Currect answer : howled, kept

2. The course _____ a holistic approach to learning.

1. are offering 2. offers
3. offer 4. have offered

Corret Answer : offers

(GROUP-4 2018)

3. We seem _____ a problem with the radio.

1. to having 2. to have
3. had 4. have

Currect Answer : to have

Choose the corret form of verbs that is in agreement with the subject:

5. _____ to dance, but now I _____.

1. was used, have stopped
2. was used, has stopped
3. used, have stopped
4. use, has stopped

Currect Answer: used, have stopped

(GROUP-2 2018)

6. I _____ back and _____ a goat chasing me.

1. looks, see 2. look, seen
3. looked, saw 4. looking, seeing

Currect Answer: looked, saw

(MPSI 2017)

7. When I was learning to drive, my Dad let me _____ his car.

1. to use 2. use
3. used 4. using

Correct Answer :- use

8. He was _____ Rs.1,000 for drunken driving.

1. charged 2. penalized
3. fined 4. booked

Correct Answer :- fined

9. As a result of the fall, he _____ home slowly.

1. stepped 2. wound
3. limped 4. sped

Correct Answer : • limped

(GENERAL NURSING TEST -2019)

Choose the correct form of verb for the given sentence:

10. Many tourists _____ around the cafe just _____ famous movie stars.

1. run … catch glimpses
2. hang … to see
3. sit … glance
4. lie … watch

Correct Answer :- hang … to see

Choose the correct form of verb that is in agreement with the subject for the given sentence:

11. The slices of bread _____ and ready to be served.

1. is buttering 2. was butting
3. was butter 4. were buttered

Correct Answer :- were buttered

Choose the correct form of verb that is in agreement with the subject for the given sentence:

12. The singers as well as the dancers ____ to report backstage by 5 p.m.

1. had been 2. have
3. has 4. is

Correct Answer :- have

Choose the correct form of verb for the given sentence:

13. Researchers _____ that people who _____ more of the left side of their brain tend to be more intelligent.

1. believe … use
2. contradict … preserve
3. argue … consume
4. advocate … expend

Correct Answer :- believe … use

●●●●●●●●●

KOTHARI INSTITUTE

ONE WORD-SUBSTITUTION

Send an accused person back into custody while further evidence is being gathered	प्रतिप्रषण - Remand
A disease in which there is an uncontrollable increase in the number of white corpuscles	पाण्डुरोग - leukemia
Occurring at the same time	- manicure
Treatment for the hands and finger nails	- manicure
A form of madness in which a person has an exaggerated view of his own importance, power etc.	-megalomania बड़ाई का खब्त
Capable of being set on fire easily	ज्वलनशील - inflammable
Incapable of being read	अस्पष्ट - illegible
A person who lives as the same time as another	समकालीन - contemporary
A person holding a belief in equal rights, benefits andopportunities for Every one	समतावादी - egalitarian
Chain of flowers, leaves ribbons, etc.hung in a curve or loop as a decoration	तोरण - festoon
The thin wire in a light bulb that glows when electricity is passed through it	तंतु - filament
An assembly of listeners	दर्शक - audience
An assembly of worshippers	मण्डली - congregation
Compulsory enlistment for military and other services	भर्ती - conscription
A place for burial of dead bodies	शमशान घाट - cemetery
A substance that kill insects	कीटनाशक - insecticide
Movable articles like chair, tables, beds, etc. house 01 make a office suitable for living and working	- furniture
A child whose parents are dead	- orphan
A person who spends money recklessly	अतिव्ययी - spendthrift
One who makes an eloquent public speech	वक्ता - orator
Being unable to pay one's debt- bankrupt,	दिवालीया - insolvent
One who plays for pleasure, not professionally	शौकिया - amateur
One who has no belief in God	नास्तिक - atheist
Illness that causes an uncontrollable desire to steal thin	- kleptomania
A soft gentle song sung to make a child go to sleep	- lullaby
A large, finely built tomb	समाधि - mausoleum
The dark pigment found in the skin, hair etc. of hum and animals	- melanin
The art of or system for improving the memory	- nemonics
Knowing everything	सर्वज्ञ - omniscient
Not being able to make a mistake	अचूक - infallible
One who lends money at exorbitant rates of interest	सूदखोर - usurer
One who eats human flesh	नरभक्षक - cannibal
Hard to please	दूराराध्य - fastidious
A cure for all illness	रामबाण - panacea
Not allowing the passage of light	अपारदर्शी- opaque

KOTHARI INSTITUTE

An absolute government	एकतंत्र - autocracy
Fond of entertaining guests	मेहमान नवाज - hospitable
A place where clothers or linen are cleaned	- laundry
One who sells spectacles	प्रकाश विज्ञान शास्त्री- optician
Allowance given to a wife by the husband on separation	भत्ते - alimony
A figure with many angles or sides	बहुभुज - polygon
Medicine given to loosen the bowels	- laxative
all of one mind	एकमत - unanimous
A speech made without preparation	आशु - extempore
The killing of a human being	मानव हत्या - homicide
A medicine given to counteract the effect of poison	मारक - antidote
A paper written by hand	पाण्डुलिपि - manuscript
of unknown or unadmitted authoriship	गुमनाम - anonymous
The absence of government in a country	अराजक्ता - anarchy
Allowing the passage of rays of light	पारदर्शी - transparent
Animals which suckle their young ones	स्तनधारी - mammals
A great lover or collector of books	- bibliophile
A boy who is not yet married	स्नातक - bachelor
Place where aeroplanes are kept	कांटा - hanger
Persons who work in the same department of an office	सहयोगी - colleague
The murder of a new-born infant	शिशु - infanticide
Exercises performed to develop the muscles or fitness or to demonstrate agility	- gymanastics
A child born after the death of his father	मरणोपरांत - posthumous
Belonging or pertaining to an individual from birth	जन्मजात - congenital
The scientific study and treatment of diseases and disorders of the female reproductive system	- gynaecology
The unpleasant after-effects of drinking too much alcohol	- hangover
One whose motive is to get money	भृतक - mercenary
The passing on of physical and mental characteristics from parents to children	अनुवांशिकता - heredity
A tank for fishes or water palnts	मछली घर- aquarium
A holiday taken by a newly married couple	मधुमास - honeymoon
Science dealing with the derivation of words	व्यूत्पत्ती - etymology
Abnormal fear of water, as a sympton of rabies in humans	जलांतक - hydrophobia
Animals equally at home on land or at sea	अभयचर - amphibian
A person who attacks popular beliefs or established customs	मूर्ति - iconoclast
A series of words used as a magic spell or charm	जादू - incantation
The mass of air surrounding the earth	वायु मण्डल - atmosphere
A place where historical documents and official records are kept	अभिलेखाकार - archives
One who leaves one's country to settle elsewhere	उत्प्रवासी - emigrant

KOTHARI INSTITUTE

A government run by a few powerfu persons	अल्पतंत्र - oligarchy
One who complies a dictionary	कोसकार - lexicographer
One who takes no drugs or alcohol	मद्यत्यागी - teetotaler
The succession of rulers from one family	राजवंश - dynasty
Treatment of disease by drugs and other chemical substances.	रासायन चिकित्सा - chemotherapy
The favour shown to one's relatives by those in power	भाई-भातीजा वादी - nepotism
The art of designing and arranging steps for ballet and dancing on stage	नृत्य कला- choreography
The male head of the family or tribe	कूलपति - patriarch
The way of disguising soldiers, military equipment etc. so that they look like part of their surroundings	- comouflage
The box in which a dead body is buried	ताबूत - coffin
A place where people take refuge	आश्रय - asylum
Parts of the ocean rear the equator where there is little or no wind	उदासी - doldrums
A person who helps to settle disputes	- trouble shooter
The body of an aeroplane in which the engine, wings and tail are fitted	धड़ - fuselage
Medical examination of a dead body: Post-mortem	शवपरीक्षा - autopsy
The nature of living in a group or company	यूथचारी- gregarious
Seize control of a vehicle and force it to go to a newdestination, to take its passengers hostage	अपहरण - hijack
Roundabout way of saying things	- draimlocution
A man who calls out the hours of prayer for muslims, usually from the minaret of a mosque	अज़ान देने वाला - muezzin
The scientific study of handwriting especially to determine the writer's personality	लिपि विज्ञान- Graphology
A person who is more interested in his own thoughts and feelings than in things outside himself	अंतरमुखी - introvert
Steal somebody away by force in order to obtain money or other demands	अपहरण - kidnap
The academic study of music	संगीत की विद्या - musicology
The scientific study of nerves and their diseases	स्नायू विज्ञान- neurology
A person who hates mankind and avoids human society	मनुष्य द्रोही - misanthrope
The science or study of the development of a language	भाषा शास्त्र - philology
The level area in the centre of an amphitheatre or sports stadium	अखाड़ा - arena
A condition caused by lack of air in the lungs	श्वासावरोध - asphyxia
A statement that is accepted as true without further proof or argument	स्वयं सिद्ध - axiom
The practice of marrying a person when still married to someone else	दिविवाह - bigamy
The publisher's short description of the contents of a book usually printed on the jacket or cover	विज्ञापन - blurb
A method of solving problems in which all the members of a group suggest ideas which are then discussed	- brainstorming
	बुद्धि शीलता

●●●●●●●●●

KOTHARI INSTITUTE

SYNONYMS

A

Word	Synonyms
Abandon छोड़ना	desert, forsake, leave, relinquish
Abase अपमानित करना	degrade, disgrace, humiliate, demean, dishonor
Abbreviate संक्षिप्त	curtail, abridge, compress, shorten, truncate
Aberration विचलन	deviation, wandering, errant, irregular, weird
Abet अकसाना	aid, assist, condone, favour, support, promote
Abhor घृणा	hate, detest, loathe, abominate
Abstain बचना	reffuse, renounce, avoid, shun
Abstruse गुढ	reondite, hidden, difficult.
Abundant प्रचुर मात्रा में	ample, copious, plentiful, bountiful
Abut सीमा पर एकत्रित होना	adjoin, border, verge on, join
Acclaim प्रशंसा	applaud, cheer, celebrate, extol
Accomm-	adapt, adjust, reconcile odate
Acme	summit, apex, zenith, peak
Acquiesce संतुष्ट होना	assent, rest, accede, comply, (in) concure, onsent
Adequate प्रर्याप्त	enough, sufficient, proportionate
Adhequate अनुसरण	sticcking to, follower, partisan. devotee
Admiration प्रशंसा	esteem, praise, respect, approval approbation
Adversity यातना	misfortune, calamity, catasrophe, hostility
Affliction	distress, ordeal, suffering, sorrow
Ally मित्र	colleague, helper, partner, accomplice
Alms भिक्षा	dole, gratuity, money, clothes and food that are given to poor
Ameliorate बेहतर	make better, improve, amend
Antithesis विपरित	contrasting, reverse
Aphorism सूत्र	maxim, apothegm, axion, prov erb, moto, adage
Appraise	evaluate, estimate
Apprehend जब्त	seize, know, fear, arrest, understand
Assistance सहायता	help, aid, succor, collaboration, sustenance
Astonish चकित करना	amaze, surprise, astound, flabbergast
Audacious घबराहट	bold, brazen, impudent, daring

B

word	Synonyms
Backlash पलटाव	repercussion, reaction, recoil
Bad बुरा	evil, wicked, devilish, naughty, worthless
Bait चारा	snare, trap, decoy
Banal साधारण	dull, trite, hackneyed, prosaic
Banish निर्वासित	exile; ostracize, deport
Barbaric बर्बर	savage, uncivilised, primitive
Base आधार	ignoble, mean, low, foundation
Bedlam पागलखाना	pandemonium, chaos, mayhem, clamor, confusion
Beg भीख मांगना	implore, solicit, supplicate, beseech, request, plead
Behavior व्यवहार	conduct, demeanour, deportment, manner

KOTHARI INSTITUTE

Belligerent लड़ाकू	warlike, pugnacious, hostile
Bewilder भूलाना	confound, perplex, befuddle, befog, baffle, daze
Bigoted धर्मांध	biased, prjudiced, dogmatic, opinionated
Bizarre विचित्र	unusual, grotesque, fantastic
Blame दोष	censure, reprove, condemn, reproach
Blessing आर्शीवाद	benediction, god's help or protection
Bravo वाहवाही	fearless, intrepid, dauntless, valiant, bold
Brittle नाजुक	frail, fragile, hard but easily broken
Burlesque कार्टून	mock, imitate, tease, satirize, ridicule, jeer, deride

C

Word	Synonyms
Cajole	persuade, flatter, wheedle, coax
Calm शांत	quiet, tranquil, peaceful, sedate composed, placid
Captious छिद्रान्वेषी	censorious, hypercritical, faultfinding
Care देख भाल	solicitude, anxiety, misgivin, foreboding
Charatan	impostor, mountebank, quack, chicane, trickster
Choleric चिड़चिड़ा	irascible, petulant, bad-tempered
Colossal प्रचण्ड	gigantic, huge, enormous, mammot, vast
Conceit दम्भ	pride, vanity, ego, arrogance
Concise संक्षिप्त	short, brief, abridged, compact
Condign लायक	due, merited, well deserved, suitable
Condone माफ करना	pardon, forgive, excuse, overlook
Confess कबूल	admit, apoliogise, own, acknowledge
Constant स्थिर	eternal, perpetual, incessant, contiguous
Contingent आकस्मिक	liable, possible, uncertain (on)
Conversant परिचित	familiar, well versed, acquainted (with)
Crafty चालक	cunning, artful, sky, calculating
Cross पार करना	crusty, fretful, ill-humoured
Cruelty क्रूरता	tyranny, persecution, brutality, oppression, ferocity
Cursory सतही	hasty, superficial, careless
Cynical निंदक	misanthropic, moody, eccentric, sardonic, sarcastic.

D

Word	Synonyms
Damage क्षति	loss, harm, injury, detriment
Dangerous खतरनाक	perilous, risky, hazardous, precarious
Dear प्रिय	expensive, costly, loved by somebody
Decay क्षय	wither, fade, corrode, decline
Definitive निश्चित	limiting, final, positive
Denounce निंदा	accuse, condemn, arrain, decry, censure
Destitute बेसहारा	needy, forsake, orphan
Desultory असंगत	discontinuous, irregular, rambling
Didactic शिक्षा प्रद	teaching, instructive, perfecting
Diffident संकोचि	modest, bashful, shy

KOTHARI INSTITUTE

Discourse प्रवचन	lecture, sermon, exhortation, dissertation
Dissipate फैलना	scatter, waste
Divine दिव्य	heavenly, celestial, graceful, godlike

E

Word	Synonyms
Economy अर्थव्यवस्था	management, frugality, thrifty, judicious
Effete विवेकपूर्ण	exhausted, old, worn out, tired
Elicit अशक्त	draw out discover
Elude प्रकाश में लाना	baffle, avoide, cheat, fool
Emancipate टालना	free, liberate, release, deliver, uplift
Emulate मुक्त	imitate, rival
Entice अनुकरण	lure, persuade, allure, entrap
Ephemeral आर्कषण	transient, short-lived
Exzcerbate	magnify, heighten, enlarge, Overstate, amplify
Exceptional असाधार	anomalous, unique, extraordinary
Exculpate सफाई देना	absolve, vindicate
Exigency जरूरत	emergency, distress
Exquisite अतिसुंदर	elegant fine matchless, exclusive
Exterminate उन्मूलनकर्ता	uproot eardicate, eliminate, destroy, annihilate
Extricate मुक्त कर देना	disentangle, untangle

F

Word	Synonyms
Fallacy हेत्वाभास	imperfection, ambiguity, quirk, error
Fallible अविश्वस्नीय	imperfect, erring, wrong
Fascinate मोहितकरना	charm, enchant, mesmerise, bewithch
Fastidious दूराराध्य	dainty, squeamish, hard to please
Fatal घातक	deadly, mortal, lethal, virulent
Fate भाग्य	lot, destiny, end
Fatuous बुद्धिहीन	silly; purposeless
Fecund फलप्रद	prolific, fertile, fruitful, luxuriant, producctive
Ferocious खूंखार	savage, barbaric, fierce, wild, uncivilised
Fictitious काल्पनिक	false, imaginative, illusionary, fabricated, fanciful
Fight लड़ाई	battle, contention, combat, struggle, conflict, strife
Flagrant खुला	nortorious, outrageous, disgraceful
Flamboyant तेजतर्रार	bombastic, ostentatious, ornate
Flippant क्षुद्र	pert; frivolous, impudent, seucy
Forbid	prohibit, preclude, inhibit, debar
Forerunner पूर्वज	precursor, herald, harbingger
Fortitude धैर्य	strength, firmness, valour, determination
Fortuitous अकास्मिव	chance, accidental
Furbish चमक लाना	polish, spruce, renovate
Fury रोष	anger, rage, wrath, ire

G

Word	Synonyms
Garrulous	Talkative, loquacious
Gratification संतुष्ट	satisfaction, enjoyment

KOTHARI INSTITUTE

Guile माया	fraud, trickery, cunning

H

Word	Synonyms
Hamper बाधा	hinder, block, impede, prevent
Haughty अभिमान	arrogant, proud, egoist, obstinate
Humane मानवीय	Kind, generous, benevolent, compassionate
Humility विनम्रता	Politeness, meekness, modesty

I

Word	Synonyms
Illiterate निरक्षर	unlearned, ignorant, uneducated
Immaterial अपरिमित	unimportant, insignificant, useless, irrelevant
Imminent आसन्न	threatening, impending, approaching
Impertinent अभेद्य	irrelevant, impudent, insolent, saucy
Impotent नपुनसक	powerless, disabled, inadequate, incapable
Inanimate निर्जीव	lifeless, dead, dormant, stagnant, extinct
Indignant क्रोधित	angr, furious, irate, exasperated, outraged
Inexorable बेपरवाह	relentless, merciless, apathetic, harsh
Ingenuous सरल	artless, sincere, naive, innocent
Indidious	counning, clever, inventive, deceitful, skl
Intimate अंतरंग	close, confidant, familiar, cherished
Irresolute डगमगाना	undecided, Wavering, vacillating

J

Word	Synonyms
Jolly हँसमुख	Jovial, merry, cheerful, affable
Joy खुशी	delight, pleasure, ecstasy, elation
Jubilant उल्लासीत	elated, triumphant

K

Word	Synonyms
Knave शठ	fraud, cheat, scoundrel, rogue

L

Word	Synonyms
Lament विलाप	sorrow, mourn, grieve
Lenient उदार	forbearing, forgiving, compassionate, mild
Lethargy सुस्ती	laziness, stupor, sluggishness, idleness
Liberal	generous, kind, tolerant, permissive
Likeness समान्ता	similarity, resemblance, affinity
Lively जीवंत	actiove, enthusiastic, agile, brisk
Loyal निष्ठावान	devoted, fiathful, honest, trustworthy

M

Word	Synonyms
Magnificent भव्य खर्चीला	spendid, grand, good, glorious
Malice द्वेष	bitterness, spite, rancour, malevolence
Meagre अल्प	small, tiny, inadequate, scanty
Mean	low, petty, abject, selfish
Melancholy उदास	gloomy, sadness, sorrow, dejected
Mighty शक्तिमान	powerful, massive, strong, I almighty
Misery कष्ट	sorrow, distress, affliction grief
Morbid रोगी	unhealthy, diseased, ghastly, horrid

KOTHARI INSTITUTE

Mournful शोकाकुल	sad, sorrow, gloomy, dejected

N

Word	Synonyms
Notable प्रसिद्ध	memorable, remarkable, renowned, eminent
Notorious कुख्यात	infamous, dishonourable, flagrant, blatant

O

Word	Synonyms
Obliterate काटना	destroy, efface, demolish, erase
Obscence गंदा	filthy, indecent, awful, bawdy, vulgar, gross, crude
obsolete अप्रचलित	antiquated, old-fashioned, extinct, outworn
obtrude	thrust, pressure, importunate, interfere
Opportune अवसर	timely, convenient, appropriate, well-chosen

P

Word	Synonyms
Pathetic दयनीय	moving, touching, distressing, lamentable
Patronize सहायता देना	condescend, stoop, snub
Penalize दण्डित	castigate, chastise, punish
Pensive ध्यान परायन	thoughtful, rational, contemplative, reflective
Perennial चिरस्थायी	Perpetual, permanent, long, lasting, constant
Philanth-ropist	altruist, charitable, benevolent kind
Picturesque सुरम्यी	charming, pictorial, scenic, sylvan
Pillage लूट	plunder, loot, rob, destroy, steal
Pious पवित्र	religious, holy, devout, god-fearing
Poignant मार्मिक	touching, moving, heart-rending
Portray चित्रित	delineate, depicts draw, sketch
Possess	have, own, acquire, occupy, seize
Prate खोलदेना	chatter, babble, tattle, talkative
Precocious प्री-मेच्योर	premature, forward, advanced, developed
Prerogative विशेषाधिकार	privilege, advantage, exemption,right
Prodigal खर्चीला	extravagant, wasteful, spendthrift squander
Prohibit निषेध	forbid, interdict, prevent, ban

Q

Word	Synonyms
Quaint विचित्र	queer, odd, singular, whimsical
Qualm ओकाई	scruple, doubt, uncertainty, suspicion
Quarantined संग्रहीत	separated, isolated, restrained
Queer विचित्र	strange, odd, indifferent, weird
Quest खोज	search, pursuit, inquisitive, crusade
Question-able सवाल योग्य	doubtful, disputable, accountable, objectionable
Quick शीघ्र	alive, swift, keen, fast
Quip ताना	retort, repartee, remark, jest
Quirk मोड़	wim, caprice, fancy, peculiarity

R

Word	Synonyms
Radiant दीप्तिमान	brilliant, bright, intelligent, beaming

KOTHARI INSTITUTE

Radical उग्र	fundamental, native, orginal, extreme, rebellious
Rash जल्दबाज	impetuous, hasty, foolhardy, impulsive, heedless
Rebellion विद्रोह	mutiny, revolt, struggle, fight
Refined परिष्कृत	elegant, polished, cultured, sophisticated
Refute खण्डन	disprove, answer, deny
Reiterate दोहराना	repeat, do it again, rewrite, emphasis
Rejoice आनंदीक	exult, delight, happy, glad
Relevant प्रसांगिक	exevute, applicable, pertinent, implement
Remorse पश्चाताप	repentance, regret, anguish, grief
Remote दुरस्थ	far, distant, interior, place, aloof
Renown यश	reputation, fame, famous, distinguished
Resistance प्रतिरोध	opposition, hindrance, combat, struggle
Ricochet	rebound, reflect, bounce, ccarom
Ridiculous हास्यपद	absurd, silly, comical, ldicrous
Rigid कठोर	stiff, unyielding, stern
Rimy	frosty, hazy, blurred
Ruin विनाश	destruction, downfall, wreckage, devastation
Rural ग्रामीण	suburban, rustic, agrarian, country
Rut लीक	groove, hollow, furrow, habit, couse, routine

S

Word	Synonyms
Sacred पवित्र	holy, consecrated, blessed, divine
Sane समझदार	wise, sensible, sound, balanced
Satiate समायोचित	satisfy, surfeit, glut, happy
Scanty अल्प	meagre, slender, insufficient, limited
Scold डांटना	chide, rebuke, rail, complain
Scorching झुलसाने वाला	sweltering, searing, burning, fiery
Scrutinie	examine, view, study, analyse, inspect
Sensual कामुक	carnal, fleshy, voluptuous, attractive
Servile गुलामी	slavish, doccile, timid, mean
Shrewd चतुर	astute, perspicacious, canny, calculative
Shy संकोच	bashful, coy, diffident, hesitant
Solitary एकांत	single, hermetic, isolated, desolate
Sordid घिनौना	ugly, dirty, squalid, debauched
Sepcimen	prototype, model, sample, dummy
Spry फुर्तिला	Nimble, agile, animated, brisk, lively, quick
Spurious जाली	fake; counterfeit, artificial, false
Static स्थिर	firm, adamant,fixed
Statute कानून	law; decree, ordinance, edict, rule, act, bill
Sterile बांझ	unproductive, barren, impotent, disinfected
Stipulation	prerequisite, condition, qualification, clause
Sublime उदांत	exalted, elevated, improved, magnified
Substantiate	authenticate, validate, confirm, verrify, corroborate.

KOTHARI INSTITUTE

Subterfuge	ploy, scheme, stratagem, deceit, deception
Succinct संक्षिप्त	brief, concise, terse, abbreviated
Superficial सतही उथल	shallow, illusion, dream, outward
Synonymous समान	identical, equivalent, alike, similar

T

Word	Synonyms
Taboo निषेध	forbidden, banned, prohibited
Temperate शितोष्ण	moderate, balanced, controlled, ephemeral
Tenacious दृढ	resolute, persistent, obstinate
Tenet सिद्धांत	belief, conviction, dogme, doctrine, creed
Tentative जांच	temporary, transitory, brief
Thankful कृतज्ञ	grateful, obliged, indebted, appreciative
Therapeutics	curative, restorative, recuperative, remedial
Thrive फलना	flourish, succede, grow
Tirade	outburst, denunciation, harangue, speech, diatribe
Tyrant तानाशाह	autocrat, despot, dictator, oppressor
Tyro नौसिखिया	amateur, novice, apprentice, neophyte

U

Word	Synonyms
Ulterior गुप्त	concealed, shrouded, obscured
Unique अद्वितीय	unparalleled, single, peerless, unusual, matchless
Urbane शिष्ट	sophisticated, suave, polite, refined, polished
Urchin नटखट	waif, stray, foundiling, orphan
Urge आग्रह	incite, press, implore, instigate, drive, impel, goad
Utopian काल्पिनिक	idealistic, perfect, visionary

V

Word	Synonyms
Vehemence	force, passion, emphasis, obsession
Veracity सच्चाई	truth, honesty, accuracy, exactness, correctness
Veto खारीज	reject, discard, void, nullify, invalidate, dismiss
Vigilance जागरूकता	watchfulness, alertness, attentiveness, caution
Vilify गाली देना	malign, slur, defame, slander
Vivacious गरमा गरम	sprightly, spirited, energetic

W

Word	Synonyms
Waive माफ	forgo, relinquish, defer, renounce
Weary थका हुआ	exhausted, tired, divitalized, drained
Wile छलबल	trickery, artifice, ruse
Winsome मनोहर रमणी	beautiful, captivating, comely, delightful
Wistful उदास	melancholic, sentimental, plaintive, nostalgic
Wreck मलबे	destroy, devastate, ruin, demolish

Y

Word	Synonyms
Yearn सालाना	crave, desire, aspire, urge
Yield उपज	surrender, submit, admit, agree

KOTHARI INSTITUTE

QUESTIONS ASKED IN PREVIOUS EXAMS

Find the word which is most similar in meaning to the given word.

(Jail Dep. 2015)

1. COMMODIOUS

1. Confined 2. Roomy
3. Inconvenient 4. Unsuitable

Correct Ans: Roomy

2. CAPABLE

1. Incompetent 2. Inefficient
2. Inept 4. Competent

Correct Ans: Competent

3. CAVITY

1. Hole 2. Elevation
3. Mound 4. Height

Correct Ans: Hole

4. DISASTER

1. Boon 2. Misfortune
3. Happiness 4. Prosperity

Correct Ans: Misfortune

5. DWELL

1. Live 2. Travel
3. Move 4. Migrate

Correct Ans:

6. AUTHENTIC

- Unreal • Fictitious
- Genuine • False

Correct Answer :-Genuine

7. CRITERION.

- Measurement • Notion
- Judgement • Idea

Correct Answer :-Measurement

8. CONVENIENT.

- Suitable • Impractical
- Unsuitable • Uncomfortable

Correct Answer :-Suitable

9. ENVY.

- Goodwill • Jealousy
- Love • Sympathy

Correct Answer :-Jealousy

10. DEVOID

- Lacking • Full
- Equipped •Maintained

Correct Answer : Lacking

11. OPTIMISTIC.

- Pessimistic • Gloomy
- Cheerless • Hopeful

Correct Answer :Hopeful

12. SAD.

- Attached • Depressed
- Happy • Glorious

Correct Answer : Depressed

13. DEMOLISH.

- Create • Repair
- Construct • Destroy

Correct Answer :-Destroy

14. DELICIOUS.

- Distasteful • Inedible
- Tasteful • Unpalatable

Correct Answer :-Tasteful

15. EXHALE.

- Breathe in • Breathe out
- Breathe • Inhale

Correct Answer :-Breathe out

16. GORGEOUS.

- Dull • Magnificent
- Unimpressive • Plain

Correct Answer :Magnificent

17. GENUINE.

- Artificial • Imitative
- Unreal • Authentic

Correct Answer :Authentic

18. HYPOCRISY.

- Sincerity • Pretense
- Honesty • Integrity

Correct Answer :Pretense

19. GRUDGE.

- Liking • Fondness
- Affection • Hatred

Correct Answer :Hatred

20. EMOTION.

- Apathy • Disinterest
- Feeling • Disdain

Correct Answer :Feeling

KOTHARI INSTITUTE

ANTONYMS

Antonymn

A	
Word	**Antonymn**
Accurate शुद्ध	inaccurate
Adequate पर्याप्त	inadequate
Advantage फायदा	disadvantage
Affected लगजाना	unaffected
Agree सहमत	disagree
Appear दिखाई देना	disappear
Aprove स्वीकार करना	disapprove
Armed हथियार बंद	unarmed
Articulate	inarticulate
Ascend	descend
Attentive सचेत	inattentive
Avoidable परिहार्य	unavoidable
B	
Word	**Antonymn**
Balance संतुलन	imbalance
Baroque बरोक	plain
Barren बाझ	fertile
Barrier	link
Base आधार	summit, noble
Betty	sane
Bawdy गंदा	decent
Beautiful सुंदर	ugly
Beauty सौंदर्य	ugliness
Befogged	clearheaded
Beginning शुरुआत	end
Beli	justify
Believe विश्वास	doubt
Benevolent उदार	malevolent
Benign सौम्य	malignant, cruel
Best सबसे अच्छा	worst
Bind बांध	release
Birth जन्म	death
Bitter कड़वा	sweet
Blame दोष	praise
Bleak बेरंग	bright, cheerful
Blunt कुंद	keen, sharp
Boisterous उद्दम	placid
Bold साहसिक	timid
Borrow उधार	lend
Bottom तल	top
Brave बहादुर	coward
Bright उज्जवल	I dull
Broad	I narrow
Build	destroy
Busy व्यस्त	idle, lazy
C	
Word	**Antonymn**
Calculate गणना	guess
Calculating	artless
Callous कठोर	kind
Calm शांत	stormy
Camouflage छलावरण	reveal
Captivate	repel
Care देखभाल	neglect
Casual अकास्मिक	formal
Catholic	narrow-minded
Celebrated मशहूर	unkonwn
Cement	disintegrate
Censure निंदा	praise
Centralise केन्द्रस्थ	decentralise
Certain कुछ	uncertain
Chartered	unchartered
Cheap सस्ता	dear
Civilised सभ्य	barbarous
Clandestine गुप्त	open
Classic	romantic
Clever चतुर	stupit

KOTHARI INSTITUTE

Coarse मोटा	fine
Comic हास्य	tragic
Common सामान्य	rare, uncommon
Compact सघन	diffuse
Compare तुलना	contrast
Comprss संकुचित	expand
Conceal छीपाना	reveal
Conceit दंभ	modesty
Concord सामंजस्य	discord
Condemn निंदा	approve
Confess कबूल	deny
Confidence विश्वास	diffidence
Confident विश्वास है	diffident
Conformist	non-conformist
Consolidate समेकित	weaken
Contentious विवादास्पद	non-ontentious
Continue जारी रखें	terminate
Contract अनुबंध	expand
Country देश	town
Courtesy	rudeness
Create बनाये रखना	destroy
Creation श्रृष्टि	destruction incredible
Credit	cash
Credulous विश्रंभी	sceptical
Cruel निर्दयी	kind
Cunning चालाक	naive
Curable इलाज संभव	incurable

D

Word	**Antonymn**
Danger खतरा	safety
Deep गहरा	shallow
Definite निश्चित	indefinite
Demote अवनति	promote
Denounce नींदा	difend
Dense घने	sparse
Derogatory अपमान जनक	laudatory
Despair निराशा	hope
Destructive विनाशकारी	constructive
Devil शैतान	god
Direct प्रत्यक्ष	indirect
Divide फुट डालो	multiply
Docile विनम्र	headstrong
Domestic घरेलू	foreign
Doubt संदेह	trust
Dwarf बोना	giant

E

Word	**Antonymn**
Eager उत्सूक	indifferent
Early शीघ्र	late
Ease आसानी	disquiet
Eclipse ग्रहण	shine
Efficient कुशल	inefficient
Equal बराबर	unequal
Equivocal द्वयर्थक	unequivocal
Expected अपेक्षित होना	unexpected

F

Word	**Antonymn**
Familiar परिचित	unfamiliar
Favour एहसान	disfavour
Finite सीमित	infinite
Firm द्रण	infirm
Flammable ज्वलनशील	non-flammable

G

Word	**Antonymn**
Gather इकट्ठा	disperse
General आम	particular
Generosity उदारता	stinginess
Gentle सज्जन	rude
Genuine वास्तिवक	spurious
Gloomy उदास	gay, bright
Glory महिमा	shame, disgrace
Gorgeous भाव्य	simple
Gratitude कृतज्ञता	ingratitude

KOTHARI INSTITUTE

H	
Word	**Antonymn**
Hamper बाधा	expedite
Hamstrung पंगू	strengthen
Happy खुश	miserable, unhappy
Harm चोंट	benefit
Harmony सद्भाव	discord
Harsh कठोर	melodious
Hasty	leisurely
Head सिर	tail
Healthy स्वास्थ्य	diseased, unhealthy
Hear सूनो	ignore
Heaven स्वर्ग	hell
Height ऊंचाई	depth
Help मदद	hinder
Hide छीपाना	divulge
High उच्च	low
Hollow खोखला	solid
Honour सम्मान	shame, dishonour
Hospitable मेहमान नवाज	inhospitable
Human मानव	inhuman
Humble विनीत	proud
Humility विनम्रता	pride
Hurt चोंट	delay
Hypocrisy पाखण्ड	Sincerity

I	
Word	**Antonymn**
Imaginative कल्पनाशील	unimaginative
impenitent आनेवाला	repentant
Impulsive आवेगशील	cautious
Increase बढ़ना	decrease
Indifferent उदासीन	partial
Indigent दरिद्र	rich
infernal राक्षसी	heavenly
Inflate बढ़	deflate
Inhale सांस	exhale
Inherit	disinherit
Innocent मासूम	guilty
Insipid फीका	tasty
Insult अपमान	esteem, honour
Intentional जानबुझकर	uninterntional
Interesting दिलचस्प	dull, uninteresting
Interference दखलअंदाजी	non-interference

J	
Word	**Antonymn**
Jest हंसी	earnest
Just 0	unjust

K	
Word	**Antonymn**
Keep रखना	discard
Kind मेहरबान	unkind
Knowledge ज्ञान	ignorance
Known ज्ञात	unknown

L	
Word	**Antonymn**
Labour श्रम	rest, repose
Languid निस्तेज	energetic
Law कानून	anarchy
Lead	follow
Leader नेतृत्व	follower
Legal वैध	illegal
Legitimate	illegitimate
Lenient उदार	strict
Lethargic सुस्त	energetic
Liberty स्वतंत्र	slavery
Limit सीमा	stretch
Loud जोर	soft
Lovely सुंदर	hideous
Loyal वफादार	disloyal

KOTHARI INSTITUTE

M	
Word	**Antonymn**
Major बढ़ा	minor
Majority बहुमत	minority
Make बनाना	mar
Male पुरुष	female
Malice द्वेष	goodwill
Mandatory अनिवार्य	optional
Mark निशान	erase
Masculine संज्ञा	feminine
Mask मुखोटा	unmask
Material सामाग्री	immaterial
Meek नम्र	arrogant
Merit योग्यता	demerit
Mighty शक्तिशाली	weak
Mild सौम्य	stern
Miserly कृपाण	generous
Mix मिश्रण	separate
Moderate उदारवादी	immoderate
Modest मामूली	immodest
Moral नैतिक	immoral
Morbid रोगी	healthy
Motion प्रस्ताव	rest
Movable चल	immovable
N	
Word	**Antonymn**
Native देसी	alien
Natural प्राकृतिक	unnatural
Neat स्वच्छ	filthy
Nimble चतुर	lazy
Noble महान	ignoble, base
Noise शोर	quiet
Normal साधारण	abnormal
O	
Word	**Antonymn**
Obedient आज्ञाकारी	disobedient
Obey आज्ञा का पालन	defy, disobey
Obliging ऋणी	mulish, obstinate
Obscure अस्पष्ट	prominent
Observe ध्यान से देखना	miss, disregard
Obstinate जिद्दी	pliable, flexible
Obstruct रोकना	assist
Obtain प्राप्त	forfeit
Ominous अमंगल	auspicious
Optimist आशावादी	pessimist
Order गण	disorder
Orderly व्यस्थित	disorderly
Ordinary साधारण	rare, unique
Orthodox रुढ़िवादी	unorthodox
P	
Word	**Antonymn**
Pacify शांत करना	irritate
Pack बंद	unpack
Painful दर्दनाक	soothing
Particular विशेष	general
Passionate उत्साही	dispassionate
Payment भुगतान	nonpayment
Permanent स्थायी	temporary
Permission अनुमति	refusal
Persuade राजी	dissuade
Pertinent उचित	impertinent
Perturbed क्षुब्ध	calm
Planned योजना	unplanned
Pleasant सुहानी	unpleasant
Pertinent उचित	nonpoisonous
Polite सभ्य	impolite
Political राजनैतिज्ञय	nonpolitical
Popular लोकप्रिय	unpopular
Positive सकारात्मक	negative
Profit लाभ	loss
Progress प्रगति	retrogress
Prohibit निषेध	permit

KOTHARI INSTITUTE

Prologue प्रस्तावना	epilogue
Prolong लम्बा	shorten
Prompt शीघ्र	slow
Propagate प्रचार	suppress
Proportionate अनुपातहीन	disproportionate
Prose गद्य	poetry
Prudence	indiscretion
Public सार्वजनिक	private
Punish सजा	reward, forgive
Pursue आगे बढ़ना	avoid

Q

Word	Antonymn
Qualify योग्य	disqualify

R

Word	Antonymn
Raid छापे	retreat
Raise बड़ा	lower
Repidity	inertia
Rare दुर्लभ	Common
Real वास्तविक	Unreal
Reason कारण	Folly
Rebellious बलवई	submissive
Rectify सुधारना	falsify
Refutable निरसनीय	irrefutable
Relevant मेलजोल	irrelevant
Reliable विश्वसनीय	unreliable
Religious धार्मिक	irreligious
Reluctant अनइच्छुक	Eager
Remediable उपचारत्मक	irremediable
Reparable प्रतिकार्य	Irreparable
Resident निवासी	nonresident
Resistible	irresistible
Resolute द्रण	irresolute
Respect मानसम्मान	disrespect
Responsible जिम्मेदार	irresponsible
Restrain नियंत्रित	incite
Right सही	left, wrong

S

Word	Antonymn
Sacred पवित्र	profane
Sad दुखी	cheerful
Safe सुरक्षित	risky, dangerous
Savage असभ्य	civilized
Save बचाना	spend
Saviour मुक्तिदाता	destroyer
Scrupulous इमानदार	unscrupulous
Secure सुरक्षित	insecure
Severe गंभीर	mild, lenient
Shy संकोच	impudent
Significance महत्व	insignificance
Sin पाप	virtue
Startled	Waveringly
Steep खाड़ी	flat
Straight सीधे	curved
Stranger अजनबी	acquaintance
Sublime उदात्त	ridiculous
Sympathy सहानुभूति	antipathy
Synnnnym	antonym
System प्रणाली	chaos

T

Word	Antonymn
Tame टेम	wild
Tangible मूर्त	intangible
Taste स्वाद	distaste
Teacher शिक्षक	student
Temperate संयमी	intemperate
terse संक्षिप्त	diffuse
thick मोटा	thin
thrifty मितव्ययी	extravagant

KOTHARI INSTITUTE

Tolerable सहनीय	intolerable
tragedy त्रासदी	comedy
tranquil शांत	agitated
Transparent पारदर्शी	opaque
Trust भरोसा	distrust
V	
Word	**Antonymn**
Vacant खाली	occupied
Vain व्यर्थ	modest
Victory विजयी	defeat
Violent हिंसक	gentle, peaceful
virtue गुण	vice
Visible दृश्य	invisible
Vision दृष्टि	blindness
Vivid ज्वलंत	dull, dim
Voluntary स्वेच्छिक	compulsory
Vulgar अशिष्ट	cultured
W	
Word	**Antonymn**
War युद्ध	peace
Warmth गर्मी	coldness
Waste व्यर्थ	Save, hoard
Weal हीत	woe
Wealth धन	poverty
Wicked दुष्ट	virtuous
Wide विस्तृत	narrow
Wind हवा	unwind
Wit बुद्धि	stupidity
U	
Word	**Antonymn**
Union संघ	discord
Z	
Word	**Antonymn**
Zenith चोटी	nadir

●●●●●●●●●

QUESTIONS ASKED IN PREVIOUS EXAMS

Find the word which is OPPOSITE to the highlighted word from the given options.
(Jail dept. 2015)

1. TERRIBLE
- Horrible
- Dreadful
- Delightful
- Hideous

Correct Answer :-Delightful

2. ATTRACT
- Rejoice
- Rejoin
- Repel
- Discomfort

Correct Answer :-Repel

3. CROWDED
- Dense
- Lonely
- Manly
- populated

Correct Answer :-Lonely

4. DEMON
- Devil
- Angry
- Angel
- Rude

Correct Answer :-Angel

5. COMIC
- Painful
- Sentimental
- Tragic
- Emotional

Correct Answer :-Tragic

6. CONFIDENT
- Diffident
- Tyrant
- Arrogant
- Sober

Correct Answer :-Diffident

7. BASEMENT
- Roof
- Height
- Bottom
- Climax

Correct Answer : Roof

8. MAGNIFY
- Induce
- Increase
- Destroy
- Shrink

Correct Answer : Shrink

9. BOOST
- Boast
- Appreciate
- Discourage
- Remote

Correct Answer : Discourage

10. SMOOTH
- Ugly
- Awkward
- Clean
- Rough

Correct Answer : Rough

KOTHARI INSTITUTE

PHRASES AND IDIOMS

To call a spade a spade	-	To be frank and truthful
To let the cat out of the bag	-	To accidentally reveal a secret.
A dark hours	-	A person of hidden qualities.
To flog a dead horse	-	To waste energy on some already rejected activity
A dog in the manger	-	Person who does not allow others to enjoy things which are not usefull to him.
Sword of Damocles	-	An impending danger.
To eat humble pie	-	To apologize in a humble manner.
Have an axe to grind	-	Have a selfish purpose.
At logger heads	-	At war.
To feather one's nest	-	To make money unfairly
Alfa and Omega	-	The begining and the end
To fish in troubled waters	-	To take advantage of other's troubles.
At large	-	Free.
A fish out of water	-	Feeling uncomfort able in unfamiliar surroundings.
Acid test	-	A decisive or critical test.
Add fuel to the fire	-	To increase anger.
A far cry	-	A long way.
To miss the boat	-	To miss an opportunity
To go Scot-free	-	To escape unharmed.
To burn one's boats	-	To take a decision which cannot be changed.
Green horn	-	A novice or an inexperienced person.
To burn the candle at both ends	-	To waste money lavishly
A hard one's fingers	-	To lose on account of foolish behavior
An iota of	-	Little of
In lieu of	-	In place of.
Hoping against hope	-	To continue hoping.
To keep abreast of	-	To be in touch with.
To hit below the belt	-	Unfair act.
Kith and kin	-	Friends and relations
To do up	-	To make tidy.
To leave no stone unturned	-	To do one's best or take all possible efforts.
To do away with	-	Abolish
To wait till the clouds roll by	-	To wait for more favourable circum stances.
Look, stock and barrel	-	Complete.
To die in harness	-	To work till the last day of one's life.
To catch a tartar	-	To catch a superior adversary.

KOTHARI INSTITUTE

A laughing stock	-	An object of ridicule.
Once in a blue moon	-	Very rarely.
A house of cards	-	Something flimsy.
on the cards	-	Probable.
to bring at	-	To produce.
In the pipeline	-	Certain to happen.
Breathing time	-	Time to rest.
From pillar to post	-	From one person to another.
To spent one's breath	-	To talk uselessly.
Bread buttered on both sides	-	Very fortunate circumstances.
Rank and file	-	Ordinary members of an organization.
To stick to one's guns	-	To stand firm.
To have two strings to one bow	-	To have more the one alternative.
A stumbling block	-	An obstacle.
A square peg in a round hole	-	Misfit.
To lie in bed one has made	-	to accept the conse quences of one's own action.
A big gun	-	Important person.
Bury the hatchet	-	Make peace after a quarrel.
A cock and bull story	-	An improbable excuse
To have a ball at one's feet	-	To have a thing to one's power.
A bone of contention	-	A source of quarrel.
At daggers drawn	-	To be sworn enemies.
To back bite	-	To talk evil anyone in his absence.
All and sundry	-	Everything without.
At one's wits end	-	Confused.
To view or look	-	Look with suspicion.
Arm chair theory	-	An impracticable theory
To eat one's words	-	To appoligize in a humiliating manner.
All noon shine	-	Far from reality.
To carry coals to Newcastle	-	Do something unnecessary.
To read between the lines	-	To discover the hidden meaning.
To turn the corner	-	To pass the crisis.
Bury the hatchet	-	Make peace after a quarrel.
A snake in the grass	-	Hidden enemy.
To take the wind out of one's sails	-	Deprive one's argument of all force
To give someone apple pie	-	To make obsequious flattery.
A wild goose chase	-	A useless and foolish attempt.
To throw dust in one's eyes	-	To deceive

KOTHARI INSTITUTE

To be up to the eyes	-	To be very busy.
To make mountain out of a molehill	-	To make big issue out of small matters.
To steal a good march	-	To gain advantage over
To stick to one's guns	-	To be firm.
To stick to one's salt	-	Quite worthless.
To keep abreast of	-	To be in touch with.
By the skin of one's teath	-	A narrow margin.
Gift of the Gab	-	Fluency of speech.
To play the game	-	To act honestly.
To end in smoke	-	To end in failure.
To have a card up one's sleeves	-	To have a secret plan in reserve.
In the doldrums	-	Feeling depressed.
To fall between two stools	-	Fail to take either of two alternatives.
To plough a lonely furrow	-	To work without help or support.
In the soup	-	In difficulty.
To end in fiasco	-	To end in utter failure.
To built castles in the air	-	To make imaginary schemes.
To be at black and blue	-	To punish severely.
A man of straw	-	A man of no substance
A bolt from the blue	-	Sometining unexpected
To be in the blues	-	To be depressed.
To blow one's own trumpet	-	to praise one's own abilities and achievements.
To keep one's fingers crossed	-	To hope fervently.
To leave one in the lurch	-	To desert one in difficulties.
A bird's eye view	-	A general view or study
A bee in one's bonnet	-	Te be obsessed with something.
To ride the hige horse	-	To assume an air of superiority.
To spit in to one's guns.	-	to stand firm.
To move heaven and earth	-	To make a supreme effort.
By leaps and bounds	-	Rapid growth.
Storm in a tea cup unimportant	-	Something that seemed exciting but in fact.
At stake	-	In danger.
Another cup of tea	-	A very different thing.
To tell tales out of school	-	Reveal confidential matters.
Sitting on the fence	-	Being indecisive.
To split hairs	-	To make useless in aruguments.
Out of the wood	-	Free from danger.
To tread on eggs	-	To walk with utmost care.
To get the sack	-	To get dismissed from job.
To turn over a new leaf	-	To change one's course of action.
To go off the rails	-	To become wild.

KOTHARI INSTITUTE

To play the second fiddle	-	To be yes man.
To turn one's back	-	To abandon.
Duck in a thunder storm	-	Distrust.
To cut to the quick	-	Badly offended.
To pour oil on troubled water	-	To solve a dispute with tact.
Labour of love	-	Not for money or profit but for affection.

●●●●●●●●●

MODEL QUESTIONS

1. The burning question.
   (a) The question on fire
   (b) The question which is burning.
   (c) The issue which is hotly debated
   (d) Speculative
2. Half Measures
   (a) Medium standard in quality
   (b) Half of a unit
   (c) Half measurement
   (d) Low qualities
3. Lock, stock and barrel
   (a) Completely (b) Financially
   (c) Administratively (d) Partially
4. Above board
   (a) Simple (b) Decent
   (c) Open (d) Friendly
5. Make a wry face
   (a) abuse (b) Feel sick
   (c) Cry in pain
   (d) Show disappointment
6. Struck several bad patches
   (a) Came across bad sail
   (b) Want through many illness
   (c) Had a bunny car ride
   (d) Had many professional difficulties.
7. The bare bones
   (a) The naked truth (b) Just bones
   (c) Main point (d) Detailed analysis
8. In high spirits.
   (a) In a drunken (b) In a cheerful mood
   (b) Taking in coherently
   (d) Deeply engrossed in thoughts.
9. Chip of the old block
   (a) Very similar to his father
   (b) A good actor
   (c) An honorable man
   (d) Outdated in his mannerisms.
10. To eat humble man.
    (a) To go to ruins (b) To be earnest
    (c) Spread rapidly (d) To apologize
11. A wild goose chase
    (a) An absurdly hopeless enterprise
    (b) A fuss over a tiling matter.
    (c) To be insensitive to criticism
    (d) to speak boastfully of oneself.
12. To be hard up.
    (a) To look depressed
    (b) To keep starvation away.
    (c) To act excitedly
    (d) To be short of money
13. To cry wolf
    (a) To give false alarm (b) To turn pale
    (c) To be astonished (d) To run away
14. To take to one's heels.
    (a) To assault (b) To run away
    (c) To have concern
    (d) To run oneself
15. Running the gauntlet.
    (a) Enduring attack or criticism
    (b) Showing aggression
    (c) Going through depression
    (d) Looking lean.

KOTHARI INSTITUTE

16. Throw in the towel
(a) Writing on one's hands
(b) Admit defeat and give up trying
(c) Show violence
(d) Hard objects

17. Keep your hair on
(a) Go in for a new hairstyle
(b) Think forcefully (c) Stop
(d) Clam down.

18. Out of his ear
(a) Be dismissed
(b) Boxed on his ear
(c) Be ignored
(d) Become deaf

19. To set the world on fire
(a) To spoil a plan
(b) To achieve fame
(c) A strong encouragment
(d) To destruct

20. Achilles' heel
(a) Cause of pain
(b) Cause of praise
(c) The one and olny weakness
(d) To spoil a person.

21. To rest on one's laurels
(a) To be angry at one's achievement.
(b) To stop something before it develops
(c) To show displeasure
(d) To be satisfied with past achievements

22. At one's wits ena
(a) Desperate
(b) In an irregular manner
(c) To improve relations
(d) A painful situation.

23. A flash in the pan
(a) A repeated successs
(b) A success that is not repeated
(c) To reform (d) Te be satisfied

24. To set the cat among the pigeons
(a) To start a problem
(b) To allow a situation to remain undistrubed
(c) To be completely controlled.
(d) To obey the rules.

25. To cry over spilt milk.
(a) Through hard labor
(b) Try every possible means
(c) To regret uselessly
(d) To come to nothing

26. Wet behing the ears
(a) Well trained (b) Inexperienced
(c) cunning (d) Clever

27. Beating about the bush
(a) Running aroung
(b) Remaining silent
(c) Speaking indirectly
(d) Following a point.

28. All hell broke loose
(a) There was rejoicing
(b) There was uproar and disorder
(c) There was utter silence
(d) There was irritation

29. Pour cold water on it
(a) Encourage (b) Fine fault with
(c) Inprove (d) Discourage

30. In the pink of condition.
(a) In a weak condition
(b) Be under treatment
(c) At peak fitness
(d) None of this

ANSWERS

1 (c) 2 (a) 3 (a) 4 (c) 5 (d) 6 (d)
7 (a) 8 (b) 9 (a) 10 (d) 11 (a) 12 (d)
13 (a) 14 (b) 15 (a) 16 (b) 17 (b) 18 (c)
19 (b) 20 (c) 21 (d) 22 (a) 23 (b) 24 (a)
25 (c) 26 (b) 27 (c) 28 (b) 29 (d) 30 (c)

KOTHARI INSTITUTE

QUESTIONS ASKED IN PREVIOUS EXAMS

(Jail Dept. 2016)

REPLACE THE UNDERLINED PHRASE WITH A SINGLE WORD.

1. It isn't easy to bring up children now a days.
- raise
- afford
- teach
- accompany

Correct Answer :-raise

2. They called off the afternoon meeting.
- rescheduled
- continued
- cancelled
- held

Correct Answer :-cancelled

3. There was no servant to attend upon him in old age.
- interrogate
- Greet
- question
- serve

Correct Answer :-serve

4. The terrorists tried to blow up the shopping complex.
- lighten
- explode
- carry away
- rob

Correct Answer :-explode

5. You will have to answer for your misdeeds.
- reply to
- speak about
- be responsible for
- listen to

Correct Answer : be responsible for

6. My brother found out that her wife had been planning a surprise party for her.
- knew
- guessed
- revealed
- discovered

Correct Answer :-discovered

7. The lawyers looked over the papers carefully before questioning the witness.
- examined
- discarded
- arranged
- prepared

Correct Answer :-examined

8. The nurse looked after the patient for months, until he was better.
- kept in vigilance
- took care of
- kept in hospital
- did not discharge

Correct Answer :took care of

9. The economy is finally looking up.
- deteriorating
- improving
- stagnant
- under control

Correct Answer :improving

●●●●●●●●●

KOTHARI INSTITUTE

GRAMMER

THENOUN

INTRODUCTION:- "Noun का अर्थ है noun, name "

DEFINATION- "A word that is the name of thing, an idea, a place or a person.

Examples of Nouns -

Name of a person - Zuker, Max, Xavier Joseph etc.

Name of a Place - Bostan, Australia, India, Japan etc.

Name of a Thing- Table, computer, chair, etc.

Name of a Idea- Happiness, superstitions, Excitement etc.

Nouns in English can further be classified on the basis on Muinhas Number, gender, case and Apposition. Read ahead to understand better.-

Number Nouns :

Singuler Nouns - When one Person or a thing is denoted, such as pen cow, boy, chairs, etc.

Plural Nouns - When a nouns denoted more then one person or a thing is a plural noun, for example Pens, Cows, boys, chairs, etc.

Noun Genders:

Masculine- nouns that refer to the male classification of a Person, animal or thing, example, man, lion etc.

feminine- nouns denoting a female class of Person, animal or thing like nature, tigress, Womam, etc.

Neuter - nowns that denote a thing without Life either female or male exemple, pen, room, book etc.

Nouns cases: Nouns classified an the basis of cases tells us the Position of the noun in a sentence. There are five cases of nouns in English.

1. Possessive cases- when a noun denotes ownership or example the exemple - That is my dress . 'My' is in the possessive Case.

2. Vocative case - A noun is in the Vocative case. When it is used to call (to get attention). Example, pis Ria, teachers are waiting for you in the staffroom (ms Ria is in a vocative case)

3. Dative case - When a noun is in the subject of a verb it is in the Dative case, like, rohan brought me chocolates,, (ms is in a dative case).

4. Nominative case- If a noun is the subject of a verb it is said to be in Nominative case. Example Radha is intelligent girl.

5. Objective case- When the noun is the direct object of the verb or the Preposition, they are in the objective case. Exemple - Please give the fruits,

KOTHARI INSTITUTE

KIDS OF NOUN - Noun के पांच प्रकार माने गए हैं।

(i) PROPER NOUN

(ii) COMMON NOUN

(iii) COLLECTIVE NOUN

(iv) MATERIAL NOUN

(v) ABSTRACT NOUN

(i) Proper Noun : A proper noun name a specific person, place, thing or idea.

Ex.- 1. The Gita is a sacred book.
2. India is a large country.

(ii) Common Noun : A common noun names any person, place, thing or idea. In other word, A common noun is a name given in common to everyone of the same class or group.

Ex.- 1. He reads a book
2. I am sitting on a chair

Difference Between proper noun & common noun :

	Proper Noun	Common Noun	
1.	Mumbai is a city	Mumbai	(City)
2.	Mohan is a child	Mohan	(Child)
3.	Kamdhenu is a Cow	Kamdhenu	(Cow)

(iii) Collective Noun : A collective noun is a name given to a number of things regarded as a whole, group or collection.

Ex.- 1. Our Team is in the first group.
2. My father bought a set of books for me.
3. A gang of thieves were caught.

(iv) Material Noun : A material noun is a word used for substance of which other things can be made.

Ex.- 1. Gold is a costly metal.
2. I Drink milk.

(v) Abstract Noun : abstract noun is a word used for quality, action for state.

Ex.- 1. I love music.
2. Kindness is always rewarded.

COUNTABLE AND UNCOUNTABLE NOUNS

(1) Countable Nouns : Noun which can be counted. common nouns and collective noun can be counted.

Ex. : One boy, two girls, eight mangoes, two teams, three classes, eight books, four chairs, five pens etc.

Note लगभग सभी Common nouns cuntable noun होते हैं।

KOTHARI INSTITUTE

वे सभी Nouns जिनका Plural बनता है Countable noun होते हैं।

Articles का प्रयोग होता है।

(2) Uncountable Nouns : Noun which cannot be counted.

Proper noun, material noun and abstract noun cannot be counted.

Ex.- Tea, Coffee, Hate, Gold, Pain, Milk, Water, love, silver, joy, etc.

Note: Uncountable nouns का plural नहीं बनता है।

* लगभग सभी Material Nouns और Abstract Nouns uncontable Noun होते हैं।

Un Countable nouns के साथ 'a', 'an' का प्रयोग नहीं किया जाता है। (कुछ exceptions को छोड़कर)

Exercise :

(A) Pick out the nouns in the following sentences and also indicate their kinds:

1. He is my nephew
2. Sohan is an actor
3. My father is working in the field
4. This hate is mine
5. A gang of robbers was in the jungle
6. Our team can win the match
7. Delhi is a big city
8. Japan is a small country
9. Sita drinks milk everyday
10. Children are playing cricket
11. This gate is made of iron
12. We can not live without water
13. These windows are made of wood
14. His family is poor
15. She loves music
16. Dinker's poetry is great

Exercise :-

(A) Pick out the nouns in the following sentences and also indicate their kinds:

1. The crowd was very big
2. Always speak the truth
3. We all love honesty
4. Our class consists of twenty pupils
5. The Elephant has great strength
6. Solomon was famous for his wisdom
7. Cleanliness is next to godliness
8. We saw a fleet of ships in the harbour
9. The class is studying grammar
10. The Godavari overflows its banks every year
11. A committee of five was appointed
12. Jawaharlal Nehru was the first Prime Minister of India
13. The soldiers were rewarded for their bravery
14. Without health there is no happiness
15. He gave me a bunch of grapes
16. I recognized your voice at once
17. Our team is better than theirs
18. Never tell a lie.
19. Wisdom is better than strength
20. He sets a high value on his time
21. I belive in his innocence
22. This room is thirty feet in length
23. I often think of the happy days of childhood
24. The streets of some of our cities are noted for their crookedness.
25. What is your verdict gentlemen of the jury?

KOTHARI INSTITUTE

Rules of Nouns

Rule 1: Some nouns are singular in their meaning but are used as plural nouns and also take Plural verbs, such as People, cattle, Police.

Exemple - The cattle are greazing the field. People are indifferent to you in new cities.

Rule 2 : Some nouns are always used in plural form and always take plural verb Like, scissors, Premises, Thanks, spectacles etc.

Example- I cannot find my Trousers, where are they?'

She ordered a Pair Spectacles on line, they are classy.

Rule-3 : there are some nouns that always take singular verb such as news, ethics, machinery, advice, Stationery Physics, mathematics, etc

Example- mathematics is my favourite subject.

The news of his suicide is not true.

Rule 4: nouns indicate the number, measure money length, Weight, etc. They remain unchanged when any definite numeral Precedes these nouns.

Exemple- she bought to dozen eggs from the shop. (not kilometre)

Rule 5 : callective nouns are used both in Singular and Plural form

Example - 1. The Government is great achievement of civilization,

2. The Jury were divided in their opinions

Rale-6 : There are nouns that give different morning used as a singular and other morning. When used as a Plural noun, Such as -

1. Good means wise and goods mean property.

2. Authority is command while authorites meam people in power,

3. force mens strength while forces is an army

4.Wages im singuler form is punishment while Wages are daily Labour charge when used in the Plural form.

5. Content means satisfaction and contents is things Contained

6. Iron is metal While irony means chains or fetters

Rule - 7 material Nouns generally do not take any article (a, an, or the) then.

Example- Incorrect- my mother likes a gold and not a silver.

Correct - my mother like gold and not silver.

Rule 8 : To Personify a Neuter gender Noun, We use masculine gender to personify the strength or Power, and feminiane gender to personify beauty and grace.

Example- 1. The Moon was Shining on the sea with all his might.

2. It is our duty to protect mother Earth.

Rule 9 - the work of art, the title of books etc. even if they sound Plural are always considered singular.

Example- The Palace of illusions is an imoralite narration of the mahabharata.

Rule 10- (a) for small creatures insects or very young children neuter gender is used.

Example- a The baby wants food emery hour or it starts crying.

I could see the butterfly morning its Wings.

(b) collective nouns are used us nenter gender used even if they are gender even if they are used to living beings.

Example: The team gave its best Performance

The army is its best to protect the country,

KOTHARI INSTITUTE

THE NUMBER

Definition :- Noun के जिस रूप से उसकी संज्ञा (एक या एक से अधिक) होने का बोध होता है। उसे Number वचन कहते हैं।

मुख्यतः - Countable Nouns के दो वचन होते हैं:-

(i) Singular Number
(ii) Plural Number

Example : - **Singular Number Noun-** Girl, Boy, Bus, Wife, Woman,
- **Plural Number Noun-** Gils, Babies, Buses, Wives, Women

Singular Number - A noun denotes one person, Place or thing is called Singuler Number.
Plural Number- A noun denotes more than one persons, Places or things is called Plural Number.

Rules for Making Plural form singular-

Rule - कुछ word के last में s लगाकर Plural Number बनाते हैं।

Example:
Bell+s = Bells
Dog+s = Dogs
Ant+s = Ants

Rule - यदि word के last में, s, sh, ch, x या o हो तो plural बनाते समय last में es जोड़ देते हैं।

Example:
Class + es = Classes
Bench + es = Benches
Bush + es = Bushes
Ass + es = Asses

Rule - यदि word के last में, 'y' हो तो उसके पूर्व consonants हो तो 'y' को (i) में बदलकर es (ies) लगाते हैं।

Example:
Fly + es = Flies
City + es = Cities
Story + es = Stories
Lady + es = Ladies

Rule - यदि शब्द के last में 'y' के पूर्व कोई vowel हो तो plural बनाते के लिए s लगाते हैं और 'y' को नहीं बदलते हैं।

Example:
Day + s = Days
Toy + s = Toys
Key + s = keys

Rule- यदि Noun के Last में 'f / fe' हो तो plural बनाने के लिए ves में बदलते हैं।

Example:
Life + ves = Lives
Wolf + ves = Wolves
Calvf + ves = Calves
Leaf + ves = Leaves

KOTHARI INSTITUTE

Rule - कुछ Nouns के Singular - Plural दोनों रूप समान होते हैं-
Example: Sheep - Sheep
Fish - Fish
Dear - Dear
Price - Price
Rule- 7 कुछ Nouns बिना किसी Rule के अपने Plural बनाती है।
Example- Tooth = Teeth
Man = Men
Foot = Feet
Ox = Oxen
Rule-8 कुछ Nouns plural दिखने पर भी Singular में प्रयुक्त होते हैं।
Example- News, Means, Scissors, Physics, Thinks, Civies, Riches, Meals
Rule-9 कुछ Nouns Singular दिखने पर भी Plural प्रयुक्त होते हैं।
Exmple- People, Gentry, Cattle, Mankind, Folk, Police

(A) Give the plurals of the following:

Oasis locus, formula, medium, man-servant, step-mother, pea-cock, maid-servant, bed-room, watchman, mouse, foot-ball, mischief, proof, safe, gulf, maid-cargo, buffalo, ray, toy, monkey, door, baby, cry, duty, tax, quiz, monarch, woe, bee, good.

(B) Give the singulars of the following:

Fishermen, women, mice, teeth, dwarfs, commanders-in cheif, mottos, mangoes, days, keys, valleys, lorries, ladies, gems, girls, frogs, filme, doctors, baskets, armies, watches, latches, oxen, radii, zoos, wolves, thieves, halves, beliefs.

(C) Change the number of nouns in the following sentences and mark other changes; if necessary

1. The boys are going to school
2. The Glass had to be handled carefully
3. The mangoes are ripe
4. A child is sitting on the chair
5. I have bought new draps for my bedroom
6. A man was standing there
7. He is my brother-in-law
8. The men cooked mouth-watering food.
9. I have twenty books
10. I also went and showed off my notebooks.
11. My clothes are dirty
12. My foot hurt inside my shoe
13. A few months before the war broke out
14. You can hear gunfire from the hills
15. There were film cameras and photographs for us
16. How dare you borrow my pen without asking me?
17. The son stood gazing across his meadow land.
18. He showed a bag of money
19. If you inspect my pockets, you won't find much at all
20. If humans can live on roads, why can't animals?
21. This old woman is poor.

●●●●●●●●●

KOTHARI INSTITUTE

THE GENDERS

DEFINITION- **Gender Indicates the sex of noun or pronoun-**

Kinds of number -
1. **Masculine Gender**
2. **Feminine Gender**
3. **Common Gender**
4. **Neuter Gender**

1. **Masculine Gender :** जिस Gender से noun के पुरूष होने का बोध हो, उसे masculine (पुल्लिंग) gender कहते हैं।
Ex.- Man, boy, horse, father, king, etc.

2. **Feminine Gender :** जिस Gender से noun का स्त्री होने का बोध हो, उसे Feminine (स्त्रीलिंग) gender कहते हैं।
Ex.- Woman, Girls, Mare, Mother, etc

3. **Common Gender:** पुरुण और स्त्री दोनों के लिए समान रूप से प्रयुक्त होने वाला Nouns Common Gender के अंतर्गत आता है।
Ex.- Students, Teacher, Child, Friend, Doctor etc.

4. **Neuter Gender :** Noun को जो रूप उसके निर्जीव (dead) होने का बोध कराए उसे नपुंसकलिंग Neuter Gender कहते हैं।
Ex.- Table, Chair, Book, Pencil etc.

Gender को बदलने के Rule-
Rule- शब्द के अन्त में 'ess' जोड़कर

Ex. -
1. Lion + ess = Lioness
2. Poet + ess = Poetess
3. Prince+ess = Princess
4. God + ess = Goddess

Rule- कुछ शब्द के Last के दो या तीन word हटाकर 'ess' जोड़कर

Ex.-
Actor + ess = Actress
Emperor + ess = Empress
Governor + ess = Governess
Hunter + ess = Huntress
Inspector+ess = Inspectress

KOTHARI INSTITUTE

Rule 3.- शब्द में कुछ word जोड़कर या उसका कुछ अंश बदलकर -

Ex.-	**Masculine**	**Feminine**
	Man	Women
	He-goat	She-goat
	Pea-cock	Pea-hen
	Milk-man	Milk-maid
	Grand-son	Grand-daughter

Rule 3.- कुछ शब्द स्वतंत्र रूप से अपना Feminne रूप बनाते हैं-

Ex.-	**Masculine**	**Feminine**
	Brother	Sister
	Father	Mother
	Uncle	Aunt
	Husband	Wife
	Boy	Girl
	Ox	Cow
	He	She

Change The Gender In Following Sentences

1. Many Young Men Are Too Lazy
2. My Son Stood First In The Board Examination.
3. A Lady Had An Ox.
4. Madam Is Not Present Now.
5. This Mam Has Two Brothers.
6. My Mother-in-law Was Ateacher.
7. The Duke Is In The Palace With His Tom-cat.
8. This Lady Is A Traitress.
9. He Is The Monitor Of The Class.
10. The Porter is Very Strong.
11. The Emperor Is Young.
12. The Hunter Shot Down A Tiger And A Duck.
13. Mr. Ramdas Is Our Patron.
14. The Tutor Scolded The Boy.
15. The Lion Killed The Hunter.
16. A Man Had Three Daughters.
17. She Said, "I Am Quite Well."
18. Poets Have Composed Many Poems In Praise Of God.

●●●●●

KOTHARI INSTITUTE

THE PRONOUN

Defination: A Pronoun is a word which is used in place of a noun.

सर्वनाम वह शब्द है जो किसी संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किया जाता है।

Example:

You, We, They, He, She, It, etc.

Features of the Pronoun

These are number of distinguishing features of the English Pronouns. for easy Understanding and comprehension, the feature are categozired into maxim according to abia (2013) They include (a) Person (b) Number (c) gender (d) case.

(a) Person

In the context of the Pronouns, person simply to the roles played by entities in a speech activity in other words, this implies that in any speech situation there are three (3) observable characters (the first person, second and the third person) and their roles Such as (speaking, listening and refernice), According to okunowo (2014), the first person is viewed as #the Proson speaking # i.e. the speaker,

Exemple- (I, my, mine and we, us, ours); the secound Person is viewed as # the person spoken to # ie the listener.

(b) Number

Number refers to the numerical distincition. made to the cherracters involved in the speech activity in this way, we have, the singular and the Plural for

Example- (and wo, me and us; he she it and they; you and you respectively).

(c) Gender

The English Pronouns are also categorized according to sex of the characters involved im the specchi activity. By gender, four classes have been identified ..... (male),... (female),.... (for unspecified gender, non-humm and at times babies) and on.... (used for both male and female in case of generalizations as well as for Proper nouns # personal names of specific people, places, things or events).

(d) Case -

in the promominal class, case refers to the chenges a wood Undergoes in line with its syntactic relationship with other words in the sentence. Cose also expresses ownership in a word Akinbade (2006) defines the #case # as the relationship a noun or pronoun shows with other words (especially verbs) within a Sentence. There are outstanding kinds of case in Pronous They are.

1. **Subjective (nominative) -** When pronoun serves as the subject of the sentence, the case is subjective i.e. being the actor or Performer or doer in this case, that Pronoun is the word or group of words being spoken about # the subjet.

2. **Objective (accusative) -** when in the objective case, the Pronoun is used as the object of the sentene. it often referred to as #accusative # because it suffers of received the action of the verb in a sentence directly or indirectly.

KOTHARI INSTITUTE

3. Possessive Genitive) - the ponoun is said to be in used to a possessive case when it is express ownership or possession relationship, hence the term # genitive #

TYPES OF PRONOUN

1. Personal Pronoun
2. Demonstrative Pronoun
3. Indefinite Pronoun
4. Impersonal Pronoun
5. Reflexive Pronoun
6. Distributive Pronoun
7. Emphatic Pronoun
8. Interogative Pronoun
9. Relative Pronoun
10. Reciprocal Pronoun
11. Exclamatory Pronoun

1. PERSONAL PRONOUN :

Personal Pronoun **का प्रयोग ''पुरुष'' के अर्थ में होता है। ''पुरुष'' तीन प्रकार के होते हैं।**

1. First Person — I, We
2. Second Person — you
3. Third Person — They / He / She / It.

Use of personal Pronouns -

1. I का प्रयोग (एकवचन) बोलने वाले के लिए होता है।
2. You का प्रयोग सुनने वाले के लिए होता है। (Singuler + Plural दोनों)
3. We का प्रयोग (बहुवचन) बोलने वालों एक लिए होता है।
4. They का प्रयोग बहुवचन व्यक्ति के लिए होता है है।
5. He का प्रयोग (एकवचन) पुल्लिंग व्यक्ति के लिए होता है।
6. She का प्रयोग (एकवचन) स्त्रीलिंग व्यक्ति के होता है।
7. It का प्रयोग (एकवचन) निर्जीव चीज, प्राणियों, जानवरों जिसकी चर्चा की गई हो, के लिए होता है।

Personal pronoun

वचन (एकवचन-बहुवचन) रूप

Number	:	Singular
First Person	:	I
Second Person	:	You
Third Person	:	He, She, It
Number	:	Plural
First Person	:	We
Second Person	:	You
Third Person	:	They

ये Pronoun कर्ता के स्थान पर आते हैं।

1. I eat
2. You eat
3. You eat
4. We eat
5. They eat
6. He eats
7. We eat
8. It eats

2. DEMONSTRATIVE PRONOUN -

संकेतवाचक सर्वनाम किसी चीज की ओर संकेत (इशारा) करते हैं।

Example:

This, That, These, Those, Such

This	=	निकट की वस्तु की और संकेत ।
That	=	दूर की वस्तु की और संकेत ।
These	=	निकट की वस्तुओं की और संकेत।
Those	=	दूर की वस्तुओं की और संकेत।

3. INDEFINITIVE PRONOUN -

अनिश्चयवाचक सर्वनाम अनिश्चित व्यक्तियों / वस्तुओं की सूचना देते हैं।

Example:

None, Some, etc.

1. None was there.
2. Some are rich.

4. IMPERSONAL PRONOUN -

अपुरुषवाचक सर्वनाम कर्ता के अभाव में कर्ता का कार्य करता है।

Example :

1. It is raining.
2. There is some news for you.

It there का यहां कोई अर्थ नहीं निकलता । ये कर्ता (subject) के स्थान पर आकर कर्ता का आभास देते हैं।

KOTHARI INSTITUTE

5. REFLEXIVE PRONOUN -
निजवाचक सर्वनाम कर्ता (subject)
पर जोर देते हैं-
1. Do not deceive yourself
2. She hurt herself
यहाँ yourself, hereself कर्ता (subject) पर जोर दे रहे हैं।

6. DISTRIBUTIVE PRONOUN -
यह सर्वनाम प्रत्येक की ओर संकेत करने वाले या एक-एक की ओर संकेत करने वाले होते हैं।
Example:
each, every, either, neither, etc.
1. Each in the house is happy.

7. EMPHATIC PRONOUN -
दृढ़ता सूचक सर्वनाम स्वयं कर्ता पर जोर देने का प्रभाव स्पष्ट करने वाले सर्वनाम होते हैं। ये Possessive forum में self / selves लगाकर बनते हैं।
Example:
1. I Myself do it.
2. The themselves do not know this.
Reflexive and Emphatic Pronoun में केवल प्रयोग का ही अंतर है।

8. INTERROGATIVE PRONOUN -
प्रश्नवाचक सर्वनाम प्रश्न पूछने के लिए प्रयोग किए गए शब्द इस सर्वनाम के अंतर्गत आते हैं।
Example:
who, which, when, where, what, whose, why etc.
1. Whose pen it is ?

9. RELATIVE PRONOUNS-
संबंधवाचक सर्वनाम में जो Pronoun दो वाक्यों को जोड़ने का काम करे और उसका antecedent भी हो, Relative pronoun कहलाता है।
Example :
Who, which, whose whom etc.
1. That is the toy which i bought.

10 RECIPROCAL PRONOUN -
परस्परसंबंध वाचक सर्वनाम में सर्वनाम परस्पर संबंधों को स्पष्ट करते हैं।
Example:
eachother, one other etc.
Ravi and Mohan fought with each otehr

11 EXCLAMATORY PRONOUN-
आश्चर्यबोधक सर्वनाम - ये सर्वनाम आश्चर्यबोधक शब्दों के रूप में प्रयुक्त होते हैं।
Example:

Use of Personal Pronoun

They are used as First Person, Second Person and Third Person. they are called personal Pronoun.

Personal Pronoun

Nominative case	Objective case
I	My
She	Her
They	Them
We	Us
He	Him
You	You

Rule 1 : Verb is preceded by Nomination Form of pronoun and followed by Objective Case. For Example.

I teach him. (Active Voice) – where 'I' is subject and 'teach' is a verb and 'him' is an object.

He is taught by me. (Passive Voice). – Now it is reversed.

Rule 2 : If all the three person or two out of three persons come in a single sentence, the order is 231. For example

(i) You, he and I shall study for the exam. (231)

(ii) You and he have done a great job. (231)

(iii) He and I have finished our work.(231)

Rule 3: If all the three persons or two out of three persons come in a single sentence and something wrong is talked about or some mistake done by the persons has been accepted, the order is 123. For Example

(i) I, you and he made a mistake. (123)

(ii) Yes and he done this mischief. (123)

KOTHARI INSTITUTE

Rule 4 : If Pronoun are in plural form, the order should be 123. For Example

We., You and they should now get down to work.

Rule 5 : An Objective case comes after 'let' , 'like', 'between……and', 'but', 'except', and all 'preposition'. For Example

(i) Let me do this work.

(ii)There is no problem between she and I. (×)

There is no problem between her and me. (√)

(iii) Everybody but him was present for the meeting. (√)

(iv) He laughed at I. (×)

(v) He laughed at me. (√)

(vi) Everyone attended the party except he. (×)

Everyone attended the party except him. (√)

Rule 6 : If there is a comparison between two nominative cases. the pronoun of the nominative case is used after as / than. For Example

(i) He is as fast as me. (×) [Where 'me' is an objective case]

(ii) He is as fast as I. (√) [Where 'I' is a nominative case]

(iii) I run faster than him. (×) [Where 'me' is an objective case]

(iv) I run faster than he. (√) [Where 'I' is a nominative case]

(v) I know you as much as him. (√) [Sentence 5 means that 'I know you as much as I know him'.]

From the above example it is clear that the subject is compared with the subject and object is compared with an object.

Rule 7 : If a sentence begins with 'It' followed by any form 'be' the pronoun that follows 'be' must be in nominative case. For Example

(i) It is I who am to blame. [Where 'I' is Nominative Case.]

Uses of 'It'

Rule 1: 'It' is used for non-living things, animals, infants and insects. This is the plural from of it. For Example

(i) America is a developed country. It is a super power.

(ii) Srilanka and Pakistan are developing countries. They are facing internal terrorism.

Rule 2: 'It' is used to denote time, weather, temperature, distance or any other natural event.It is used only as introductory subject In this case, it is called 'empty it' as it has no meaning. For Example

(i) It is raining

(ii) It is morning

(iii) It is Winter

(iv) It is 6 o'clock.

(v) It is March.

(vi) It is Monday.

Rule 3 : It is also used in Infinite Clause and Gerund. For Example

(i) It is easy to solve it.

(ii) It is said that virtue its own reward.

Rule 4: 'It' is used in a sentence as a subject to emphasize the noun or the pronoun. For Example

(i) It was he who made this mistake.[Where 'he' is a pronoun]

Rule 5 : 'It' is used to introduce a phrase or clause. For Example

(i) That the record will break today is probable. [Where 'That the record will break today' is probable]

Difference Between 'This' and 'It'

'This' is used to point towards a person or thing or for the introduction of a person or when the singular object or person is placed at a near distance. Here, 'it' will not come.

Example : (i) This is a book.

(ii) This is a pen.

(iii) This is Rohan, my cousin.

=> It denotes the time / distance / weather. Here 'this' is not used for this purpose.

KOTHARI INSTITUTE

(i) It is 10 a.m

(ii) It is winter.

(iii) It is night.

Note: A Noun can be used after 'this'. For Example

This book is mine. [Where book is noun]

'It' is a pronoun and hence a noun can not be used after 'it' as 'Pronoun' and 'noun' can not come together.

(i) It book is mine (×)

It is my book. (√)

It' is used for singular noun/non-living thing or an infant.

E.g. : 1. It is a splendid moment.

2. The baby is cute but it is crying a lot.

Nominative Case	Possessive Adjective	Possessive Pronoun
I	my	mine
We	our	ours
You	your	yours
He	his	his
She	her	hers
It	Its	×
They	their	theirs

Use of Possessive Pronoun

Rule 1: Possessive Pronouns are not used before nouns. For Example

Ours School was closed for four days. (×) [Where 'school' is a noun]

Our School was closed for four days. (√)

Note: (i) Possessive Adjectives are used before nouns. For Example

E.g.: This is My Book.

(ii) If the noun has already been mentioned, possessive pronoun is used to avoid repetition. For Example

This book is mine.

Possessive Pronouns	Meaning (Possessive Adjectives + Nouns)
My	My + Noun
Ours	Our + Noun
Yours	Your + Noun
His	His + Noun
Hers	Her + Noun
Theirs	Theirs + Noun

(iii) 'His' is used as both possessive Adjectives and Possessive Pronoun.

(iv) ' Its ' is used as possessive Adjectives but not as possessive Pronouns.

Rule 2 : Possessive Pronouns can be used in any sentence as the subject of the verb. For Example

(i) Yours is a new car. [Where 'is' = subject of verb]

Meaning : Your car is new car.

(b) Hers is a beautiful house. [Where 'is' = subject of verb]

KOTHARI INSTITUTE

Rule 3: Possessive Pronoun can be used as an Object of a Verb. For Example

(i) He has lost my books as well as yours. [Where 'has lost' is a verb.]

Meaning – He has lost my books as well as yours.

(ii) Save your time and mine too. ['mine' is an object.]

Rule 4: Possessive Pronoun can be used as the object of a preposition. For Example

(i) I prefer you to help to her. (×) [Where 'to' is a preposition and 'her' is an object.]

I prefer your help to hers. (√)

Rule 5: We do not use possessive pronoun with separators, leave, excuse, mention, report, pardon, sight, favour. For Example

(i) Your separation is very painful to me. (Use 'separation from me')

(ii) At his sight the robbers fled. ('At the sight of him' is right)

(iii) I need your favour please. (Use 'favour of you / favour from you')

(iv) She did make mention of you. (√)

Rule 6 : In Possessive Pronouns, apostrophe is not used before 's'. The use of your's, her's, it's is wrong.

E.g.: (i) The bear had a ring around it's nose. (×)

The bear had a ring around its nose. (√)

Rule 7 : Gerund is used after Possessive Adjective. In such cases never use Possessive Pronoun or Objective case of Pronoun.

E.g.: (a) I was confident of my winning the match.

(b) She was not confident of her doing well in the examination.

(c) She is sure of my/my/me/mine helping others. ('my' is the correct choice)

Rule 8 : if Collective Noun is used as a subject, and it denotes separate individuals or a division, is showing among a members. It is considered Plural and hence Plural Pronoun and plural adjective / pronoun They, Them, Their, theirs, themselves, are used with them. For Example

(i) The team are divided in its opinion.(×)

The team are divided in their opinion. (√)

Rule 9 : When two subjects are joined by 'either……Or, Neither……Nor, Not only……but also, none…….but, the possessive adjectives / pronoun agrees with the nearest subject. For Example

(i) Neither the staff members nor the manager was taking his task seriously.

Rule 10 : If two or more nouns two singular noun are joined by 'and' plural pronoun and plural adjective they, them, their, theirs, themselves are used. For example

(i) Ram and Shyam do their work.

Rule 11 : If two singular noun are joined by 'and' and if an article is used before the first singular noun , it denotes one person / thing, here singular Pronoun and adjectives –he, him , his, himself will come for human being and it, its, itself will come for non-living things. For Example

(i) The secretary and treasurer is negligent of their duty..(×)

The secretary and treasurer is negligent of his duty. (√)

Rule 12 : When each, either, neither, anyone, every is used as a subject. 3rd person singular is used as the possessive case. For Example

(i) Neither of the two brother has brought their luggage.(Change 'their' into 'his')

(ii) Each one is doing our duty properly. (Change 'Our' into 'his')

Use of Demonstrative Pronoun

Demonstrative case is used to point towards a noun / nouns. This, that, Those, these, such , the same. If they come before the noun, they are called demonstrative Pronoun.

Rule 1: 'This' is used for a singular object / person that is placed closer. 'This' is singular. 'These' is plural. 'These' is used for more than one Object / person that are placed far. For Example

KOTHARI INSTITUTE

(i) This is a Cat.

(ii) These are cats.

Rule 2 : 'That' is used for a distant thing / person. 'That' is singular. 'Those' is used for more than two things or person.'Those' is plural. For Example

(i) That is a book.

(ii) Those are books.

Note: To avoid repetition of a Singular noun 'That' is used. In case of a plural noun 'Those' is used. For Example

(i) The Climate of Pune is better than that of Mumbai. (It means climate of Mumbai.)

(ii) The streets of Delhi are wider than those of Mumbai. (It means the streets of Mumbai.)

Rule 3 : In an sentence, ' one' is used to avoid the repetition of singular countables noun. ' One ' is used to avoid the repetition of plural countables noun. Do not use one's in place of ones. For example

(i) This is the new version, that is an old one.

(ii) These are new books but those are old ones.

Use of Distributive Pronoun

Rule 1: Either denotes choice between two. For Example

(i) Either if these three friends are naughty. (×)

(ii) Either of these two pens is red. (√)

Note: 'Any' or 'One' is used to choose between many persons or things. For Example

(i) One of these boys is naughty. (√)

Rule 2: 'Neither' denoted ' None out of two things / persons. For Example

(i) Neither of two girls is active. (√)

Note: 'None' denotes ' none out of more than two things / persons.' For Example

(i) Neither of his four sons looked after him. (×)

None of his four sons looked after him. (√)

Use of Reciprocal Pronoun

Rule 1 : ' Each other' and 'One another ' are called reciprocal Pronoun. They denote mutual relationship.

Rule 1: Each other denotes mutual relationship between people / things While one another denotes mutual relationship between more than two things / persons. For Example

(i) he was so afraid that his knee knocked one another. (Use each other in place of One another.)

(ii) After the farewell the students of class XII bade each other good bye. (use one another in place of each other.)

Use of Reflexive Pronouns

E.g.: The poor man poisoned himself and his children.

Rule 1 : Use Reflexive Pronoun after acquit, avail, reconcile, amuse, resign, avenge, exert, apply, adapt, adjust, pride', absent and enjoy.

(a) The officers acquitted themselves well during the crisis.

(b) She has reconciled herself to the demands of her in-laws.

Note: (i) They enjoyed the party. (No need of Reflexive Pronoun.)

(ii) They enjoyed during vacation. (Use ' Themselves' after enjoyed)

If the enjoyed is followed by an object, we do not use a reflexive pronoun, but if the object is not mentioned, then we use a reflexive pronoun.

Rule 2: Keep, Stop, Turn, Quality, bathe, move, Rest, and hide b do not take a reflexive pronoun. For Example

(i) You should keep yourself away from bad boys. (remove Yourself)

(ii) He hid himself in the room. (Remove Himself)

Rule 3 : Reflexive Pronoun can not be used as a subject or an object in a sentence unless a noun / pronoun comes before it. For Example

(i) Myself ram from Delhi. (" I am Ram from Delhi is correct")

(ii) I myself did this work.

(iii) Rohit will do the work for myself. (Use ' me')

Use of Indefinite Pronoun

If 'one ' is used as the subject, nominative case 'one' and objective pronoun 'oneself ' is used. For

KOTHARI INSTITUTE

Example

(i) One should do one's duty oneself.

(ii) One should keep one's promise.

Use of Relative Pronoun

Those pronoun that connect a clause or Phrase to a noun or a pronoun is called a relative Pronoun. For Example – who, which What That , why, etc.

(i) I met Veena, Who was returning from school.

Rule 1: Relative Pronouns (Which / That / Who) are used as a subject in subordinate clause. For example

(i) The boy who came here is a player.

Rule 2: Relative Pronoun (Which / that/ Whom) are used as Object in Subordinate Clause. For Example

(i) I have a son Whom I love very much.

Rule 3: If two antecedent are joined by 'and' one being a human and the other being a non-living thing / animal, a Relative Pronoun 'That' is used. For Example

(i) The man and his Dog That I saw yesterday have been kidnapped.

Rule 4 : 'That'is used after a Superlative degree. For Example

(i) Mr. Mishra is the Most Laborious man that i have ever seen.

Rule 5 : If 'Áll ' denotes people and is used as a subject, who or that' is used and not 'Whom / Which. ' For example

(i) All who / that are interested to do this work can start now.

Rule 6 : If 'All' denotes the non-living things, 'that' is used and not 'who or Whom'. For Example

(i) All That glitters is not gold.

Note: All + Uncountable Noun is followed by 'That' . For Example

(i) All the money that i gave her has been spent.

Rule 7 : Everything, Nothing, the only, any, all, everyone, none, no, nobody, much, little, the same, the few, the little will take 'that' after him. For Example

(i) My father has given me everything that I needed.

(ii) My wife has spent the little money that I needed.

(iii) This is the only pen, that i bought yesterday.

Rule 8 : If the verb is mentioned, the same + noun is followed by 'that'. For Example

(i) This is the same men that deceived me.

Use of Interrogative Pronoun

Pronouns that are used for asking question are called Interrogative Pronouns. For Example who, whom, whose, which etc.

Rule 1 : Who is used for Subject. For Example

(i) Who is playing ?

Rule 2: Whom is used for the Object. For example

(i) Whom has he invited ?P

Rule 3 : Whose is used to find out the owner. For Example

(i) Whose book is this ?

Rule 4 : Preposition + Whom can be used but no preposition + who. For example

(i) By Whom was the Ramayana Written ?

Note: If the preposition is used at the end of a sentence, 'who' comes at the starting of a sentence. for Example

(i) Who was the Ramayana written By. ?

Rule 5 : If choice is to be made between two or more, which is used. For Example

(i) Who is your brother in the crowd ? (×)

Which is your brother in the Crowd. ? (√)

(ii) Who of the servant do you want ? (×)

Which of the servants do you want ? (√)

Rule 6 : ' Whose ' is not used for non- living things. For Example

(i) Whose book is this ?

(ii) This the flyover, whose inauguration was done by the transport Minister. (×)

This is the flyover, the inauguration of which was done by the Transport Minister . (√)

KOTHARI INSTITUTE

THE ARTICLES

The, A, An are called the Articles. The' is a definite article and 'A' and "An" are called indefinite Articles.

The Use of Indefinite Article :

1. A is used before a word beginning with consonant. Eg: A man, A month.

   A word beginning with the sound 'U'. Eg: A university. A European etc. A word beginning with 'o'. A one rupee note.

2. An is used before a word beginning with vowel sound (a, e, i, o, u) and also a word beginning with silent 'h' Eg: An apple, An umbrella, An hour, An heir.

   Before a noun which is used as an example to represent a class.

   Eg: An elephant never forgets.

   A bad tailor quarrels with his sewing machine.

3. Man and Woman when used for Men or Women as a whole, do not take any article. Eg: Man is mortal.

4. With certain numerical and commercial terms to give sense of One or Every.

   Eg: Bring me a dozen oranges.

   He got a salary of thousand rupees per month.

5. Before Singular countable nouns about which nothing is known earlier. Eg: There was once a saint. There is a river near the court.

6. With positive comparatives but not with superlatives. When most is used in the sense very or very much, the article A is used before it. Eg: This is a good book. He is a creditworthy person.

7. A is used in many phrases like a few, a great deal; 'A' or 'An' is not used before the uncountable names like news, frniture, advice, honesty, glass, rice, milk, happiness etc.

Use of the Definite Article: "The" is used.

1. Before a noun to denote a class.

   Eg: The Elephant is the strongest animal.

2. Before the names of newspapers, holy boos, reference books etc.

   Eg: The Bible, The Hindu.

3. Before ocean, revers, sea, forest, valley, islands etc.

   Eg: The Indian Ocean,The Himalayas.

4. Before superlative degree and ordinal numbers.

   Eg: the wisest, The second, The final.

5. When the object or group of objects is unique or considered to be unique like the sun, the moon, the earth, the horizon.

   Eg: The sum rises in the East.

6. Before the name of a country which is a union of smaller units or which is plural in form.

7. With reference to the playing of a musical instrument.

   Eg: Ustad Zakir Hussain is playing the Tabla.

8. With reference to Theatre, Pictures, Cinema etc. Eg: The Cinema.

9. Before the names of ships and trains.

   Eg: The INS Vikranth, The Rajadhani Express.

10. Before nouns indicating the inhabitants of a country as a whole.

    Eg: The French.

KOTHARI INSTITUTE

11. Before proper nouns for specific reference.
    Eg: Sardar Vallabhhai Patel is the Iron man of India.
12. Before adverbs used as double comprative.
    Eg: The earlier you start the sooner you reach.
13. Before particular or special meals.
    Eg: The lunch served at the Hotel was not good.
14. Before the name of families and famous buildings.
    Eg: The Birlas, The Red fort.
15. For comparison of two things to show increase or decrease in the same proposition.
    Eg: The deeper the well the sweeter the water.
16. Before a singular countable noun meant to represent a whole class or kind.
    Eg: The tiger is a dangerous animal.

'The' is not used

1. Before proper nouns like India, Raman.
2. Before plural nouns when they are used in a general sense.
   Eg: Books are our best friends.
3. Before the name of meals if they refer to ordinary routine means in a day.
   Eg: I have dinner at 9 o'clock.
4. Before the name of games.
5. When certain nouns are used in a general sense like mankind, society, man, women.

MODEL QUESTINS / PRACTICE SET - 2

1. .....brave soldier lost ..... arm in the risky operation.
   (a) The, a (b) The, an (c) A, a (d) A, the
2. .....Problem facing us is..... universal one.
   (a) The, a (b) A, an (c) A, a (d) A, The
3. ..... Andaman are a group of islands in ..... bay of Bengal.
   (a) The, the (b) The, a
   (c) An, the (d) A, the
4. Grammer is ..... science but speaking .....language is an art.
   (a) a, a (b) the, a
   (c) a, the (d) the, the
5. Yesterday I saw..... European riding on ..... elephant.
   (a) The, an (b) a, an
   (c) an, an (d) a, the
6. ..... firemen managed to keep ..... fire under control.
   (a) the, a (b) A, a (c) The, a (d) the, the
7. He makes..... rule of doing ..... hour's work in ..... garden.
   (a) a, an, the (b) the, a, a
   (c) the, an, the (d) a, the, the
8. ..... Mayor recited to..... President ..... long speech of welcome.
9. They rallied to..... support of..... Prime Minister.
   (a) a, the (b) a, a (c) the, the (d) a, a
10. When he went to Delhi he heard about ..... new project and..... plan made him very happy.
    (a) the, the (b) a, a
    (c) the, a (d) a, the

ANSWERS

1 (b),	2 (c)	3 (a)	4 (a)	5 (b)
6 (d)	7 (a)	8 (b)	9 (c)	10 (d)

KOTHARI INSTITUTE

QUESTIONS ASKED IN PREVIOUS EXAMS

Choose the appropriate articles for the given sentence:

1. They were having ___ essential dabate on the topic of child labour in _____ auditorium.
   1. the, a 2, a, the
   3. a, a 4. an, the

Correct Answer :- an, the

2. All _____ passengers and crew of _____ plane that hit the mountain, perished.
   1. the, a 2. a, a
   3. the, the 4. an, the

Correct Answer :- the, the

3. _____ New York based architectural organization won _____ international design competition.
   1. A, an 2. An, an
   3. A, the 4. The, a

Correct Answer :- A, the

4. _____ happiness and love surrounding _____ newly married couple was evident.
   1. An, an 2. An, a
   3. A, the 4. The, the

Correct Answer :- The, the

5. _____ aspirin _____ day will keep heart ailments at bay.
   1. An, the 2. An, a
   3. A, the 4. A, a

Correct Answer :- An, a

6. Singlet is ____ word that should be in ___ dictionary, but isn't found there.
   1. a, the 2. the, a
   3. an, the 4. an, a

Correct Answer :- a, the

7. The employees were having _____ important discussion on corporate governance in _____ auditorium.
   1. a, an 2. a, a
   3. the, the 4. an, the

Correct Answer :- an, the

8. Baskets made by _____ Naga women of Imphal are beautiful and sold all over _____ world.
   1. a, the 2. the, the
   3. an, the 4. an, a

Correct Answer : the, the

9. Keeping _____ pet can increase _____ person's emotional well-begin.
   1. the, a 2. a, a
   3. the, the 4. a, an

Correct Answer :- a, a

10. You need to make _____ conscious e?ort to move away from _____ past.
    1. a, the 2. an, an
    3. the, the 4. an, a

Correct Answer :- a, the

11. The jury will hold ____ emergency meeting half _____ hour before announcing its decision.
    1. an, an 2 a, a
    3. an, a 4. a, an

Correct Answer : an, an

KOTHARI INSTITUTE

12. _____ diploma in Computer Science from _____ university in India is recognised globally.

1. A, an 2. An, an
3. A, a 4. The, the

Correct Answer :- A, a

13. _____ importance of having _____ backup of all data in your computer cannot be minimized.

1. A, an 2. A, a
3. An, a 4. The, a

Correct Answer :- The, a

14. _____ report was filed in _____ neighboring police station where the incident had occurred.

1. An, the 2. An, an
3. A, an 4. A, the

Correct Answer :- A, the

15. Shopping for clothes proved to be _____ traumatic experience for _____ executive who went shopping abroad.

1. a, the 2. an, an
3. a, a 4. a, an

Correct Answer :- a, the

16. In order to perform well, studying _____ hour before _____ exam is not advisable.

1. an, an 2. the, the
3. an, a 4. the, an

Correct Answer :- an, an

17. I am making Mom and Dad _____ Christmas present that I will send through _____ mail

1. a, the 2. a, a
3. an, a 4. a, an

Correct Answer :- a, the

18. _____ AICTE is all set to deliver _____ lethal blow to all those institutions that are not following their prescribed norms.

1. The, a 2. A, a
3. A, the 4. The, the

Correct Answer :- The, a

19. She is _____ expert in vocational and communication skils management for _____ BPO sector.

1. a, the 2. the, a
3. an, the 4. the, an

Correct Answer :- an, the

20. On his fifteenth birthday, the boy made _____ unreasonable demand from his parents for _____ car.

1. the, the 2. an, a
3. the, an 4. a, an

Correct Answer :- an, a

●●●●●●●●

KOTHARI INSTITUTE

ADJECTIVE

Defination: An Adjective qualifies a noun or a pronoun.

विशेषण किसी संज्ञा (Noun) या सर्वनाम (Pronoun) की विशेषता बतलाता है।

Example: Good, Red, Weak, Cunning etc.

Kinds of Adjective (विशेषण के प्रकार) -

1. Adjective of Quality
2. Adjective of Quantity
3. Adjective of Number
4. Demonstrative adjective
5. Distributive Adjective
6. Interrogative Adjective
7. Possessive Adjective
8. Proper Adjective

1. Adjective of Quality (गुणवाचक (विशेषण)- यह विशेषण किसी संज्ञा या सर्वनाम के गुण (अच्छाई या बुराई) को बताता है।

Example: Cunning, bad, fat, black etc.
1. She is a fat girl
2. You are cunning

2. Adjective of quantity (परिणाम वाचक विशेषण)- इस विशेषण से मात्रा या परिमाण का बोध होता है।

Example: some, much, little, enough etc.
1. I want some sugar.
2. He has much milk.

3. Adjective of Number (संख्यावाचक विशेष)- से विशेषण किसी व्यक्ति या वस्तु की संख्या का बोध कराते हैं।

Example:
One, two, first, third, a few, all etc.
1. I have two pens.
2. All the bodys have gone.

4. Domenstrative adjective (संकेत वाचक विशेषण)- यह विशेषण अपने तुरंत बाद प्रयुक्त संज्ञा की ओर संकेत करता है।

Example:
This, that, these, those, such etc.
1. This girls is my sister.
2. Those sticks are mine

5. Distributive Adjective (विभाग सूचक विशेषण)- जो Adjective किसी वर्ग के प्रत्येक व्यक्ति या वस्तु को अलग-अलग रूप से व्यक्त करे उसे Distributive Adjective कहते हैं।

Example:
Each, every, either, neighter etc.
1. Each student is intelligent
2. Every boy helped me.

6. Interrogative Adjective (प्रश्नवाचक विशेषण) - ये विशेषण वाक्य में प्रश्न पूछने का कार्य करता है।

Example:
Whose, what, which etc.
1. Which pen does he want?
2. whose book is this ?

7. Possessive Adjective (संबंधवाचक विशेषण)- वस्तु पर अधिकार बताने के लिए प्रयुक्त विशेषण संबंधवाचक कहलाते हैं।

Example:
my, your, our, their, his, her, its etc.
1. This is his house.
2. This is my book.

8. Proper Adjective (व्यक्तिवाचक विशेषण)- यह Adjective किसी proper noun से बनता है।

Example:
Indian, Bengali etc.
1. I like Indian things.
2. Ravindra Nath Tagore was a bengali poet.

KOTHARI INSTITUTE

QUESTIONS ASKED IN PREVIOUS EXAMS

(MPSI- 2017)

Choose the correct form of adjective for the given sentence:

1. **A man who is _____ is sure to succeed.**
   1. indigenous
   2. industrial
   3. industrialized
   4. industrious

   Correct Answer :- industrious

2. **She uses a logical method of thinking in order to understand things; she is very _____.**
   1. idealis?
   2. original
   3. practical
   4. analytical

   Correct Answer :- analytical

3. **Courage is a mental State and so, it gets its strength from spiritual and _____ sources.**
   1. Superficial
   2. Social
   3. Intellectual
   4. Intelligible

   Correct Answer: Intellectual

7. **She cannot use her _____ hand.**
   1. deformed 2. useless
   3. sick 4. hopeless

   Correct Answer : deformed

Choose the correct form of adjecve for the given sentence:

8. **Karishma puts her heart and soul into anything she undertakes to do; she is highly _____.**
   1. grateful
   2. dedicated
   3. enthusiasc
   4. loyal

   Correct Answer :- dedicated

Choose the correct form of adjecve for the given sentence:

9. **The accused was given a short sentence as he had commied only a _____ offence.**
   1. secondary 2. minimal
   3. mild 4. minor

   Correct Answer :- minor

Choose the correct form of adjecve for the given sentence:

10. **Ambion does not always conduce to _____ happiness.**
    1. inmate 2. ulmate
    3. big 4. great

    Correct Answer :- aggressive

Choose the correct form of adjecve for the given sentence:

11. **He is a _____ member of the team. He is willing to give his me and energy to anything he undertakes to do.**
    1. compassionate
    2. callous
    3. commied
    4. insincere

    Correct Answer :- commied

Choose the correct form of adjecve for the given sentence:

12. **Ranjan would like to go to unexplored places; he is a very _____ person.**
    1. sickly
    2. able
    3. powerful
    4. adventurous

    Correct Answer :- adventurous

Choose the correct form of adjecve for the given sentence:

13. **He died a _____ death**
    1. magnificent
    2. glorious
    3. superficial
    4. great

    Correct Answer :- glorious

KOTHARI INSTITUTE

ADVERB

Defination: An Adverb modifies a verb on adjective or an adverb.

क्रिया- विशेषण किसी क्रिया, विशेषण या किसी अन्य क्रिया- विशेषण की विशेषता बताता है।

Example:

Never	कभी नहीं	Very	बहुत
Today	आज	Always	हमेशा
Some	कुछ	Out	बाहर
Often	अक्सर	Enough	पर्याप्त
Slowly	धीरे	Early	जल्दी
Here	यहाँ	Quickly	तेजी से
Late	देरी से	There	वहाँ
Nearly	लगभग	--	----

Kinds of Adverb (क्रिया विशेषणों के प्रकार)-

Adverb तीन प्रकार के होते हैं।

1. Simple Adverb (सामान्य क्रिया विशेषण)

2. Interogative Adverb (प्रश्नवाचक क्रिया विशेषण)

3. Relative Adverb (संबंध वाचक क्रिया विशेषण)

1. SIMPLE ADVERB -

सामान्य क्रिया विशेषण के सात भेद होते हैं

1. Adverb of time - समयवाचक क्रिया-विशेषण
2. Adverb of place - स्थानवाचक क्रिया-विशेषण
3. Adverb of manner - रीतिवाचक क्रिया-विशेषण
4. Adverb of number - संख्यावाचक क्रिया-विशेषण
5. Adverb of quantity - परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण
6. Adverb of reason - कारणवाचक क्रिया-विशेषण
7. Adverb of affirmation / negation - हाँ / नहीं वाचक क्रिया-विशेषण

Example:

1. Adverb of time - She never comes late.
2. Adver of place - Please, come here.
3. Adver of manner - He runs fast.
4. Adver of numnber - Come here again.
5. Adver of quantity - He is too late.
6. **Adver of reason -** So I could not come.
7. **Adver of Affirmation / negation-** He does not play

2. INTERRAGATIVE ADVERB

''प्रश्नवाचक क्रिया - विशेषण'':- प्रश्न पूछने के लिए प्रयुक्त होने के कारण ऐसे Adverb को Interragative Adverb कहा जाता है। Were, When, How and Why क्रिया विशेषण है।

Example : 1. Where does he live?
2. Why are you shouting?

3. RELATIVE ADVERB

''संबंध क्रिया-विशेषण'':-

Where, When, How & Why का प्रयोग जब दो वाक्यों को जोड़ने के लिए किया जाता है तब ये Relative Adverbs हो जाते हैं।

Example: 1. Tell me where you live.
2. I know why he failed.

●●●●●

QUESTIONS ASKED IN PREVIOUS EXAMS

(MPSI- 2017)

Choose the correct form of adverb for the given sentence:

1. He is _____ exhausted by the journey.

1. entirely 2. completely
3. wholly 4. impartially

Correct Answer :- completely

2. The room was decorated _____ for the wedding.

1. greatly 2. enigmatically
3. beautifully 4. scarcely

Correct Answer :- beautifully

3. _____, I was able to attend the wedding.

1. Instantly 2. Luckily
3. Suddenly 4. Wistfully

Correct Answer : Luckily

4. They were _____ questioned.

1. repeatedly 4. repentantly
2. restrictively 3. reportedly

Correct Answer : • repeatedly

KOTHARI INSTITUTE

DETERMINERS

Determiners - वे शब्द हैं जो किसी संज्ञा (Noun) या सर्वनाम (Pronoun) के विषय में कुछ निश्चयपूर्वक प्रकट करते हैं। 'Articles' भी एक प्रकार के Determiners ही होते हैं।

* मुख्य Determiners निम्न है- some (कुछ), any (कुछ), much (बहुत), many (बहुत), all (सब), whole (सब), other (दूसरा), another (दूसरा), next (दोनों), both (दोनों), several (कई एक), a (एक), an (एक), the (विशेष), no (नहीं), each (प्रत्येक), every (प्रत्येक), none (कोई नहीं), few (थोड़े से), a few (थोड़े से)।

महत्वपूर्ण तथ्य
Determiner किसी व्यक्ति या वस्तु के बारे में कुछ निर्धारण करते हैं।
Determiner Demonstrative adjective होते हैं।
Determiner Noun या Pronoun के प्रयोग को निश्चित और सीमित करते हैं।
Determiner में से कुछ Pronoun भी होते हैं (यदि अकेले आए तो) ।

1. Use of Each तथा Every -

Eatch का अर्थ है - प्रत्येक, दो में से एक या सीमित (गिनी हुई) में से एक।
इसका प्रयोग दो में से एक की ओर संकेत करने के लिए होता है।
गिनी हुई (सीमित) संख्या में से एक की ओर संकेत करने के लिए होता है।

Example: - (i) Gandhi and Tagore respective 'each ' other. (दोनों में से प्रत्येक)
(ii) 'Each' of them got a prize. (सीमित में से प्रत्येक)
(iii) Five students can sit on each bench. (गिनी हुई से प्रत्येक)

Every का अर्थ है- प्रत्येक,
अज्ञात (अगण्य) संख्या में से एक के लिए ।
अनेक में से एक के लिए (दो से अधिक)

Example:- (i) Every one respects Gandhiji. (अज्ञात में से प्रत्येक)
(ii) Every Player of the team played well. (अनेक में से प्रत्येक)
(iii) Every Player got a certificate and a prize. (जितने थे उसमें से)
(iv) Every seat was occupied by the visitors. (जितनी थी उतनी सब)

2. Use of All और Whole-

All का अर्थ है - सब / सभी / समस्त (जितने हो सकते हैं उतने सब)
इसका प्रयोग सब (संख्या) के अर्थ में गण्य संज्ञाओं (Countable noun) के पूर्व ।
सम्पूर्ण मात्रा के अर्थ में अगण्य संज्ञाओं (uncountable noun) के पूर्व ।
सबके अर्थ में यह कर्ता के रूप में प्रयुक्त होता है। (सर्वनाम)

Example:- (i) He has solved all the questions. (गण्य बहुवचन संज्ञा के पूर्व)
(ii) All fear from punishment. (सर्वनाम के रूप में)
(iii) All of us can play hockey. (हम में से सब, संख्या)
(iv) Ram drank all the milk and run away. (अगण्य संख्या की मात्रा)

Whole का अर्थ है- सम्पूर्ण (परिणाम मात्रा)
इसका प्रयोग- मात्रा या परिणाम बताने के लिये होता है।
इसका प्रयोग अगण्य संज्ञा के पूर्व होता है।

KOTHARI INSTITUTE

वह बाद में आने वाली Noun (संज्ञा) का एक वचन में सीमित कर देता है।

Example:- (i) The whole of India rise against the English. (सम्पूर्ण देश)
(ii) Plese tell me the whole story. (सम्पूर्ण आदि से अन्त तक)
(iii) The whole house was on fire. (सम्पूर्ण असंख्य)

All और Whole के प्रयोग में अन्तर-

All का प्रयोग अधिकतर गण्य संज्ञाओं (countable nouns) के पूर्व होता है।

Whole का प्रयोग सदैव अगण्य संज्ञाओं (uncountable nouns) के पूर्व होता है।

Example:- (i) I read all the stories. (सभी)
(ii) I read the whole story. (सम्पूर्ण)
(iii) I ate all the mangoes. (जितने थे सारे- गिनती)
(iv) I ate the whole mango. (एक किन्तु - सारा का सारा)

3. Some और Any के प्रयोग में अन्तर-

Some का प्रयोग आज्ञाप्रद अर्थ में होता है।

Any का प्रयोग प्रश्नवाचक नकारात्मक वाक्य में संभावना हीनता के अर्थ में होता है।

Example:- (i) I don't have any money. (नकारात्मक / निषेधात्मक)
(ii) Have you any money in your pocket? (प्रश्नवाचक वाक्य)
(iii)I have some money in my pocket. (सकारात्मक / आशावादी)

4. Use of - Much और Many -

Much का अर्थ है - बहुत / बहुत-सा (परिणाम वाचक अर्थ में)

इसका प्रयोग Uncountable noun के पूर्व होता है।

इसका प्रयोग 'बहुत' (मात्रा / परिणाम) के अर्थ में प्रयुक्त होता है।

Example: (i) I have much money in the pocket. (बहुत uncountable noun के साथ)
(ii) The is much ink in the pen. (बहुत सारी)
(iii) Much of the course is complete. (बहुत-सा)
(iv) Much has been done to solve the problem. (बहुत कुछ)
(v) There was much cream in the pot. (आशा से अधिक)

Many का अर्थ है - बहुत / अधिक

इसका प्रयोग 'बहुत' के अर्थ में countable nouns के पूर्व होता है।

इसमें संज्ञा (noun) को संख्या के अर्थ में (बहुवचन बताकर) प्रस्तुत करता है।

Example:- (i) There are many mangoes in the baskets. (बहुवचन संज्ञा के पूर्व)
(ii) I don't have many books in my box. (बहुत-सी)
(iii) How many brothers have you? (प्रश्नवाचक वाक्य)

Much और Many के प्रयोग में अन्तर

Many का प्रयोग countable nouns के साथ होता है।

जबकि much का प्रयोग uncuntable nouns के साथ होता है।

Example:- Many book; Much water;
Many mangoes; Much milk;
Many Pens; Much butter;

KOTHARI INSTITUTE

5. Use of Other और Another-

Other का अर्थ है- दूसरी / सीमित में से दूसरा/कोई/ यह नहीं दूसरा।

इसका प्रयोग उपरोक्त अर्थों में countable nouns के साथ होता है।

Example:- (i) Krishn and Radha loved each other. (दो में से दूसरा)
(ii) Give me the other copy of this book. (यह नहीं / कोई दूसरी)
(iii) We shall meet on some other day. (किसी दूसरे दिन)
(iv) The other boy is intelligent. (सीमित में से दूसरा)

Another का अर्थ है- दूसरा / पहले से भिन्न / कोई दूसरा / बहुतों में से दूसरा

इसका प्रयोग countable /uncountable nouns के साथ उपरोक्ता अर्थ में होता है।

Example:- (i) We should help one another. (अनेक में से दूसरा)
(ii) Give me another book on Grammer. (कोई और दूसरी)
(iii) Would you like to have another cup of coffee? (एक और)

Other और Another के प्रयोग में अन्तर-

Another का प्रयोग 'अनेक में से दूसरा' के अर्थ में होता है।

जबकि other का प्रयोग 'सीमित में से दूसरा' के अर्थ में होता है।

Example:- (i) Ram and Sita loved each other.
(ii) We should help one another.

6. Use of Both और Several -

Both का अर्थ - दोनों / पहला भी दूसरा भी/ दो में से प्रत्येक

इसका प्रयोग दोनों या दोनों में से प्रत्येक के अर्थ में "Countable nouns" के साथ होता है।

Example:- (i) Both of them are good players. (दोनों के दोनों)
(ii) Both of them monkeys have black faces. (दोनों में प्रत्येक)
(iii) Both the groups are dis-satisfied. (दोनों)
(iv) Both of them are intelligent. (पहला भी दूसरा भी)
(v) I have studied both the books. (दोनों)

Several का अर्थ है- दो से अधिक

Several का प्रयोग 'दो से अधिक किन्तु अनेक नहीं' के अर्थ में countable nouns के साथ होता है।

Example:- (i) Several ways are there to do this. (अनेक एक से अधिक)
(ii) I visited his house several times. (कई)
(iii) Each man has several ideas. (भिन्न)
(iv) Several soldiers were killed in that fight. (कई)

Both और Several के प्रयोग में अन्तर-

Both का प्रयोग दो के लिए होता है।

वहीं Several का प्रयोग दो से अधिक के लिए होता है।

Example:- (i) I have studied both the books of Grammar.
(ii) I have studied several books of Grammar.

KOTHARI INSTITUTE

7. Use of No और None-

No का अर्थ है- नहीं / कोई नहीं / कुछ भी नहीं

इसका प्रयोग 'कोई नहीं' के अर्थ में countable / uncountable nouns के साथ होता है।

Example:- (i) I have no money in my pocket. (बिल्कुल नहीं)
(ii) I studied no books in my bag. (एक भी नहीं)
(iii) No man can do this work. (कोई भी)

None का अर्थ है - कोई नही

None का प्रयोग "कोई नहीं " के अर्थ के कर्ता या कर्म (subject या object) के रूप में होता है।

Example:- (i) None can do this work. (कोई नहीं)
(ii) None is immortal in the world. (कोई भी नहीं)
(iii) None of us is happy. (कोई नहीं)

No और None के प्रयोग में अन्तर-

No का प्रयोग किसी Noun के साथ 'नहीं' के अर्थ में होता है।

जबकि None का प्रयोग अकेले ही कर्ता या कर्म (subject या object) के रूप में होता है।

Example:- (i) I gave him no lift.
(ii) None gave him lift.

8. Use of Next -

Next का अर्थ है- दूसरा / अगला / इसके बाद वाला ।

Next का प्रयोग 'अगला' के अर्थ में "Singular Noun" के साथ होता है।

Example:- (i) We shall meet on next monday. (अगला)
(ii) Mr. Chahar was next to my principal in the school. (के बाद दूसरा)
(iii) Meet me next month. (इसके बाद वाला)

9. Use of A lot of -

A lot of - का अर्थ है- बड़ी संख्या में / अधिक मात्रा है।

A lot of का प्रयोग 'बहुत सारा' के अर्थ में सभी countable / un countable nouns के साथ इसका प्रयोग positive sentense में ही होता है।

Example:- (i) She has alot of money in her purse. (बहुत सारा) मात्रा
(ii) There is a lot of send on the river bank. (बहुत सारी) मात्रा
(iii) I saw a lot of birds and animals in the zoo. (बहुत सारे) संख्या
(iv) A lot of cotton is there in the shop. (much के साथ में)

10. Use of - Few और A Few

Few का अर्थ है- कुछ / कुछ नहीं के बराबर (Negative) अर्थ में

Few का प्रयोग - लगभग नहीं के अर्थ में सभी countable / uncountable nouns के साथ होता है।

Few का प्रयोग - अत्यंत नहीं के बराबर के अर्थ में भी होता है।

KOTHARI INSTITUTE

Example:- (i) He has few friends. (नहीं के बराबर)
(ii) He has few books. (नहीं के बराबर)
(iii) He ate few biscuits. (जरा से)
(iv) Only Few can speak English well.

A Few का अर्थ है- थोड़े से (Positive अर्थ में)

A Few का प्रयोग- Positive अर्थ में 'थोड़े से' कुछ के लिए होता है।

Example:- (i) I have a few friends. (कुछ नहीं से अधिक)
(ii) We read a few poems this month. (थोड़ी-सी)
(iii) A Few goods friends are better them so many. (कुछ ही)
(iv) A few friends came to see me when I was it. (बहुत कम पर कुछ)

Few और A Few के प्रयोग में अन्तर-

Few का प्रयोग - Negative sence में होता है।

जबकि A Few का प्रयोग Positive sence में होता है।

Example:- (i) I studied few books. (थोड़ी-सी, कुछ एक)
(ii) I Studied a few books.

●●●●●

QUESTIONS ASKED IN PREVIOUS EXAMS

(MPSI- 2017)

1. Do you want _____ glass of milk?
1. many 2. another
3. more 4. each

Correct Answer :- another

2. _____ directors resigned in protest against the CEO's autocratic ways.
1. Another 2. Every
3. Each 4. Several

Correct Answer :- Several

3. _____ players were fined for swearing at the umpire.
1. Another 2. Both
3. Either 4. Neither

Correct Answer : • Both

4. _____university is no place for politics.
1. An 2. Any
3. The 4. A

Correct Answer : • A

(GROUP-2 2018)

Choose the most suitable determiner for the given sentence.

1. Have you got _____ sugar?
1. many 2. any
3. most 4. few

Correct Answer :- any

2. Have you seen Raphael's paintings? I haven't seen _____.
1. much 2. any
3. him 4. few

Current Answer : any

GROUP - 4 (2018)

3. Is there _____ letter for me in the bunch of lettrs you are holding?
1. either 2. every
3. any 4. much

Current Answer : any

KOTHARI INSTITUTE

MODEL

Model Auxiliaries verbs को Helping verbs भी कहते हैं।

* इसकी संख्या '24' है।
* इनमें से 11 Primary Auxiliaries verbs हैं जो किसी न किसी verbs में पाई जाती हैं।
* इनमें से 13 Model Auxiliaries verbs हैं जो जिनका विशिष्ट समय पर विशिष्ट अर्थ में विशिष्ट प्रयोग होता है।

1. Use of MAY -

May का अर्थ है- सकना

इसका प्रयोग निम्नांकित स्थितियों के स्पष्ट करने के लिए होता है।

1. विनम्रततापूर्वक प्रार्थना करने के लिए
   Ex.- May I come in sir.
2. स्वेच्छा व्यक्त करने के लिए -
   Ex. - I help you.
3. विनम्र याचना करने के लिए -
   Ex. - I take this pen for a few minutes?
4. भविष्य संभावना व्यक्त करने के लिए -
   Ex. - The train may come late today.
5. अपनी तरफ से स्वीकृति व्यक्त करने के लिए -
   Ex. - You may go now.
6. शुभेच्छा व्यक्त करने के लिए -
   Ex. - May god bless him.

2. Use of MIGHT

'Might' past है 'may' का, इसका प्रयोग केवल 'Past tense' में क्षीण संभावना के लिए होता है।

Ex.-

1. He might be come then.
2. I might have helped him.

3. Use of CAN

Can का meaning है - 'सकना'

Can का प्रयोग मुख्त: इन कार्यों / स्थितियों को बताने के लिए होता है -

1. आज्ञा प्रकट करने के लिए -
   You Can sit in the class today.
2. आज्ञा / परमिशन प्रकट करने के लिए -
   You can go home now.
3. शक्ति व्यक्त करने के लिए -
   I can lift this heavy box.
4. क्षमता व्यक्त करने के लिए
   I can run fast for two miles.

KOTHARI INSTITUTE

5. अक्षमता व्यक्त करने के लिए -
इसका प्रयोग not के साथ होता है-
I can not run fast.
6. प्रश्न करने के लिए-
Can I come in sir ?
7. क्रोध मिश्रित निराशा व्यक्त करने के लिए-
Can you not eat your meals?

4. Use of COULD

Could 'can' का past है।

Could 'can' के समान भूतकालीन क्रियाओं (verbs) को अभिव्यकित देता है।

1. **भूतकालीन (Past) क्षमता का प्रदर्शन-**
I could walk four miles daily when i was a school boy.
2. **भूतकालीन संभावना की अभिव्यक्ति-**
He could pass if he had worked hard.
3. **अतिशय विनम्रतापूर्वक आज्ञा चाहना-**
Could you please get me no. 12345678.?

5. Use of NEEDN'T

Needn't का अर्थ है- जरूरत नहीं

Needn't का use -
यह करना कतई नहीं है के अर्थ होता है।
Ex. 1. You needn't stay here.
2. They needn't home done this.

6. Use of DARE, DAREN'T

Dare Daren't का प्रयोग साहस का अभाव या प्रभाव व्यक्त करने के लिए होता है।
1. I dare say this before any body.
2. I daren't say this before him.

7. Use of SHALL

इसका अर्थ है - गा, गी, गे ।

इसका प्रयोग I / We के साथ होता है।

Rule- (1) सामान्य संभावना व्यक्त करने के लिए -
I Shall go to Bombay.
You shall get a prize if you succeed.
Rule (2) - धमकी / चेतावनी की अभिव्यक्ति के लिए -
You shall be punished if you don't succeed.
Rule (3) - दृढ़ इच्छा की अभिव्यक्ति के लिए -
They Shall succeed they are hard working.

(8) Use of USED TO

Used to का अर्थ है आदत में था
Used to का प्रयोग past के संदर्भ में होता है।
Ex.- I was in habit of working fast when i was young.
I 'Used to' work when i was young.

(9) Use of 'OUGHT TO'

Ought to के द्वारा स्वप्रेरण के कार्य भी अनिवार्यता (Duty) व्यक्त की जाती है।
Ought to के द्वारा कार्य की पवित्रता की ओर संकेत किया जाता है।

Example: -
1. We cought to obey our parents.
2. We ought to serve our nation.
3. We ought to pay our taxes.
4. We ought to walk in the middle of the road.

10. Use of 'Should'

Should का अर्थ है - चाहिए
Should का प्रयोग निम्नांकित स्थितियों के निर्वाह के लिए होता है।
Rule (1) - सामान्य कर्तव्य की ओर संकेत करने के लिए
He Should work hard to pass.
Rule (2) - कार्य करने की सामन्य इच्छा व्यक्त करने के लिए
I should do some work now.
Rule (3) - (प्रश्नवाचक वाक्य में) समर्थन प्राप्त करने के लिए-
Should we not go home now.?

11. Use of 'Would'

Would 'will' का Past है।
Present Tense में इसका अर्थ है- चाहिए
Would के द्वारा बिना किसी दबाव के अपनी मर्जी ज़ाहिर करता है।
Example:-
1. Would you like to take tea?
2. I would like to take rest for a while.

KOTHARI INSTITUTE

12. Use of 'Must'

'Must' का अर्थ है - चाहिए

'Must' का प्रयोग निम्नांकित स्थितियों को स्पष्ट करने के लिए होता है।

Rule (1) - कर्तव्य का बौध करने के लिए

You must to home now.

Rule (2) - दृढ़ता व्यक्त करने के लिए -

We must come forward.

Rule (3) - अनिवार्यता प्रकट करने के लिए -

You must work hard if you want to pass in the examinatin.

13. Use of 'Have to / Has to'

Have to का अर्थ है - पढ़ता है।

Have to must का समानार्थी है, उसी के समान प्रयुक्त होता है।

Example:-

1. One has to go home in time. (कर्तव्य बोध)
2. We have got to come forward (दृढ़ता बोध)
3. I have to get up earing to catch the train (अनिवार्यता)

14. Use of 'Must' in place of have to / has to'

Must in place of have to के लिए प्रयोग किया जाता है।

Example: -

- We have to work hard to pass.
- We must work hard to pass.

- She has to eat less.
- She must eat less.

- He has to prove his working.
- He must prove his working.

●●●●●●●●

QUESTIONS ASKED IN PREVIOUS EXAMS

(MPSI- 2017)

Choose the correct form of modal auxiliary verb for the given sentence:

1. I am really quite lost in this maze of lanes. _____ you mind showing me how to get out of here?

1. Must 2. Would
3. Shall 4. Could

Correct Answer :- Would

2. If he discovers the truth, there's no knowing what happen.

1. might 2. would
3. should 4. shall

Correct Answer : • might

(Group-2 2018)

1. Choose the correct form of modal axuiliary verb for the given entence :

Do you think we _____ walk faster so that we reach the tation on time to catch the train?

1. should 2. shall
3. would 4. can

Current Answer : should

2. Choose the appropriate modal to complete the entence.

I promise, I _____ try to do better next time.

1. could 2. will
3. may 4. can

Current Answer : will

3. Choose the appropriate modal to complete the sentence.

I am not free today, but I _____ certainly see you tomorrow.

1. could 2. will be able
3. may 4. can

Current Answer : can

KOTHARI INSTITUTE

PREPOSITIONS

A preposition is a word placed before a noun or a pronoun to show how the person or thing is related to something else.

1. **At** : is used to indicate the exact point of time like hours, moments etc.
   Eg : ram met Gopal at 5 o'clock.
2. **Before, Ago:** Before takes a specific time after it. Ago cannot be used with a specific time, but with extention of time.
   Eg : before ten o'clock, six years ago.
3. **On :** is used before days and dates.
   Eg : Mahatma Gandhi was born on 2nd October. Ram will meet you on Friday.
4. **In :** is used to denote a period of time.
   Eg: in autumn, in the moring. India became independent in 1947.
5. During : is used to express the idea of an occurrence or situation for the whole of a specific period.
6. **By :** is used to denote the latest time by which something is to be done.
   Eg : Applicaton for the post of secretary should be recalled by May 1st.
7. **For :** is used to show duration of time during which something takes place.
   Eg: I have not neen him for a month.
8. **Since :** means from a point of time in the past. Eg: since Sunday, since last year, since independence. I have not met my brother since I left Delhi.
9. **From :** refers to the starting point of an action which is not continued.
   Eg: Masons work from eight to eight.

Preposition relating to the expression of place (in, at, on)

In

1. In - is generally used with larger areas such as Continents, Countries, States, Cities and larger Towns.
   Eg. He was born in Paris.
2. For the names of streets and roads.
   Eg. Santosh's house is in Dalal Street.
3. For the kinds of house or residence, when no specific one is mentioned.
   Eg. a) In a cottage, b) in a hut.

At

1. At - is used for a particular house or place or residence.
   Eg. The prime minister lives at Seven Race Course road.
2. For a particular spot/palce. Eg. At home, at the bus stop, at the railway station.

Note : For Smaller places at' is used Eg. Rama was born at Ayodhya. For Larger place 'in' is used Eg. My father is employed in New Delhi. For indicating the kind of buildings 'in' is used and also for a particular room or department 'in' used Eg: His wife works in revenue department. But regarding the nature of employment 'on' is used. Eg. he is employed on an estate. On firm, on railway, on airlines.

Other Rules regarding prepositions

1. *Across* mean from side to side. Eg : The child ran across the road.
2. *Under* is used with presons and things. Eg: Ramu works under Adv. Raman.
3. *Underneath* is usually used with things. Eg: his belongings are kept underneath the coat.
4. *Among* is used when more than two things or persons are referred to. Eg: They divided the money among themselves.
5. *Between* is used when two persons, places etc are referred to. Eg: Karnataka is between Andhra Pradesh and Kerala.
6. *Towards* is used in sense of 'in the direction of ' as regard to' 'in relaton to'.

KOTHARI INSTITUTE

Eg: Towards evening her condition became worse. His attitude towards Indians is well known.

7. *With* is used for instruments. Eg: He writes with a blue pen. He cut the apple with a knife.
8. *Of* indicates origin, authorship, causes, connection. Eg: The girl of beauty, a work of Tagore, the result of examination.
9. *Off* means means away from. Eg: off duty (free from duty), off colour (not feeling well) off the point (not relevant) offhand (without preparation), off one's head (mad), far off (far away), go off (explode) keep off (be away from).
10. *Over* indicates movements from upright position, motion towards, at or to a lavel higher than. Eg. He jumped over the wall.
11. *By* is used for agents or doers. Eg. The roof was blown of by the wing.
12. *To* means towards, in the direction. It is also used to indicate comparison and ratio. Eg: Rajan is senior to me. She went to school.
13. *Into* - indicates movements to the inside something. Eg. She walked into the room.
14. **At -** is used to denote some state or condition

    Eg. At war, at peace, at rest, at liberty.

Nouns and Prepositions

Arrived at, Wonder at, Hint at, Look at, Shame at, offence at. Guess at, Envy at, Malice against, Offence against Precaution against, Prejudice against, Sin against, Trespass against, Affinity between, analogy between, Aspiration after,Endeavour after.

Determiners

Deteminer is a noun maker. It determines or limits noun that follows. Some determiners are used only countable nouns while others can only be used uncountable nouns.

Countable nouns - Book, Pen, Men. Chair et.
Uncountable nouns - Wood, glass, iron, light darkness joy, sorrow.

Some important Determiners

1. **Some and any** - 'Some' and 'any' are used before both countable and uncountable nouns. 'Some means and unknown or infinite number or quantity, but not very large. It is used in positive sentences. 'Any' is also used to indicate infinite number or quantity, but used in negative sentence.

   Eg: There is some water in the jug. Will you show me some coins? Will you visit our shop some day?

   'Any' is used when the speaker has no idea will be the answer to his question. Eg: Have you seen any film recently? There isn't any tea in the pot. He has hardly any money. (Any follows hardly, scarcely and barely)

2. **Little and Few -** 'Little' is used with singular uncountable noun and 'Few' is used with countable noun. Both are used in a negative sense. 'Little' means not much and 'Few' means not many.

   Eg : There was little hope for his recovery. There are few buses running.

   'A little' Means, some quantity, not much. ' A few' means a certain number though not many.

   Eg. There is a little water in the well.

   He had read a few books.

3. **Much and many -** 'Much' is used with singular uncountable nouns and 'many youths.
4. **Each and Every -** 'Each' is used with only singular countable nouns, where each gives an individual sense.

   Eg: Each boy was punished.

   'Every' is used only with singular countable nouns.

KOTHARI INSTITUTE

Eg. Every seat was occupied.

Every boy has paid his fee.

5. **All and Whole -** 'All' is used with singular countable nouns and with plural countable nouns. 'Whole' is used only with singular countable nouns.

Eg: He lost all hopes for survival.

Eg: He spent the whole amount.

Demonstrative Determiners

This, That, These and those are demonstrative determiners. They point to the objects denoted by the nouns that follow them.

Eg: The book is mine,These mangoes are rotten

What wat that sound? Those books are mine.

Indefinite Determiners

All, Some, No, None, Many, Few, and Several are indefinite determiners. They do not denote exact number.

Eg: All men are mortal.

Some men die young.

Several men came.

Possessive Determiners

The possessive forms of I, We, You, She, It, They etc. are possessive determiners. They can be used both as singular and plural nouns.

Eg: Your wife sings well.

Our school is near the railway station.

What is its price?

Distributive Determiners

Every, Each, Either and Neither are distributive determiners. They refer to each one of a number.

Eg: India expects every player of the team to do his best.

Each student must take his seat.

Indefinite Pronouns

The words like Someone, None, Everything, Something, Anything are known as indefinite pronouns. They refer to person or thing in a general way, but do not refer to any person or thing in particular.

MODEL QUESTIONS / PRACTICE SET -1

1. The examinee could guess..... the answer correctly.
   (a) at (b) about
   (c) of (d) no word necessary
2. The Jailor saw..... the prisoner's scheme.
   (a) into (b) about
   (c) through (d) to
3. Today small pox is almost unheard of as most people are immune ..... it as a result ..... vaccination.
   (a) to, of (b) against,by
   (c) from, in (d) by, of
4. True happiness consists..... giving pleasure to others.
   (a) of (b) in (c) by (d) for
5. This brand of T.V. is quite inferior..... that one.
   (a) than (b) to (c) with (d) over
6. Nobody has come to see us ..... we bought fierce dogs.
   (a) for (b) since (c) till (d) when
7. The waiter hasn't brought the coffee ..... I have been here for an hour.
   (a) Till (b) up (c) yet (d) sitll
8. The new government took ..... last year.
   (a) up (b) out (c) over (d) after
9. The ultimate decision rests ..... the board of directors.
   (a) with (b) at (c) on (d) upon
10. The terrorists set..... the defenceless passengers.
    (a) upon (b) at (c) on (d) on

ANSWERS

1 (d), 2 (c) 3 (a) 4 (a) 5 (b)
6 (b) 7 (c) 8 (c) 9 (a) 10 (a)

KOTHARI INSTITUTE

QUESTIONS ASKED IN PREVIOUS EXAMS

(Jail Dept. 2015)

Question Stimulus :

1. **He lives __Malabar street.**
   - at
   - across
   - in
   - onto

Correct Answer :-at

2. **He was stabbed _____a lunatic with a dagger.**
   - from
   - on
   - off
   - by

Correct Answer :-by

3. **I have eaten nothing _____ yesterday.**
   - from
   - past
   - since
   - till

Correct Answer :-since

4. **The leopard sprang _____ the calf.**
   - over
   - on
   - for
   - upon

Correct Answer :-upon

5. **Our plane stopped _____ Delhi on the way to Kashmir.**
   - in
   - across
   - by
   - at

Correct Answer :-at

6. **There weren't many people _____ the meeting.**
   - in
   - into
   - on
   - by

Correct Answer :-in

7. **Smita is afraid _____ lizards.**
   - by
   - from
   - of
   - with

Correct Answer : of

8. **The man jumped _____ the bus.**
   - by
   - through
   - of
   - off

Correct Answer : off

9. **The plane flew _____ the houses and meadows.**
   - across
   - over
   - past
   - on

Correct Answer : over

10. **Being fined, he was sentenced to a term of imprisonment.**
    - since
    - along
    - beside
    - besides

Correct Answer :-besides

11. **We travelled _____ Mr. Mehra's car.**
    - by
    - with
    - in
    -

Correct Answer :-in

Pick out the appropriate word to join the two sentences given below

1. **The soldiers were struggling very hard. They refused to give up.**
   - and
   - since
   - while
   - but

Correct Answer :-but

2. **I put my suitcase _____ the table.**
   - over
   - above
   - before
   - under

Correct Answer : under

3. **The trees were planted all _____ the roadside.**
   - for
   - to
   - through
   - along

Correct Answer : along

MPSI 2016

Fill in the blank with the correct preposition.

1. **A beautiful white bird flew _____ the lake.**
   - over
   - above
   - beneath
   - under

Correct Answer : over

KOTHARI INSTITUTE

2. He would like to take a photograph of us. Would you come and sit _____ me?
• between • besides
• beside • along
Correct Answer : beside

3. The child stood _____ silence with his arms folded _____ his chest.
• for, into • into, under
• ssswith, between • in, across
Correct Answer : in, across

4. The door opened and a nurse came _____the room.
• into • in
• off • beyond
Correct Answer : into

5. There were a series of explosions and the van burst _____ flames.
• to • for
• from • into
Correct Answer : into

6. The good thing about exercise is that it burns _____ calories.
• off • into
• to • from
Correct Answer : off

7. The bells ring ____ regular intervals _____ the day.
• at, through • in, from
• on, off • for, in
Correct Answer : at, through

8. The team got carried ____when they won the championship and started shouting and throwing things around.
• on • behind
• away • towards
Correct Answer : away

9. The government is carrying _____test on growing genetically modified crops.
• from • in
• away • out
Correct Answer : out

10. The teacher drew a diagram showing how the blood flows _____the heart.
• about • under
• over • through
Correct Answer : through

11. His forefathers lived ____ Meerpur _____Maharashtra.
• from, to • on, in
• at, in • in, at
Correct Answer : at, in

(MPSI- 2017)

Choose the appropriate preposition for the given sentence

12. He was not accustomed to geting up early to go _____ a morning walk.
• to • at
• for • of
Correct Answer :- for

13. Our prices are subject _____ a heavy discount.
• at • with
• to • for
Correct Answer :- to

14. We are pleased to offer it to you _____ a discounted price.
• **at** • over
• in • on
Correct Answer :- at

15. India faces stiff competion _____ China _____ the BPO business.
• from, in • with, on
• by, from • in, in
Correct Answer :- from, in

16. The sun has gone _____a cloud.
1. after 2. by
3. behind 4. before
Correct Answer : • behind

17. He tried to conceal his identity disguising his appearance.
• by • in
• into • to
Correct Answer : • by

18. The professor has been absent _____ Monday.
• on • since
• from • last
Correct Answer : • since

19. He is always a hurry; he drives _____ a tremendous speed.
• off, for • into, on
• in, over • in, at
Correct Answer : • in, at

KOTHARI INSTITUTE

CONJUNCTIONS

Introction- Conjuction is a joining word.

Example : Virat and Rohit are playing cricket.

Note: जहां and शब्द दो शब्दों Virat और Rohit को जोड़ रहा है। and एक Conjuction है।

Definition - A conjuction is a word which is used of join words or sentences together.

	CONJUCTION	MEANING
1.	And	और
2.	Otherwise	नहीं नहीं
3.	Therefore	अत: इसलिए
4.	Neighter ... nor	न तो ... न
5.	So.... that	इतना ... कि
6.	So ..... as	इतना ... जितना
7.	Whether ..... or	या ..... या
8.	As soon as	जैसा ही ... तैसा ही
9.	Or	या, अथवा, नहीं तो
10.	Not only... but also	न ही सिर्फ .. बल्कि
11.	Wherever	जहाँ कही भी
12.	Whenever	जब कभी भी
13.	While	के दौरान
14.	As.....,	क्योंकि ... इसलिए
15.	Such... that	इतना ..... कि
16.	Provided	बशर्ते
17.	Though	यद्यपि ... फिर भी/तथापि
18.	Whereas	जबकि
19.	As Though	मानो
20.	As well as	साथ ही सात
21.	So, hence	इसीलिए
22.	Either .... or	या तो .... या
23.	Both ... and	दोनों ..... और
24.	Too ... to	इतना ..... कि
25.	As ..... as	इतना ..... जितना
26.	As	जैसे ..... भैजा
27.	But	पर, परन्तु, लेकिन
28.	No sooner ..... than	जैसे ही ... वैसे ही
29.	Scareely ... when	मुश्किल से ... कि
30.	Hardly ..... when	मुश्किल से .... कि
31.	Where	जहाँ
32.	When	जब
33.	Until / Unless	तब तक ... जब तक
34.	Because	क्योंकि
35.	Lest..... should	ऐसा न हो कि, वर्ना
36.	If	यदि
37.	As if	मानो .... कि
38.	Although	यद्यपि ..... फिर भी/तथापि
39.	Never theless	के बावजूद
40.	As for as	जहाँ तक

TYPES OF CONJUNCTION -

Conjunction - निम्नलिखित दो प्रकार के होते हैं-

1. Co-ordinating Conjunction.

2. Sub-ordinating Conjunction.

1. Co-ordinating Conjunction- समान पद या स्तर के Sentences को जोड़ने के कारण ये Co-ordinating Conjunction कहते हैं।

कुछ मुख्य- Co-ordinating Conjunction है- and, but, or, nor, otherwise, therefore, eigher-or, neighter-nor, as, now, still etc.

Example -

(a) He killed the tiger and brought it have.

(b) Study hard or you will fail.

Co-ordinating Conjunction- निम्नलिखित चार प्रकार के होते हैं-

(i) Cumulative Conjuction -

and, also, both or and, as well as, now, too, no less than.

इन Conjunction के द्वारा एक Setence को दूसरे Sentence से या दो noun, दो pronoun को या दो adjective इत्यादि को जोड़ा जाता है।

KOTHARI INSTITUTE

Example:-

1. He is rich and happy.
2. Ram as well as Shyam is Coming.

(ii) Alternative Conjunction-

Either ... or
Neighter .... nor
else, or
otherwise.

इन Conjunctions के द्वारा दो ऐसे Sentence, Noun, Pronouns इत्यादि को जोड़ा जाता है, जिनसे दो विकल्पों में से एक को चुनने का बोध होता है।

Example:

Either sit quietly or go away.

(iii) Adversative Conjunction-

But, yet, still, only, however, nevertheless, while, whereas.

Note: Conjunction के द्वारा दो ऐसे sentence को अथवा Nouns, Pronouns इत्यादि को जोड़ा जाता है जो एक-दूसरे के विपरीत हो।

Example:

He is rich but he is not happy.

(iv) Illative Conjunction-

इन Conjunctions के द्वारा दो ऐसे sentence को जोड़ा जाता है, जिनमें से एक sentence दूसरे sentence का Illative हो।

Example:-

I was ill so I could not come.

2. Sub-ordinating Conjunction- मुख्य उपवाक्य से आश्रित उपवाक्य को जोड़ने के कारण ही इनको Sub-ordinating Conjunction कहते हैं।

कुछ मुख्य- Sub-ordinating Conjunction है- that, because, so, as, if, who, which, when, where, why, how, as soon as, after, before till although etc.

Example:-

(a) he told that sun moves round the earth.
(b) He faild because he was ill.

Important Conjunction -

Rule (1) - And, as well as, both.... and, Not only .... but also conjunction का प्रयोग Noun, Pronoun इत्यादि को जोड़ने के लिये किया जाता है लेकिन जहाँ adjective को जोड़ते हैं।

Ex.-

He is both intelligent and hard working.

Rule (2) - यदि subject को as well as / with / alongwith / and not / in addition to / but / besides / except / rether than / accompanied by से जोड़ा जाये तो verb का प्रयोग पहले subject के अनुसार होना चाहिए ।

Ex.-

Ram as well as his friends is coming.

Rule (3) - कई बार conjunction गलत स्थान पर प्रयोग कर लिए जाते हैं।

Ex.-

He cheated not only his friends but also his parents ( )

Note: इस sentence में his friends और Parents दो विकल्प हैं। 'not only' 'his friends' के पहले प्रयोग कर और 'but also' 'his parents' के पहले।

Rule (4) - If / when का जोड़ा then नहीं होता है।

Ex.-

When I come, I will meet you.

इसी प्रकार Since / as / becasue के साथ So / therefore का प्रयोग नहीं है।

Ex.-

Since I was ill, I could not come.

As you sow, So shall you reap में as के साथ so का प्रयोग होता है।

KOTHARI INSTITUTE

Rule (5) - Either ... or के द्वारा दो ऐसे sentence को जोड़ा जाता है। जिनसे दो विकल्पों ( ) में से एक को चुनने का बोध होता है।

ऐसे sentence में verb singular रहती है।

इसका meaning है 'या तो' (यह) ... 'या' (वह) ।

यह दो कर्ताओं या दो क्रियाओं या दो विशेषणों ( ) के आगे पीछे लगता है।

Ex.-

(a) She must come.

(b) He must come.

Ans. Either she or he must come.

Note: Must come दोनों में कामन है, केवल subject का चुनाव करना है।

Rule (6) - Neighter .... Nor

यह Conjunction दो के मध्य Negative चुनाव व्यक्त करता है।

ऐसे sentence में भी verb singular में रहती है।

Neither ... nor का meaning है - ना ही ... न ।

इसका प्रयोग - दो subject, verb और दो विशेषणों ( ) के मध्य होता है।

Example:-

(a) Boys did not work.

(b) They did not rest.

Ans. The boys neighter worked nor rested.

Note: They did not भाग दोनों के कामन है केवल दो verbs में भिन्नता है अत: उनके मध्य neither... nor लगाया और not हटाया जाता है।

Sentence past tense में होने से did not हटा, क्रिया verb का second form लगाया।

Rule (7)- Because, Before, After

Becasue का meaning है- क्योंकि

यह दो sentence को जोड़ने में तब प्रयोग होता है जब एक sentence में कोई घटना हो और दूसरे sentence में उसका कारण दिया है।

Ex.-

(a) She is writting with a pencil.

(b) She has no pen.

Ans. She is writting with a pencil because she has no pen.

Before का meaning होता है- पहले

इसका प्रयोग तब होता है जब दो घटनाओं के बारे में बताया गया हो जिसमें before शब्द का प्रयोग 1st घटना के बाद तता दूसरी घटना के पहले होता है।

Ex.-

(a) The girls were in the class.

(b) The girls bell rang.

Ans. The girls were in the class before the bell rang.

After का meaning है- पश्चात / बाद में

इसका प्रयोग तब होता है जब दो घटनाओं के बारे में बताया गया हो जिसमें after शब्द प्रथम घटना से पहले तथा दूसरी घटना के बाद में आता है।

Ex.-

(a) Monika goes to school after break fast.

(b) After dinner they often go for a walk.

Rule (8) - So का meaning है- इसलिए / अत: / इस कारण से ।

So दो ऐसे sentences को जोड़ना है जहाँ एक sentence में कारण हो और दूसरे sentence में परिणाम (Result) ।

इसका प्रयोग कारण प्रधान sentence के बाद होता है।

Ex.-

(a) I have not finished my work.

(b) I can't go out now.

Ans. I have not finished my work so I can't go out now.

●●●●●●●●

KOTHARI INSTITUTE

QUESTIONS ASKED IN PREVIOUS EXAMS

(Jail dep _2015)

1. **He is ______strong ________ committed**
   - whether, or
   - so, that
   - such, that
   - neither, nor

Correct Answer :-neither, nor

2. **Ria is _____ talented ________ sincere.**
   - whether, or
   - both, and
   - hardly, when
   - scarcely, when

Correct Answer :-both, and

3. **He is ___ a fool, _______ a knave.**
   - both, as well as
   - hardly, when
   - so, that
   - not only, but also

Correct Answer :-not only, but also

4. **Anu is _____ guilty ____ Mona.**
   - no less, than
   - either, or
   - neither, nor
   - not only, but also

Correct Answer :-no less, than

5. **Tom's very good at science, his brother is absolutely hopeless.**
   - While
   - Because
   - As
   - But

Correct Answer :-While

6. **Is he honest sincere.**
   - not only, but even
   - either, nor
   - neither, or
   - neither, nor

Correct Answer :-neither, nor

7. **He was _hurt_ scared.**
   - Hardly, when
   - not only, but also
   - as, as
   - so, that

Correct Answer :-not only, but also

8. **He is the same man has stolen my purse.**
   - which
   - who
   - that
   - whoever

Correct Answer :-that

9. **The news is ____ good ___ be true.**
   - such, to
   - too, to
   - so, that
   - not as, as

Correct Answer :too, to

10. **This box is __ heavy___ it cannot be lifted.**
    - so, that
    - such, as
    - such, that
    - too, to

Correct Answer :so, that

11. **The tomato soup was-hot-maria had to sip it slowly.**
    - **so, that**
    - such, that
    - as, as
    - such, as

Correct Answer : so, that

12. **It was__hot__she had to carry an mbrella.**
    - such, that
    - so, that
    - such, as
    - too, to

Currect answer: so, that

13. **There wa _________ a huge crowd at the theatre _______ we could not get a ticket.**
    - such as,
    - so, that
    - such, that
    - such, so

14. **Sweets ________ chocolates contain a lot of calories.**
    - such
    - so, that
    - such, as
    - so, as

Currect Answer : such as

15. **She is_____ beautiful ___ her mother is.**
    - as, as
    - as not as
    - such, that
    - too, to

Currect Answer : as, as

16. **He is ________ had working _____ he will finish the work in a day.**
    - such, that
    - such, as
    - so, that
    - so, as

17. **___ did I go to bed ____ the door-bell rang.**
    - So, that
    - Such, that
    - No sooner, that
    - As, as

Currect Answer :- No sooner, that

18. **She is ____ Pious ____ she cannot miss her morning prayers.**
    - such, so
    - so, that
    - such, as
    - as, as

Currect Anwer : so, that

KOTHARI INSTITUTE

VOICE

Defination: Voice is that property of the verb which shows whether the subject is performing or experiencing the action.

Ex.- Ram loves Ranjana. (Subject does something)
Ranjana is loved by Ram. (Something is done)

TYPES OF VOICE-

Voice दो प्रकार के होते हैं- 1. Active Voice
2. Passive Voice

1. Active Voice - जब sentense का subject active होकर verb का कार्य करता है, अर्थात् जिसमें subject प्रधान होता है। वह sentense active voice sentense कहलाता है।

Structure- Subject + Verb + object
Ex.- 1. A lion killed a fox.
2. Rahul eats banana.

2. Passive Voice - जब sentense का subject passive रहता है और verb का work direct तौर पर self नहीं करता अर्थात् जिसमें object प्रधान होता है। वह sentense passive voice का sentense कहलाता है।

Structure- Object + Verb 3rd form + by + subject
Ex.- 1. A Fox was killed by a lion.
2. Banana is eaten by Rahul.

Active - Passive voice को समझने के लिये subject व subject को पहचानिए-

Subject प्रधान sentense रचना (structure)

Subject	+	Verb	+	Object
1. I	+	read	+	a story
2. you	+	sing	+	a song
3. we	+	play	+	hockey
4. They	+	help	+	us
5. He	+	loves	+	her

Object प्रधान sentense रचना (structure)

object	**+**	**helping verb**	**+**	**verb +**	**by +**	**subject**
1. Story	+	is	+	read +	by +	me.
2. A song	+	is	+	sung +	by +	you.
3. Hockey	+	is	+	played	by +	us.
4. We	+	are	+	helped	by +	them.
5. She	+	is	+	loved	by +	him.

KOTHARI INSTITUTE

Active से Passive बनाने के General Rule-

Rule-1 (i) Sentense के subject को object के place पर लाते हैं।
(ii) उसके पूर्व by (द्वारा) लगाते हैं।

Rule-2 (i) object को subject के place पर लगाया जाता है।
(ii) object यदि pronoun हो तो उसका रूप बदल जाता है।

Rule-3 (i) Main verb उसके पूर्व byका 3rd form में रखते हैं।
(ii) उसके पूर्व कालनुसार helping verb लगाते हैं।

Passive voice में प्रयुक्त helping verbs-

1. Tense - Past
Indefinite - was / were. (singular/ plural)
Continous - wasbeing / werebeing. (singular/ plural)
Perfect - had been / had been. (singular/ plural)

2. Tense - Present
Indefinite - is, am / are, are. (singular/ plural)
Continous - is, am / are, being. (singular/ plural)
Perfect - has been / have. (singular/ plural)

3. Tense - Future
Indefinite - will be
Continous - X
Perfect - will have been

Subjecct के object place में जाने पर pronoun रूप में -

1. Pronoun - 1st person
Singuler - I / me (Subject / Object)
Plural - We / us (Subject / Object)

2. Pronoun - 2nd Person
Singuler - You / you (Subject / Object)
Plural - You / you (Subject / Obj)

3. Pronoun - 3rd Person
Singuler - He, She, it / Him, Her, It (Sub / Obj.)
Plural - They / them (Sub. / Obj)

KOTHARI INSTITUTE

INDEFINITE TENSES-

1. PRESENT INDEFINITE-

Helping verb - is / am/ are

Ex.- Active - Valmiki writes the Ramayana.

Passive - The PRamayana is written by Valmiki.

2. PAST INDEFINITE TENSES-

Helping verb - was / were

Ex.- Active - Mr. Verma taught us English.

Passive - We are taught English by Mr. Verma.

3. FUTURE INDEFINITE TENSE-

Helping verb - will be / shall be

Ex.- Active - They will kill the cat.

Passive - The cat will be killed by them.

CONTINOUS TENSES

(i) Past continous tense-

Helping verb - was/ were + being

Ex. Active - The boys were reading lessons.

Passive - Lessons were being read by the boys.

(ii) Present Continous tense -

Helping verb - Is / am / are + being

Ex. Active - She is eating an apple.

Passive - An apple is being eaten by her.

PERFECT TENSE

(i) Past Perfect Tense-

Helping verb - Had + been

Ex. Active - You had read a poem.

Passive - A poem had been read by you.

(ii) Pressent Perfect Tense-

Helping verb - Has / have + been

Ex. Active - She has cooked some food.

Passive - Some food has been cooked by her.

FUTURE PERFECT TENSE -

Helping verb - Will / shall + have been.

Ex. Active - I shall have written some letters.

Passive - Letters will have been written by me.

KOTHARI INSTITUTE

कुछ General Rule -

1. Singuler Subject के साथ Tense की Singuler verb लगती है।
2. Plural के साथ Tense की Plural verb लगती है।
3. Passive में sentence nagative बनाने के लिये helping verb के बाद Not लगाया जाता है।
4. प्रश्नवाचक के लिये helping verb को sentence के 1st में रख देते हैं।
   यदि प्रश्नवाचक word हो तो उसे helping verb के 1st में लगाते हैं।

Let के Sentence का Passive Voice -

1. Active - Let him do his work.
   Passive - Let his work be done by him.
2. Active - Let her sing a song.
   Passive - Let song be sung by her.
3. Active - Post the letter today.
   Passive - Let a letter be posted today.
4. Active - Let them play a game.
   Passive - Let a game be played by them.
5. Active - Let us do this work.
   Passive - Let this work be done by us.

Going to वाले sentence का passive sentence

1. Active - He is going to make a plan.
   Passive - A plan is going to made by him.
2. Active - Sonu is going to by a car.
   Passive - A car is going to be bought by sonu.

Double object वाले sentence में passive sentence

1. Active - I gave him a pen.
   Passive - He was given a pen by me.
2. Active - They gave me food.
   Passive - I was given food by them.

Helping verbs वाले sentence में passive voice

1. Active - They must win this match.
   Passive - This match must be won by them.
2. Active - They can defeat their enemies.
   Passive - Their enemies can be defeated by them.
3. Active - The U.N.O. might fix the dates.
   Passive - The dates might be fixed by the U.N.O.

●●●●●●●●●

KOTHARI INSTITUTE

QUESTIONS ASKED IN PREVIOUS EXAMS

(MPSI- 2016)

Out of the given options, choose the one which is the correct passive voice of the sentence given below.

1. Will you accept the position?
2. Will the position be accepted by you?
3. Can the position be accepted by you?
4. Should the position be accepted by you?
5. Has the position been accepted by you?

Correct Answer :
Will the position be accepted by you?

Out of the given options, choose the one which is the correct passive voice of the sentence given below.

1. Is a letter being written by you?
2. Had you been writing a letter?
3. Is a letter written by you?
4. Have you written a letter?
5. Are you writing a letter?

Correct Answer : Are you writing a letter?

Out of the given options, choose the one which is the correct passive voice of the sentence given below.

1. Where can this box be hidden by you?
2. Where would you hide this box?
3. Where can you hide this box?
4. Where might you hide this box?
5. Where shall you hide this box?

Correct Answer : Where can you hide this box?

Out of the given options, choose the one which is the correct passive voice of the sentence given below.

1. A massive tribal welfare programme has been launched by the government in Jharkhand.
2. The government has launched a massive tribal welfare programme in Jharkhand.
3. The government had launched a massive tribal welfare programme in Jharkhand.
4. The government was launching a massive tribal welfare programme in Jharkhand.
5. The government had been launching a massive tribal welfare programme in Jharkhand.

Correct Answer : The government has launched a massive tribal welfare programme in Jharkhand.

Out of the given options, choose the one which is the correct passive voice of the sentence given below.

1. Are they receiving the chief guest at the station?
2. Has the chief guest been received at the station by them?
3. Have the chief guest been received at the station by them?
4. Are the chief guest being received at the station by them?
5. Is the chief guest being received at the station by them?

Correct Answer : Is the chief guest being received at the station by them?

Out of the given options, choose the one which is the correct passive voice of the sentence given below.

1. The principal will meet the students this evening.
2. The students could be met by the Principal this evening.
3. The students will be met by the Principal this evening.
4. The students can be met by the Principal this evening.
5. The students should be met by the Principal this evening.

Correct Answer : The students will be met by the Principal this evening.

Out of the given options, choose the one which is the correct passive voice of the sentence given below.

1. By whom was the window broken?
2. Who breaks the window?
3. Who has broken the window?
4. Who broke the window?
5. Who had broken the window?

Correct Answer : Who broke the window?

●●●●●●●●●

KOTHARI INSTITUTE

TENSES

1. Active Voice - Passive Voice

Definition - Voice is that property of the verb which shows whether the subject is performing or experiencing the action

क्रिया के उस रूप को वाक्य कहते हैं जिससे यह स्पष्ट हो कि कर्ता कार्य करता है या उसके लिये कुछ किया जाता है।

Example - 1. Ram loves Ranjana.
(Subject does Something)
2. Ranjana is loved by Ram
(Something is done)

Voice is of two types -

1. Active Voice
2.Passive Voice
1. Active Voice
2. Passive Voice

i. Active Voice - जब वाक्य का कर्ता (Subject) सक्रिय (active) होकर क्रिया (verb) का कार्य करता है, अर्थात जिसमें कर्ता प्रधान होता है। वह वाक्य Active Voice का वाक्य कहलाता है।

Structure : Subject+Verb+Object

Example : 1. A lion killed a fox
2. Rahul eats banana

ii. Passive voice : जब वाक्य का कर्ता (Subject) निष्क्रिय रहता है और क्रिया (Verb) का कार्य प्रत्यक्ष तौर पर स्वयं नहीं करता अर्थात जिसमें कर्म (Object) प्रधान होता है वह वाक्य Passive voice का वाक्य कहलाता है।

Structure -
Object + Verb(III Form) + by + Subject.

Example - 1. A fox was killed by a lion.
2. Banana is eaten by Rahul.

Subject	Verb	Object	
A Lion	Killed	a fox	(Active voice)

Change into Passive Voice -
A Fox was killed by a Lion (Passive voice).

2. TENSE- Tense is the form of a verb that takes the noun to show the time it happened.[1] There are three main tenses:
There are Three main types of Tense.

1. Present Tense
2. Past Tense
3. Future Tense

We divide these tenses in four parts.
1. Indefinite
2. Continuos
3. Perfect
4. Perfect Continous
[Now we study these tenses in sequence]

3. Present Indefinite Tense : Present Indefinite के अंतर्गत हम विभिन्न प्रकार के कार्यों को रख सकते हैं।

Structure - Subject + V1 + Object.

(i) Routine action

-Regular action - I come here daily
-Irregular action - Earthquakes

Come in Japan - Habits - He Smokes
- Universal truth - The Sun rises in the east.

(ii) Newspaper के Headlines में भी Simple Present tense का प्रयोग होता है।

Example - PM signs deal.

(iii) ..... इसमें I,We, you, they बहुवचन कर्ताओं के साथ क्रिया का I फार्म या do और He , She , it एकवचन कर्ता के साथ I फार्म +s या es का use होता है।

(iv) Helping verb एकवचन के साथ does तथा बहुवचन के साथ do होती है।

Affirmative Sentences : Structure subject +V1 + e/es + Object

Example :
1. The Sun rises in the East.
2. I go to School.
3. He Ploughs (जोतना) the field.

Negative Sentences:

Structure - Subject+do/does + not + V1+ object

Example : 1. I do not go to School.
2. He does not plough (जोतना) the field.

KOTHARI INSTITUTE

Interrogative Sentences:
Structure -
Q.W.+do/does+subject+V1+object?
[Q.W. - Question word]
Example -
1. Do I go to school?
2. Does he plough the field?

SIMPLE PAST :
जो कार्य खत्म हो चुका है वह Simple Past के अंतर्गत आता है।
Stucture - Subject +V2+ Object.
Example: I Saw you but you did not see me.

Affirmative Sentences :
Structure - subject + V2+ Object
Example :
1. I Went there.
2. Pankaj saw the match yesterday.
3. Mr. & Mrs. Sharma lived here.

Negative Sentences
Structure - Subject+did not + v1+ Object.
Example-
1. He did not keep his promise.
2. The teacher did not give us a test yesterday.

Interrogative Sentences -
Structure - Q.W.+did+subject+v1+Object?
Example -
1. Did you trip over a stone?
2. Did he kill the wolf with a stick?

5. FUTURE INDEFINITE :
जो कार्य भविष्य में होगा वह Simple future tense के अंतर्गत आता है।
Structure - Subject+will/shall + v1+object.
Example - I Shall meet you.

Affirmative Sentences -
Structure - Subject+will/shall+not+v1+Object.
Example-
1. The boys will not work today.
2. We shall not go there.

Negative Sentences
Structure - Subject + will / shall + not + v1 + object.
Example-
1. The boys will not fly kite today.
2. We shall not go there.

Interrogative Sentences -
Structure
-Q.W. + will / shall + subject + v1 + Object?
Example -
1. Will you introduce me to your friend?
2. Shall we get these books tomorrow?

6. PRESENT CONTINOUS TENSE -
जो कार्य वर्तमान में यानी वाक्य को बोलते समय हो रहा हो वह Present continous tense के अंतर्गत आता है।
Structure -
Subject + is/am/are + v1 +ing + Object.
Example - I am Studying tense now.

Affirmative Sentences -
Structure -
Subject + is/am/are + v1 +ing + Object.
Example -
1. I am eating food.
2. You are sleeping.
3. Ramu is selling fruits.

Negative Sentences -
Structure -
Subject + is/am/are + not+v1 +ing + Object.
Example -
1. The Guests are not taking tea.
2. He is not taking medicine.
3. I am not going to school.

Interrogative Sentences -
Structure-
Q.W.+is/am/are+subject+v1+ing+Object?
Example -
1. Are the guests taking tea?
2. Is he not taking medicine?
3. Are we not going to school?

KOTHARI INSTITUTE

7. PAST CONTINOUS TENSE

जो कार्य भूतकाल में हो रहा था वह Past continous Tense के अंतर्गत आता है।

Structure -

Subject+was/were + v1 + ing + Object.

Example-

I was waiting for you.

was/were का प्रयोग

Was - He/She/it/name/singular/I के साथ

Were - You/we/they/plural/all के साथ

Affirmative Sentences -

Structure -

Subject + was/were+ v1 +ing + Object.

Example - 1. Tarun was flying a kite.
2. The Cows were grazing in the garden.

Negative Sentences -

Structure -

Subject + was/were+ not+v1 +ing + Object.

Example - 1. Tarun was not flying a kite.
2. The Cows were not grazing in the garden.

Interrogative Sentences -

Structure -

Q.W.+was were + subject + v1+ing+Object?

Example -

1. Was Tarun was flying a kite?
2. Were the Cows were grazing in the garden?

8. FUTURE CONTINOUS TENSE

जो भविष्य में हो रहा होगा वह Future continous Tense के अंतर्गत आता है।

Structure -

Subject+will/shall+ be+v1+ing +Object.

Example-

We Shall be taking the exam at this time, next month

will/shall का प्रयोग

Will - He/She/it/name/singular/I के साथ

Shall - You/we/they/plural/all के साथ

Affirmative Sentences -

Structure

Subject + will/shall+ be+v1 +ing + Object.

Example - 1. I shallbe waiting for her.
2. She will be going home.

Negative Sentences -

Structure -

Subject + will/shall+ not+be+ v1 +ing + Object.

Example - 1. I shall not be waiting for her
2. She will not be going home.

Interrogative Sentences -

Structure-

Q.W.+will/shall+subject+be+v1+ing+Object?

Example - 1. Shall I be waiting for her?
2. Will she be going home?

9. PRESENT PERFECT TENSE

- जो कार्य अभी-अभी या हाल फिलहाल खत्म हुआ हो वह Present Perfect tense के अंतर्गत आता है।

- जब कार्य महत्वपूर्ण हो न कि कार्य होने का समय एवं कार्य होने के समय का उल्लेख भी नहीं हो, तब Present Perfect tense का प्रयोग किया जाता है।

Structure -

Subject+has/have+v3+Object.

Example-

1. He has come to Delhi recently.
2. We have progressed a lot.

has/have का प्रयोग

has - He/She/it/name/singular/I के साथ

have - You/we/they/plural/all के साथ

Affirmative Sentences -

Structure - Subject + has/have+ v3+ Object.

Example - 1. I have bought new books.
2. He has learnt this poem.

Negative Sentences -

Structure -

Subject + has/have+ not+ v3+ Object.

Example - 1. I have not bought new books.
2. He has not learnt this poem.

KOTHARI INSTITUTE

Interrogative Sentences -
Structure -
Q.W.+has/have+ Subject+ v3+ Object.?
Example -
1. Have I bought new books?
2. Has he learnt this poem?

10. PAST PERFECT TENSE
- इस Tense में किसी कार्य के निकट भूतकाल में पूर्ण होने की सूचना मिलती है।
Structure -
Subject+had+v3+Object.
Example-
1. I had seen him before he stopped his car.

Affirmative Sentences -
Structure -
Subject + had+ v3+ Object.
Example-
1. You had gone to Bhopal.
2. We had see the Taj.
3. I had met him.

Negative Sentences -
Structure -
Subject + had+ not+ v3+ Object.
Example-
1. You had not gone to Bhopal.
2. We had not see the Taj.
3. I had not met him.

Interrogative Sentences -
Structure -
Q.W.+had+ Subject+ v3+ Object.?
Example -
1. Had you gone to Bhopal?
2. Had we seen the Taj?
3. Had I met him?

11. FUTURE PERFECT TENSE
- जो कार्य Future में खत्म हो चुका होगा वह Future Perfect Tense के अंतर्गत आता है।
Structure -
Subject+will/shall+have+v3+Object.
Example-
You will have finished your syllabus by this time next year.

Affirmative Sentences -
Structure -
Subject+will/shall+have+v3+Object.
Example-
1. I shall have gone to Delhi.
2. They will have done their home work.

Negative Sentences -
Structure -
Subject+will/shall+not+ have+v3+Object.
Example-
1. I Shall not have gone to Delhi.
2. They will not have done their home work.

Interrogative Sentences -
Structure -
Q.W.+will/shall+Subject+have+v3+Object.

Example-
1. Shall I have gone to Delhi.
2. Will they have done their home work.

12. Present perfect continuous tense
जो कार्य past tense में शुरु हुआ हो और अभी भी चल रहा हो वह Present perfect continuous tense के अंतर्गत आता है।
Structure -
Subject + has / have + been + v1 + ing + object + for / since + time

Example:
I have been living in Delhi for 5 years.
- Have been का प्रयोग- I / you / we/ they plural के साथ होता है।
- Has been का प्रयोग - He / she / it / Singular के होता है।

Affernative Sentence -
Structure - Subject + has / have + been + v1 + ing + object + for / since + time
Example :
1. They have been waiting for two hours.
2. It has been raining since morning

KOTHARI INSTITUTE

Negative sentence -
Structure- Subject + has / have + not + been + v1 + ing + object + for / since + time.
Example :
1. We have not been waiting for him since morning.
2. It has not been raining for three days.

Interrogative Sentence -
Structure -
Q.W. + has / have + subject + been + v1 + ing + object + for / since + time?
Exmaple:-
1. Has he been doing his homework since morning?
2. Have they been playing there for three hours?

13. Past Perfect Continuous Tense

जो कार्य past में शुरु हुआ है, चला और past tense में खत्म हो गया वे past Perfect Continuous Tense के अंतर्गत आते हैं।

Structure -Subject + had + been +| v1 + ing + object + for / since + time.
Example :
I had been waiting for you since morning.

Affirmative sentence-
Structure - Subject + had + been + v1 + ing + object. + for / since + time
Exmple:-
1. They had been writing for two hours.
2. It had been raining since Morning.

Nagative sentence-
Structure - Subject + had + not + been + v1+ ing + object + for / since + time
Example:-
1. They not been waiting for two hours.
2. It had not been raining since morning.

Interrogative sentence-
Structure - Q.W. + had + subject + been + v1 _ ing + object + for / since + time ?

Example:-
1. Had they been waiting for two hours?
2. Had it been raning since morning?

14. FUTURE PERFECT CONTINOUS TENSE

जो कार्य future के किसी समय तक जारी रहेगा वह future perfect continous tense के अंतर्गत आता है।

Sturecture- Subject + shall / will + have + been + v1 + ing + object + for / since + time.
Example:-
1. I shall have been living in Delhi for five year by the end of this year.
2. He will have been playing from 2'Oclock.

Affirmative sentence-
Structure- Subject + will / shall + have been + v1 + ing + object + for / since + time.
Example:-
1. They will have been waiting for two hours.
2. It will have been raining since morning.

Negative sentence -
Structure-
Subject + will / shall + not + have been + v1 + ing + object + for /since + time.
Example:-
1. They will not have been waiting for two hours.
2. It will not have been raining since morning.

Interrogative sentence-
Structure- Q.W. + will/shall + subject + have been + v1 + ing + object + for/since + time?
Example :
1. Will they have been waiting for two hours?
2. Will it have been raining since morning?

●●●●●●●●

QUESTIONS ASKED IN PREVIOUS EXAMS

(MPSI- 2017)

Choose the correct form of tense for the given sentence:

1. Akshay _____ up at 6 o'clock every morning.
1. has got
2. will get
3. is geting
4. gets

Correct Answer :- gets

Choose the correct form of tense for the given sentence:

2. We _____ our dinner when you called.
1. had
2. have
3. was having
4. were having

Correct Answer :- were having

Choose the correct form of tense for the given sentence:

3. Who is the girl who _____ you at the cinema last night?
1. has been recognizing
2. have recognized
3. recognize
4. recognized

Correct Answer :- recognized

Choose the correct form of tense for the given sentence:

4. I come from Kerala. Where _____ from?
1. will you come
2. did you come
3. are you coming
4. do you come

Correct Answer :- do you come

Choose the correct form of tense for the given sentence:

5. The valleys are too steep for elephants to get across to the wet side where bamboos
1. will be growing
2. must be growing
3. can be growing
4. grow

Correct Answer : • grow

Choose the correct form of tense for the given sentence:

6. He usually listens to the radio, but at present he television.
1. has watched
2. had watched
3. watches
4. is watching

Correct Answer : • is watching

Choose the correct form of tense for the given sentence:

7. He very little when there are strangers present.
1. had always spoken
2. was always speaking
3. is always speaking
4. always speaks

Correct Answer : • always speaks

Choose the correct form of tense for the given sentence:

8. My brother to Kampala next year.
1. will go
2. had gone
3. has gone
4. went

Correct Answer : • will go

●●●●●●●●

KOTHARI INSTITUTE

NARRATION

Narration का अर्थ है - कथन, वर्णन etc.
Narration के अंतर्गत हम Direct एवं Indirect Speech पढ़ते है।

Direct Speech-में जब कोई व्यक्ति किसी वक्ता का कथने उसी के शब्दों में उद्घत् कर दे तो उसे Direct Speech कहते हैं ।
Example - Ram Says, 'I will go'
(Reporting Verb) (Reported Speech)
Note :- 'I will go' राम का कथन उसी के शब्दों में हैं ।
तो यह Direct Speech हैं ।

Indirect Speech

जब कोई व्यक्ति किसी वक्ता के कथन को अपने शब्दों में कहां जाए तो Indirect Speech कहते हैं ।
Example - Ram Says (that) he will go.
Narration की दृष्टि से वाक्यों के प्रकार
(i) Statement Sentences
(ii) Interrogative Sentence
(iii) Imperative Sentences
(iv) Exclamatory Sentences.

Important Defination :-

* Reporting Speech तो वाक्यों में से 'पहला वाक्य '
जैसे Ram Says 'I Shall Go
Reporting Speech
Reporing Speech में दो वाक्यों के बाद वाला वाक्य जैसे -
Ram Says, 'Ram Shall Go'
Reporting Speech
Reporting Verb में Reporting Speech वालें वाक्यों कि क्रिया
जैसे - Ram Says

Reporting Verb

Reporting Speech में किसने किससे कहां, का वर्णन रहता हैं।

Reporting Verb में Reported Speech में वक्ता द्वारा कहां गया कथन रहता हैं ।

Reporting Speech हमेशा Inverted Commas से घिरा हुआ रहता हैं ।

Indirect Narration में Reported Speech का भाव परिवर्तन अपने शब्दों में होता हैं ।

Rule : - Direct से Indirect में होने वाले सामान्य परिवर्तन
Reporting Speech सम्बन्धी परिवर्तन -

Reporting Verb के बाद कॉमा (Comma) हटाकर उपयुक्त Connective अर्थात् संयोजक शब्द (Composition World) लगाया जाता हैं ।

ये Connective निम्मवत हैं -

A. Sentence - Connective
b. Simple - that
c. Interrogative - if या wheather या w world
d. Imperative - to
e. Exclamatory - that

Reporting Verb से रूप में परिवर्तन
यदि कथन Post Tense का हैं और सुनने वाले की स्थिति स्पष्ट है तो said का Told हो जाता हैं : अन्यथा Said ही रहता हैं ।
Present और Future में भी इसी प्रकार परिवर्तन होता हैं ।

Past Tense में

1. Situation -	Ram Said
Simple -	Said
Interrogative -	Questioned, Inquired
Imperative -	Ordered, Requested
Exclamatory -	Exclamatory, Wondered

2. Situation -	Ram Said to me
Simple -	Told
Interrogative -	asked
Imperative -	advised, suggested
Exclamatory -	felt sorry and said

Rule- उपयुक्त connective लगाना

a. उपयुक्त Connective अर्थात् that/if whether / to etc. लगाने के बाद कॉमाज हय देते हैं ।
b. कॉमाज हटने पर वाक्य के आरम्भ का कैपिटल लेटर स्मॉल में बदल जाता हैं ।
c. Report Speech के Tence (कॉल) में परिवर्तन - यदि बाहर क्रिया (verb) (Reporting Verb) Past Tense में है तो (Reporting verb) भीतर की क्रिया (verb) में भी परिवर्तन होता हैं ।

परिवर्तन इस प्रकार होता है - काल का परिवर्तन

KOTHARI INSTITUTE

(i) Direct में है -
1. Present Simple
2. Present Continuous
3. Present Perfect
4. Past Simple
5. Past Continuous
6. Past Perfect
7. Past Perfect Continuous
8. Will
9. Shall
10. Can
11. May

(ii) Indirect में होगा -
1. Past Simple
2. Past Continuous
3. Past Perfect
4. Past Perfect (प्राय:)
5. Past Perfect Continuous
6. Past Perfect
7. Past Perfect Continuous
8. Would
9. Should
10. Could
11. Might

इस प्रकार होगा - क्रिया परिवर्तन
Direct - is, am
Indirect - was
Direct - Are
Indirect - Were
Direct - was, are
Indirect - had been
Direct - Have, has
Indirect - had
Direct - II form
Indirect - had been III form
Direct - has been/have been
Indirect - had been
Direct - Will
Indirect - Would
Direct - Shall
Indirect - Would
Direct - May
Indirect - Might
Direct - Should
Indirect - Should have
Direct - would
Indirect - would have
Direct - could
Indirect - could have

Rule - 3 Personal pronoun में परिवर्तन
सर्वनामों में परिवर्तन का सूत्र S O N
1 2 3
S = sub (1st person), (I,We)
O = obj (2nd Person), (you)
N - No (3rd Person), (He, she, it, they)
Example -
1. He says, I work hard
Sub 1st Person
According to changes to
He says that he works hard.

2. He says to me, you work hard
sub obj 2nd person
According Changes to
He tells me that I work hard

3. He says to me, shel work hard
3rd person No changes
He says to me to me that she work hard.
Reported speech के पुरुषवाचन सर्वनामों का Reporting Speech के सर्वनामों से संबंध
a. 1st Person कर्ता (Subject) के अनुसार बदलता हैं ।
b. 2nd person कर्ता (object) के अनुसार बदलता हैं ।
c. 3rd person हो तो no change (कोई परिवर्तन नहीं)

सर्वनाम(Pronoun) परिवर्तन
Person - 1st
Number - Singular
Nominative - I
Possissive - my
Objective - me

Person - 2nd

KOTHARI INSTITUTE

Number - Singular
Plural
Nominative - thy
your
Possesive - they
Your
Objective - Thee
You
3. Person - 3rd
Number - Singular
Plural
Number- Singular
Plural
Nominative - He/She/it
They
Possessive - his /her/its
Their
Objective - him/her/it
Them

Example - 1. Direct - Ram said me. I am going
Indirect -Ram told me that he was going.

2. Direct - I said to Ram, You work hard
Indirect - I told Ram that he worked

3. Direct - Leela said to sheela, They are weeping
Indirect - Leela told sheela that they were weeping.

Simple Sentences

Rule 1. यदि Reporting verb past tense में हो तो परिवर्तन निम्नानुसार होंगे -

Simple Present का Simple Past में परिवर्तन हो जाता हैं।
Direct - Ram Siad, I am ill
Indirect - Ram said, that he was ill.
Note - कॉमा हटाकर that लगाना है, I को He में बदला हैं क्योंकि बाहर परिवर्तन की क्रिया Said 3rd person (Ram) है :

Future Indefinite का Past indefinite में परिवर्तन हो जाता हैं

Direct - He said to me, You will fall ill this
Indirect - He told me that I fall ill that way
You will का 1st Person हो जाने से Past Indefinite में I should हो गया हैं ।
निकटता वाचक शब्द This that में बदल गया हैं ।

(c) Present continuous को Past Continuous में परिवर्तन हो जाता है ।
Direct - She said to me, I me going
Indirect - She told me that she was going.
Note - Siad का Object me होने से Said to told me में बदल गया ।
am going अर्थात् present continuous को क्रिया past tense में जाकर was going हो गया हैं ।
(d)Present Perfect का past perfect में परिवर्तन हो जाता है ।
Driect - I said to him, I have done my work.
Indirect - I told him that I had done my work.
Note - Said (Reporting verb) का Subject 1st person होने से indirect में I तथा my में परिवर्तन नहीं हुआ
Have done (Present Perfect) had done में (Past Perfect)
में बदल गया हैं ।
(E) Presemt Perfect Continuous से Past Continuous में परिवर्तन हो जाता हैं ।
Driect - - You Said to Ram, I have been stating with mohim for ten days.
Indirect- You told Ram that you had been staying with mohan for ten days.
Note- Have been staying अपने Past perfect continuous से had been staying में change हो गया हैं ।
Said का Subject you (2nd Person) होने से कॉयाज के भीतर का 1st person you में परिवर्तन (change) हो गया है।
(F) Past Indefinite से Past Perfect में Change हो जाता हैं ।
Direct - You Said to her, I was doing my work.
Indirect - You told her that you had been doing your work.
Note- Did(Past Indifinite) Had done (Past Perfect)में change हो गया हैं ।
Last Month (मिनट वाचन शब्द) The Month Before (दूरी वाचन) में बदला हैं ।
(G) Past Continuous से Past Perfect Continuous में Change ही जाता है

KOTHARI INSTITUTE

Direct - You said to her, I was doing my work.
Indirect - You told her that you had been doing your work.
Note - was doing (past continuous) had been doing
(Past Perfect Continuous) में बदल गया हैं ।
Said का subject you और Your में बदल गया हैं ।
Expection (धन्यवाद)- कार्य की पूर्णता पर Past Indefinite का Post perfect में change नहीं होता हैं ।
Direct - She said to sheela, I lived in Bombay for many years.
Indirect - She told sheela that she had lived in Bombay for may. year

Rule 2 - यदि Reporting verb present indifinite में हैं या future indifinite में हैं change निम्नानुसार होंगे
(A) Reporting Verb Present में है तो Reporting Speech का verb में change नहीं होगा ।
Direct - Ram Say, I am well
Indirect - Ram says (That) he is well.

(b) Reporting Verb Future में है तो Reporting Speech की verb में change नहीं होगा ।

Direct - He will says to me, I am going
Indirect - He will tell me (That) he is going.
Note - Reporting Verb Present या Future में हो तो Reported speech की verb में change नहीं होता ।
केवल सर्वनाम में परिवर्तन होता हैं ।
निकटता वाचक शब्द भी इस दशा में दूरी वाचन शब्दों में नहीं बदलते हैं ।

Imperative Sentences
Reporting Verb की क्रिया (said) को स्थिति के अनुसार, प्रार्थना हो तो - Requested, आज्ञा हो तो suggested: प्रस्ताव दिया गया है- Proposed आदि शब्दों का प्रयोग होता हैं ।
इनवरटेड कॉमाज हटाकर to nagative Sentence में not to लगा देते हैं ।
Example - Direct - He said to me, Shut the door
Indirect - He asked me to shut the door.
Note - Siad को asked मों बदला गया है: कॉमाज को हटाकर connective to लगा दिया है: शेष वाक्य अपने पहले रूप में ही है, उसमें कोई change नहीं हैं ।

Direct - Ram Said to her, u please come with me.
Indirect - Ram Asked her politely to go with him.
Note - Said Please के प्रभाव में आकर asked (her) politely में बदल गया हैं ।
Please - Politely में बदल कर गायब हो गया हैं ।
Come शब्द दूरी वाचक go में बदल गया हैं ।
सर्वनाम (Pronoun) me Room के लिये प्रयुक्त होने के कारण him में बदल गया हैं ।

Interrogative Sentences-
Reporting Verb को ask/inquire/questions में बदल देते हैं ।
इनवरटेड कॉमाज हटाकर आवश्यकतानुसार it/wheathere का प्रयोग करते हैं । यह प्रयोग के inverted question helping verb प्रधान वाचक प्रश्न (questions) sentences में होता हैं।
जिन sentences का प्रारंभ which, where, how, who, many, how much, what, etc, प्रश्नबोधक शब्दो ( ) सो होता है, उनमें if, wheather का प्रयोग नहीं होता
शेष परिवर्तन साधारण Sentence के Rules के अनुसार होते हैं।
Direct - He said to Ram, what is your name ?
Indirect - He asked Ram what his name was.
Notes - यहाँ said को general Questions होने के कारण asked में change कर दिया गया हैंप ।
कॉमाज हटाकर what को यथावत रखा sentence को साधारण sentence बना दिया गया हैं ।

Exclamatory Sentence
ऐसे sentenses में कॉमाज को हटाकर that लगा देते हैं ।
Reporting Verb को Pray. wish, exclaim etc. में आवश्यकतानुसार बदलते हैं ।
जो world exclamation हैं उन्हें हटा देते हैं ।
Sign of exclamation भी हटा दिया जाता हैं ।
Note - शेष सभी परिवर्तन General Rule के अनुसार होते हैं।
Examples -
Direct - Ram Said, What a fool have been ?
Indirect - Ram said that he had been a great fool.
Note - इसमें that लगाकर what विस्मयादि बोधक को लगाकर विस्मयादि बोधक चिह्न को भी हटा दिया गया है sentence को साधारण बना दिया गया है ।

KOTHARI INSTITUTE

QUESTIONS ASKED IN PREVIOUS EXAMS

(Jail Dept 2015)

Napoleon said. "God is always on the side of the strongest battalions. He is always on the side of the best prepared, the best trained, the most vigilant, the pluckiest and the most determined.

What does the word 'Pluckiest' mean?

- Courageous
- Cowardly
- Luckiest
- Timid

Correct Answer :-Courageous

DIRECTIONS: Out of the given options, choose the one which is the correct indirect speech of the sentence given below.

The famous actor said, "It gives me great pleasure to be here this evening."

1. The famous actor said that it gave him great pleasure to be here that evening.
2. The chief guest said that it gives him great pleasure to be here that evening.
3. The famous actor said that it gives him great pleasure to be there that evening.
4. The famous actor said that it gave him great pleasure to be there that evening.

Correct Answer : The famous actor said that it gave him great pleasure to be there that evening.

DIRECTIONS: Out of the given options, choose the one which is the correct indirect speech of the sentence given below.

Sarah said to her friend "Won't you help me to carry this box?"

1. Sarah asked her friend if she would not help her to carry that box.
2. Sarah asked her friend if she would not help her to carry this box.
3. Sarah asked her friend if she should not help her to carry this box.
4. Sarah asked her friend if she should not help her to carry that box.

Correct Answer : Sarah asked her friend if she would not help her to carry that box.

DIRECTIONS: Out of the given options, choose the one which is the correct indirect speech of the sentence given below.

Jacqueline said to the watchman, "Did you find the key anywhere?"

1. Jacqueline asked the watchman if he found the key anywhere.
2. Jacqueline asked the watchman if he has found the key anywhere.
3. Jacqueline asked the watchman if he have found the key anywhere.
4. Jacqueline asked the watchman if he had found the key anywhere.

Correct Answer : Jacqueline asked the watchman if he had found the key anywhere.

DIRECTION : Out of the given options, choose the one which is the correct indirect speech of the sentence given below.

The teacher said to the student, "Why are you working so hard"?

1. The teacher asked the student why he has been working so hard.
2. The teacher asked the student why is he working so hard.
3. The teacher asked the student why he had been working so hard.
4. The teacher asked the student why was he working so hard.

Correct Answer : The teacher asked the student why was he working so hard.

DIRECTION : Out of the given options, choose the one which is the correct indirect speech of the sentence given below.

Mother said to the children, "I have often told you not to play with fire."

KOTHARI INSTITUTE

1. Mother told the children that she has often told them not to play with fire.
2. Mother told the children that she had often been telling them not to play with fire.
3. Mother told the children that she had often told them not to play with fire.
4. Mother told the children that she have often told them not to play with fire.

CORRECT ANSWER : Mother told the children that she had often told them not to play with fire.

DIRECTION : Out of the given options, choose the one which is the correct indirect speech of the sentence given below.

Neeta asked Meena, "What did you see at the south pole"?

1. Neeta asked Meena what she saw at the South Pole.
2. Neeta asked Meena what she has seen at the South Pole.
3. Neeta asked Meena what she had seen at the South Pole.
4. Neeta asked Meena what did she see at the South Pole.

Correct Answer : Neeta asked Meena what she had seen at the South Pole.

DIRECTION : Out of the given options, choose the one which is the correct indirect speech of the sentence given below.

He said to me, "I was waiting for you".

1. He told me that he was waiting for me.
2. He told me that he have been waiting for me.
3. He told me that he has been waiting for me.
4. He told me that he had been waiting for me.

Correct Answer : He told me that he had been waiting for me.

DIRECTION : Out of the given options, choose the one which is the correct indirect speech of the sentence given below.

The boy said to the fruitseller, "Are all these mangoes sweet?"

1. The boy asked the fruitseller if all these mangoes are sweet.
2. The boy asked the fruitseller if all these mangoes were sweet.
3. The boy asked the fruitseller if all those mangoes were sweet.
4. The boy asked the fruitseller if all those mangoes had been sweet. Correct Answer : The boy asked the fruitseller if all those mangoes were sweet.

DIRECTION : Out of the given options, choose the one which is the correct indirect speech of the sentence given below.

Mother said, "Oh! It's a snake. Don't go near it, children."

1. Mother exclaimed with disgust that it is a snake and told the children not to go near it.
2. Mother exclaimed with disgust that it were a snake and told the children not to go near it.
3. Mother exclaimed with disgust that it was a snake and told the children not to go near it.
4. Mother exclaimed with disgust that it was being a snake and told the children not to go near it.

Correct Answer : Mother exclaimed with disgust that it was a snake and told the children not to go near it.

KOTHARI INSTITUTE

SUBJECT-VERB-AGREEMENT

- किसी भी Sentence में Subject के Number तथा Person के अनुसार Verb का प्रयोग Subject-Verb Agreement कहलाता है।

1. He (S.S.) comes (S.V.) (यदि Subject 'Singular' हो तो Verb Singular प्रयुक्त होता है।)
2. They (P.S.) comes (S.V.) (यदि Subject 'Plural' हो तो Verb Plural प्रयुक्त होता है।)

- Verb का सही रूप में प्रयोग करने के लिए यह आवश्यक है कि आप Singular व Plural Verb को पहचाने।

Singular Verb	Plural Verb	Singular Verb	Plural Verb
is	are	was	were
has	have	V_1+s/es (Plays, goest etc.)	V_1 (play, go etc.)

Verb एवं Noun के बीच का अंतर

Noun + s/es → Plural Noun

(Noun में s/es लगाने पर वह Plural बन जाता है)

Verb + s/es → Singular Verb

(Verb में s/es लगाने पर वह Singular बन जाती है।)

Rule 1

- अगर दो Sub. को 'and' से जोड़ा जाए तो Plural Verb का प्रयोग होगा। जैसे - (1) Ram and Shyam <u>are</u> coming. P.V.

Rule 2

- यदि दो या दो से अधिक Nouns या Adjectives को 'and' से जोड़ा जाए, लेकिन वे एक ही व्यक्ति, वस्तु या idea को प्रदर्शित करें तो Singular verb का प्रयोग होगा।

My friend, philosopher and guide have come. change 'have' to 'has')

Slow and steady win the race. (Change 'win' to 'wins')

Fish and chips is my favorite dish.(✓)

नोट : (i) यदि दो uncountable nouns 'and' से जुड़कर sentence के subject के रूप में प्रयुक्त हो तथा इससे अलग-अलग sub. का बोध हो, तो इसके साथ plural verb का प्रयोग होता है।

जैसे- Poverty (U.N.) and misery (U.N.) come together (P.V.) (✓)

Rule 3

- यदि दो sub को 'as well as', 'with', 'alongwith', 'together with', 'and not', 'In addition to', 'but', 'besides', 'except', 'rather than', 'accompanied by', 'like', 'unlike', 'no less than', 'nothing but' से जोड़ा जाए तो 'verb' पहले sub के अनुसार प्रयोग होना चाहिए।

जैसेः

(1) <u>Ram</u> as well as his parents <u>is</u> coming.
S.S. S.V.

(2) <u>The Captain</u> alongwith the sailors <u>was</u> drowned.
S.S. S.V.

(3) My father (S.S.) unlike my uncles is (S.V.) very strict.

Rule 4

अगर Article का प्रयोग सिर्फ 1st sub के पहले हो तो इसका अर्थ होगा एक ही व्यक्ति अथवा वस्तु। अतः singular verb का प्रयोग होगा, लेकिन अगर Article का प्रयोग सभी sub. के पहले हो तो उसका अर्थ होगा अलग-अलग व्यक्ति अथवा वस्तु। अतः plural verb का प्रयोग होगा।

नोटः-

1. A white and black gown was (S.V.) bought by her.
2. The director and the producer have (P.V.) come.

Rule 5

यदि दो subject को 'neither... nor', 'either... or', 'not only'... 'but also', 'nor', 'or', 'none-but' या 'not only... but also' से जोड़ा जाए तो verb नजदीक वाले sub के अनुसार होना चाहिए।

KOTHARI INSTITUTE

जैसेः

1. Neither Ram nor Shyam (P.V.) has (S.V.) come.
2. Either Ram or his friends (P.S.) have (P.V.) come.
3. has (S.S.) Ram (S.S.) or Shyam come?

Ram 6

- 'Naither of…' का अर्थ 'दो में से एक भी नहीं'। 'दो से अधिक' में से 'एक भी नहीं' के लिए 'none of' का प्रयोग करें। जैसे- Neither of his four sons looked after him. (x)
  None of his four sons looked after him (✓)
- 'Either of…' का अर्थ है 'दो में से एक।' 'दो से अधिक' में से 'एक' के लिए 'one of' का प्रयोग करें।
  जैसेः Either of the five members is at fault. (x)
  One of the five members is at fault. (✓)

नोटः 'Both' के साथ 'not' का प्रयोग नहीं होता, क्योंकि 'दो में से एक भी नहीं' के लिए 'neither of' का प्रयोग होता है।

जैसेः Both of them did not took the exam. (x)
Neither or them took the exam. (✓)

Rule 7

- कुछ 'Noun' form से Plural होते हैं, लेकिन अर्थ में Singular. इनके साथ singular Verb का प्रयोग करते हैं।

जैसे :

(a) बीमारियों का नाम : Measles, Mumps, Shingles etc.
(b) खेल का नाम : Billiards, Darts, Draughts, etc.
(c) देश का नाम : The United States, The West Indies, etc.
(d) पुस्तकों के नाम : The Arabian Nights, Three Muskeeters, etc.
(e) विषयों के नाम : Physics, Economics, Civics, Statistics, Politics, etc.

जैसेः 1. Mathematics is (S.V.) an interesting subject.
2. Politics is (S.V.) not my cup of tea.

नोट : यदि 'Statistics' से हमारा तात्पर्य 'data' हो, 'Mathematics' से हमारा तात्पर्य 'Calculation' हो और 'Politics' से हमारा तात्पर्य 'राजनीतिक विचारों' से हों, तो इनका प्रयोग बहुवचन के रूप में होगा।

जैसेः Statistics have (P.V.) revealed multiple scams in the organisation of Commonwealth Games.

Rules 8

- एक वाक्य में verb उस subject के अनुसार होना चाहिए, जो वाक्य का main subject हो। हम अक्सर verb को नजदीक वाले subject से match करते हैं, पर ऐसा करना गलत होता है।

जैसेः (1) The quality of apples is good.
(2) He and not his parents is guilty.
(3) The appeal of the victims for the transfer of the cases related to riots to some other States has been accepted.

Rule 9

- Collective Noun के साथ हमेशा Singular Verb का प्रयोग करें।

जैसेः (1) The herd (s.s.) of cows is (S.V.) grazing in the field.
(2) The committee (s.s.) has (s.v.) unanimously taken its (s.p) decision.

नोटः लेकिन अगर Collective noun में मतभेद हो या प्रत्येक व्यक्ति की बात की जाए, तो Plural verb एवं Plural Pronoun का प्रयोग करें।

जैसेः (1) The jury are (p.v.) divided in their (p.p.) opinion.
(2) The audience have (p.v.) taken their (p.p.) seats.

RULE 10

- Plural संख्या के साथ plural verb का प्रयोग होता है।

जैसेः Handred boys are (p.v.) in may class.

नोटः अगर Cardinal Adjectives (one, two, three, four… etc) के बाद Plural Noun का प्रयोग हो तथा Plural Noun से certain amount (निश्चित रकम) certain weight (निश्चित वजन), certain period (निश्चित अवधि), certain distance (निश्चित दूरी), certain height (निश्चित ऊँचाई) का बोध हो, तो इसके साथ singular verb का प्रयोग होता है न कि Plural Verb का। यानी अगर Plural संख्या को Singular unit के रूप में प्रयोग करें तो singular verb का प्रयोग होगा।

KOTHARI INSTITUTE

जैसेः 1. Hundred rupees $\underbrace{\text{is}}_{\text{S.V.}}$ in my pocket.

2. Ten miles $\underbrace{\text{is}}_{\text{S.V.}}$ a long distance to cover on foot.

नोटः लेकिन Cardinal Adjectives के बाद प्रयुक्त Plural Noun से अलग-अलग unit का बोध हो या कराना हो, तो इसे Plural माना जाता है तथा इसके साथ Plural verb का प्रयोग होता है।

जैसेः 1. Hundred rupees $\underbrace{\text{are}}_{\text{p.v.}}$ to be distributed among the students. (✓)

Note the difference-

- $\underbrace{\text{Five thousand}}_{\text{Numeral (Adj).}}$ $\underbrace{\text{rupees}}_{\text{P.N.}}$ $\underbrace{\text{is}}_{\text{S.V.}}$ a handsome amount.
- $\underbrace{\text{Five thousand}}_{\text{Numeral (Adj).}}$ $\underbrace{\text{rupees}}_{\text{P.N.}}$ $\underbrace{\text{have}}_{\text{p.v.}}$ been spent on different useful commodities.

Rule 11

- अगर एक Relative Pronoun (who, which, that इत्यादि) के द्वारा एक sub को एक verb से जोड़ा जाए, तो verb उस sub के अनुसार होना चाहिए जो उस Relative Pronoun का antecedent हो।

जैसेः 1. She is one of the noblest women $\underbrace{\text{that}}_{\text{R.P.}}$ $\underbrace{\text{has}}_{\text{have}}$ ever lived on this earth.

2. I am not one of those $\underbrace{\text{who}}_{\text{R.P.}}$ will trust every one whom I meet.
they meet

- हमेशा वाक्य के अर्थ को समझें। दूसरे वाक्य का अर्थ है 'वे लोग जो उन सभी पर भरोसा कर लेते हैं, जिन से वे मिलते हैं। ऐसे लोगों में मैं नहीं हूँ।' अतः 'I meet' नहीं 'They meet' का प्रयोग करें।

Rule 12

- Each, Every, Everyone, Someone, Somebody, Nobody, None, One, Any, Many a, More than one अर्थ से Singular है। इनके साथ Singular verb, Singular noun व Singular pronoun का प्रयोग होता है।

जैसेः 1. Each student has come.

2. Each boy and each girl has come.

3. One must tolerate one's friend as well as his
one's
enemy.

4. Many a student have not done their home work.
has his

5. More than one $\underbrace{\text{man}}_{\text{S.N.}}$ was present there.

नोटः Many का प्रयोग निम्नलिखित वाक्यों में देखें।

जैसेः 1. Many a $\underbrace{\text{man}}_{\text{S.N.}}$ has come

2. Many $\underbrace{\text{men}}_{\text{P.N.}}$ $\underbrace{\text{have}}_{\text{p.v.}}$ come

3. A great / A good many $\underbrace{\text{men}}_{\text{P.N.}}$ $\underbrace{\text{have}}_{\text{p.v.}}$ come.

- लेकिन अगर each, every, one इत्यादि के बाद 'of' का प्रयोग होता है, तो 'of' के बाद आने वाला Noun अथवा Pronoun तो Plural होता है, लेकिन उसके बाद आना वाला Verb, Pronoun इत्यादि Singular होगा।

जैसेः One of $\underbrace{\text{the boys/them}}_{\text{noun/pronoun prural}}$ $\underbrace{\text{has}}_{\text{S.V.}}$ done $\underbrace{\text{his}}_{\text{S.P.}}$ work.

नोटः Plural Noun या Plural Pronoun के बाद each का प्रयोग हो, तो इसे Plural माना जाता है तथा इसके साथ Plural Verb का प्रयोग होता है।

जैसेः 1. $\underbrace{\text{We}}_{\text{P.S.}}$ each $\underbrace{\text{have}}_{\text{p.v.}}$ a duty towards our nation.(✓)

2. Indefinite Pronoun- 'One' का प्रयोग Sentence के Subject के रूप में हो, तो इसके साथ Singular Verb का प्रयोग होता है तथा इसके लिए Singular Pronouns- one, one's, oneself का प्रयोग होता है न कि he, him, his, himself का।

जैसेः 1. One should keep his promise (x)

2. One should keep one's promise (✓)

Rule 13

- काल्पनिक वाक्य प्रायः if, as, if, as though, suppose, I wish अथवा would that से शुरू होते हैं। इन शब्दों के बाद चाहे किसी भी Number तथा Person के Subject का प्रयोग हो, Plural Verb 'were' का ही प्रयोग होता है न कि 'was' का।

जैसेः 1. I Wish, I were a bird.

2. If he were rich, he would help others.

KOTHARI INSTITUTE

Rule 14

- Optative Sentence में Singular Subject के साथ भी Plural Verb का प्रयोग होता है।

जैसेः 1. God (S.S.) save (p.v.) the king!

2. Long live (p.v.) the Queen (S.S.)

Rule 15

- A number of/ A large numbe of / A great number of/ Large number of का प्रयोग Plural Countable Noun के साथ होता है तथा इसके साथ Plural Verb का प्रयोग होता है।

जैसेः A number of student (P.S.) were (S.V.) present.(✓)

नोटः लेकिन The number of का प्रयोग एक निश्चित संख्या के अर्थ में होता है, इसके बाद Plural sub. का प्रयोग होता है तथा इसका प्रयोग Sentence के Subject के रूप में होने पर, इसके साथ Singular Verb का प्रयोग होता है।

जैसेः The number of boys (P.S.) are (p.v.) fifty. (x)

The number of boys (P.S.) is (S.V) fifty.(✓)

Rule 16

- अगर Amount of / quantity of Uncountable Noun के साथ प्रयोग होता है, तब इनका प्रयोग Sentence के subject के रूप में होने पर इनके साथ Singular Verb का प्रयोग होता है।

जैसेः 1. The amount of money (S.S.) are (p.v.) not sufficient.(x)

2. The amount of money (S.S.) is (S.V) not sufficient. (✓)

Rule 17

- All का प्रयोग uncountable के अर्थ में हो तो इसे Singular माना जाता है, तथा इसके साथ Singular Verb का प्रयोग होता है।

जैसेः All is (S.V) well that ends (S.V.) well.

- लेकिन All का प्रयोग व्यक्तियों या वस्तुओं की संख्या का बोध कराने के लिए हो, तो इसे Plural माना जाता है, तथा इसके साथ Plural verb के प्रयोग होता है।

जैसेः All are (p.v.) well at home. (✓)

Rule 18

- Furniture, advice, work, evidence, equipment, news, information, luggage, baggage, percentage, poetry, knowledge, dirt, dust, traffic, electricity, music, breakage, stationary, scenery, confectionery, pottery, bakery, crockery, behaviour का प्रयोग Uncountable Nouns के रूप में होता है। इसलिए इसके साथ Sinular Verb का प्रयोग होता है।

जैसेः 1. The scenery (S.N.) of Kasmir has (S.V.) enchanted us.

2. I passed but the percentage (S.N.) of marks was (S.V.) not good.

- अगर Principal Clause में imagine, think, believe या suppose का प्रयोग किया जाए और फिर किसी negative idea का उल्लेख हो तो principal cluause को ही negative में परिवर्तित कर दिया जाना चाहिए।

जैसेः I think, he will not recover. (x)
I don't think, he will recover. (✓)

Rule 1.

- कुछ Nouns का प्रयोग हमेशा Plural form में ही होता है। इन Nouns के अन्त में लगे s को हटाकर, इन्हें Singular नहीं बनाया जा सकता है। ये दिखने में भी Plural लगते हैं एवं इनका प्रयोग भी Plural की तरह होता है। ऐसे Nouns निम्न हैं:

Scissors, tongs (चिमटा), pliers, pincers, bellows (फूंकनी),
trousers, pants, pajamas, shorts,
gallows (फांसी का फंदा), fangs (डंक),
spectacles, goggles, binoculars (दूरबीन), eyeglassers
Alms (दान), amends (संशोधन), archives (ऐतिहासिक दस्तावेज), arrears, auspices, congratulations, embers (राख), fireworks, lodgines, outskirts, particulars, proceeds, regards, riches, remains, savings, shambles, surroundings, tidings, troops, tactics, thanks, valuables, wages, belongings, braces, etc.

जैसेः (a) Where are my **pants**?
(b) Where are the **tongs**?

KOTHARI INSTITUTE

(c) The **proceeds** were deposited in the bank.
(d) All his **assets** were seized.
(e) **Alms** were given to the beggars.
(f) The **embers** of the fire were still burnings.

Rule. 2

कुछ Nouns दिखने में Plural लगते हैं, लेकिन अर्थ में Singular होते हैं। इनका प्रयोग Singular में ही होता है

जैसेः News, Innings, Politics, Summons, Physics, Economics, Ethics, Mathematics, Mumps, Measles, Rickets, Shingles, Billiards, Athletics etc.

जैसेः (a) No news is good news.
(b) **Politics** is a dirty game.
(c) **Economics** is a dirty game.
(d) **Ethics** demands honesty.

Rule 3

- कुछ Nouns दिखने में Singular लगते हैं, लेकिन इनका प्रयोग हमेशा Plural में होता है। जैसेः cattle, cavalry, infantry, poultry, presantry, children, gentry, police, people etc. इनके साथ कभी भी 's' नहीं लगाया जाता। जैसेः cattles, childrens लिखना गलत है।

जैसेः (a) **Cattle** are grazing in the field.
(b) Our **infantry** have marched forward.
(c) **Police** have arrested the thieves.
'Pepple' का अर्थ है 'लोग'। **'Peoples'** का अर्थ है 'विभिन्न मूलवंश के लोग।'

Rule 4

- कुछ Nouns का प्रयोग, केवल Singular form में ही किया जाता है। ये Uncountable Nouns हैं। इनके साथ Article A/An का प्रयोग भी नहीं किया जाता है। जैसेः **Scenery, Poetry, Furniture, Advice, Information, Hair, Business, Mischief, Bread, Stationery, Crockery, Luggage, Baggage, Postage, Knowledge, Wastage, Money, Jewellery, Breakage, Equipment, Work, Evidence, Word (जब 'word' का अर्थ वाद, संदेश या परिचर्चा हो), Fuel** एवं **Paper.**

जैसेः (a) The **scenery** of Kashmir is very charming.
(b) I have no **information** about her residentce.
(c) the **mischief** committed by him is unpardonable.
(d) His **hair** is black.
(e) I have bought some **equipment** that I needed for the project.

(i) इन Nouns का बहुवचन नहीं बनाया जा सकता। जैसेः Sceneries, informations, furnitures, hairs इत्यादि लिखना गलत है।

(ii) यदि उक्त Noun का **Singular** या **Plural** दोनों forms में आवश्यकता हो, तो इनके साथ कुछ शब्द जोड़े जाते हैं। नीचे दिए गए उदाहरण देखेंः
(a) He game me **a piece of** information.
(b) **All pieces of** of information given by her were reliable.
(c) **Many kinds of** furniture are available in that shop.
(d) I want **a few articles of** jewellery.
(e) He ate **two slices of** bread.
(g) The Police have found **a strand of** hair in the car.

Rule 5

- कुछ Nouns, **Plural** एवं **Singular** दोनों में एक ही रूप में रहते हैं। जैसेः **dear, sheep, series, species, fish, crew, team, jury, aircraft, counsel** etc.

जैसेः (a) Our team is the best.
(b) Our team are trying their new uniform.
(c) There are two fish in the pond.
(d) There are many fishes in the aquarium. ('Fishes' का अर्थ है विभिन्न प्रजातियों के fish).

Rule 19

- नीचे दिए गए **Table** को ध्यान से पढ़े-

S.N.	WORDS	+ NOUN/ PRONOUN	VERB
1.	No	+ U.N.	Singular Verb
2.	No	+ S.C.N.	Singular Verb
3.	One third of/ three fourths of/ The rest of/ A quarter of/ Part of/ Ten percent of/ Twenty Percent of	+ U.N.	Singular Verb

KOTHARI INSTITUTE

4.	One third of/ three fourths of/ Part of/ Ten percent of/ Twenty percent of	+ P.C.N.	Plural Verb
5.	Most of/ Some/ Some of/ Half of/ Enough/ Enough of/ Not Enough of/ Plenty of/ A lot of/ Lost of	+ U.N.	Singular Verb
6.	Most of/ Some/ Some of/ Half of Enough/ Enough of/ Not Enough of/ Plenty of/ A lot of/ Lost of	+ P.C.N.	Plural Verb
7.	The percentage of	+ U.N./ P.C.N.	Singular Verb
8.	More than one	+ S.C.N.	Singular Verb
9.	More than two/ there etc.	+ P.C.N.	Plural Verb
10.	More	+P.C.N. + + than one	Plural verb

नीचे दिए गए उदाहरण देखें:

1. No air is present on the Mars.
2. No Student was interested in taking the exam.
3. One-third of the work has been finished.
4. One third of the students have passed.
5. Nenety percent of the work is done.
6. Most of the knowledge is gained by experience.
7. Most of the girls are absent today.
8. Ninety percent of the students have passed with good marks.
9. Half of the candidates have passed with flying colours.
10. Some of the students have not taken the exam.
11. The percentage of unsuccessful candidates is ten.
12. More than one city was in ruins.
13. More cities than one were in ruins.
14. More than two theives have been caught red handed.
15. More plans than one were made.

नोटः वाक्य 12 एवं 13 के बीच का अंतर देखें।

SPOTTING THE ERROR

1. (a) Neither of them /. (b) are going to attend / (c) the party on 10th October./ (d) No error
2. (a) He walked five miles which are really a great distance/ (b) for a man like him who is not only old but also ill./ (d) No error.
3. (a) Either my colleague/ (b) or a peon are coming home/ (c) with the material today./ (d) No error
4. (a) The rise and fall/ (b) of the tide are due/ (c) to lunar influence./ (d) No error.
5. (a) Many a man/ (b) have succumed / (c) to this temptation. / (d) No error
6. (a) The introduction of tea and coffee (b) and such other beverages / (c) have not been without some effect. / (d) No error
7. (a) The newer type of automatic machines/ (b) wash/ (c) the clothes faster./ (d) No error
8. (a) Each of the students in the computer class/ (b) has to type/ (c) their own research paper this semester / (d) No error
9. (a) Everyone of the films/ (b) you suggested/ (c) are not worth seeing. / (d) No error
10. (a) The Secretary and Principal of the college / (b) are attending / (c) the District Development Council Meeting at the Collectorate. / (d) No error
11. (a) There is/ (b) only one of his novels / (c) that are intersting. / (d) No error
12. (a) Knowledge of / (b) at least two languages / (c) are required to pass the examination. / (d) No error.
13. (a) It is I / (b) who is to blame/ (c) for this bad situation (d) No error.
14. (a) Romansticism of melancholy / (b) in art and literature are the reason / (c) for insensitivity to those suffering from depression. / (d) Ne error.

KOTHARI INSTITUTE

15. Patience as well as per severance (b) are necessary / (c) for success. / (d) No error.
16. (a) In Singapore / (b) my brother-in-law with his wife / (c) were present at the function. (d) No error
17. (a) A hot and / (b) a cold spring / (c) was found near each other / (d) No error.
18. (a) Either of the roads / (b) Lead / (c) to the park /
(d) No error
19. (a) One of my desires / (b) are to become /
(c) a doctor. / (d) No error
20. (a) The whole block of flats / (b) including two shops were / (c) destroyed in fire. / (d) No error.
21. (a) The sum and substance / (b) of his poem /
(c) are as follows. / (d) No error
22. (a) Neither of the / (b) five accused / (c) could be convicted / (d) No error.
23. (a) The strain of all / (b) the difficulties, vexations and anxieties / (c) were more than he could beat / (d) No error.
24. (a) Everybody / (b) it must be admitted / (c) has their ups and downs / (d) No error.
25. (a) Every woman in the world / (b) fervently hopes that their child (c) wiil be a normal and healthy baby / (d) No error.
26. (a) Neither of them / (b) sent their papers /
(c) in time for the last seminal (d) No error.
27. (a) This is a strange world / (b) where each one pursues their own golden bubble / (c) and laughs at others for doing the same. / (d) No error.
28. (a) If it were possible to get near when / (b) one of the volcanic eruptions take place / (c) we should see a grand sight. / (d) Ne error.
29. (a) A rise in rents and wages / (b) have been found/ (c) to go together / (d) No error
30. (a) He is one of those few post-colonial writer who believes / (b) that this talk about colonialism has gone too far / (c) and has turned into a cliche. /
(d) No error.
31. (a) One of the peculiarities / (b) which distinguishes the present age / (c) is the multiplication of books / (d) No error.
32. (a) Neither of them / (b) are going to attend /
(c) the party on 10th October / (d) No error.
33. (a) Ten miles are / (b) a long distance / (c) to cover on foot./ (d) No error.
34. (a) If Mahatma Gandhi/ (b) was alive, he would feel sorry for the poor and downtrodden who /
(c) still struggle everyday to make both ends meet/ (d) No error
35. (a) Having acquired some experience / (b) she is no longer one of those who believes / (c) every explanation they are given. / (d) No error.
36. (a) With regard to implementation of the / (b) details of the proposal the committee was divided / (c) in their opinion / (d) No error.
37. (a) Most of the funds / (b) wer get from / (c) Ameria is used to build roads and bridges. / (d) No error.
38. (a) The tiger was not / (b) the only dangerous animal / (c) in the forest there was hyenas too /
(d) No error
39. (a) She immediately quit / (b) the job in which / (c) neither skill nor knowledge were required /
(d) No error.
40. (a) The type of qualities you acquire / (b) depend upon your company / (c) and so you associate your selves with simple and good natured people. (d) No error.
41. (a) Our success or our failure / (b) largely depend/ (c) upon our actions. / (d) No error.
42. (a) He is / (b) one of the tallest by / (c) in the class./
(d) No error.
43. (a) That day when they brought her back for the last time / (b) there was many old - timers (c) who were shocked and fearful. / (d) No error.
44. (a) A computer virus works exactly / (b) like the biological variety / (c) which invade the human body / No error.
45. (a) Many a boy / (b) have not done their / (c) homework properly / (d) No error.

KOTHARI INSTITUTE

46. (a) Two miles beyond / (b) that building was seen dozens / (c) of antisocial elements / (d) No error.

47. (a) Along the northern frontier /
(b) of india is seen/ (c) the beautiful and mighty Himalayas/ (d) No error

48. (a) A body of volunteers / (b) have helped in /
(c) and I really do not know how to solve them
(d) No error.

49. (a) There appears / (b) a number of problems
(c) and I really do not know how to solve them
(d) No error.

50. (a) Shingles are a disease / (b) in which a person develops / (c) lots of inflamed spots round the waist/ (d) No error.

51. (a) Whether she sould get married / (b) or whether she should remain / (c) single are her personal problem. / (d) No error.

52. (a) Two and two / (b) makes / (c) four/ (d) No error.

53. (a) Many a men / (b) attended the meeting /
(c) last night / (d) No error.

54. (a) The perquisites / (b) to this job makes it /
(c) even more attractive than the salary indicated / (d) No error.

55. (a) Either you / (b) or he / (c) are happy /
(d) No error

Answers with explanation

1. (b) के स्थान पर 'is' का प्रयोग करें। 'Neither of' के बाद आने वाले 'noun/ prooun' तो plural होता है। (अतः 'them (pl pronoun)' तक का वाक्य तो सही है) लेकिन उसके बाद आने वाले verb इत्यादि singular होना चाहिए

2. (a) इस वाक्य में 'five miles' plural होने के बावजूद singular unit के रूप में प्रयुक्त हुआ है। अतः five miles के साथ singular verb 'is' का प्रयोग होगा न कि 'are' का

3. (b) 'are' को 'is' में परिवर्तित करें। जब दो subjects को either .... or neither.... nor 'or' अथवा 'nor' से जोड़ा जाए तो verb निकटतम 'sub' के अनुसार प्रयोग होगा। Peon (S.S.) के साथ S.V. 'is' का प्रयोग करें।

4. (b) 'The rise and fall' एक singular subject है जिसके साथ singular verb 'is' का प्रयोग करें।

5. (b) 'Many a' singular pronoun है। इसके साथ noun, verb व pronoun के singular form प्रयुक्त होंगे। have (P.V.) के (S.V.) में परिवर्तित करें।

6. (c) एक वाक्य में 'verb' उस वाक्य के मुख्य 'sub' के अनुसार प्रयोग किया जाना चाहिए। मुख्य sub introduction singular है। अतः verb भी singular होगा। यहाँ 'has' का प्रयोग होगा न कि 'have' का।

7. (b) verb मुख्य sub 'newer type' के अनुसार प्रयोग होगा। verb singular होगा यानी 'washes' का प्रयोग होगा।

8. (c) 'Each of...' के बाद आने वाले verb एवं pronoun singular होगा। अतः 'their' के बदले 'has' का प्रयोग करें।

9. (c) verb मुख्य sub 'everyone' के अनुसार प्रयोग होगा। 'Everyone' singular है। अतः singular verb 'is' का प्रयोग करें।

10. (b) यहाँ 'the' का प्रयोग सिर्फ 'Secretary' के पहले हुआ है। इसका अर्थ है कि एक ही व्यक्ति को Secretary एवं Principal दोनों का पद प्राप्त है। चूँकि 'sub' singular है। अतः verb भी singular 'is' होगा।

11. (c) 'Are' के स्थान पर 'is' का प्रयोग करें, क्योंकि 'Novels' में से 'one' का बात की जा रही है। 'One' singular sub है। अतः Verb भी Singular होगा।

12. (c) यहाँ languages मुख्य sub नहीं है, बल्कि 'knowledge' मुख्य sub है। अगर knowledge के अनुसार verb का प्रयोग किया जाता है, तो verb 'are' नहीं 'is' होगा।

13. (b) 'is' के स्थान पर 'am' का प्रयोग करें। यदि who, which तथा that का प्रयोग Relative Pronouns के रूप में हो तो इनके बाद प्रयुक्त verb इनके antecedents के number व person पर निर्भर करता है।

14. (b) Verb 'is' का प्रयोग 'are' के स्थान पर होगा, क्योंकि मुख्य sub 'Romansticism' है, जो singular sub है।

15. (b) जब दो subjects को 'as well as' से जोड़ा जाता है, तब verb 1st subject के अनुसार प्रयुक्त होता है। 'Patience' singular subject है। अतः verb 'are' नहीं 'is' (s.v.) का प्रयोग करें।

16. (c) Were के स्थान पर 'was' का प्रयोग करें। जब दो subject को 'with' के द्वारा जोड़ा जाता है, तो verb पहले sub के अनुसार प्रयुक्त होता है। 'Brother-in-law' singular subject है। अतः verb भी singular प्रयुक्त होगा।

KOTHARI INSTITUTE

17.(c) 'was' के स्थान पर 'were' का प्रयोग करें। अगर दो subject को and से जोड़ा जाए और दोनों sub के पहले 'article' का प्रयोग हो, तो इसका अर्थ होगा अलग-अलग sub। अतः Plural verb का प्रयोग होगा।

18.(b) 'Either of…' के बाद आने वाला noun / pronoun तो plural होता है, लेकिन उसके पश्चात आने वाला verb pronoun singular होती है।

Either of the roads / them leads to the park

Plural Plural Singular

Noun Pronoun Verb

19.(b) 'one of…' के बाद भी उसी नियम का पालन करें, जो 'Either of….' पर लागू होता है।

(प्रश्न 20 की व्याख्या देखें)

यही नियम neither of…, none of…, any of……, everyone of…., each of …..इत्यादि पर भी लागू होता है।

20.(b) 'were' को 'was' में परिवर्तित करें। यहाँ मुख्य sub 'shops' नहीं है, बल्कि block हैं। हम अक्सर verb को नजदीकी sub से match कर देते हैं, जो गलत है। verb के उस sub से match करना चाहिए, जो वाक्य का मुख्य sub हो।

Block was

20. (c) 'The sum and substance' का अर्थ है 'सारांश'। अतः verb 'are' नहीं 'is' का प्रयोग करें। अगर दो या दो से अधिक subject को 'and' से जोड़ा जाए, लेकिन उनका तात्पर्य एक ही व्यक्ति, वस्तु अथवा भाव से हो तो verb भी singular form में होगा।

22. (a) 'Neither of' के स्थान पर 'none of' का प्रयोग करें। 'neither of' का प्रयोग 'दो में से एक भी नहीं' के संदर्भ में होता है।

23. (a) 'were' के स्थान पर 'was' का प्रयोग करें। 'Strain' singular है। अतः verb भी singular होगा।

24. (c) Everbody singular sub है। अतः singular pronoun 'his' का प्रयोग करें।

25. (b) 'Their' के स्थान पर 'her' का प्रयोग करें। 'Every woman' singular subject है। अतः pronoun भी singular होगा।

26. (b) 'Neither of P.N./ P.P….' के बाद verb/ pronoun इत्यादि singular होगा। 'their' का प्रयोग करें।

27. (b) 'Each one' के साथ 'his' का प्रयोग करें।

28. (b) 'One of…' के साथ singular verb का प्रयोग करें। 'Take' के बदले 'takes' का प्रयोग होता, परन्तु वाक्य Past Tense में है। अतः 'took' का प्रयोग करें।

29.(b) Verb 'have' (plural verb) के स्थान पर 'has' (singular verb) का प्रयोग करें।

30. (a) 'One of…' के साथ Plural noun 'writers' का प्रयोग करें।

31. (b) 'Which' का antecedent 'perculiarities' है जो Plural noun है। अतः which के बाद आने वाला verb plural होगा। Distinguishes' को 'distinguish' में परिवर्तित करें।

32.(b) 'Neither of…' के साथ singular verb 'is' का प्रयोग करें न कि 'are' का।

33. (a) 'Ten miles' एक Plural संख्या है। जिसका प्रयोग singular unit के रूप में हो रहा है। अतः singular verb 'is' का प्रयोग होगा।

34. (b) If के साथ 'was' का प्रयोग कभी नहीं होता। 'were' का प्रयोग करें।

35. (b) 'Those' relative pronoun 'who' का antecedent है। who के बाद आने वाला verb those (Pl. sub) के अनुकूल होगा। Believes (S.V.) के स्थान पर believe (P.V.) का प्रयोग करें।

36. (b) Was the के स्थान पर Plural verb 'were' का प्रयोग करें, क्योंकि committee में मतभेद है।

37. (b) 'is' के स्थान पर 'are' का प्रयोग होगा, क्योंकि मुख्य sub 'funds' plural noun है।

38. (c) 'Hyenas' plural noun है। अतः Plural verb 'were' का प्रयोग 'Hyenas' के पहले करें।

39.(c) जब दो subjects को 'Neither… Nor' से जोड़ा जाता है, तो verb नजदीकी sub के अनुसार प्रयोग होता है। अतः 'were' नहीं 'was' का प्रयोग करें।

40.(b) The type, (singular sub) के अनुसार verb 'depends' (singular verb) का प्रयोग होना चाहिए।

41. (b) अगर दो sub को 'or' से जोड़ा जाए तो verb nearest sub के अनुसार प्रयुक्त होना चाहिए। 'failure' के अनुसार verb 'depends' होना चाहिए।

42. (b) 'One of…' के साथ noun plural होता है। Boys का प्रयोग करें।

43. (b) Many old timers के साथ plural verb were' का प्रयोग होगा। There के बाद 'was' नहीं were का प्रयोग करें।

44. (c) Which का antecedent 'veriety' (Singular noun) है। इसके साथ singular verb 'invades' का प्रयोग करें।

•••••••••

KOTHARI INSTITUTE

FILL IN THE BLANKS

Fill in the Blanks with the correct word.

(i) Ross quest occupied many years of hard work.
The meaning of quest is .....
(A) Search (B) Experience (C) Research (D) Enquiry
Ans. (C)

(ii) He is not a regular Visitor. He visits .....
(A) Frequently (B) Often (C) Occasionally (D) Timely
Ans. (C)

(iii) ..... all his efforts, the Doctor could not save the man.
(A) instead of (B) Inspite of (C) in search of (D) in place of
Ans. (B)

(iv) Then the auctioner..... a beautiful picture for sale.
(A) Put on (B) Put out (C) Put down (D) Put up
Ans. (D)

(v) Porcupines have the distinction of being the largest European .....
(A) Hasty (B) animals (C) insects (D) cattle
Ans. (B)

(vi) Monkey are able to move quickly. They are very.....
(A) hasty (B) agile (C) Prompt (D) repid
Ans. (B)

(vii) Your handwriting is ..... No one can read it.
(A) illegible (B) invisible (C) inadible (D) illegal
Ans. (A)

Fill in the Blanks choosing the appropriate phrase from those given below.

1) No one could believe that such a ..... creature like rabbit did so much damage.
(A) timid (B) dangerous (C) Strong (D) wonderful
Ans. (A)

2) The world War I ..... in 1914.
(A) broke into (B) broke out (C) broke up (D) broke in
Ans. (C)

3) Knowledge can be .....from generation to generation.
(A) Handed out (B) Handed on (C) Handed off (D) Handed away
Ans. (B)

4) The nearest meaning given to word congenial.
(A) Friendly (B) Confusing (C) Crowded (D) agreement
Ans. (.....)

5) The most indibitable respect for which ideas have helped manking in number.
(A) That cannot be believed (B) That cannot be Discussed
(C) That cannot be doubted (D) That cannot be Challenged
Ans. (C)

KOTHARI INSTITUTE

Fill in the blanks with correct alternatives

1. Please do not eat those mangoes as they are not .....
   (A) Eatable (B) Edible

Ans. - (B)

2. The jug broke because it was .....
   (A) a weak (B) tender (C) Fragile (D) instable

Ans. - (C)

3. I Cannot ..... What he means.
   (A) Make up (B) Make out (C) Make about (D) make for

Ans. - (A)

4. Thieves ..... the house mostly at night.
   (A) break down (B) break off (C) break into (D) break with

Ans. - (C)

Fill in the Blanks choosing the appropriate word from those given below :

1. Ram has ..... all hopes of his passing.
   (A) given out (B) given up (C) given off (D) given away
2. Man has less agility as campared with monkeys.....
   (A) ability to move quickly (B) ability to understand quickly (C) ability fo listen quickly

Ans. - (A)

3. Iam working hard..... the examination.
   (A) to get through (B) to get on (C) to ge up (D) to get over

Ans. - (A)

Fill in the blanks choosing the appropriate word from these given below.

1. Even a human cabbage could see that watch was four minutes slow and the regulator must be pushed up little.
   (A) a wise person (B) a brave person (C) a timid person (D) a stupid person.

Ans. - (D)

2. All the players were excited when the crisis was desperate but the captain remained imperturbable
   (A) Calm (B) Angry (C) Puzzled (D) Nervous

Ans. - (A)

3. Brindabans ideas of comfort were moving him away from the spiritua to material. so he began to depart from high and rarefied standard beloved by his father.
   (A) Pure (B) Clean (C) dirty (D) impure

Ans. - (A)

4. Big things..... small ones.
   (A) grow into (B) grown on (C) grow from (D) grow at

Ans. - (C)

KOTHARI INSTITUTE